कॉफ़ी बोर्ड, बेंगलूरु

Coffee Board, Bengaluru

84वीं वार्षिक रिपोर्ट

84th ANNUAL REPORT

2023-24

WORLD COFFEE CONFERENCE & EXPO 2023
BENGALURU

विषय-वस्तु

	अध्याय	पृष्ठ सं.
	2023 - 24 एक परिदृश्य	1
I	कार्यकारी सारांश	6
II	बोर्ड का गठन एवं कार्य	13
III	प्रशासन एवं स्थापना	17
III (क)	दिव्यांग कर्मियों का विवरण	25
IV	कॉफ़ी अनुसंधान	26
V	विस्तार एवं विकास	38
VI	बाज़ार विकास एवं संसाधन हेतु समर्थन	48
VII	निर्यात प्रोन्नयन	52
VIII	बाज़ार अनुसंधान एवं आसूचना	66
IX	लेखा एवं वित्त	70

प्रस्तुत रिपोर्ट मूलत: अंग्रेज़ी में लिखित वार्षिक रिपोर्ट का हिंदी अनुवाद है।
यदि इस रिपोर्ट में कोई विसंगति परिलक्षित होती है, तो अंग्रेज़ी में लिखित रिपोर्ट मान्य होगा।

2023-24 एक परिदृश्य

वर्ष 2023-2024 की कॉफ़ी बोर्ड की 84वीं वार्षिक रिपोर्ट सौंपते हुए हमें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

कॉफ़ी व्यापक रूप से एक उष्णकटिबंधीय व्यापारिक उत्पाद है। लगभग 25 मिलियन तक किसान परिवार कॉफ़ी कृषि कार्य पर निर्भर हैं। विकासशील देशों में उत्पादन केंद्रित किया गया है, जो कॉफ़ी निर्यात आय का बड़ा हिस्सा बन कर किसान परिवारों के लिए आजीविका का प्रमुख स्रोत बन जाते हैं। सबसे बड़े कॉफ़ी उत्पादक देश ब्राज़ील (39%) और वियतनाम (17%) हैं, जो वैश्विक कॉफ़ी उत्पादन की लगभग 56% हिस्सेदारी है। वैश्विक कॉफ़ी उत्पादन में लगभग 3.50% हिस्सेदारी भारत की है जो विश्व में कॉफ़ी का 7वां सबसे बड़ा उत्पादक है। उत्पादक देशों के लिए कॉफ़ी, मुख्य रूप से निर्यातोन्मुख वस्तु है। विश्व में कॉफ़ी का 5वां सबसे बड़ा निर्यातक भारत है, जिसकी वैश्विक कॉफ़ी निर्यात में हिस्सेदारी लगभग 5.20% है।

विश्व में सर्वाधिक पिए जाने वाले पेय पदार्थों में से कॉफ़ी एक है। हर दिन लगभग 3 बिलियन लोग कॉफ़ी का आनंद लेते हैं। यूरोपीय संघ (27%), संयुक्त राज्य अमेरिका (17%) वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े उपभोक्ता और आयातक बाजार हैं, जो वैश्विक कॉफ़ी उपभोग का करीब 43% की हिस्सेदारी रखते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारत भले अग्रणी न हो, किन्तु भारत विश्व में सर्वश्रेष्ठ कॉफ़ी का उत्पादन करता है। भारतीय उच्च गुणवत्ता वाली कॉफ़ी ने अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में उच्च प्रीमियम की अर्जन सहित अपने लिए एक विशिष्ट स्थान स्थापित किया है, विशेष रूप से रोबस्टा कॉफ़ी, जिसे अच्छी मिश्रण गुणवत्ता के लिए अत्यधिक पसंद की जाती है।

वैश्विक कॉफ़ी उत्पादन और उपभोग

अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन के अनुसार, कॉफ़ी वर्ष 2023-24 के लिए वैश्विक उत्पादन 178 मिलियन बैग्स होने का अनुमान है, जो 2022-23 के 168 मिलियन बैग्स से 5.9% अधिक है। कॉफ़ी वर्ष 2023-24 के लिए वैश्विक उपभोग 177 मिलियन बैग्स होने का अनुमान है, जो कॉफ़ी वर्ष 2022-23 के 173 मिलियन बैग्स के स्तर से 2.3% अधिक है।

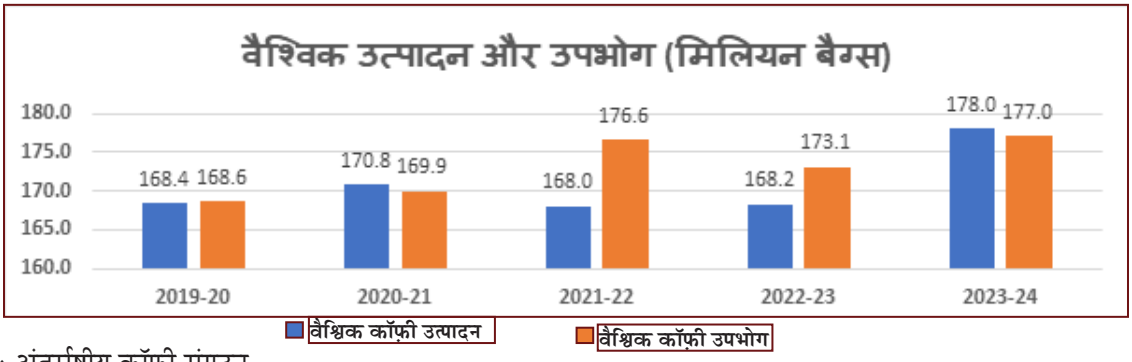

स्रोत: अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन

अंतर्राष्ट्रीय मूल्य

कॉफ़ी के मूल्य, इंटरनेशलन कमोडिटी एक्सचेंजों जैसे, अरेबिका के लिए इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज (आईसीई), न्यूयॉर्क और रोबस्टा के लिए आईसीई, यूरोप के मूल्यों से अधिक प्रभावित होते हैं। अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन (आईसीओ), लंदन ने प्रत्यक्ष व्यापार के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय मंच पर आईसीओ सम्मिश्र संकेतक मूल्यों की घोषणा करता है। कॉफ़ी का मूल्य मुख्य रूप से वैश्विक आपूर्ति, मांग और स्टॉक में उतार-चढ़ाव जैसे प्रमुख कारकों द्वारा निर्धारित किया जाता

है। कॉफ़ी फ्यूचर्स बाजारों में विनिमय दरों के उतार-चढ़ाव और व्यापारिक गतिविधियों जैसे अप्रधान कारक मूल्य अस्थिरता को बढ़ा सकते हैं। यह जानकर खुशी होती है कि वर्ष 2023-24 के दौरान रोबस्टा कॉफ़ी (भारत के कॉफ़ी उत्पादन का 70% से अधिक हिस्से वाली) के मूल्यों में वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गयी। आईसीओ के अनुसार, वर्ष 2022-23 के दौरान 181.61 यूएस सेन्ट्स/पौंड के वार्षिक औसत सम्मिश्र संकेतक मूल्य की तुलना में वर्ष 2023-24 में वार्षिक औसत आईसीओ सम्मिश्र संकेतक मूल्य 7.06% घटकर 168.79 यूएस सेन्ट्स/पौंड हो गया।

अरेबिका के अन्य मृदु (इस श्रेणी में भारतीय अरेबिका को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में वर्गीकृत किया जाता है) के मूल्यों में कमी दिखाई दी। वर्ष के दौरान, अन्य मृदु के आईसीओ संकेतक मूल्य 183.52 यूएस सेन्ट्स/पौंड से लेकर 229.56 यूएस सेन्ट्स/पौंड तक रहे, जिसका औसत 202.77 यूएस सेन्ट्स/पौंड रहा, जो पिछले वर्ष (2022-23) के औसत मूल्य 242.86 यूएस सेन्ट्स/पौंड से लगभग 16.51% कम है। जबकि, इसी अवधि के दौरान रोबस्टा के मूल्य 115.70 यूएस सेन्ट्स/पौंड से लेकर 165.84 यूएस सेन्ट्स/पौंड तक रहे, जिसका औसत 132.55 यूएस सेन्ट्स/पौंड रहा, जो पिछले वर्ष के मूल्य (102.35 यूएस सेन्ट्स/पौंड) से लगभग 29.50% अधिक है।

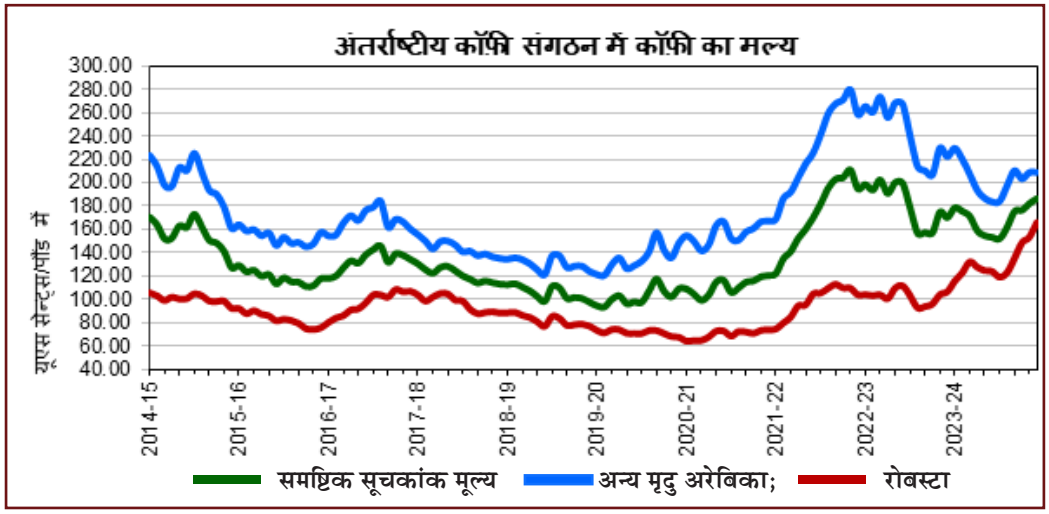

भारतीय परिदृश्य

वर्ष 2023 के दौरान, गृष्म ऋतु में मौसम शुष्क और तापमान उच्च रहा। पुष्पण और समर्थन फुहार देर से होने के बावजूद पारंपरिक क्षेत्रों के कॉफ़ी उपजाने वाले सभी प्रदेशों में अधिक प्रभाव नहीं पड़ा। इसके बाद की अवधि में मौजूदा सामान्य मौसम की स्थिति ने कॉफ़ी बागानों में नए पौधों का रोपण और मृदा में पर्याप्त नमीयता बनाए रखने में सहायता की। जहाँ भी उपजकर्ताओं के पास ऊपरी सिंचाई की सुविधा थी, उन्होंने रोबस्टा के फसल लग जाने के लिए पुष्पण और समर्थन सिंचाई की। दक्षिण-पश्चिम मानसून जून 2023 के पहले पखवाड़े में रिमझिम बरसात के साथ दस्तक दी। जुलाई में बादल घुमड कर बरसे ज़बकि सितंबर महीने के दौरान रुक-रुक कर वर्षा हुई। पारंपरिक क्षेत्रों में वर्ष 2022 के मानसून अवधि की तुलना में वर्तमान मानसून अवधि में वर्षा प्राय: 30% कम है। हालांकि, जुलाई महीने में वर्षा ने तालाब, जलधारा और बोरवेल भराव में मदद की। कुल मिलाकर, मानसून ने मृदा की नमीयता और

वानस्पतिक वृद्धि में मदद की। रिपोर्टिंग वर्ष में कोई भी फसल हानि, बाढ़ और भूस्खलन का उल्लेख नहीं है ।

अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े में उत्तर-पूर्वी मानसून का प्रवेश हुआ। मध्यम से तेज़ हवा के साथ पूरे मौसम सक्रिय रहा। इसके अलावा, दिसम्बर के महीने में हुई वर्षा से कॉफ़ी की कटाई और प्रसंस्करण को बाधा पहुँची, कुछ हद तक गुणवत्ता भी प्रभावित हुई। कुल मिलाकर, वर्ष 2023-24 के दौरान मौसमी परिस्थितियाँ पौधों और फसल के सामान्य स्वास्थ्य और ओज के लिए अनुकूल थीं।

उत्पादन और निर्यात

अरेबिका के 1,00,000 मीट्रिक टन और रोबस्टा के 2,52,000 मीट्रिक टन को शामिल कर पिछले वर्ष (2022-23) की 3,52,000 मीट्रिक टन उत्पादन की तुलना में वर्ष 2023-2024 में 2.41% की वृद्धि के साथ कॉफ़ी का अंतिम उत्पादन 3,60,500 मीट्रिक टन प्राक्कलित किया गया है, जो उल्लेखनीय उत्पादन है जिसमें अरेबिका के 1,01,500 मीट्रिक टन और रोबस्टा के 2,59,000 मीट्रिक टन को शामिल किया गया है।

वर्ष 2023-24 के दौरान, 1,10,367 मीट्रिक टन पुनर्निर्यात कॉफ़ी सहित 3,83,653 मीट्रिक टन कॉफ़ी के निर्यात के लिए 10,380 करोड़ रुपये (1,254 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर है) मूल्य के निर्यात परमिट जारी किए गए। इसमें प्रति मीट्रिक टन के लिए इकाई मूल्य प्राप्ति 2,70,557 रुपये है जो प्रति मीट्रिक टन के लिए 3,269 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर है। वर्ष 2022-23 के दौरान, (98,057 मीट्रिक टन पुनर्निर्यात सहित) 3,96,386 मीट्रिक टन कॉफ़ी के निर्यात के लिए 8,985 करोड़ रुपये (1,120 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर है) मूल्य के निर्यात परमिट जारी किए गए। इसमें प्रति मीट्रिक टन के लिए इकाई मूल्य प्राप्ति 2,99,301 रुपये है जो प्रति मीट्रिक टन के लिए 2,826 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर है।

पिछले वर्ष में 118 देशों को जारी किए गए निर्यात परमिट की तुलना में वर्ष 2023-24 के दौरान, 113 देशों को कॉफ़ी के निर्यात के लिए निर्यात परमिट जारी किए गए जिनमें से इटली, जर्मनी, रूसी संघ, संयुक्त अरब अमीरात और बेल्जियम पांच अग्रणी आयातक देश थे।

घरेलू मूल्य

कॉफ़ी के घरेलू बाजार भारतीय कॉफ़ी व्यापारी संघ (आईसीटीए) द्वारा संचालित नीलामी में प्रचलित मूल्यों के अनुसार, अरेबिका (प्लान्टेशन ए') का औसत मूल्य पिछले वर्ष रु.399/कि.ग्रा. की तुलना में 9.94% घट कर रिपोर्टाधीन वर्ष में औसत मूल्य ₹359/कि.ग्रा. के साथ रु.267/कि.ग्रा. से रु.401/कि.ग्रा. तक के श्रेणी में रहा जबकि रोबस्टा (चेरी 'एबी') का औसत मूल्य पिछले वर्ष ₹185/कि.ग्रा. की तुलना में 39.56% बढ़ कर रिपोर्टाधीन वर्ष में औसत मूल्य ₹258/कि.ग्रा.के साथ ₹239/कि.ग्रा. से ₹304/कि.ग्रा. तक के श्रेणी में रहा।

नीलामी मूल्य - आईसीटीए (बेंगलूरु) में प्राप्त औसत मूल्य (₹/कि.ग्रा.)

वित्त वर्ष	2019-20	2020-2021	2021-22	2022-23	2023-24
प्लान्टेशन 'ए'	236	282	352	399	359
रोबस्टा चेरी 'एबी'	139	131	147	185	258

घरेलू उपभोग

वर्ष 2000 के बाद घरेलू कॉफ़ी के उपभोग में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई है। परंपरागत रूप से, कॉफ़ी का सेवन मुख्य रूप से दक्षिण भारतीय राज्यों में किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों में, कॉफ़ी एक पारंपरिक पेय से बदलकर युवाओं में अत्यधिक लोकप्रिय व शौकिन पेय चलन बन गई है। राष्ट्रीय स्तर पर इसे कई रूपों व खुदरा रूपों में सेवन किया जाता है। बड़ी संख्या में कॉफ़ी-बार और कैफ़े खुलने के कारण, उपभोक्ताओं में कॉफ़ी की चलन महसूस होने लगी है और कॉफ़ी की लोकप्रियता बढ़ने लगी है। साथ ही, सामाजिक और सामाजिक परिवेशों में पेय के रूप में कॉफ़ी की ओर रुचि बढ़ी है। भारत में कैफ़े की सफलता का मुख्य कारण जनसंख्या विस्फोट, बढ़ते शहरीकरण और अधिक प्रयोज्य आय स्तर है। घरेलू कॉफ़ी उपभोग का अनुमान लगाने के लिए, कॉफ़ी बोर्ड ने कॉफ़ी मूल्य श्रृंखला के सभी हितधारकों की एक समिति गठित कर वर्ष 2023 के दौरान एक प्रतिष्ठित बाज़ार अनुसंधान एजेंसी मेसर्स क्रिसिल को अध्ययन कार्य सौंपा। अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2023 में घरेलू कॉफ़ी उपभोग 91,000 मीट्रिक टन होगी।

निर्यात प्रोन्नयन

निर्यात प्रोन्नयन के लिए वर्ष 2023-24 के दौरान, कॉफ़ी बोर्ड ने हितधारकों के साथ इटली, ऑस्ट्रेलिया, रूस, दक्षिण कोरिया और संयुक्त अरब अमीरात जैसे प्रमुख कॉफ़ी आयातक देशों में पांच प्रतिष्ठित खाद्य और पेय पदार्थ विशिष्ट कार्यक्रमों में भाग लिया। इसके अलावा, भारतीय कॉफ़ीस पर कॉफ़ी स्वादन सत्र, आभासी कॉफ़ी उत्सवों में भागीदारी और आभासी क्रेता-विक्रेता बैठकें जैसे प्रोन्नयन कार्यक्रमों की आयोजन द्वारा कॉफ़ी बोर्ड ने आयातक देशों में भारतीय कॉफ़ी को बढ़ावा देने हेतु विदेशों में भारतीय मिशनों के सहयोग देने का व्यवस्थित प्रयास किया। सभी विदेशी कार्यक्रमों में कॉफ़ी बोर्ड ने भारतीय कॉफ़ी निर्यातकों और स्पेशाल्टी कॉफ़ी उपजकर्ताओं की बड़े पैमाने पर भागीदारी के लिए प्रयास किया। इसके अलावा, भारतीय कॉफ़ी के प्रचार को बढ़ावा देने के लिए, कॉफ़ी बोर्ड ने सभी विदेशी आयोजनों में वीआईपी और गणमान्य व्यक्तियों को उपहार के रूप में उच्च गुणता वाली जीआई और अन्य क्षेत्रीय स्पेशाल्टी कॉफ़ी युक्त कॉर्पोरेट उपहार बॉक्स पेश किए और प्रमुख आयातक देशों में भारतीय मिशनों के माध्यम से प्रचार किया। कॉफ़ी बोर्ड ने अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी के समक्ष भारतीय कॉफ़ी की विशिष्टता दर्शाने के लिए जी20 आयोजनों में कॉफ़ी अनुभव क्षेत्र भी स्थापित किया।

कॉफ़ी बोर्ड ने भारत सरकार द्वारा निर्धारित कॉफ़ी निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विभिन्न हितधारकों के मुद्दों के समाधान हेतु कॉफ़ी निर्यातकों और निर्यातक संघ/स्पेशाल्टी कॉफ़ी संघ और संबंधित विभागों के साथ बैठकें आयोजित की। इसके अलावा, कॉफ़ी बोर्ड ने समुचित हस्तक्षेप और समर्थन के लिए मंत्रालय और संबंधित विभागों के साथ बैठकों के दौरान कॉफ़ी निर्यातकों द्वारा उठाए गए सभी प्रासंगिक मुद्दों पर चर्चा की।

कॉफ़ी अनुसंधान

कॉफ़ी बोर्ड के अनुसंधान विभाग ने वर्ष 2023-24 के दौरान 'संधारणीय कॉफ़ी उत्पादन और प्रौद्योगिकी के अंतरण के लिए अनुसंधान एवं विकास' कार्यक्रम के अंतर्गत कई अनुसंधान कार्यक्रम क्रियान्वित किया है। अनुसंधान परियोजनाओं को चेट्टल्ली (कोडगु, कर्नाटक), चुंडेल (वायनाड, केरल), तांडिगुडी (पलनीस तमिलनाडु), आर.वी.नगर (अल्लुरी सीतारामराजु जिला, आन्ध्र प्रदेश) और दीफू (कर्बी आंगलांग जिला, असम), पादप ऊतक संवर्धन व जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (मैसूरु) तथा कॉफ़ी गुणता मूल्यांकन प्रभाग (बेंगलूरु) में स्थित केन्द्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान (सीसीआरआई) के अनुसंधान केन्द्रों व प्रभागों के नेटवर्क के जरिए क्रियान्वित किए गए।

परियोजनाओं को मेसर्स नेस्ले आर एण्ड डी फ्रांस और वर्ल्ड कॉफ़ी रिसर्च, यूएसए जैसे अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों और कृषि

विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलूरु, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयम्बत्तूर, राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (एनबीपीजीआर), नई दिल्ली और पीपीवी और एफआरए प्राधिकरण, नई दिल्ली जैसे राष्ट्रीय संस्थानों के सहयोग से भी कार्यान्वित किया गया है। सीसीआरआई के पास जैन इरिगेशन सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, जलगांव, महाराष्ट्र जैसे निजी उद्यमियों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रम भी हैं।

कॉफ़ी बोर्ड के कार्यक्रम

वर्ष के दौरान, कॉफ़ी बोर्ड ने मध्यमावधि ढांचे में "एकीकृत कॉफ़ी विकास परियोजना" योजना का कार्यान्वयन जारी रखा जिसमें अनुसंधान एवं विकास, प्रौद्योगिकी का अंतरण, क्षमता निर्माण कार्यक्रम, हितधारकों को विकास सहायता जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में कॉफ़ी के लिए विकास सहायता, गैर-पारंपरिक क्षेत्रों (एनटीए) में कॉफ़ी के लिए विकास सहायता, पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में कॉफ़ी के लिए विकास सहायता, श्रमिकों के बच्चों को कल्याण सहायता, निर्यात प्रोन्नयन और कॉफ़ी के उत्पादन, उत्पादकता, गुणवत्ता में सुधार और समग्र मूल्य प्राप्ति में वृद्धि के लिए मूल्य संवर्धन हेतु सहायता जैसे प्रमुख गतिविधियों को शामिल किया गया है।

नई पहल

- कॉफ़ी बोर्ड ने कॉफ़ी क्षेत्र के हितधारकों को एकल मंच पर सभी सेवाएं, उत्पाद और सूचना प्रदान करने हेतु वन स्टॉप मोबाइल ऐप 'इंडिया कॉफ़ी ऐप' विकसित किया है।
- कॉफ़ी बोर्ड ने कॉफ़ी बोर्ड मुख्यालय में ई-ऑफिस कार्यान्वित किया है।
- कॉफ़ी बोर्ड ने वनों की कटाई से यूरोपिय संघ निर्वनीकरण-मुक्त विनियमन (ईयूडीआर) के प्रभावों की जांच करने और ईयूडीआर का अनुपालन करने हेतु व्यावहारिक समाधान सुझाने के लिए भारतीय बागान प्रबंधन संस्थान (आईआईपीएम) को अध्ययन कार्य सौंपा है। कॉफ़ी बोर्ड ने वनों की कटाई से मुक्त कॉफ़ी मूल्य श्रृंखला सुनिश्चित करने के लिए उत्पाद ट्रेसेबिलिटी के साथ-साथ कॉफ़ी एस्टेट सीमाओं के जीपीएस निर्देशांक का उपयोग करके बहुभुज/भौगोलिक स्थानों का पता लगाने के लिए "इण्डिया कॉफ़ी ऐप" में प्रणाली विकसित करने पर कार्य आरंभ कर दिया है।
- कॉफ़ी बोर्ड ने कॉफ़ी मूल्य श्रृंखला के सभी हितधारकों को शामिल करते हुए समिति गठित करके वर्ष 2023 के दौरान एक प्रतिष्ठित बाजार अनुसंधान एजेंसी मेसर्स क्रिसिल को अध्ययन का कार्य सौंपा है। अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2023 में घरेलू कॉफ़ी का उपभोग 91,000 मीट्रिक टन होगी।
- कॉफ़ी बोर्ड ने सितम्बर 2023 के महीने में "चक्रिय अर्थव्यवस्था और पुनर्योजी कृषि के माध्यम से स्थिरता" विषय के साथ 5वें विश्व कॉफ़ी सम्मेलन-2023 का आयोजन किया, जिसमें 2,609 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें से 323 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि, 253 प्रदर्शनी प्रदर्शक, 17,000 से अधिक व्यापारिक आगंतुक, 347 बी2बी बैठकें शामिल थीं।

दिसंबर, 2024
बेंगलूरु

डॉ. के. जी. जगदीश, भा.प्र.से.
मु. का. अ. एवं सचिव, कॉफ़ी बोर्ड

*****

अध्याय - I

कार्यकारी सारांश

उत्पादन

- पिछले वर्ष (2022-23) में 3,52,000 मीट्रिक टन का उत्पादन था जिसमें अरेबिका का 1,00000 मीट्रिक टन और रोबस्टा का 2,52,000 मीट्रिक टन शामिल था जिसकी तुलना में वर्ष 2023-24 के दौरान 2.41% रिकार्ड दर की वृद्धि के साथ अंतिम आकलन 3,60,500 मीट्रिक टन रखा गया है जिसमें अरेबिका का 1,01,500 मीट्रिक टन और रोबस्टा का 2,59,000 मीट्रिक टन को शामिल किया गया है।
- कॉफ़ी का कुल रोपित क्षेत्र लगभग 4.90 लाख हेक्टेयर था, जिसमें से कुल फलन क्षेत्र लगभग 4.43 लाख हेक्टेयर था।
- देश में लगभग 4.41 लाख हेक्टेयर कॉफ़ी जोत है जिनमें से लगभग 4.38 छोटी जोत है, जिनका जोत विस्तार 10 हेक्टेयर से कम है, जो कुल जोत का 99% है।

निर्यात

- वर्ष 2023-24 में कॉफ़ी बोर्ड द्वारा जारी निर्यात परमिट के अनुसार, 44,582 मीट्रिक टन अरेबिका, 1,91,141 मीट्रिक टन का रोबस्टा, 1,47,481 मीट्रिक टन के इंस्टैंट कॉफ़ी, 447 मीट्रिक टन के भुने कॉफ़ी बीन्स और भुने व पिसे कॉफ़ी शामिल कर कुल 3,83,653 कॉफ़ी (जिसमें 1,10,367 मीट्रिक टन पुनर्नियातित कॉफ़ी भी शामिल) जिसका मूल्य 10,380 करोड़ रुपए, जिसका मूल्य 1,254 यूएस $ मिलियन के समतुल्य था, को 113 देशों में निर्यातित किया गया।
- इटली, जर्मनी, रुसी संघ, संयुक्त अरब अमीरात और बेल्जियम भारतीय कॉफ़ी के अग्रणी पाँच निर्यात गंतव्य हैं। वर्ष 2023-24 के दौरान निर्यातित सभी प्रकार की कॉफ़ी का समष्टिक इकाई मूल्य प्रति टन के लिए ₹2,70,557 था।
- इस वर्ष में कॉफ़ी बोर्ड के पंजीकृत निर्यातकों की कुल संख्या 2,265 है, (वर्ष 2023-24 में 231 नए पंजीकरण और 123 नवीनीकरण को शामिल कर) जो पिछले वर्ष 1,911 थी।
- पिछले वर्ष के दौरान जारी किए गए 12,470 निर्यात परमिटों की तुलना में वर्तमान वर्ष में 12,984 (10,376 भारतीय मूल की कॉफ़ी और 2608 पुनर्नियातित कॉफ़ी को शामिल कर) निर्यात परमिट और अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन (आईसीओ) का मूल प्रमाण पत्र, कुल 308 पंजीकृत कॉफ़ी निर्यातकों को जारी किया गया।

अनुसंधान

- चंद्रगिरी में कॉफ़ी के सफेद तना छेदक (सीडब्ल्यूएसबी) विशेषक के प्रति सह्यता लाने के लिए, एस.4595 और चंद्रगिरी (अरेबिका के आशाजनक किस्म) के बीच प्रत्यक्ष और पारस्परिक प्रसंकर कर पौदों को उत्पन्न किया गया।
- सफेद तना छेदक (डब्ल्यूएसबी) के सह्य वंशक्रम (एस.4595) के मूल्यांकन के तहत, 27 स्थानों पर ऊतक संवर्धन पौधों का मूल्यांकन किया गया। पौधों में वानस्पतिक ओज और डब्ल्यूएसबी का ग्रसन को समय-समय पर निगरानी की जा रही है।
- लक्षण-विशिष्ट रोबस्टा की कृंतकीय किस्मों के विकास के प्रति, पाँच चरणों (2019-2024) में कूर्ग, चिक्कमगलूरु और वायनाड क्षेत्रों के 100 एस्टेटों में से 476 सर्वोत्कृष्ट

मातृ पौधों की पहचान की गई। प्रथम चरण में 106 पौधों का चयन किया गया, संकर संगतता, उपज, गुणवत्ता के आधार पर 15 प्रत्याशित रोबस्टा मातृ पौधों की लघुसूची बनाई गई।

- विश्व कॉफ़ी अनुसंधान के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक परियोजना के तहत परीक्षण की जा रही 28 अरेबिका किस्मों में से, ईसी-16 और कैटिगुआ एमजी-2 ने कॉफ़ी पर्ण किट्ट के प्रति उच्च क्षेत्र सह्यता प्रदर्शित की। आईएमएलवीटी परीक्षण में ईसी-16 की उपज और कप गुणवत्ता अन्य सार्चिमोर व्युत्पन्नों के बराबर पाई गई।
- 12,328.25 किलोग्राम अरेबिका, 3,379.5 किलोग्राम रोबस्टा और विभिन्न पेड़ कॉफ़ी जातियों से 90.5 किलोग्राम बीजों को शामिल कर कुल 15,798.25 किलोग्राम बीज कॉफ़ी तैयार की गई, जिन्हें कॉफ़ी उपजकर्ताओं में वितरित किया गया।
- कुल 52,970 जड़ित कृंतकों को 357 कॉफ़ी उपजकर्ताओं में वितरित किए गए।
- "लक्षण-विशिष्ट रोबस्टा की कृंतकीय किस्मों के विकास" के तहत 11 लक्षण-विशिष्ट रोबस्टा मातृ पौधों में सफल रुप से कायिक भ्रूणजनन उत्प्रेरित किया गया।
- सीडब्ल्यूएसबी की भिन्न रूप से अभिव्यक्त जीनों की पहचान में लुप्तांगता व्यवकलनी संकरण (एसएसएच) पहुँच के माध्यम से सीडब्ल्यूएसबी संक्रमण के दौरान भिन्न रूप से अभिव्यक्त जीनों की पहचान की गई थी। आगे इन जीनों के गतिशीलता को पहचाना गया और नियंत्रण में पाया गया और पौधों में इनका उपचार किया गया।
- 11 जीनों की अनुक्रम परिवर्तनशीलता का अध्ययन किया गया। इन जीन-विशिष्ट प्रथमकों की पीसीआर प्रवर्धन स्थितियों को अनुकूलित किया गया और सभी जीनों को 14 कॉफ़ी जीनप्ररूपों के संजीनीय डीएनए नमूनों से प्रवर्धित किए गए। इन जीनों का अभिव्यक्ति विश्लेषण कार्य चल रहा है।
- बहु-स्थानीय क्षेत्र परीक्षण में अरेबिका और रोबस्टा कॉफ़ी पर **क्रॉपटेक** एन24 एन20, बेन्सल्फ सुपरफास्ट और पुष्पण विशेष मिश्रण छिड़काने से उपज में 10.5% की वृद्धि हुई।
- अरेबिका और रोबस्टा में, एकमात्र आरडीएफ की तुलना में पर्णीय छिड़काव के जरिए अमोनियम पॉलीबोरेट (500 ग्राम प्रति एकड़ की दर से) के छिड़काव से उपज में 10% की वृद्धि हुई है।
- मृदा, पर्ण, कृषि रसायन विश्लेषण एवं परामर्श सेवाओं के अंतर्गत 4109 कॉफ़ी लाभार्थियों से प्राप्त कुल 9,918 मृदा, 16 पर्ण और 792 कृषि रसायन नमूनों का विश्लेषण किया गया और रिपोर्ट भेजी गईं।
- कुल 69 ऑन-स्पॉट मोबाइल मृदा परीक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें लगभग 1,991 कॉफ़ी उपजकर्ताओं ने भाग लिया। कुल 3,477 मृदा नमूनों का पीएच के लिए विश्लेषण किया गया और ऑन-स्पॉट सिफारिश की गई।
- सूखा संवेदनशील रोबस्टा कृष्य किस्मों को विकसित करने के लिए कलम बांधने की विधि (ग्राफ्टिंग) के अध्ययन से एसएलएन.9/एस.274, एस.3399/एस.274 और एसएलएन.5बी/एस.274 ने पैतृक वंशक्रम की तुलना में अधिक कार्यिकीय पाया गया।
- सूखा सुधारक छिड़काव के साथ कैल्सीकेयर (एक वाणिज्यिक स्वामित्व सूत्रीकरण) का छिड़काव करने पर अरेबिका और रोबस्टा दोनों कॉफ़ी के उपज में क्रमश: 12.18% और 9.52% की वृद्धि हुई।

- आंतरिक अभिसूत्रण पोषक के क्षेत्र मूल्यांकन में यह पाया गया कि नियंत्रण ब्लॉक की तुलना में आंतरिक अभिसूत्रण पोषक छिड़काए ब्लॉक में 15.4% की उपज वृद्धि देखी गई।
- कॉफ़ी पर्ण किट्ट (सीएलआर) की प्रजाति, विभेदक/ किट्ट प्रजातियों के पौधों को क्षेत्रीय कॉफ़ी अनुसंधान क्षेत्र (आरसीआरएस) तांडिगुडी, तमिलनाडु में अनुरक्षित की जा रही है।
- अरेबिका किस्म में कॉफ़ी पर्ण किट्ट (सीएलआर) रोग प्रबंधन की दिशा में नए कवकनाशकों की खोज में यह पाया गया कि, हेक्साकोनाज़ोल 75% डब्ल्यूजी + फ्लक्सापायरोक्सैड 167 ग्राम/लीटर + पाइराक्लोस्ट्रोबिन 333 ग्राम / लीटर एससी, का मिश्रण अनुशंसित कावकनाश हेक्साकोनाज़ोल 0.5% ईसी के समकक्ष था।
- अरेबिका किस्मों में पर्ण किट्ट रोगों के प्रबंधन में क्यूप्रोफिक्स की परीक्षण (कॉपर सल्फेट 47.15% + मैन्कोजेब 30% डब्ल्यूडीजी) में की गई सांद्रताओं में से 6.25 ग्राम/लीटर की दर वाली सांद्रता में न्यूनतम रोग आपतन दर्ज की गई जो मानक बोर्डो मिश्रण के सांख्यिकीय रूप से बराबर थी।
- दक्षिण भारत के विभिन्न कॉफ़ी क्षेत्रों में कॉफ़ी राइजोस्फीयर मृदा से पृथक किए गए बैसिलस के 50 संवर्धन, स्यूडोमोनास के 42 संवर्धन और ट्राइकोडर्मा के 22 संवर्धन को संग्रहित किए गए।
- मृदा जनित कॉफ़ी के रोगों के प्रबंधन के लिए कुल 490 किलोग्राम जैव नियंत्रण कारक (ट्राइकोडर्मा हरजियानम प्रारंभक संवर्धन) को 14 रोपणकर्ताओं को आपूर्ति की गई ।
- राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड से "कॉफ़ी के उत्पादन और गुणवत्ता सुधार पर मधुमक्खियों के प्रभाव" विषयक परियोजना के तहत, वर्ष 2023-24 के पुष्पण अवधि में अरेबिका और रोबस्टा में सबसे अधिक बार प्रवेश करने वाली मधुमक्खी के बारे में अध्ययन में यह पाया गया कि एपिस सेराना और टेट्रागोनुला ट्रावनकोरिका सबसे अधिक बार प्रवेश करने वाले थे।
- कॉफ़ी सफेद तना छेदक (सीडब्ल्यूएसबी) के प्रबंधन के लिए कर्नाटक में 8 रोपणकर्ताओं को प्रलोभन सहित कुल 450 क्रॉस वेन फेरोमोन जाल की आपूर्ति की गई।
- सीबीबी के प्रबंधन के लिए प्रलोभन सहित 34,899 ब्रोका जाल और 1419.5 लीटर के केवल प्रलोभन, एसएचबी के प्रबंधन के लिए प्रलोभन सहित 14,775 जाइकॉम जाल और 95 लीटर के केवल जाइकॉम प्रलोभन को कुल 744 उपजकर्ताओं में आपूर्ति की गई।
- कॉफ़ी बेरी बोरर (सीबीबी) के प्रबंधन के लिए कर्नाटक और तमिलनाडु के 9 उपजकर्ताओं को कुल 281 किलोग्राम ब्यूवेरिया बासियाना की आपूर्ति की गई।
- मिलीबग ग्रसन के प्रबंधन के लिए पारि-अनुकूल उपाय के रूप में केरल और कर्नाटक के 27 उपजकर्ताओं को 64,500 पारजीव्याभों (लैप्टोमैटिक्स डेक्टिलोपी) की आपूर्ति की गई।
- बहु स्थानीय क्षेत्रों में तीन सौर सुरंग ड्रायर (एसटीडी) लगाए गए थे, जिनमें से एक केंद्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान (सीसीआरआई) और दूसरा कर्नाटक राज्य के मूडिगेरे और सकलेशपुरा क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र (टीईसी) में रखा गया था। बहु-स्थानीय परिणामों ने संकेत दिया कि पारंपरिक धूप में कॉफ़ी को सुखाने की तुलना में एसटीडी का उपयोग करने से सुखाने के दिनों को 40% से 50% तक कम किया जा सकता है। एसटीडी में सुखाए गए नमूनों की कप गुणता ने, धूप में सुखाने और एसटीडी में सुखाने के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं दिखाया गया।

- बायोचार का (चेरी भूसी और पार्चमेंट भूसी से निर्मित कार्बन युक्त पदार्थ) पौधों की वृद्धि, पोषक तत्वों का ग्रहण, मुदा में जल धारण क्षमता और कॉफ़ी के नर्सरी में उत्पन्न विभिन्न रोगों के आपतन कम करने पर सकारात्मक प्रभाव है।
- कॉफ़ी उगाने वाले विभिन्न क्षेत्रों से संग्रहित मृदा स्तर के नमूनों के मानचित्रण ने संकेत दिया कि चार पौधों के बीच में से संग्रहित मृदा की तुलना में ड्रिप-सर्किल-ज़ोन से संग्रहित मृदा नमूनों का पीएच/(बैक्टिरिया/कवक/एक्टिनामाइसेट्स) मृदा अभिक्रिया अधिक आम्लीय पाई गई।
- विभन्न पारिस्थितिकी तंत्र (अरेबिका/रोबस्टा/जंगल/धान) से संग्रहित मृदा के नमूनों के सूक्ष्मजीवी मानचित्रण (बैक्टिरिया/कवक/एक्टिनामाइसेट्स) से पता चला कि अरेबिका पारिस्थितिकी तंत्र से एक्टिनोमाइसेट्स और फॉस्फेट विलयकारी की संख्या उच्च थी, जबकि धान परिस्थितिकी तंत्र में बैक्टिरिया और नाइट्रोजन फिक्सर की संख्या अधिक उपयोग पायी गयी। रोबस्टा परिस्थितिकी तंत्र में कवक की उच्च संख्या पायी गयी।
- कॉफ़ी बोर्ड ने सीसीआरआई में कॉफ़ी क्वालिटी इंस्टीट्यूट (सीक्यूआई, यूएसए) के साथ संयुक्त रुप से दिनांक 12 से 17 फरवरी 2024 तक "रोबस्टा (क्यूपी-2) का क्यू-प्रोसेसिंग" नामक एक अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में चौबीस प्रशिक्षुओं (कॉफ़ी बोर्ड से अठारह और कॉफ़ी उद्योग से छह हितधारक) ने भाग लिया और गुणता कॉफ़ी संसाधक की योजना प्राप्त किया। इसके अलावा, सीक्यूआई द्वारा क्यू-प्रोसेसिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सीसीआरआई को एक अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है।

एआईसी-सीसीआरआई-सीईडी, कॉफ़ी बोर्ड

एआईसी-सीसीआरआई-सीईडी (अटल इनक्यूबेशन सेंटर -केन्द्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान - उद्यमिता विकास केंद्र) कॉफ़ी बोर्ड, बेंगलूरु स्थित मुख्यालय में स्थापित प्रौद्योगिकी व्यवसाय प्रशिक्षण केंद्र है, जो कॉफ़ी क्षेत्र में स्टार्टअप्स को समर्थन देने और विकसित करने के लिए केन्द्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान (सीसीआरआई) और अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) के सहयोग से स्थापित किया गया है।

2023-24 के दौरान उद्यमशीलता विकास के साथ-साथ क्षमता निर्माण कार्यक्रम को आयोजित किए गए, जैसे कि वार्त्तारम्भा, विक्रयम, आरोहण, कैफे कॉन्सेप्टर, आदि।

5वां विश्व कॉफ़ी सम्मेलन

विश्व कॉफ़ी सम्मेलन (डब्ल्यूसीसी) का यह 5वाँ संस्करण बेंगलूरु 25-28 सितंबर, 2023 तक "चक्रिया अर्थव्यवस्था और पुनर्योजी कृषि के माध्यम से स्थिरता" विषय के तहत अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन (आईसीओ) के सहयोग से आयोजित किया गया था। यह पहली बार था जब भारत में ऐसा ऐतिहासिक आयोजन हुआ। सम्मेलन में विभिन्न विषयों पर 11 विषयगत सत्र आयोजित किए गए और भारत तथा विदेशों से आए वक्ताओं तथा पैनलिस्टों को कॉफ़ी के संपूर्ण परिदृश्य पर समृद्ध चर्चा में भाग लेने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। साथ ही, सम्मेलन के दौरान तकनीकी कार्यशालाएं, उत्पादक सम्मेलन, प्रतियोगिताएं तथा विश्व कॉफ़ी एक्सपो का आयोजन किया गया। इसके अलावा, कार्यक्रम के दौरान 347 बिजनेस टू बिजनेस (बी2बी) बैठकें आयोजित की गईं।

विस्तार एवं विकास

क. परंपरागत क्षेत्र

- विस्तार कर्मियों ने 1,185 क्षेत्रीय निदर्शन किए, कॉफ़ी कृषि के विभिन्न पहलुओं पर उपजकर्ताओं को शिक्षित

करने के लिए प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक/सोशल मीडिया के माध्यम से, 1,090 सलाह जारी की गई, 150 ग्राम स्तरीय बैठकें, कॉफ़ी कृषि पर 59 प्रशिक्षण कार्यक्रम, 13 एक्सपोज़र दौरे, 14 व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम और 11 संगोष्ठियाँ आयोजित की गईं।

- रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, विस्तार इकाईयों ने पुनर्रोपण के लिए 1,370 लाभार्थियों को सहायता प्रदान की जिससे 853.39 हेक्टेयर क्षेत्र लाभान्वित हुआ, 4,329 जल आवर्धन इकाइयों से 3,968 लाभार्थियों को सहायता प्रदान की जिससे 8,224.62 हेक्टेयर को लाभ पहुँचा और 766 इकाइयों के 712 लाभार्थियों को गुणता उन्नयन इकाइयों के सहायता प्रदान की जिससे 614.73 हेक्टेयर को लाभ पहुँचा।

ख. गैर पारंपरागत क्षेत्र

- विस्तार कर्मियों ने जनजातीय कॉफ़ी उपजकर्ताओं को लाभ पहुंचाने हेतु 1180 पद्धति निदर्शन, 39 एक्सपोज़र दौरे, 190 ग्राम स्तरीय कार्यशाला और 25 गुणता उन्नयन कार्यक्रम और 30 क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए।
- कॉफ़ी विस्तारण के तहत 6,823.90 हेक्टेयर और कॉफ़ी समेकन के तहत 5,199.60 हेक्टेयर से क्रमशः 15,609 तथा 12,871 लाभार्थी लाभान्वित हुए। कॉफ़ी गुणता सुधारने के उद्देश्य से 1,395 सीमेंट ड्रैइंग यार्ड का निर्माण और 144 बेबी पल्पर इकाइयों की खरीद के लिए समर्थन बढ़ाया गया।

ग. उत्तर पूर्वी क्षेत्र

- विस्तार कर्मियों ने कॉफ़ी कृषि के विभिन्न पहलुओं पर कॉफ़ी उपजकर्ताओं को शिक्षित करने हेतु 2,616 क्षेत्र निदर्शन, 236 समूह बैठकें, 64 प्रक्षेत्रगत प्रशिक्षण कार्यक्रम और 31 गुणता जागरुकता अभियान चलाए गए।
- 447.15 हेक्टेयर के कॉफ़ी विस्तार और समेकन के तहत, 154 ड्रैइंग यार्डों का निर्माण हेतु, 116 जल आवर्धन इकाइयों को और 11 समूह नर्सरियों को समर्थन दिया गया।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम

कापी शास्त्र प्रशिक्षण कार्यक्रम: एक अनूठा कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य, उन लागों को सीखने का एक बड़ा अवसर प्रदान करना है जो कॉफ़ी के शौकीन हैं और उन व्यक्तियों को जो कॉफ़ी के व्यवसाय में इच्छुक हैं। इस कार्यक्रम को मुख्यालय, बेंगलूरु और भारत के विभिन्न शहरों में भी आयोजित किया जाता है। सामान्य तौर पर, पाँच दिनों की अवधि के लिए कार्यक्रम आयोजित किया जाता है जिसमें कॉफ़ी पर एवं भारत की कॉफियों के बारे में आधारिक परिचय, भूनने की प्रौद्योगिकि, ब्रूईंग एवं उसके विभिन्न तरीके, कॉफ़ी की खुदरा बिक्री, कॉफ़ी पैकेजिंग और कॉफ़ी की गुणता और मूल्यांकन शामिल है। कार्यक्रम में भुनाई इकाइयों के दौरे सहित सैद्धांतिक और प्रायोगिक दोनों सत्र शामिल हैं।

वर्ष 2023-24 के दौरान, मुख्य कार्यालय, बेंगलूरु में कॉफ़ी भूनने और ब्रूईंग तकनीक पर तीन कापी शास्त्र प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससें 65 प्रतिभागियों को लाभ हुआ।

बरिस्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम: कॉफ़ी बोर्ड, कॉफ़ी बनाने और कैफे प्रबंधन में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के लिए अपने बरिस्ता कौशल को बेहतर बनाने के लिए एक बेहतरीन शिक्षण मंच प्रस्तुत करता है। वर्ष 2023-24 के दौरान, देश के विभिन्न हिस्सों में ग्यारह बरिस्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जैसे कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, ओड़िशा, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, गुजरात और गोवा, जिसमें 124 प्रतिभागी लाभान्वित हुए।

कॉफ़ी गुणता प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम

वर्ष 2022-23 में प्रवेश लिए 15 विद्यार्थियों के बैच ने अपने

दूसरे त्रैमासिक सत्र को पूर्ण किया। वर्ष 2023-24 में प्रवेश प्राप्त 15 विद्यार्थी अपनी पहली त्रैमासिक सत्र केंद्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान, बालेहोन्नूरु में अध्ययनरत हैं।

नो योर कापी (केवाईके) - स्पेशल कप कॉफ़ी गुणता मूल्यांकन कार्यक्रम

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उपजकर्ताओं को उनकी कॉफ़ी की गुणता की बारीकियों को समझने और उस पर गहराई से विचार करने में मदद करना है।

बाज़ार अनुसंधान एवं आसूचना

- विश्व व्यापार संघ (डब्ल्यूटीओ) के व्यापार नीति और कॉफ़ी से संबंधित मामलों पर आर्थक एवं विश्लेषणात्मक समर्थन प्रदान किया गया। वर्ष 2023-24 के दौरान कुल 216 दैनिक बाज़ार रिपोर्टों को तैयार कर प्रसार की गई।
- एकक द्वारा भारतीय एवं वैश्विक स्तर पर विस्तृत कॉफ़ी सांख्यिकी को शामिल करते हुए समग्र रूप से "कॉफ़ी पर डाटाबेस" प्रकाशित किया जाता है, जो नीति निर्माताओं और हितधारकों के लिए बहुत उपयोगी है।
- मौसम 2023-24 के लिए विभिन्न श्रेणी के जोत और कॉफ़ी ज़ोन/क्षेत्रों में अनियमित प्रतिचयन के स्तरीकृत तकनीक का उपयोग करके फसल प्राक्कलन किया गया था।
- एकक ने कॉफ़ी क्षेत्र के सभी हितधारकों को एकल मंच पर सभी सेवाएं, उत्पाद और जानकारी प्रदान करने के लिए एक वन स्टॉप मोबाइल एप्लिकेशन 'इंडिया कॉफ़ी एप' का विकास किया।
- इकाई द्वारा कॉफी बोर्ड, मुख्यालय में ई-ऑफिस के कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियों का समन्वय किया गया।
- कॉफ़ी बोर्ड ने 2023 के दौरान कॉफ़ी मूल्य श्रृंखला के सभी हितधारकों की एक समिति का गठन कर एक प्रतिष्ठित बाजार अनुसंधान एजेंसी, मेसर्स क्रिसिल को एक अध्ययन कार्य सौंपा है। अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि 2023 में घरेलू कॉफी का उपभोग 91,000 मीट्रिक टन होगी।
- एकक ने बिना किसी बिचौलिए के सीधे निर्यात के लिए कॉफ़ी उपजकर्ताओं और उद्यमियों को एक मंच प्रदान करने हेतु 'विक्रयम' प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

प्रोन्नयन

- कॉफ़ी बोर्ड ने भारतीय कॉफ़ी के प्रोन्नयन के लिए 5 समुद्रपार कॉफ़ी केंद्रित कार्यक्रमों में भाग लिया। कॉफ़ी बोर्ड ने भारतीय हितधारकों और कुछ भारतीय दूतावासों की सक्रिय भागीदारी के साथ 3 क्रेता-विक्रेता बैठक/ कॉफ़ी स्वादन सत्र/ कॉफ़ी मॉकटेल सत्र भी आयोजित किया है।
- कॉफ़ी बोर्ड द्वारा थाईलैण्ड में स्थित भारतीय दूतावास के सहयोग से आभासी माध्याम से क्रेता विक्रेता बैठक आयोजित की गई।
- वर्ष के दौरान, घरेलू कॉफ़ी उपभोग में प्रोन्नयन के उद्देश्य से कॉफ़ी बोर्ड ने 24 खाद्य और पेय/एग्री एक्सपो में भाग लिया।
- भारत के विभिन्न जगहों पर स्थित ("इंडिया कॉफ़ी हाउस", "इंडिया कॉफ़ी डिपो" आदि) कॉफ़ी के 11 प्रोन्नयन एककों के माध्यम से जनता को परिशुद्ध भारतीय कॉफ़ी सुलभ कराते हुए घरेलू कॉफ़ी उपभोग के प्रोन्नयन पर प्रयास किया जा रहा है।

प्रशासन

- वर्ष 2023-24 में 26 जून, 21 सितंबर और 29 नवंबर, 2023 को बोर्ड की तीन बैठकें आयोजित की गईं।

- वर्ष के दौरान, संशोधित सुनिश्चित कैरियर प्रगतन स्कीम (एमएसीपीएस) के तहत 24 अधिकारियों/कर्मचारियों को वित्तीय उन्नयन प्रदान किया गया।
- वर्ष के दौरान, 23 कनिष्ठ स्तर के वैज्ञानिक अधिकारियों को करियर सुधार योजना के तहत अगला उन्नत श्रेणी प्रदान किया गया।
- वर्ष के दौरान, 45 अधिकारियों/कर्मचारियों को विभिन्न "वैज्ञानिक", "तकनीकि" और "अनुसचिवीय" संवर्ग के पदों पर पदोन्नत किया गया।
- 31.03.2024 को कॉफ़ी बोर्ड के कर्मचारियों की संख्या 453 थी जिसमें 65 समूह 'क' अधिकारी, 118 समूह 'ख' अधिकारी और 270 समूह 'ग' अधिकारी शामिल थे।

सतर्कता और विधिक

- सतर्कता प्रभाग ने 30 अक्टूबर 2023 से 5 नवंबर 2023 तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह आयोजित किया।
- 75 न्यायालयीन मामलों में से 02 मुकदमे का निपटान किया गया तथा दिनांक 31.3.2024 को यथास्थिति 73 न्यायालयीन मुकदमे लम्बित हैं।

सूचना का अधिकार (आर टी आई)

- सूचना का अधिकार (आर टी आई) के तहत, वर्ष के दौरान 51 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 47 आवेदनों का निपटान किया गया।
- वर्ष के दौरान, 4 अपील प्राप्त किया गया था जिसमें 4 अपीलों का निपटाना किया गया।

अभियांत्रिकी एकक :

अभियांत्रिकी एकक, अवसंरचनात्मक विकास के तहत बोर्ड के परिसंपत्तियों के सृजन और स्वच्छ भारत के अंतर्गत भवनों का अनुरक्षण कार्य करता है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान, भवनों के अनुरक्षण कार्य के लिए ₹4,23,01,298/- की राशि व्यय की गई है।

राजभाषा स्कन्ध

हिन्दी के प्रयोग के लिए वर्ष 2023-24 के वार्षिक कार्यक्रम में उल्लिखित हिन्दी में पत्राचार (ई-मेल सहित) एवं हिन्दी टिप्पण के लिए लक्ष्य क्रमशः 55% और 30% प्राप्त किया गया। राजभाषा नीति के पूर्णतः अनुपालन के क्रम में निम्नलिखित कार्य निष्पादित किए गए:

- राजभाषा नियम, 1976
- हिन्दी में टिप्पण एवं मूल पत्राचार
- राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3 (3) के अनुसार 14,775 दस्तावेज द्विभाषी हैं
- हिन्दी माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं द्विभाषी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना
- राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक एवं हिन्दी तिमाही प्रगति रिपोर्ट का ऑनलाइन प्रेषण
- हिन्दी कार्यशाला का अयोजन
- राजभाषा प्रगति संबंधी निरीक्षण
- हिन्दी माह 2023 एवं संयुक्त हिन्दी दिवस का आयोजन
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति में प्रतिभागिता
- "ई-मासिक सलाह" एवं "ई-समाचार पत्रिका" का हिन्दी अनुवाद
- क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन, बेंगलूरु में छमाही राजभाषा पत्रिका "कॉफी संवाद" अंक 2 का विमोचन एवं राजभाषा प्रदर्शनी लगाना।

*****

अध्याय - II

बोर्ड का गठन एवं कार्य

कॉफ़ी बोर्ड, संसद द्वारा अधिनियमित कॉफ़ी अधिनियम 1942 के अधीन गठित वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के नियंत्रणाधीन एक सांविधिक संगठन है।

बोर्ड में, अध्यक्ष, सचिव (जो कॉफ़ी बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी है) सहित 33 सदस्य हैं तथा संसद के दोनों सदनों के सांसदों, कॉफ़ी उद्योग के विभिन्न हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्यों को शामिल कर सदस्यों की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है।

31 सदस्यों को शामिल कर 09 सितम्बर 2022 से तीन वर्ष की अवधि के लिए बोर्ड का पुनर्गठन किया गया है। वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के दिनांक. 09.09.2022 की राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, बोर्ड में 31 सदस्यों को नियुक्त किया गया, यथा, अध्यक्ष, सचिव (पदेन सदस्य के रुप में) ; दो सांसद (लोक सभा) ; एक सासंद (राज्य सभा); कॉफ़ी उगाने वाले प्रमुख राज्यों (तमिलनाडु, कर्नाटक केरल और आन्ध्र प्रदेश) के चार प्रतिनिधि; असम व नगालैण्ड जैसे अन्य कॉफ़ी उगानेवाले राज्यों के दो प्रतिनिधि, बृहत कॉफ़ी उपजकर्ताओं के तीन प्रतिनिधि, लघु कॉफ़ी उपजकर्ताओं के सात प्रतिनिधि, कॉफ़ी व्यापार हितों के तीन प्रतिनिधि, कॉफ़ी क्यूरिंग स्थापना के दो प्रतिनिधि, श्रमिक हितों के दो प्रतिनिधि, इंस्टैंट कॉफ़ी विनिर्माताओं से एक प्रतिनिधि, उपभोक्ताओं के हितों के दो प्रतिनिधि और अनुसंधान संस्थान अथवा कृषि विश्वविद्यलय से एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रतिनिधि।

इसके अलावा वाणिज्य विभाग वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, के दिनांक 06.11.2023 की राजपत्र अधिसूचना के अनुसार श्री एम. जे. दिनेश को कॉफ़ी बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में तीन वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त किया गया है।

वर्ष 2023-24 के लिए कॉफ़ी बोर्ड के सदस्यों की सूची

क्र. सं.	श्रेणी	कॉफ़ी नियमावली 2016 (संशोधन) के अधीन नियुक्ति	सदस्यों की संख्या	नाम
1	अध्यक्ष	नियम 3 (1)	1	(1) श्री जे.एम.दिनेश
2	सांसद (लोकसभा) सांसद (राज्यसभा)	नियम 3 (1) नियम 3 (1)	2 1	(1) श्रीमती गोड्डेत्ती माधवी (2) श्री प्रताप सिंहा (3) श्री एन. चंद्रशेखरन

क्र. सं.	श्रेणी	कॉफ़ी नियमावली 2016 (संशोधन) के अधीन नियुक्ति	सदस्यों की संख्या	नाम
3	कॉफ़ी उगाने वाले प्रमुख राज्यों के सरकारी प्रतिनिधि सदस्य	नियम 3 (2) (क)	4	(1) श्री सी.समयमूर्ति, भा.प्र.से., कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सरकार के प्रधान सचिव, तमिलनाडु सरकार (2) डॉ. शामला इकबाल, भा.प्र.से., सरकार के सचिव, बागवानी और रेशमकीट पालन विभाग,कर्नाटक सरकार (3) श्री ए.पी.एम. मोहम्मद हनीश भा.प्र.से., प्रधान सचिव एवं वाणिज्य विभाग, केरल सरकार (4) श्री कान्तिलाल दाण्डे, भा.प्र.से., सरकार के सचिव, आन्ध्र प्रदेश सरकार
4	वृहत कॉफ़ी उपजकर्ताओं के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ख)	3	1) श्री शाखेर नागराजन (2) डॉ. एच एस कृष्णानंद (3) श्री आर पी एम रविचंद्रन
5.	लघु कॉफ़ी उपजकर्ताओं के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ख)	7	(1) श्री टी.ए. किशोर कुमार (2) श्री जी.के.कुमार (3) श्री एन.बी.उदयकुमार (4) श्री एस. मणिगुण्डन (5) श्री ई. उण्णिकृष्णन (6) श्री विश्वनाधम (7) श्री कुरुसा उमामहेश्वर राव
6.	कॉफ़ी व्यापार हितों के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	3	(1) श्री बी.एच.वी.प्रदीप पाई (2) श्री के. के. मनोज कुमार (3) श्री प्रभाकर राव जंयतु
7	क्यूरिंग स्थापना के हितों के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	2	(1) श्री डी.एम.शंकर (2) श्री ए.जी.डिविन राज
8	श्रमिक हितों के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	3	(1) श्री श्री एन. भास्कर (2) श्री सिबी वर्गीस (3) - रिक्त -

क्र. सं.	श्रेणी	कॉफ़ी नियमावली 2016 (संशोधन) के अधीन नियुक्ति	सदस्यों की संख्या	नाम
9	पदेन सदस्य	नियम 3 (2) (ग)	1	(1) डॉ. के.जी. जगदीश, भा.प्र.से., मुख्य कार्यकारी अधिकारी व सचिव कॉफ़ी बोर्ड, बेंगलूरु
10	कॉफ़ी उगाने वाले प्रमुख राज्यों के अलावा कॉफ़ी उगाने वाले अन्य राज्यों के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	2	(1) डॉ. लक्ष्मणन एस., भा.प्र.से., सरकार के सचिव, उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय विभाग, असम सरकार (2) श्री विकेई केन्या, भा.प्र.से., सरकार के सचिव, नगालैण्ड सरकार
11	उपभोक्ता के हितों के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	2	(1) श्री मनोज कुमार दुबे (2) श्री शिरीश वासुदेव देशपाण्डे
12	इंस्टैंट कॉफ़ी विनिर्माताओं के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	1	(1) श्री चल्ला श्रीशांत
13	कॉफ़ी के प्रोन्नयन/ प्रबंधन/ विपणन/ अनुसंधान के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध व्यक्तित्व	नियम 3 (2) (ग)	1	(1) श्री जी.एस. महाबला, कॉफ़ी प्रोन्नयन में प्रसिद्ध व्यक्तित्व

बोर्ड के कार्य

बोर्ड को सौंपे गए प्रमुख कार्य इस प्रकार हैं :

1. कॉफ़ी उद्योग के हित में कृषि एवं प्रौद्योगिकी अनुसंधान का प्रोन्नयन।
2. कॉफ़ी एस्टेटों के विकास हेतु सहायता।
3. भारत में तथा विदेश में कॉफ़ी का विक्रय एवं उपभोग का प्रोन्नयन।
4. कॉफ़ी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार अन्य प्रचालनों का प्रबंधन।

इसके अलावा, कॉफ़ी बोर्ड, कॉफ़ी उद्योग से संबंधित सांख्यिकीय और अन्य संगत आंकडे संग्रहीत करते हुए उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में जानकारी प्रसार करता है; बोर्ड, कॉफ़ी उद्योग की ओर से, सरकार, मीडिया, व्यापार तथा आम जनता के लिए अधिकृत प्रवक्ता के रूप में कार्य करता है; कॉफ़ी उद्योग के समग्र वृद्धि तथा विकास के लिए मार्गदर्शन देता है।

कॉफ़ी बोर्ड, अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन, अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान संगठन, स्पेशालिटी कॉफ़ी संघों जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारतीय कॉफ़ी उद्योग का प्रतिनिधित्व करता है तथा कॉफ़ी उद्योग के हित में उनके साथ कार्यरत है।

स्थायी समितियाँ

बोर्ड प्रत्येक वर्ष निम्नलिखित स्थाई समितियों को नियुक्त करता है।

क्र.सं.	समिति का नाम	कार्य
1.	कार्यकारी समिति	कॉफ़ी नियमावली के अधीन विशेषतया सौंपे गए कार्य निपटाती है। इसके अतिरिक्त, प्रोन्नयन, विपणन, अनुसंधान या बोर्ड द्वारा गठित किसी अन्य समितियों को विशेष रूप से न सौंपे गए कार्य निपटाती है।
2.	प्रचार समिति	भारत में तथा अन्यत्र उत्पादित कॉफ़ी के विक्रय का प्रोन्नयन तथा उपभोग के प्रोन्नयन से संबंधित मामले निपटाती है।
3.	विपणन समिति	कॉफ़ी अधिनियम तथा नियमावली में निर्धारित कॉफ़ी विपणन योजना के अनुसार कार्य करती है।
4.	अनुसंधान समिति	भारत में कॉफ़ी उद्योग के हित में कृषि एवं प्रौद्योगिकीय अनुसंधान के प्रोन्नयन से संबंधित कार्य करती है।
5.	विकास समिति	कॉफ़ी एस्टेट के विकास हेतु किए गए उपायों से संबंधित कार्य करती है।
6.	गुणता समिति	भारत में उत्पादित कॉफ़ी की गुणता में सुधार से संबंधित सभी कार्य निपटाती है।

01.04.2023 से 31.03.2024 तक की अवधि के दौरान सम्पन्न बोर्ड तथा स्थाई समितियों की बैठकों का विवरण

बोर्ड की बैठकें	26 जून, 2023 को बोर्ड की 213वीं बैठक 21 सितबर 2023 को बोर्ड की 214वीं बैठक 29 नवंबर 2023 को बोर्ड की 215वीं बैठक
स्थाई समितियाँ	बनी/गठित नहीं हैं।

*****

अध्याय-III

प्रशासन एवं स्थापना

कॉफ़ी बोर्ड, कॉफ़ी अधिनियम, 1942 (1942 का अधिनियम) के अंतर्गत गठित एक सांविधिक निकाय है जिसका निरंतर उत्तराधिकार तथा सामान्य मोहर है, जिसको अपनी संपत्ति के ग्रहण तथा उसका स्वामित्व, संविदाकरण, मुकदमा चलाने एवं मुकदमा चलाए जाने का अधिकार प्राप्त है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं सचिव
डॉ. के.जी. जीगदीश, भा.प्र.से.

विभागाध्यक्ष

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, निम्नलिखित विभागों के प्रधान उनके नामों के सामने दर्शाए गए पदों पर कार्यरत थे।

1. श्री. एन.एन. नरेंद्र, भा.आ.नि.से., वित्त निदेशक
2. डॉ. एम. सेंथिलकुमार, अनुसंधान निदेशक

विभिन्न विभागों एवं स्कंधों को सौंपे गए उत्तरदायित्व निम्नानुसार हैं :

1. सचिवालय विभाग

सचिवालय विभाग सभी प्रशासनिक (कर्मचारी तथा कार्यालय स्थापना) तथा सतर्कता मामले, बोर्ड के विभिन्न प्रभागों/एककों में कार्य आबंटन एवं सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत सूचना प्रस्तुत करने के अनुपालन के अनुवीक्षण के लिए उत्तरदायी है। इस विभाग द्वारा श्रम कल्याण उपाय संबंधी के अनुवीक्षण के अलावा, बोर्ड तथा सांविधिक समितियों की बैठकें आयोजित करने का कार्य भी किया जाता है:

सचिवालय विभाग संबद्ध छः एकक निम्नानुसार हैं

i) प्रशासन एकक
ii) राजभाषा एकक
iii) सतर्कता एकक
iv) विधि एकक
v) अभियांत्रिकी एकक तथा
vi) सूचना का अधिकार एवं शिकायत एकक

प्रशासन एकक

(क) भर्ती

वर्ष के दौरान, कॉफ़ी बोर्ड (संवर्ग और भर्ती) नियमों के अनुसार पदोन्नति / सीधी भर्ती द्वारा "वैज्ञानिक", "तकनीकी" व "अनुसचीवीय" संवर्ग के पदों में रिक्तियों को भरने के लिए कार्रवाई शुरू की गई है।

(ख) पदोन्नतियाँ

वर्ष के दौरान, कॉफ़ी बोर्ड की सेवाओं के "वैज्ञानिक" "तकनीकी" और "अनुसचीवीय" संवर्ग में 45 अधिकारियों की पदोन्नति की गयी।

(ग) संशोधित सुनिश्चित कैरियर प्रगतन स्कीम (एमएसीपीएस)

वर्ष के दौरान, संशोधित सुनिश्चित कैरियर प्रगतन स्कीम (एमएसीपीएस) के अंतर्गत 24 अधिकारियों/कर्मचारियों को वित्तीय उन्नयन प्रदान किया गया।

(घ) संशोधित नम्य पूरक योजना (एमएफसीएस)

संशोधित नम्य पूरक योजना (एमएफसीएस) के अंतर्गत बोर्ड के किसी वैज्ञानिक को पदोन्नति प्रदान नहीं की गई है।

(ड़) करियर सुधार योजना (सीआईएस)

वर्ष के दौरान, कॉफ़ी बोर्ड की कैरियर सुधार योजना (सी आई एस) के अंतर्गत 23 कनिष्ठ स्तर के वैज्ञानिक अधिकारियों को करियर सुधार योजना के तहत अगला उच्च श्रेणी प्रदान किया गया।

(ङ) स्थानांतरण तथा तैनाती

वर्ष 2023-24 के दौरान, सामान्य स्थानांतरण मार्गदर्शनों के आधार पर कुल 59 अधिकारियों/कर्मचारियों को स्थानांतरित किया गया। इसका विवरण इस प्रकार है :

क्र.सं.	संवर्ग/श्रेणी	स्थानांतरित अधिकारियों/ कर्मचारियों की सं.
1.	समूह 'क'	14
2.	समूह 'ख'	14
3.	समूह 'ग'	31
	कुल	**59**

31.03.2024 को यथास्थिति कॉफ़ी बोर्ड के कर्मचारियों की संख्या

दिनांक 31.03.2024 को यथास्थिति समूहवार कर्मचारियों की संख्या, अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों की संख्या और कॉफ़ी बोर्ड की महिला कर्मचारियों की संख्या का विवरण नीचे संक्षेप में दिया गया है:

क्र. सं.	कुल		अ.जा./ अ.ज.जा.				महिला	
	वर्गीकरण	कर्मचारियों की संख्या	अ.जा.	अ.ज.ज.	प्रतिनिधित्व के प्रतिशत		महिला कर्मचारियों की संख्या	महिला प्रतिनिधियों का प्रतिशत
					अ.जा.	अ.ज.ज.		
(1)	समूह 'क'	65	6	3	9.23	4.62	13	20.00
(2)	समूह 'ख'	118	22	8	18.64	6.78	42	35.59
(3)	समूह 'ग'	270	42	11	15.56	4.07	63	23.33
कुल:		**453**	**70**	**22**	**15.45**	**4.86**	**118**	**26.05**

कर्मचारी कल्याण उपाय :

(01.04.2023 से 31.03.2024 तक)

i) रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, किसी को भी वाहन खरीद अग्रिम मंजूर नहीं किया गया।

ii) रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, किसी को भी वैयक्तिक कंप्यूटर अग्रिम मंजूर नहीं किया गया।

iii) रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, किसी को भी भवन निर्माण अग्रिम मंजूर नहीं किया गया।

iv) बोर्ड, भारतीय जीवन बीमा निगम के सहयोग से 'सामूहिक बचत संबद्ध बीमा योजना' संचालित करता है। मार्च, 2024 की समाप्ति पर, स्कीम में विभिन्न वर्ग/समूह के 361 अधिकारी/कर्मचारी सदस्य के रूप में नामांकित हैं तथा वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 42 सदस्यों को ₹20,27,643/- की राशि का निपटान किया गया।

श्रम कल्याण उपाय

कार्यक्रम के तहत कॉफ़ी बागानों और क्यूरिंग प्रतिष्ठानों में काम करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के मजदूरों के बच्चों को सहायता प्रदान की गई।

(क) **शैक्षणिक छात्रवृत्ति** :- शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में एसएसएलसी परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों तथा एसएसएलसी के पश्चात प्रथम वर्ष पी.यू.सी., पॉलीटेकनीक / व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसे उच्च अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को ₹2,250/- प्रति विद्यार्थी की दर से छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

(ख) **प्रोत्साहन पुरस्कार:-** शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में एसएसएलसी परीक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त करते हुए आगे के अध्ययन जारी रखने के लिए एक छात्रा एवं एक छात्र को क्रमश: ₹1,500/- तथा ₹1,000/- का प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया।

(ग) **वित्तीय सहायता :-** वर्ष 2023-24 के दौरान XIIवीं कक्षा उत्तीर्ण होने के बाद स्नातक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

वित्तीय सहायता का विवरण निम्नानुसार है :-

विवरण	(₹) प्रति छात्र/छात्रा	
वित्तीय सहायता	**अ.जा.**	**अ.ज.जा.**
क) स्नातक (कला, विज्ञान व वाणिज्य)	3,750/-	3,750/-
ख) स्नातकोत्तर	7,500/-	7,500/-
व्यावसायिक पाठ्यक्रम हेतु वित्तीय सहायता		
चिकित्सा विज्ञान, कृषि एवं संबद्ध विज्ञान पशुपालन/ अभियांत्रिकी/फार्मेसी/नर्सिंग तथा अन्य समकक्ष उपाधि	7,500/-	7,500/-

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान निधि की उपयोगिता

विवरण	लाभार्थियों की सं.	राशि (₹) में
शैक्षणिक छात्रवृत्ति	3441	77,42,250
प्रोत्साहन पुरस्कार	16	20,000
वित्तीय सहायता		
(i) स्नातक	5690	2,13,37,500
(ii) स्नातकोत्तर	781	58,57,500
(iii) व्यावसायिक पाठ्यक्रम	1660	1,24,50,000
कुल जोड़	**11588**	**4,74,07,250**
अनुसूचित जाति	3823	1,53,45,500
अनुसूचित जनजाति	7765	3,20,61,750
कुल जोड़	**11588**	**4,74,07,250**

वर्ष **2023-24** के दौरान, श्रम कल्याण उपाय के अंतर्गत **11,588** लाभार्थियों को ₹ **4,74,07,250/-** की राशि प्रदान की गई।

राजभाषा स्कंध

वर्ष 2023-24 के दौरान, राजभाषा स्कंध की गतिविधियाँ :

- हिन्दी के प्रयोग के लिए वर्ष 2023-24 के वार्षिक कार्यक्रम में उल्लिखित हिन्दी पत्राचार (ई-मेल सहित) एवं हिन्दी टिप्पण के लक्ष्य क्रमश: 55% और 30% प्राप्त किया गया।।

- राजभाषा नियम, 1976 के नियम 5 के अनुपालन में हिन्दी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिन्दी में ही दिया गया।
- राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3 (3) के अंतर्गत दस्तावेजों जैसे सामान्य आदेश, सूचना, अनुज्ञा पत्र, अनुज्ञप्ति आदि के 14,775 दस्तावेजों को द्विभाषी (हिन्दी-अंग्रेजी) में जारी किया गया।
- हिन्दी माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य प्राप्त किया गया।
- राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य का शत-प्रतिशत अनुपालन के क्रम में कॉफ़ी बोर्ड, मुख्यालय एवं समस्त उप-कार्यालयों के अधिकारियों के ईमेल हस्ताक्षर (पूरा नाम व पता) पूर्णत: द्विभाषी किए गए।
- रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठक (अप्रैल-जून तिमाही: 27.06.2023, जुलाई-सितम्बर तिमाही: 29.08.2023, अक्टूबर-दिसम्बर तिमाही: 19.12.2023, जनवरी-मार्च तिमाही: 29.03.2024) आयोजित की गई।
- कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के प्रयोग में वृद्धि करने के उद्देश्य से प्रत्येक तिमाही में कर्मचारियों को हिन्दी कार्यशाला के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। इसमें राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधानों, राजभाषा नीति, संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली, हिन्दी तिमाही प्रगति रिपोर्ट भरने के साथ-साथ हिन्दी में कार्य करने में सुलभता लाने के लिए 'प्रौद्योगिकी के प्रयोग' पर विस्तृत चर्चा-परिचर्चा की गई।
- राजभाषा विभाग द्वारा जारी राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी निरीक्षण बिंदु के अनुपालन के क्रम में कॉफ़ी बोर्ड मुख्यालय के 11 अनुभागों/एककों का निरीक्षण किया गया। दिनांक 30.10.2023 को कॉफ़ी बोर्ड उप-कार्यालय पाडेरु, अरकू वैली, आन्ध्र प्रदेश एवं दिनांक 31.10.2023 को कोरापुट, ओड़िशा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान, राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत सभी दस्तावेजों की द्विभाषिकता, राजभाषा नियम, 1976 के नियम 11 के अंतर्गत नामपट्ट, बोर्ड, विजिटिंग कार्ड में त्रिभाषी सूत्र के प्रयोग के बारे में अवगत कराया गया। साथ ही, राजभाषा कार्यान्वयन को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।
- राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार, कॉफ़ी बोर्ड मुख्यालय की तिमाही प्रगति रिपोर्ट प्रत्येक तिमाही में ऑनलाइन प्रेषित की गई। यह रिपोर्ट क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण-बेंगलूरु) एवं संबंधित मंत्रालय को प्रेषित की गई।
- दिनांक 29.08.2023 को उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, बेंगलूरु द्वारा राजभाषा नीति/कार्यान्वयन संबंधी निरीक्षण किया गया।
- भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के निर्देशों के अनुपालन में, कर्मचारियों में हिन्दी के प्रति रुचि एवं उत्साह का संचार कर कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के प्रयोग में वृद्धि करने के उद्देश्य से हिन्दी माह 2023 का आयोजन किया गया। इस माह का शुभारंभ हिन्दी कवि सम्मेलन से किया गया। इस दौरान कर्मचारियों के लिए रचनात्मक हिन्दी प्रतियोगिता जैसे टिप्पण व आलेखन, समाचार वाचन, प्रश्नोत्तरी आदि का आयोजन किया गया। इस माह के मध्य में, बेंगलूरु के तीन प्रतिष्ठित महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए "हिन्दी में रोजगार की सम्भावनाएँ" विषयक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें कुल 35 विद्यार्थियों ने भाग लिया। हिन्दी दिवस 14 सितम्बर 2023 के अवसर पर कार्यालय प्रमुख द्वारा हिन्दी दिवस पर एक अपील जारी की गई, जो कॉफ़ी बोर्ड के उप-कार्यालयों में परिचालित की गई एवं वेबसाइट पर भी प्रसारित की गई। माह के अंत में हिन्दी समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉफ़ी बोर्ड

की छमाही राजभाषा गृह पत्रिका "**कॉफ़ी सम्वाद**" की प्रथम अंक का विमोचन किया गया। भारत सरकार के माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री जी के "हिन्दी दिवस" संदेश का वाचन किया गया एवं हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। अंत में, सांस्कृतिक कार्यक्रम से समारोह संपन्न हुआ।

- दिनांक 14 व 15 सितम्बर 2023 को पुणे, महाराष्ट्र में आयोजित हिन्दी दिवस 2023 एवं तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में वरिष्ठ राजभाषा कर्मी ने प्रतिभागिता की।
- राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय-2), बेंगलूरु को छमाही रिपोर्ट प्रेषित की गई। छमाही बैठक में सक्रिय प्रतिभागिता की गई एवं इस समिति के निहित उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए नवाचार के प्रयोग के लिए सुझाव दिया गया।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय-2), बेंगलूरु के तत्वावधान में कॉफ़ी बोर्ड, मुख्यालय में संयुक्त हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें राजभाषा संबंधी आधुनिक टूल्स के प्रयोग एवं हिन्दी में टिप्पण व आलेखन की भाषा एवं नई शैली व स्वरूप पर विस्तार से चर्चा-परिचर्चा की गई। साथ ही, कर्मचारियों में रोचकता एवं रचनात्मकता की दृष्टि से "तसवीर देखें कहानी लिखें" तथा "अनुवाद" प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- राजभाषा विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार को वार्षिक मूल्यांकन प्रतिवेदन 2023 प्रेषित किया गया।
- सीसीआरआई द्वारा प्रकाशित "ई-मासिक सलाह" एवं अटल इन्क्यूबेशन केन्द्र, कॉफ़ी बोर्ड, मुख्यालय की "ई-समाचार पत्रिका" का निरंतर हिन्दी अनुवाद किया गया/किया जा रहा है।

दिनांक 19.01.2024 को एचएएल प्रबन्धन अकादमी, बेंगलूरु में आयोजित क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में छमाही राजभाषा पत्रिका **"कॉफ़ी सम्वाद"** के द्वितीय अंक का लोकार्पण मुख्य अतिथि व भारत सरकार के माननीय केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री जी; सचिव, राजभाषा विभाग, नई दिल्ली और मुख्य कार्यकारी अधिकारी व सचिव, कॉफ़ी बोर्ड, बेंगलूरु सहित अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया। सम्मेलन में राजभाषा स्कन्ध की विभिन्न गतिविधियों/कार्यक्रमों/प्रकाशनों की राजभाषा प्रदर्शनी एवं भारतीय कॉफ़ी बोर्ड का कॉफ़ी स्टॉल लगाया गया।

सतर्कता एकक

सतर्कता एकक को निम्नलिखित कार्यों का दायित्व दिया गया है:-

1. शिकायतें प्राप्त कर उन पर कार्रवाई करना।
2. बोर्ड की सेवा में भर्ती किए गए उम्मीदवारों के चरित्र तथा पूर्ववृत्त का सत्यापन। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार और केंद्रीय सतर्कता आयोग को प्रेषित करने के लिए आवधिक विवरणी तैयार करना।
3. कॉफ़ी बोर्ड के अधिकारियों/कर्मचारियों को भिन्न उद्देश्य के लिए सतर्कता निर्बाधता जारी करना।
4. बोर्ड के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा चल एवं अचल संपत्तियो को अर्जित करने के लिए अनुमति प्राप्त करने की आवेदन पर कार्रवाई करना और समूह "क" एवं समूह "ख" अधिकारियों की अचल संपत्ति विवरणी की संवीक्षा करना।
5. मुख्यालय के विभिन्न अनुभागों/उप-कार्यालयों की औचक सतर्कता जाँच करना।
6. अनुशासनात्मक कार्यवाई से संबंधित फ़ाइलों पर कार्रवाई करना।
7. इनके अलावा, वर्ष 2023-24 के दौरान, 30 अक्टूबर 2023 से 05 नवंबर 2023 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन।

सतर्कता मामलों का विवरण

1)	दि.01.04.2023 को यथास्थिति लंबित अनुशासनिक मामले	03
2)	दि. 01.04.2023 से दि. 31.03.2024 तक के दौरान जोड़े गए अनुशासनिक मामले	शून्य
3)	दि. 01.04.2023 से दि. 31.03.2024 तक के दौरान निपटाए गए अनुशासनिक मामले	03
4)	दि. 31.03.2024 को यथास्थिति लंबित अनुशासनिक मामले	शून्य

विधि प्रकोष्ठ

विधि प्रकोष्ठ निम्नलिखित कार्यों के लिए उत्तरदायी है:

- सेवा मामले, विपणन, कराधान तथा बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), बागान श्रम आदि से संबंधित बोर्ड के सभी विधि विषयों को देखना।
- उच्चतम न्यायालय, संबंधित राज्यों के उच्च न्यायालय, श्रम न्यायालय, निचला न्यायालय, आईपीआर अधिकरण और विक्रय कर अपीली फोरम जैसे विभिन्न न्यायालयों के समक्ष लंबित मुकदमेबाजी को देखना।
- वादपत्र/प्रतिवाद तैयार करने और तर्क के लिए बोर्ड के अधिवक्ताओं को संगत रिकार्ड देते हुए समन्वयन एवं सहायता प्रदान करना।
- कॉफ़ी अधिनियम के संशोधन से संबंधित पत्राचार करना तथा विधि मामलों पर वाणिज्य मंत्रालय से पत्राचार करना।
- निर्यात, पेंशन, अभियांत्रिकी, प्रशासन आदि विभिन्न अनुभागों द्वारा संदर्भित फाइलों पर विधि अभिमत प्रदान करना

न्यायालय के विचाराधीन मामलों की स्थिति

वर्षारंभ में 63 मामले लंबित थे। वर्ष के दौरान 12 नए मामले दर्ज किए गए हैं। 75 मामलों में 02 मामले को निपटाया गया जबकि दिनांक 31.03.2024 को 73 मामले लंबित हैं।

कर विवाद की स्थिति :

क. केरल सरकार

माननीय केरल उच्च न्यायालय ने अपने आदेश दिनांक 29.8.2008 के अधीन वर्ष 1984/85 से 1990/91 तथा 1994/95 से 1996/97 तक के लिए केंद्रीय विक्रय करारोपण की पुष्टि में एसटीएटी द्वारा जारी किए गए आदेश रद्द कर दिया तथा नियमानुसार मामले की पुन: जाँच करने के लिए कर निर्धारण अधिकारी को प्रतिप्रेषित कर दिया। इसी तरह, सीएसटी के अधीन वर्ष 1991/92 से 1993/94 तक एवं 2000/01 और केजीएसटी के अधीन वर्ष 1991/92 से 1993/94 तक, 1996/97 एवं 1997/98 से संबंधित अपीलों को एसटीएटी ने अपने दिनांक 26.9.2012 के आदेश के अधीन मामले को कर निर्धारण अधिकारी को प्रतिप्रेषित कर दिया। बोर्ड ने 'मांग की छूट' के लिए उपलब्ध संगत रिकार्ड प्रस्तुत किया। फिर भी, कर निर्धारण अधिकारी ने वर्ष 1984/85 से 1990/91 तक, 1994/95 एवं 1995/96 के लिए केंद्रीय विक्रय करारोपण की पुष्टि करते हुए दिनांक 11.3.2013 को आदेश जारी किया और ₹34.53 करोड की सी.एस.टी. मांग और ₹174.09 करोड़ का ब्याज को शामिल कर कुल ₹208.62 करोड़ की मांग की। बोर्ड ने एसटीएटी, पालक्काड, केरल के समक्ष प्रथम तथा द्वितीय अपीलें प्रस्तुत की। मामले की विस्तृत सुनवाई के बाद एसटीएटी ने 20.05.2016 क़ो एक आदेश पारित करते हुए कर निर्धारण अधिकारी को निदेश दिया है कि रिकार्ड प्रस्तुत करने तथा व्यक्तिगत रुप से सुनवाई के लिए कॉफ़ी बोर्ड को अवसर दें। हालाँकि, केरल राज्य ने

माननीय केरल उच्च न्यायालय के समक्ष पुनरीक्षण याचिका दायर की, जिसे 6 महीने की अवधि के भीतर मूल्यांकन पूरा करने के निर्देश के साथ खारिज कर दिया गया है। निर्णय के अनुसार, निर्धारण प्राधिकारी, राज्य कर अधिकारी, केरल जीएसटी विभाग, चावक्कड़ ने रिकॉर्ड पेश करने का आदेश जारी किया है। तदनुसार, कॉफी बोर्ड ने मूल मूल्यांकन के समय प्रस्तुत किए गए रिकॉर्ड के अलावा दावों को प्रमाणित करने के लिए और रिकॉर्ड प्रस्तुत किए। निर्धारण प्राधिकारी ने उन्हें इस आधार पर स्वीकार करने से इनकार कर दिया कि परिवहन रसीदें/चालान/बिल ऑफ लैडिंग आदि के उत्पादन पर ही न्यायाधिकरण के निर्देशों के अनुसार विचार किया जाएगा और ₹241,66,24,328/- के भुगतान के आदेश पारित किए। कॉफी बोर्ड ने कर विशेषज्ञों और बोर्ड के अधिवक्ता के साथ परामर्श के बाद, जो माननीय उच्च न्यायालय में उपस्थित हुए, केरल कर विभाग, त्रिशूर के उपायुक्त (अपील) के समक्ष अपील तैयार की और दायर की और स्थगन आदेश आवेदन भी दायर किए। उपायुक्त (अपील) ने कॉफ़ी बोर्ड द्वारा दायर अपीलों और स्थगन आदेशों पर विचार करने के लिए विवादित राशि (2.41 करोड़) का 1% वापस करने का नोटिस जारी किया। बोर्ड ने माननीय केरल उच्च न्यायालय के समक्ष एक रिट याचिका दायर की और माननीय न्यायालय ने नोटिस के लिए अंतरिम स्थगन जारी किया और यह मामला अंतिम आदेशों के लिए लंबित है।

अभियांत्रिकी एकक

देश भर में विभिन्न स्थानों पर कॉफ़ी बोर्ड के स्वामित्व का कार्यालय भवन यथा, बेंगलूरु, मैसूरु, चिक्कमगलूरु और हासन (कर्नाटक); चेन्नई एवं बोदिनायक्कनूर (तमिलनाडु); गुवाहाटी व सिलचर (असम); चिंतपल्ली, अरकू वैली (आंध्र प्रदेश) तथा नई दिल्ली, बेंगलूरु, हासन (कर्नाटक); बोदिनायकनूर (तमिलनाडु); गुवाहाटी, सिलचर (असम); चिन्तपल्ली, अरकू वैली (आंध्र प्रदेश) में आवासीय फ्लैट्स हैं।

इसके अलावा, कर्नाटक के चिक्कमगलूरु जिले में केंद्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान चेट्टल्ली में (मडिकेरी के पास) कॉफ़ी अनुसंधान उप-केंद्र, केरल के चुंडेल, तमिलनाडु के तांडिगुडी, आंध्र प्रदेश के आर.वी.नगर तथा असम के दिफू में क्षेत्रीय कॉफ़ी अनुसंधान केंद्रो में आवासीय क्वार्टर्स हैं। कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओड़िशा राज्य तथा भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र अर्थात असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा एवं मिज़ोरम, राज्यों में विस्तार विभाग द्वारा प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्रों का अनुरक्षित किया जाता है। बेंगलूरु के इंडिया कॉफ़ी हाउस तथा भोपाल के इंडिया कॉफ़ी सेंटर (अब बंद है) का स्वामित्व व अनुरक्षण भी कॉफ़ी बोर्ड द्वारा किया जाता है।

व्यय का विवरण

अभियांत्रिकी एकक, अवसंरचना विकास के तहत बोर्ड के भवनों का अनुरक्षण कार्य करता है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान, अनुरक्षण कार्य के लिए ₹4,23,01,298/- की राशि खर्च की गई है।

सूचना का अधिकार (आरटीआई) एवं शिकायत एकक

सूचना का अधिकार

सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 के अधीन वर्ष 2023-24 के दौरान, भारत के नागरिकों से सूचना/दस्तावेज की माँग करते हुए 51 आवेदन कॉफ़ी बोर्ड को प्राप्त हुए जिसमें 47 आवेदन निपटाया गया और 4 लंबित हैं। कॉफ़ी बोर्ड ने 04 अपीलें प्राप्त की और 04 अपीलों का निपटान किया और कोई भी लंबित नहीं है। कॉफ़ी बोर्ड ने 02 शिकायतें प्राप्त की और 02 शिकायतों को भी निपटान किया गया तथा कोई भी आवेदन लंबित नहीं है।

2023-24 के लिए सूचना का अधिकार (आरटीआई)आवेदन संबंधी विवरण

क्र.सं.	विवरण	स्थिति
1	अथ शेष	शून्य
2	वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	51
3	कुल	51
4	वर्ष के दौरान निपटान	47
5	31.03.2024 के दौरान अंत शेष	04

2023-24 के लिए सूचना का अधिकार के तहत अपील संबंधी विवरण

क्र.सं.	विवरण	स्थिति
1	अथ शेष	शून्य
2	वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	04
3	कुल	04
4	वर्ष के दौरान निपटान	04
5	31.03.2024 के दौरान या अंत शेष	शून्य

2023-24 के लिए सूचना का अधिकार शिकायत संबंधी विवरण

क्र.सं.	विवरण	स्थिति
1	अथ शेष	शून्य
2	वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	02
3	कुल	02
4	वर्ष के दौरान निपटान	02
5	31.03.2024 के दौरान अंत शेष	शून्य

*****

अध्याय III (क)

दिव्यांग कर्मियों का विवरण

हालाँकि, दिनांक 31.03.2024 के अवधि के दौरान कॉफ़ी बोर्ड में कुल 15 बेंचमार्क विकलांगता वाले कार्मिक कार्यरत हैं। उनका संवर्गवार विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	संवर्ग	समूह	वर्तमान संख्या	दिव्यांग व्यक्तियों की संख्या		श्रेणीवार दिव्यांग कर्मचारी		
				सं	दिव्यांग प्रतिनिधित्व का कुल %	अना	अ.जा.	अ.ज.जा.
1	उप निदेशक (अनुसंधान)	क	5	1	20.00	1	--	--
2	वरिष्ठ संपर्क अधिकारी	क	22	1	4.55	1	--	--
3	अनुसंधान सहायक श्रेणी-I	ख	19	3	15.79	3	--	--
4	कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक	ख	2	1	50.00	1	--	--
5	विस्तार निरीक्षक	ग	66	2	3.03	2	--	--
6	कनिष्ठ सहायक	ग	7	6	85.71	6	--	--
7	बहु-कार्य कर्मचारी	ग	143	1	0.70	1	--	--
		कुल	**264**	**15**	**5.68**	**15**	**--**	**--**

*****

अध्याय - IV

कॉफ़ी अनुसंधान

कॉफ़ी बोर्ड अनुसंधान विभाग ने समेकीकृत कॉफ़ी विकास कार्यक्रम (आईसीडीपी) योजना के तहत कई अनुसंधान परियोजनाओं को लागू किया है। इन परियोजनाओं को चेट्टल्ली (कोडागु, कर्नाटक), चुंडेल (वायनाड, केरल), तंडिगुडी (पलनीस, तमिलनाडु), आर.वी. नगर (अल्लूरी सीतारामराजू जिला, आंध्र प्रदेश) और दीफू (कार्बी आंगलोंग जिला, असम), में स्थित केंद्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान (सीसीआरआई) के अनुसंधान स्टेशनों पौधा ऊतक संवर्धन व जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, (मैसूरु) तथा कॉफ़ी गुणता प्रभाग, (बेंगलूरु) के नेटवर्क के माध्यम से लागू किया गया था। इसके अलावा, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों जैसे विभिन्न कॉफ़ी कीटों के प्रबंधन के लिए नैनो-फॉर्मूलेशन विकसित करना (तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय), कॉफ़ी हार्वेस्टर का विकास, (आईआईटी, रुड़की) विश्व कॉफ़ी अनुसंधान (डब्ल्यू.सी.आर) परियोजना के अंतर्राष्ट्रीय बहु-स्थानिक किस्म परीक्षण (आईएमएलवीटी) के तहत अरेबिका किस्मों का मूल्यांकन तथा मेसर्स नेस्ले टूर्स से आयातित रोबस्टा जीनप्रारूप के मूल्यांकन के साथ सहयोगी अनुसंधान कार्यक्रम भी प्रारम्भ किए गए थे।

वर्ष 2023-24 के दौरान किए गए विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं तथा अन्य संबद्ध गतिविधियों की मुख्य उपलब्धियाँ निम्नवत हैं:

योजना: समेकीकृत कॉफ़ी विकास परियोजना

घटक 1: संधारणीय कॉफ़ी उत्पादन के लिए अनुसंधान एवं विकास

उप-घटक 1.1: टिकाऊ प्रतिरोध तथा अधिक उत्पादकता हेतु पारंपरिक प्रजनन व जैव प्रौद्योगिकी दृष्टिकोणों के माध्यम से पौधे का सुधार।

पौधा प्रजनन एवं आनुवंशिकी प्रभाग

चंद्रगिरि (अरेबिका की विशेष किस्म) में कॉफ़ी सफेद तना छेदक (सीडब्ल्यूएसबी) के प्रति संवेदनशीलता लाने के लिए मार्च 2023 के दौरान एस.4595 तथा चंद्रगिरि के बीच प्रत्यक्ष और पारस्परिक संकर कर पौदों को उत्पन्न किया गया। मेसर्स जैन इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड (जेआईएसएल), जलगांव, के सहयोग के तहत चिन्हित किए गए तीन प्रत्याशित अरेबिका एफ$_1$ संकर (एस.5059, एस.5085 व एस.5086) ऊतक संवर्धन तकनीक के माध्यम से बड़े पैमाने पर सूक्ष्म प्रवर्धन के लिए प्रयोग में लाए गए।

सीडब्ल्यूएसबी संवेदनशील अरेबिका वंशक्रम (एस.4595) के मूल्यांकन पर किए गए दीर्घकालिक कार्यक्रम के तहत, विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों के 27 स्थानों पर एस.4595 के ऊतक संवर्धन पौधों का मूल्यांकन किया गया। पौधों में सीडब्ल्यूएसबी का नगण्य ग्रसन के साथ अच्छी वनस्पति ओज पाया गया।

उत्कृष्ट रोबस्टा की कुंतकीय किस्मों के विकास की दिशा में, पाँच चरणों (2019-2024) में कूर्ग, चिक्कमगलूरु तथा वायनाड क्षेत्रों में 100 एस्टेटों में से 476 सर्वोत्कृष्ट मातृ पौधों की पहचान की गई। कुल 15 प्रत्याशित रोबस्टा मातृ पौधों की लघुसूची बना दी गई। इनका बहुगुणन के लिए पत्ते नमूने एवं कुंतकीय पौदों को पौधा ऊतक संवर्धन व जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग, कॉफ़ी बोर्ड (मैसूरु) को प्रेषित किया गया।

कम उपयोग की जाने वाली कॉफ़ी प्रजातियों को उपयोग में लाने के लिए वर्ष 2024 के दौरान अंतरा एवं अंत: विशिष्ट संगतता की जांच करने के लिए, कॉफ़िया कंगेंसिस, सी. क्विलोन, सी. कैनेफोरा, सी. लॉरेंटी, सी. स्टेनोफिला, सी. डेवेरेई और सी. कैनेफोरा (सीxआर व एस.274 किस्म) का उपयोग करके सोलह ऐसे प्रसंकर किए गए।

विश्व कॉफ़ी अनुसंधान परियोजना के आईएमएलवीटी के तहत 28 अरेबिका किस्मों का परीक्षण किया गया, जिसमें ईसी-16 तथा कैटिगुआ एमजी-2 किस्मों ने कॉफ़ी पर्ण किट्ट के प्रति उच्च क्षेत्र सह्यता प्रदर्शित की। ईसी-16 की उपज व कप गुणता अन्य सर्चिमोर व्युत्पन्नों के बराबर पाई गई।

कॉफ़ी बोर्ड एवं नेस्ले आर एण्ड डी, फ्रांस के बीच वर्ष 2018 में शुरु की गई सहयोगात्मक पहल में, भारत के विभिन्न कॉफ़ी उगाने वाले क्षेत्रों में छह रोबस्टा किस्मों और एक अरेबिका किस्म के क्षेत्र प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया। अलग-अलग तीन स्थानों पर मूल्यांकन किए गए रोबस्टा की पाँच चयनित किस्मों में पहली उपज ने एफआरटी 101 में (767 किलोग्राम स्वच्छ कॉफ़ी/हेक्टेयर) की उच्चतम उपज का संकेत दिया।

उद्योग सहायता गतिविधि के तहत, 12,328.25 किलोग्राम अरेबिका, 3,379.5 किलोग्राम रोबस्टा और विभिन्न पेड़-कॉफ़ी प्रजातियों के 90.5 किलोग्राम बीजों को शामिल कर कुल 15,798.25 किलोग्राम बीज कॉफ़ी, कॉफ़ी उपजकर्ताओं को वितरित किया गया। इसके अलावा, पहचाने गए सीxआर रोबस्टा किस्म के कुल 52,970 जड़ित कुंतकों को 357 कॉफ़ी उपजकर्ताओं को वितरित किया गया।

ऊतक संवर्धन व जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग, मैसूरु

लक्षण-विशिष्ट रोबस्टा जीनप्रारूप के अंत: गुणन तथा पुनर्जीवित पौधों के आनुवंशिक विश्लेषण के तहत, पंद्रह लक्षण-विशिष्ट रोबस्टा मातृ पौधों में किण संवर्धन करने तथा उच्च-आवृत्ति कायिक भ्रूणजनन उत्प्रेरित करने के लिए अध्ययन शुरु की गई थी। पाँच सीxआर पौधों, तीन एस.274 पौधों और तीन पुराने रोबस्टा पौधों से एकत्र किए गए कुल 2,500 पर्ण कर्तांतकों को किण उत्प्रेरण मीडिया में संरोपित किया गया। सभी जीनप्रारूप में उच्च-आवृत्ति कायिक भ्रूणजनन उत्प्रेरित पाया गया। आणविक मार्करों और अनुक्रमण कार्यनीति का उपयोग करके एकरूपी मातृ पौधों से प्राप्त कायिक भ्रूण-व्युत्पन्न तथा बीज-व्युत्पन्न पौधों की तुलनात्मक आनुवंशिक समरूपता का विश्लेषण किया गया। इसके अलावा, सभी अंत: पुनर्जीवित पौधों की आनुवंशिक समरूपता का आकलन करने के लिए उपयुक्त मार्करों और कोडिंग क्षेत्रों की पहचान की गई।

कॉफ़ी सफेद तना छेदक (सीडब्ल्यूएसबी) का प्रतिरोध को विकसित करने के लिए संजीनिकी और पराजीनिकी दृष्टिकोणों के अनुप्रयोग के तहत, सीडब्ल्यूएसबी के प्रति संवेदनशीलता दर्शानेवाले जीन की पहचान करने हेतु अनुक्रम लक्षण वर्णन तथा अभिव्यक्ति विश्लेषण के लिए अध्ययन किया गया था। प्रारंभ में, लुप्तांगता व्यवकलनी संकरण (एसएसएच) दृष्टिकोण के माध्यम से सीडब्ल्यूएसबी संक्रमण के दौरान अलग-अलग रूप से अभिव्यक्त जीनों को पहचाना गया था। कॉफ़ी की 21 विभिन्न प्रजातियों में इन जीनों के प्रवर्धन और अनुक्रम लक्षण वर्णन ने एस एन पी एस और प्रविष्टि एवं विलोपन (इन्सर्शन एण्ड डिलीशन) के रूप में जीन अनुक्रम में भिन्नता का संकेत दिया। इसके अतिरिक्त, 14 अरेबिका कॉफ़ी जीनप्रारूप में मन्नान सिंथेस, जिंक फिंगर प्रोटीन, आइसोल्यूसीन मोनोऑक्सीजन, पॉलीगैलेक्टुरोनेज, एक्वापोरिन, पैथोजेनेसिस से संबंधित प्रोटीन, यूडीपी-ग्लाइकोसिलट्रांसफरेज, प्लास्टिड लिपिड-एसोसिएटेड प्रोटीन, साइटोक्रोम पी450 तथा आइसोप्रीन सिंथेस जैसे 11 जीनों की अनुक्रम परिवर्तनशीलता का अध्ययन किया गया। अभिव्यक्ति अध्ययन करने के लिए छह महत्वपूर्ण जीनों में प्रारंभक की रचना की गई। इन जीन-विशिष्ट प्राइमरों के लिए पीसीआर प्रवर्धन स्थितियों को अनुकूलित किया गया था और सभी जीनों को 14 कॉफ़ी जीनप्रारूपों के संजीनीय डीएनए नमूनों से प्रवर्धित किया गया। इन जीनों की अभिव्यक्ति विश्लेषण कार्य प्रगति पर है।

संजीनिकी दृष्टिकोणों का उपयोग करके जलवायु-लचीली रोबस्टा किस्में विकसित करने के लिए, जीन बैंक में उपलब्ध 20 सूखा-संवेदनशील कॉफ़िया कैनेफोरा श्रैणी की संख्या संरचना का विश्लेषण करने और सूखा संवेदनशीलता से जुड़े मार्करों को विकसित करने के लिए अध्ययन किए गए। एसआरएपी तथा

एससीओटी प्रारंभकों के साथ श्रेणियों को जाँचा गया। सूखा संवेदनशील जीनप्ररूपों में से भिन्न रूप से प्रवर्धित अंशों और सीxआर एवं एस.274 जैसे रोबस्टा की कृष्य किस्मों को एससीओटी प्रारंभकों का उपयोग करके प्रवर्धित किया गया और उन्हें निष्कालित किया गया, शुद्ध रूप में लाया गया और अनुक्रमित किया गया। कुल 25 अद्वितीय अंशों को 12 सूखा-संवेदनशील रोबस्टा श्रेणियों से अनुक्रमित किए गए। कुल 25 अनुक्रमों में, कई सार्वजनिक डोमेन डेटाबेस में **ब्लास्ट** (बेसिक लोकल अलाइनमेंट सर्च टूल्स) के खोजने पर, 2-ऑक्सोग्लूटरेट-निर्भर डीऑक्सीजेनेज, आरआरएम-डोमेन, टीजीए-9 लाइक तथा डिटॉक्सिफिकेशन 40-लाइक जैसे पाँच अनुक्रम जीन से मेल खाते थे, जबकि अन्य 20 अनुक्रम "अलाक्षणिक" रूप में मेल खाते हैं। इसके अलावा, 20 सूखा-संवेदनशील कॉफ़िया कैनेफोरा श्रेणियों का प्रतिनिधित्व करने वाले 60 डी.आर. रोबस्टा पौधों के पर्ण के नमूनों से संजीनीय डीएनए को अलग किया गया। दो डी.आर. रोबस्टा जीनप्रारूप के पर्ण तथा पुष्प ऊतकों से संपूर्ण आरएनए को अलग किया गया था। सूखा-संवेदनशील रोबस्टा की श्रेणियों से अलग किए गए अजैविक प्रतिबल-अनुक्रियाशील जीनों के लिए नए संश्लेषित प्रारंभकों के साथ दो सूखा-संवेदनशील रोबस्टा की श्रेणियों के संजीनिय डीएनए तथा सीडीएनए को जाँचा गया।

अप्रचलित प्रजनन तकनीकों द्वारा कम उपयोग की गई द्विगुणित जातियों का प्रयोग करके जलवायु-लचीली कॉफ़ी के विकास के तहत, उच्च आवृत्ति वाले कायिक भूणजनन नवाचार के मानकीकरण और प्रजनन कार्यक्रमों में उपयोग के लिए एवं वाणिज्यिक समुपयोजन के लिए सी. एक्सेलसा एवं सी. स्टेनोफिला जैसी द्विगुणित जातियों में बहुगुणित के अंत: उत्प्रेरण का मानकीकरण के लिए अध्ययन शुरु किए गए। सी. एक्सेलसा, सी. स्टेनोफिला और एक चतुर्गुणित नैसर्गिक पेड़ कॉफ़ी प्रसंकर के कुल 1000 पर्ण कर्तोतकों को किण उत्प्रेरण के लिए संरोपित किया गया। सी. एक्सेलसा और सी. स्टेनोफिला दोनों की उच्च आवृत्ति वाले कायिक भ्रूण उत्पत्ति नवाचार का मानकीकृत किया गया था। द्विगुणित प्रजातियों में बहुगुणित के कृत्रिम उत्प्रेरण संबंधी अध्ययन प्रगति पर है।

एक नैसर्गिक चतुर्गुणित अंतराविशिष्ट प्रसंकर ने पर्ण किट्ट के प्रति प्रतिरोध को दर्शाने का संकेत एक निजी एस्टेट से रिकार्ड किया गया। प्रसंकर की गुणन स्तर और संजीन तत्व को प्रवाह कोशिकामिति (फ्लो साइटोमेट्री) और रंध्री लवक गणना (स्टोमाटल प्लास्टिड काउंट्स) द्वारा निर्धारित किया गया था। आणविक मार्कर विश्लेषण का उपयोग करके मूल पौधे के रूप में अरेबिका को पुष्टि की गई। कायिक भ्रूणजनन का उत्प्रेरण तथा पहचाने गए प्रसंकर का गुणन प्रगति पर है।

अंत: पुनर्जीवित अरेबिका एवं रोबस्टा के पराजीनिकी पौधों में अंत: गुणन, पराजीन अभिव्यक्ति की निगरानी तथा पराजीन की वंशगति पैटर्न का परीक्षण प्रगति पर है। चावल चिटिनेस जीन वाहक पराजीनिक सी. अरेबिका की पौधा कॉफ़ी किट्ट के प्रति संवेदनशीलता दर्शाता है तथा तंबाकू ऑस्मोटिन, एसजीएफपी व गुसा-जीन वाहक सी. कैनेफोरा को नियंत्रित स्थितियों में बनाए रखता है।

उप-घटक 1.2: वर्धित मृदा स्वास्थ्य, फसल पालन एवं मशीनीकरण के माध्यम से उत्पादकता में सुधार

कृषि विज्ञान प्रभाग

सीसीआरआई, सीआरएसएस चेट्टल्ली तथा आरसीआरएस तांडिगुडी में, विभिन्न कृषि मशीनरी (मिनी ट्रैक्टर, ट्रेलर, खरपतवार स्लैशर, एमयूटीवी, मिस्ट ब्लोअर-डस्टर, वेस्ट श्रेडर, पिट डिगर, चेन सॉ, ब्रश कटर, फर्टिलाइजर स्प्रेडर और पोल प्रूनर) के मूल्यांकन के लिए एक नए रोपण पैटर्न (या) रोपण विन्यास सहित प्रदर्शन ब्लॉकों को स्थापित किया गया। इसके अलावा, परशुद्ध कॉफ़ी उत्पादन प्रौद्योगिकियों के एक भाग के रूप में, सीसीआरआई में ड्रिप सिंचाई तथा उर्वरीकरण परीक्षण प्लॉट भी शुरु किए गए।

सीसीआरआई, आरसीआरएस आर.वी. नगर तथा कर्नाटक राज्य में पाँच प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र (टीईसी) (चिक्कमगलूरु, मूडिगेरे, सकलेशपुरा, मडिकेरी और गोनिकोप्पालु) में कॉफ़ी आधारित फसल विविधीकरण प्लॉट स्थापित किए गए हैं।

खरपतवार के नाश पर विभिन्न जैव निम्नीकरणीय पलवार सामग्रियों के प्रभाव पर बहु-स्थानीय परीक्षण के परिणामों ने संकेत दिया कि सभी जैव निम्नीकरणीय पलवार सामग्रियों ने परीक्षण के पहले छह महीनों के दौरान खरपतवार की वृद्धि को 54% से 75% तक नष्ट किया।

कॉफ़ी की मृदा (10 मिली/लीटर की दर से) पर एक वाणिज्यिक जैव-जड़ी-बूटी अर्थात "**वीडआउट**" के मूल्यांकन से संकेत मिलता है कि कॉफ़ी पर किसी भी फाइटोटॉक्सिक प्रभाव के बिना खरपतवार का नाश तुलनात्मक रूप से बेहतर था।

अरेबिका कॉफ़ी में एक स्वामित्विक उत्पाद अर्थात "एच वाई टी बी" (एमिनो अम्ल-आधारित पदार्थ) का मूल्यांकन उपज योगदान करने वाले मापदंडों तथा फसल उपज के संबंध में एक लीटर प्रति एकड़ की दर से दर्ज किया गया।

कृषि रसायन विज्ञान प्रभाग

कॉफ़ी की उपज और गुणता पर "नैनो उर्वरकों (यूरिया/डीएपी) के प्रभाव" पर बहु-स्थानीय क्षेत्र प्रयोग के परिणाम ने यह संकेत दिया कि नैनो उर्वरकों (यूरिया/डीएपी) के अनुप्रयोग के साथ उपज में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं दिखाई देता। दो वर्षों की औसत उपज आँकडा से पता चला कि अरेबिका कॉफ़ी में, नैनो उर्वरकों (यूरिया/डीएपी) के पर्णिय अनुप्रयोग में 5 मिलीलीटर/लीटर तथा 50% की दर से आरडीएफ के अनुप्रयोग (मृदा अनुप्रयोग के रूप में) उपज में 100% आरडीएफ में से 8% से 10% तक उच्चतम उपज दर्ज की गई। जबकि रोबस्टा कॉफ़ी में, नैनो उर्वरकों (यूरिया/डीएपी) के पर्णीय अनुप्रयोग में 5 मिलीलीटर/लीटर तथा 50% आरडीएफ (मृदा अनुप्रयोग के रूप में) की दर से 100% आरडीएफ (नियंत्रण) में से 6% से 8% की उच्चतम उपज दर्ज की गई।

वर्ष 2022 के दौरान सीसीआरआई (अरेबिका एवं रोबस्टा), सीआरएसएस, चेट्टल्ली (अरेबिका) और टीईसी गोनिकोप्पलु (रोबस्टा) में नए रासायनिक सूत्रीकरण जैसे **क्रॉपटेक** (8:21:21:2.1), एन24 (24:24:0), एन20 (20:20:0:13), बेनसल्फ सुपरफास्ट एवं पुष्पण विशेष (9:27:18 + टीई) का मूल्यांकन करने के लिए बहु-स्थानीय क्षेत्र परीक्षण शुरू किए गए। दो वर्ष के उपज डेटा ने नए रासायनिक सूत्रीकरण के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं दिखाया।

वर्ष 2022 के दौरान चिक्कमगलूरु, सीआरएसएस-चेट्टल्ली, प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र (चिक्कमगलुरु) और मेसर्स देवधानम नामक निजी एस्टेट में अरेबिका एवं रोबस्टा कॉफ़ी की मृदा व पर्ण में पर्ण पोषक तत्व के स्तर, उपज तथा गुणता पर अमोनियम पॉलीबोरेट के मृदा और पर्णीय अनुप्रयोग के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए बहु-स्थानीय क्षेत्र परीक्षण शुरु किए गए।

दो वर्ष के उपज डेटा ने संकेत दिया कि 500 ग्राम प्रति एकड़ की दर से अमोनियम पॉलीबोरेट के पर्णीय अनुप्रयोग ने उपज को 100% आरडीएफ (नियंत्रण उपचार) से 10% तक वृद्धि पायी गयी।

मृदा, पर्ण, कृषि रासायनिक विश्लेषण और सलाह सेवाओं के तहत, 4,109 कॉफ़ी बागानों से प्राप्त कुल 9,918 मृदा 16 पर्ण तथा 792 कृषि रासायनिक नमूनों का विश्लेषण किया गया और चूना तथा उर्वरकों के अनुप्रयोग के लिए सलाह दिया गया। इसके अलावा, कर्नाटक एवं केरल में विभिन्न स्थानों पर 69 ऑन-स्पॉट मोबाइल मृदा परीक्षण अभियान आयोजित किए गए, जिससे 1,991 कॉफ़ी उपजकर्ताओं को लाभ हुआ। अभियानों के दौरान, पीएच के लिए कुल 3,477 मृदा के नमूनों का विश्लेषण किया गया और ऑन-स्पॉट चुना अनुप्रयोग की सिफारिश की गई।

पादप कायिक विज्ञान प्रभाग

सीxआर तथा एस.274 रोबस्टा किस्मों के उपयुक्त प्रकंद पहचान कर सूखा संवेदनशील रोबस्टा कृष्य किस्मों को विकसित करने के लिए कलमबद्ध (ग्राफ्टिंग) अध्ययन किए गए। मूल्यांकन किए गए विभिन्न कलमबद्ध संयोजनों में, एसएलएन. 9/एस.274, एस.3399/एस.274 तथा एसएलएन.5बी/एस.274 ने पैतृक वंशक्रम की तुलना में अधिक कार्यिकीय और जैव रासायनिक मापदंडों को दर्ज किया।

अरेबिका (एसएलएन.9) एवं रोबस्टा (सीxआर) किस्मों की उपज पर कैल्सिकेयर (एक तरल-आधारित स्वामित्व सूत्रीकरण) के पर्णीय अनुप्रयाग से अरेबिका एवं रोबस्टा के उपज में क्रमश: 12.18% तथा 9.52% वृद्धि हुई।

सीसीआरआई तथा दो चयनित निजी एस्टेटों में आंतरिक अभिसूत्रण पोषक छिड़काव का परीक्षण के परिणाम नियंत्रण ब्लॉक की तुलना में आंतरिक अभिसूत्रण पोषक छिड़काए ब्लॉक में 15.4% की उच्च उपज दर्ज की।

सहयोगात्मक कार्यक्रम के तहत, इसरो-आरआरएससी बेंगलूरु के साथ "छाया में उगाए गए कॉफ़ी बागानों से कार्बन उत्सर्जन की निगरानी" चयनित कॉफ़ी ब्लॉकों से कार्बन उत्सर्जन की निगरानी के लिए सीसीआरआई में 30फीट **एडी स्टेशन** स्थापित किया गया था।

पादप रोगविज्ञान प्रभाग

कॉफ़ी पर्ण किट्ट (सीएलआर) रोग प्रबंधन करने के लिए नए फफूंदनाशकों (प्रोपिकोनाजोल 13.9% + डिफेनोकोनाजोल 13.9%, पिकोसिस्ट्रोबिन 6.78% + ट्राइसाइक्लोज़ोल 20.33%, पिकोसिस्ट्रोबिन 7.05% + प्रोपिकोनाजोल 11.71, फ्लुओपाग्राम 17.7 + टेबुकोनाजोल 17.7, फ्लक्सापायरोक्साड 167 ग्राम/लीटर + पाइराक्लोस्ट्रोबिन 333 ग्राम/लीटर और हेक्साकोनाजोल 75%) का क्षेत्र मूल्यांकन किया गया। इससे यह संकेत मिला कि हेक्साकोनाजोल 75% डब्ल्यूजी और फ्लक्सापायरोक्साड 167 ग्राम/लीटर + पाइराक्लोस्ट्रोबिन 333 ग्राम/लीटर एए (0.5 मि.ली./लीटर की दर पर) की प्रभावशीलता वर्तमान में अनुशंसित हेक्साकोनाजोल 5% एससी, के बराबर पाई गई, जो सीएलआर रोग की आपतन को कम करने के वर्तमान में सिफारिश की जा रही है।

कॉफ़ी पर्ण किट्ट (सीएलआर) के प्रबंधन हेतु कॉपर आधारित फफूंदनाशक "क्यूप्रोफिक्स" (कॉपर सल्फेट 47.15% + मैंकोज़ेब 30% डब्ल्यूडीजी) के क्षेत्र मूल्यांकन से यह संकेत देता है कि सीएलआर रोग की आपतन को कम करने के लिए क्यूप्रोफिक्स की 6.25 ग्राम/लीटर की दर पर प्रभावशीलता वर्तमान में अनुशंसित प्रोफिलेक्टिक फफूंदनाशक (0.5% बोर्डो मिश्रण) के बराबर पाई गई।

परिवर्तित जलवायु स्थिति के तहत अरेबिका के सुग्राही एवं सह्य किस्म क्रमश: एसएलएन.3 (एस.275) और एसएलएन.13 पर कॉफ़ी पर्ण किट्ट का रोगजनक हेमीलोया वैस्टेट्रिकस के व्यवहार का अध्ययन किया गया। पाक्षिक अंतराल पर दर्ज किए गए डेटा से सहसंबंधित मौसम मापदंडों के डेटा जैसे दैनिक आधार पर परिवीक्षित अधिकतम तापमान, न्यूनतम तापमान, सापेक्ष आर्द्रता और संग्रहित वर्षा यह दर्शाता है कि अधिकतम तापमान, वर्षा और धूप की अवधि रोग आपतन के लिए सकारात्मक रूप से सहसंबद्ध थे।

कॉफ़ी के विभेदकों के आधार पर कॉफ़ी पर्ण किट्ट की प्रजाति का पृथक्करण, शुद्धिकरण और लक्षणीकरण का कार्य आरसीआरएस, तांडिगुडी में किया गया था। क्षेत्रीय अनुसंधान स्टेशन, तमिलनाडु में विभेदक और किट्ट प्रजातियों को अनुरक्षित की जा रही है।

ब्लैक रोट रोग के प्रबंधन के लिए छ: नए भिन्न सर्वांगी कवकनाशकों को अंत: और क्षेत्र परिस्थितियों में मूल्यांकन किया गया। इनमें से फ्लूओपाइरम 17.7% डब्ल्यू/डब्ल्यू + टेबुकोनाजोल 17.7% एससी (1.5 मि.ली./लीटर की दर पर) तथा फ्लक्सापायरोक्सैड 167 ग्राम/लीटर + पाइराक्लोस्ट्रोबिन

333 ग्राम/लीटर (1 मि.ली./लीटर की दर पर) ने न्यूनतम आपतन दर्शाया।

स्टॉक रोट रोग के प्रबंधन के लिए एकीकृत रोग प्रबंधन विकसित करने की दिशा में, छह फफूंदनाशकों और दो जैव-एजेंटों (बैसिलस सबटिलिस और ट्राइकोडर्मा हरजियानम) का क्षेत्र मूल्यांकन किया गया। पाइराक्लोस्ट्रोबिन 133 ग्राम/लीटर + एपॉक्सिकोनाजोल 50 ग्राम/लीटर (1 मि.ली./लीटर) और बैसिलस सबटिलिस और ट्राइकोडर्मा हरजियानम (10 मि.ली./लीटर) के संयोजन के उपचार से न्यूनतम रोग आपतन देखा गया।

कर्नाटक के कुछ हिस्सों में सुपारी में कोलेटोट्रिकम ग्लिओस्पोरियोइड्स के कारण होने वाले पर्ण धब्बा रोग महामारी के रूप में रिपोर्ट किया गया। पार संक्रमण की संभावना का अध्ययन करते समय, कॉफ़ी और सुपारी से अलग किए गए सी. ग्लिओस्पोरियोइड्स को ग्लासहाउस परिस्थितियों में पार संरोपण किया गया। साठ दिनों के निरंतर अवलोकन के बाद, यह पाया गया कि स्टॉक रोट रोग ग्रसित कॉफ़ी से अलग किए गए सी. ग्लोओस्पोरियोइड्स सुपारी को संक्रमित करने में विफल रहे और इसके विपरीत, दोनों प्रभेद अलग-अलग हैं।

नर्सरी में माइरोथेसियम रोरिडम और सेरकोस्पोरा कॉफ़ीकोला द्वारा उत्पन्न होने वाली पर्ण धब्बे रोगों के प्रति दस नए कवकनाशकों का मूल्यांकन किया गया। भिन्न कवकनाशकों में से फ्लुओपाग्राम 17.7% + टेबुकोनाजोल 17.7% एससी, पिकोसिस्ट्रोबिन 7% + प्रोपिकोनाजोल 12% एससी तथा टेबुकोनाजोल 38.39% एससी ने न्यूनतम रोग आपतन दिखाई।

कॉफ़ी नर्सरी रोगों पर कॉफ़ी बायोचार का प्रभाव समझने के लिए अध्ययन शुरू किया गया। प्रारंभिक परीक्षणों के परिणामों से पता चला कि नर्सरी मिश्रण में 4% कॉफ़ी बायोचार संशोधन ने पर्ण धब्बा रोग की न्यूनतम आपतन दर्ज किया, जबकि 1% कॉफ़ी बायोचार संशोधन ने ब्राउन आई स्पॉट रोग न्यूनतम आपतन दिखाई दिया।

उद्योग के समर्थन में, मृदा जनित कॉफ़ी के रोगों के प्रबंधन के लिए कुल 490 किलोग्राम जैव नियंत्रण कारक ट्राइकोडर्मा हरजियानम प्रारंभक संवर्धन को 14 रोपणकर्ताओं को आपूर्ति की गई।

कीट विज्ञान प्रभाग

वर्ष 2023-24 के पुष्पण अवधि के दौरान, सीसीआरआई के अरेबिका एवं रोबस्टा बागानों में, राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड द्वारा प्रायोजित"कॉफ़ी उत्पादन एवं गुणता सुधार पर मधुमक्खी का प्रभाव" परियोजना के तहत, मधुमक्खी प्रवेश पर अध्ययन किया गया। इस अध्ययन में पाया गया कि अरेबिका और रोबस्टा बागानों में सबसे प्रचुर मात्रा में आने वाली एपिस सेराना तथा टेट्रागोनुला ट्रावनकोरिका मधुमक्खियाँ थीं।

तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू), कोयंबत्तूर के सहयोग से प्रयोगशाला तथा कॉफ़ी क्षेत्रों में सीडब्ल्यूएसबी के अंडाणु-विरोधी क्रिया पर नैनो-अभिसूत्रण की क्षमता का मूल्यांकन किया गया। नैनो-अभिसूत्रण और 4% सेलुलोज़ एसीटेट के छिड़काव के 90 दिनों बाद अंडे देने से रोकने में प्रभावी पाया गया।

सीडब्ल्यूएसबी फेरोमोन प्रलोभन की कार्यक्षमता सुधारने हेतु नैनो-फेरोमोन विकसित करने के लिए सहयोगात्मक अध्ययन शुरू किए गए। इलेक्ट्रो एन्टेनोग्राफिक डिटेक्शन (ईएडी) का उपयोग करके सीडब्ल्यूएसबी के प्रति मेसर्स एटीजीसी, बेंगलूरु द्वारा संश्लेषित नैनो-फेरोमोन की प्रतिक्रिया का अध्ययन एनबीएआईआर, बेंगलूरु में किया गया। विभिन्न क्षेत्रीय स्थानों में नैनो-फेरोमोन की प्रभावी सांद्रता की कार्यक्षमता का अध्ययन करने के लिए नैनोफेरोमोन जाल स्थापित किया गया।

शॉट होल बोरर (एसएचबी) को जाल में प्रभावी रूप से फँसाने के लिए, कॉफ़ी पौधों से कैरोमोन संग्रहित किया गया। जीसी-एमएस के उपयोग कर कैरोमोन की पहचान किया गया और सेमीओ-केमिकल प्रयोगशाला, आईआईएचआर, बेंगलूरु में

एसएचबी के प्रति इलेक्ट्रो एन्टेनोग्राफिक डिटेक्शन (ईएडी) का उपयोग करके उनकी प्रतिक्रिया को रिकार्ड किया गया। पहचाने गए विभिन्न वाष्पशील पदार्थों में से, एसएचबी ने 31 विभिन्न वाष्पशील पदार्थों को प्रतिक्रिया प्रकट की। 2,4-डाइमिथाइल हेप्टेन, α-पिनीन, 3-इथाइलटोल्वीन, इथाइल बेंजोएट, 2-मिथाइलडोडेकेन, 3-हेक्सानाल, 2-हेक्सिल-1-डेकेनॉल, स्टाइरीन, बीटा मायर्सीन, पेंटाडेकेन, डी-लिमोनेन के उपयोग से उल्लेखनीय प्रतिक्रिया देखी गई।

कॉफ़ी उगाने वाले विभिन्न स्थानों से एसएचबी के नैसर्गिक शत्रुओं का पता लगाया और सबसे प्रचुर मात्रा में परजीवी टेट्रास्टिकस जाति (हाइमेनोप्टेरा: यूलोफिडे) को ही पाया गया। इसके अतिरिक्त, एसएचबी के परजीवीकरण का स्तर जनवरी में 1.67% से लेकर 11.67% तक था तथा परजीवीकरण फरवरी (10%) की तुलना मे जनवरी (11.67%) मे अधिक था ।

जाल में फँसे हुए कॉफ़ी बेरी बोरर के प्रति नैनोमैट्रिक्स अनुप्रयोग का मूल्यांकन करने के लिए एनबीएआईआर, बेंगलूरु के सहयोग से प्रारंभिक अध्ययन शुरू किया गया था। नैनो-मैट्रिक्स प्रदेय जाल में कीटों को फँसाने मानक ब्रोका प्रलोभनयुक्त जाल के बराबर था। सभी कॉफ़ी उगाने वाले क्षेत्रों में कॉफ़ी बेरी बोरर की संख्या की नियमित निगरानी की गई और इसके आधार पर, कीटों की प्रभावी प्रबंधन के लिए कॉफ़ी उपजकर्ताओं को समय पर सलाह दी गई।

उद्योग समर्थन गतिविधि के तहत, कॉफ़ी सफेद तना छेदक (सीडब्ल्यूएसबी) के प्रबंधन के लिए कर्नाटक में 8 रोपणकर्ताओं को प्रलोभन सहित कुल 450 क्रॉस वेन फेरोमोन जाल की आपूर्ति की सीबीबी के प्रबंधन के लिए प्रलोभन सहित 34,899 ब्रोका जाल और 1419.5 लीटर के केवल प्रलोभन को क्रमश: 241 व 230 उपजकर्ताओं में आपूर्ति की गई। एसएचबी के प्रबंधन के लिए प्रलोभन सहित 14,775 जाइकॉम जाल और 95 लीटर के केवल जाइकॉम प्रलोभन को क्रमश: 214 और 59 उपजकर्ताओं में आपूर्ति की गई। सीबीबी के प्रबंधन के लिए कर्नाटक और तमिलनाडु के 9 उपजकर्ताओं को कुल 281 किलोग्राम ब्यूवेरिया बासियाना की आपूर्ति की गई।

मीलीबग ग्रसन के प्रबंधन के लिए पारि-अनुकूल उपाय के रूप में केरल तथा कर्नाटक के 27 उपजकर्ताओं को 64,500 परजीव्याभों (लेप्टोमैस्टिक्स डेक्टीलोपी) की आपूर्ति की गई।

उप घटक 1.3: कटाई पश्चात प्रौद्योगिक एवं गुणता सुधार

कटाई पश्चात प्रौद्योगिक प्रभाग

वर्ष 2023-24 में सीसीआरआई में की गई कटाई अवधि के दौरान, एक नई स्टाटिक मैकानिकल ड्रायर (ताइवान निर्मित) का मूल्यांकन किया गया। अनुवीक्षण से पता चला कि अरेबिका पार्चमेंट एवं अरेबिका चेरी को क्रमश: 10% और 11% की वांछित नमी के स्तर तक पहुँचने में लगभग 16 और 40 घंटे का समय लगा। नए मैकानिकल ड्रायर में सुखाए गए नमूनों की कप गुणता 74% से 75% के बीच थी।

कॉफ़ी के नमूनों को सुखाने के लिए इसकी प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान तीन सौर सुरंग ड्रायर (एसटीडी) लगाए गए थे, जिनमें से एक केंद्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान (सीसीआरआई) और दूसरा कर्नाटक राज्य के मुडिगेरे और सकलेशपुरा क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र (टीईसी) में रखा गया था। बहु-स्थानीय परिणामों ने संकेत दिया कि पारंपरिक धूप में कॉफ़ी को सुखाने की तुलना में एसटीडी का उपयोग करने से सुखाने के दिनों को 40% से 50% तक कम किया जा सकता है। एसटीडी में सुखाए गए नमूनों की कप गुणता ने, धूप में सुखाने (73.75) और एसटीडी में सुखाने (76.75) के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं दिखाई दिया।

सीसीआरआई में कॉफ़ी प्रसंस्करण अपशिष्टों से उत्पन्न बायोचार (चेरी भूसी और पार्चमेंट भूसी से निर्मित कार्बन युक्त पदार्थ) पर किए गए प्रयोगों से पता चला कि पौधों की वृद्धि,

पोषक तत्वों का ग्रहण, मृदा में जल धारण क्षमता तथा विभिन्न कॉफ़ी नर्सरी में उत्पन्न विभिन्न रोगों के आपतन कम करने पर बायोचार सकारात्मक प्रभाव डालता है।

कॉफ़ी उगाने वाले विभिन्न क्षेत्रों से संग्रहित सत्तर मृदा नमूनों के सूक्ष्मजीवी मानचित्रण ने संकेत दिया कि चार पौधों के बीच में से संग्रहित मृदा की तुलना में ड्रिप-सर्किल-ज़ोन से संग्रहित मृदा नमूनों में सूक्ष्मजीवियों की संख्या (बैक्टीरिया/कवक/एक्टिनोमाइसेट्स) अपेक्षाकृत अधिक पाई गई। इसके अलावा, चार पौधों के बीच में से संग्रहित मृदा की तुलना में ड्रिप-सर्किल-. जोन से संग्रहित मृदा नमूनों का पीएच/मृदा अभिक्रिया अधिक अम्लीय पाई गई।

रिपोर्टाधीन अवधि में विभिन्न पारिस्थितिकी तंत्र (अरेबिका/रोबस्टा/जंगल/धान) से संग्रहित मृदा के नमूनों के सूक्ष्मजीवी मानचित्रण (बैक्टीरिया/कवक/एक्टिनोमाइसेट्स) से पता चला कि अरेबिका पारिस्थितिकी तंत्र में एक्टिनोमाइसेट्स और फॉस्फेट विलेयकारी की संख्या उच्च थी, जबकि धान पारिस्थितिकी तंत्र में बैक्टीरिया और नाइट्रोजन फिक्सर की संख्या अधिक पायी गयी। रोबस्टा पारिस्थितिकी तंत्र में कवक की उच्च संख्या पायी गयी।

कॉफ़ी गुणता विभाग

कॉफ़ी गुणता प्रभाग के तहत आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. कापी शास्त्र प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य कॉफ़ी भूनने, पीसने और पैकेजिंग उद्योग में नवीनतम तकनीकों के बारे में जागरूकता पैदा करना तथा अच्छी गुणता की कॉफ़ी तैयार करने की तकनीकों को प्रदर्शित करना है। वर्ष 2023-24 के दौरान तीन कार्यक्रम आयोजित किए गए और 65 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

क्र. सं.	स्थान	विवरण	प्रतिभागियों की संख्या
1.	मुख्यालय, बेंगलूरु	03 से 07 जुलाई 2023	26
2.	मुख्यालय, बेंगलूरु	20 से 24 नवम्बर 2023	26
3.	मुख्यालय, बेंगलूरु	18 से 22 दिसम्बर 2023	13
कुल			**65**

2. बरीस्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम

कॉफ़ी बोर्ड द्वारा शुरु किया गया बारीस्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम, कॉफ़ी बनाने, कैफे प्रबंधन तथा बरीस्ता कौशल सुधारने में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के लिए एक उत्कृष्ट प्लेटफ़ॉर्म है। वर्ष 2023-24 के दौरान कुल 11 कार्यक्रम आयोजित किए गए और विशाखापट्टणम, ओड़िशा, महाराष्ट्र, कोलकाता, हैदराबाद, गुजरात, तेलंगाना और गोवा जैसे देश के विभिन्न भागों में आयोजित कार्यक्रम में 124 प्रतिभागियों ने भाग लिया विवरण इस प्रकार है:

क्र. सं.	स्थान	विवरण	प्रतिभागियों की संख्या
1.	मानसगंगोत्री, मैसूरु	19 से 23 जून 2023	13
2.	गिरिजन को-ऑप कार्पोरेशन लिमिटेड, विशाखापट्टणम	31 जुलाई से 04 अगस्त 2023	19
3.	आईएचएम वीएसएस नगर, भुवनेश्वर	28 अगस्त से 01 सितम्बर 2023	09
4.	मुख्यालय, बेंगलूरु	06 से 10 नवम्बर 2023	11
5.	एबी कॉफ़ी, मुंबई	04 से 08 दिसम्बर 2023	08
6.	टी बोर्ड, कोलकाता	08 से 12 जनवरी 2024	10
7.	जीएआर, बंजारा हिल्स, हैदराबाद	26 से 30 जनवरी 2024	13
8.	शक्ति फाउण्डेशन, कोकोरो बरिस्ता स्कूल के द्वारा, सूरत	29 जनवरी से 02 फरवरी 2024	12

9.	शक्ति फाउण्डेशन, कोकोरो बरिस्ता स्कूल के द्वारा, सूरत	26 फरवरी से 01 मार्च 2024	12
10.	वेंकटरमणा काम्प्लेक्स, हैदराबाद	11 से 15 मार्च 2024	08
11.	फुल ऑफ बीन्स कॉफी, गोवा	11 से 15 मार्च 2024	09
कुल			**124**

3. "नो योर कापी (केवाईके)" - एक विशेष कप गुणता मूल्यांकन कार्यक्रम

कॉफ़ी बोर्ड ने "नो योर कापी (केवाईके)" नामक एक विशेष कप गुणता मूल्यांकन कार्यक्रम शुरू किया, जिसका उद्देश्य उपजकर्ताओं को उनकी कॉफ़ी गुणता की बारीकीयों को समझने और उसमें सुधार करने में मदद करना है। छः विभिन्न श्रेणियों के तहत कप गुणवत्ता मूल्यांकन पूरा होने के बाद, शीर्ष स्कोरिंग को फ्लेवर ऑफ इंडिया द फाइन कप अवार्ड से सम्मानित किया गया है। पुरस्कृत कॉफ़ी नमूनों का विवरण नीचे दिया गया है:

- **अत्युत्तम धुली अरेबिका** - श्रीमती किल्लो अश्विनी, पति का नाम-गसन्ना, आंध्र प्रदेश
- **अत्युत्तम अध-धुली अरेबिका** - श्री संबीत कुमार पंडा, मेसर्स सप्तगिरी प्लांटेशन, कोरापुट
- **अत्युत्तम अरेबिका नैचुरल्स** - मेसर्स कृति कॉफ़ी, किंद्रीगुडा ट्राइबल फार्मर्स ग्रुप, कोरापुट
- **अत्युत्तम धुली रोबस्टा** - श्री जैकब मैमन, मेसर्स बद्रा बालेहोन्नूरु एस्टेट, चिक्कमगलूरु
- **अत्युत्तम अध-धुली रोबस्टा** - श्री श्रीनिवास के.एस. मेसर्स कोव्वली एस्टेट, चिक्कमगलूरु
- **सर्वश्रेष्ठ रोबस्टा नैचुरल्स** - श्री जैकब मैमन, मेसर्स बद्रा बालेहोन्नूरु एस्टेट, चिक्कमगलूरु

वर्ष 2023-24 के लिए दिशा-निर्देशों में संशोधन के साथ "नो योर कापी (केवाईके)" की घोषणा भी की गई है।

4. कॉफ़ी गुणता प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

वर्ष 2022-23 के दौरान 15 छात्रों ने कॉफ़ी गुणता प्रभाग में दूसरा त्रैमासिक सत्र पूर्ण किया। वहीं, वर्ष 2023-24 बैच के लिए 15 छात्रों ने दाखिला लिया है और वे रिपोर्टिंग अवधि के दौरान केंद्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान, बालेहोन्नूरु में अपने पहले त्रैमासिक सत्र में अध्ययनरत हैं।

मूल्यवर्धन के लिए समर्थन

मूल्यवर्धन की दिशा में एक कदम

विश्व कॉफ़ी श्रृंखला में कॉफ़ी की न्यूनतम 40% अर्थव्यवस्था कॉफ़ी उत्पादक देशों की है, जबकि शेष 60% उपभोक्ता देशों की। पिछले कुछ वर्षों में उपभोक्ता देशों ने अंतिम उत्पाद के रूप में कॉफ़ी के प्रसंस्करण, विनिर्माण और विपणन की क्षमताओं में सुधार किया है। कॉफ़ी की मूल्य श्रृंखला और बाजार के सतत विकास के लिए भूनने, पीसने और पैकेजिंग में नवीनतम तकनीकों को अपनाना महत्वपूर्ण है। विशेषकर लघु और मध्यम उद्यमों के माध्यम से रोजगार सृजन के लिए पर्याप्त अवसर घरेलू बाजार द्वारा कॉफ़ी के प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन से मिलेंगे। चूंकि कॉफ़ी भूनने, पीसने और पैकेजिंग के क्षेत्रों में आधुनिक तकनीकों में लगाए जाने वाली पूंजी राशि अधिक है, इसलिए यह लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को कॉफ़ी के मूल्यवर्धन गतिविधियों को अपनाने से रोकती है। इसलिए, अच्छी गुणता वाली कॉफ़ी पाउडर की तैयारी तथा पैकेजिंग के लिए उपयुक्त तकनीक हासिल करने के लिए उद्यमियों को समुचित सहायता प्रदान करना आवश्यक पाया गया है।

कॉफ़ी बोर्ड ने बारहवीं योजना एमटीएफ स्कीम घटक 10 मूल्यवर्धन के लिए समर्थन के तहत सहायिकी (सब्सिडी) प्रदान करने द्वारा आर एण्ड जी इकाइयों का समर्थन कर रहा है। इस घटक का मुख्य उद्देश्य कॉफ़ी उत्पाद की गुणता को बढ़ाना और भूनने, पीसने और पैकेजिंग में बेहतर तकनीकों को परिचित कराने के माध्यम से मूल्यवर्धन प्राप्त करना है, जिसके परिणामस्वरूप कॉफ़ी क्षेत्र में घरेलू कॉफ़ी के उपभोग और उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। व्यक्तिगत इकाइयों,

साझेदारी फर्मों, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी)/उपजकर्ताओं के समूहों को सहायता प्रदान की जा रही है जो कॉफ़ी भूनने वाली इकाइयाँ स्थापित करने में रुचि रखते हैं और साथ ही, वे जो नई स्वचालित/ऊर्जा बचत/पर्यावरण-हितैषी मशीनरी के साथ मौजूदा इकाइयों का आधुनिकीकरण करने का प्रस्ताव रखते हैं।

सहायिकी (सब्सिडी) के लिए पात्र घटक

i. रोस्टिंग यूनिट, 1 किलोग्राम से <10 किलोग्राम/बैच वाली गॉरमेट रोस्टिंग यूनिट और 25 किलोग्राम से कम क्षमता वाली छोटी रोस्टिंग यूनिट, मशीनरी लागत के 40% की सहायिकी (सब्सिडी) के लिए पात्र हैं, जिसकी अधिकतम सीमा 10 लाख रुपये है।

ii. एसएचजी, महिला उद्यमियों, एससी/एसटी, अल्पसंख्यकों और दिव्यांग लाभार्थियों के लिए सहायिकी (सब्सिडी), मशीनरी लागत के 50% पर है, जिसकी अधिकतम सीमा 10 लाख रुपये है।

गॉरमेट रोस्टिंग इकाइयों को समर्थन से छोटी मात्रा में विशेष मिश्रणों को रोस्ट करना संभव होगा। इससे गैर-पारंपरिक कॉफ़ी पीने वाले क्षेत्रों में बड़ी संख्या में छोटे उपजकर्ताओं/नए उद्यमियों को इस उद्यम को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने में भी सहायता मिल सकती है।

नई इकाइयाँ

निम्नलिखित में से भूनने, पीसने और पैकेजिंग के किसी भी संयोजन में मशीनरी सहायिकी (सब्सिडी) के लिए पात्र हैं।

क) भूनने की मशीन, पीसने की मशीन और पैकेजिंग मशीन।

ख) भूनने की मशीन और पैकेजिंग मशीन।

ग) पीसने की मशीन और पैकेजिंग मशीन।

इस वर्ष, इस घटक के तहत 11 इकाइयों को सहायिकी (सब्सिडी) प्रदान की गई।

भारत की कॉफ़ी की रूपरेखा तैयार करने और इण्डिया कॉफ़ी फ्लेवर व्हील विकसित करने के लिए क्षेत्रीय अधिकारियों और उपजकर्ताओं से प्राप्त कुल 1702 नमूनों का कप की गुणता के लिए मूल्यांकन किया गया। पोषण संबंधी मापदंडों का मूल्यांकन जारी रखा गया है। कार्यात्मक पेय तैयार करने के विकल्प के रूप में पौधे-आधारित दूध पर अध्ययन किए गए। एस्प्रेसो पेय पदार्थों के लिए पौधे-आधारित दूध के साथ गाय के दूध सम्मिश्रण का तुलनात्मक विश्लेषण यह दर्शाता है कि पौधे-आधारित दूध एस्प्रेसो पेय पदार्थों में एक मलाईदार रूप और अधिक संतुलित स्वाद प्रदान करता है, जबकि गाय का दूध एक अनोखा स्वाद जबरदस्त रूप प्रदान करता है।

भारतीय कॉफ़ी पर निष्कर्षण अध्ययन - पीसने के आकार और ब्रूईंग विधि की भूमिका: भारतीय फ़िल्टर कॉफ़ी विधि का उपयोग कर, किए गए निष्कर्षण अध्ययनों के आँकडे से पता चलता है कि पीसने के आकार और निष्कर्षण दक्षता के बीच का संबंध भूनने के स्तर से प्रभावित होता है। अरेबिका कॉफ़ी के रासायनिक विश्लेषण और संवेदी मूल्यांकन पर विभिन्न प्रसंस्करण विधियों के प्रभाव ने संकेत दिया कि प्रसंस्करण के विभिन्न तरीकों ने भुनी हुई और हरी कॉफ़ी के रासायनिक विश्लेषण को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया, साथ ही भुनी हुई कॉफ़ी में इंद्रीयग्राही गतिविधि को भी प्रभावित किया।

संरचना और संवेदी विशेषताओं के लिए कॉफ़ी और चिकोरी मिश्रणों के मूल्यांकन ने संकेत दिया कि विकसित मिश्रणों में चिकोरी सामग्री का प्रतिस्थापन विश्लेषणात्मक परिणामों से स्पष्ट है, विशेष रूप से पीएच, ब्रिक्स, टीडीएस और कैफीन सामग्री संरचनागत परिवर्तनों के समान भिन्न होती है।

एआईसी-सीसीआरआई-सीईडी, कॉफ़ी बोर्ड

एआईसी-सीसीआरआई-सीईडी (अटल इनक्यूबेशन सेंटर - केंद्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान - उद्यमिता विकास केंद्र), यह एक तकनीकी व्यापार प्रशिक्षण केंद्र है, जिसे बेंगलूरु स्थित कॉफ़ी बोर्ड के मुख्यालय में केंद्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान (सीसीआरआई) तथा अटल नवाचार मिशन (एआईएम) के सहयोग से कॉफ़ी क्षेत्र में स्टार्टअप्स को समर्थन एवं संवर्धन देने के लिए स्थापित किया गया है।

उद्देश्य:

- उद्यमियों के लिए एक सहायक वातावरण प्रदान करना ताकि वे व्यावसायिक नवाचार चला सकें।
- नवोन्मेषी स्टार्टअप्स को प्रशिक्षित करना और उन्हें स्नातक करना।
- युवा उद्यमियों तथा युवाओं के लिए अवसर सृजित करना।
- भारत की उच्च गुणता एवं मात्रा वाली कॉफ़ी को बढ़ावा देने के लिए कॉफ़ी उद्योग की चुनौतियों का समाधान उद्यमिता के दृष्टिकोण से करना।

वर्ष 2023-24 के दौरान, हितधारकों एवं आकांक्षी उद्यमियों के लिए निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया:

वर्त्तारंभ - कॉफ़ी एवं संबंधित क्षेत्रों में आकांक्षी तथा प्रारंभिक-चरण स्टार्टअप्स के लिए एक ऑनलाइन पूर्व-प्रशिक्षण (प्री-इनक्यूबेशन) कार्यक्रम, जिसमें 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

विक्रयम - कॉफ़ी क्षेत्र के निर्यात वर्टिकल पर एक ऑनलाइन कार्यक्रम। कुल 25 प्रतिभागियों को कॉफ़ी निर्यात पर प्रशिक्षण दिया गया और उन्हें कॉफ़ी उद्योग के हितधारकों से जोड़ा गया।

आरोहण - एक प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसमें स्टार्टअप्स को मेंटरशिप, निधियों तक पहुँच, पेशेवर नेटवर्किंग और उत्पाद/सेवा विकास की सुविधाएं प्रदान की जाती हैं, जो कॉफ़ी और संबंधित क्षेत्रों से संबंधित नवोन्मेषी एवं मापनीय व्यावसायिक मॉडलों पर काम कर रहे हैं।

कैफे कान्सेप्टर - एआईसी-सीसीआरआई-सीईडी में चार दिवसीय व्यक्तिगत कार्यक्रम, जो कॉफ़ी-केन्द्रित कैफे सेटअप करने के लिए आकांक्षी कैफे उद्यमियों को व्यावहारिक ज्ञान एवं अनुभव प्रदान करता है। कुल 4 बैचों में 44 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया।

उद्यमिता विकास कार्यक्रम - इस कार्यक्रम के तहत, गुजरात के एकता नगर में लगभग 50 आदिवासी महिलाओं को कॉफ़ी ब्रूइंग एवं कैफे प्रबंधन पर प्रशिक्षण दिया गया; 200 से अधिक छात्रों ने एआईसी-सीसीआरआई-सीईडी का दौरा किया और कॉफ़ी क्षेत्र से संबंधित नवोन्मेषी स्टार्टअप विचारों से परिचित हुए; प्रशिक्षित स्टार्टअप्स को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में प्रदर्शक के रूप में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ।

कॉफ़ी क्षेत्र से संबंधित नवाचार एवं उद्यमिता पर 20 वेबिनार आयोजित किए गए, जिसमें लगभग 750 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

5वां विश्व कॉफ़ी सम्मेलन

5वां विश्व कॉफ़ी सम्मेलन (डब्ल्यूसीसी) 25-28 सितंबर, 2023 को बेंगलूरु में **"चक्रीय अर्थव्यवस्था एवं पुनर्योजी कृषि स्थिरता"** विषय पर अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन (आईसीओ) के सहयोग से आयोजित किया गया था। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम भारत में पहली बार हुआ।

उद्घाटन समारोह में माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, भारत सरकार, श्री पीयूष गोयल, सहित अन्य सदस्य गणमाण्य जैसे कि श्री जो कुली, पापुआ न्यू गिनी के कॉफ़ी मंत्री, श्री मैसिमिलियानो फेबियान, अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी परिषद के अध्यक्ष, डॉ. वानूसिया नोघेरिया, अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन (आईसीओ) की कार्यकारी निदेशक, श्री सुरेश नारायणन, नेस्ले इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्री सुनील ए.डी'सूजा, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के मु.का.अ एवं प्रबंध निदेशक, श्री चल्ला श्रीशांत, सीसीएल प्रोडक्ट्स (इंडिया) लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री शिव कृष्णमूर्ति, हिंदुस्तान लीवर लिमिटेड के दक्षिण एशिया फूड एंड बेवरेजेस के उपाध्यक्ष, श्री एन. सत्यापन, एसएलएन कॉफ़ी प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. के.जी. जगदीश, कॉफ़ी बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं सचिव, श्री एन.एन. नरेंद्र, कॉफ़ी बोर्ड के वित्त निदेशक तथा युनिडो, एफएओ, आईटीसी, अफ्रेक्सिमबैंक तथा आईएलओ के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सम्मेलन का शुभारंभ 25 सितंबर को एक भव्य उद्घाटन

समारोह के साथ हुआ, जिसमें उद्घाटन सत्र में आईसीओ की कार्यकारी निदेशक डॉ. वानूसिया नोघेरिया, अर्थशास्त्री एवं लेखक प्रो. गुंटर पाउली तथा एयूरोमॉनिटर इंटरनेशनल के फूड व बेवरेजेस के इनसाइट्स मैनेजर श्री मैथ्यू बैरी द्वारा मुख्यभाषण दिए गए।

26 से 27 सितंबर तक सम्मेलन में 11 विषयगत सत्रों में 42 विषयों पर चर्चा की गई, जिसमें 76 वक्ताओं और पैनलिस्टों ने भारत तथा विदेशों से कॉफ़ी के परिप्रेक्ष्य पर समृद्ध चर्चाओं में भाग लिया।

साथ ही, 13 तकनीकी कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जिसमें 24 वक्ताओं सहित नौ अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं ने विभिन्न विषयों जैसे कि वैकल्पिक दूध का उगम, भूनाई एवं कैफे व्यवसाय पर कार्यशालाओं में संकाय की भूमिका निभाई।

28 सितंबर को ग्रोवर्स कॉन्क्लेव की ओर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसका उद्घाटन श्री अमरदीप सिंह भाटिया भा.प्र.से. अपर सचिव, वाणिज्य विभाग, भारत सरकार, ने किया। उद्घाटन के बाद, नौवें संस्करण का कॉफ़ी गाइड और इंडिया कॉफ़ी ऐप, कॉफ़ी समुदाय के लाभ के लिए विमोचन किया गया। उस दिन के कार्यक्रम में कॉफ़ी उपजकर्ताओं के लिए आवश्यक तकनीकी उन्नति, गुणता प्रबंधन तथा ग्रीन कॉफ़ी पैकेजिंग के प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। साथ ही स्टार्ट-अप कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया, जिसमें सात उच्च प्रभावी सत्रों के तहत 15 वक्ताओं ने व्यवसाय प्रक्रिया एवं उत्पाद नवाचारों से लेकर स्थिरता व जलवायु परिवर्तन तक के विविध विषयों पर चर्चा की। यह कॉन्क्लेव कॉफ़ी स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में नवाचार की भावना का उत्सव था।

प्रतियोगिताएँ

विश्व कॉफ़ी सम्मेलन 2023 में प्रतिस्पर्धाओं का क्षेत्र केवल कॉफ़ी प्रतिस्पर्धाओं तक सीमित नहीं था; यह एक ऐसा मंच था जो कॉफ़ी ब्रूइंग में उत्कृष्टता को प्रेरित करता और बारिस्ताओं को उनके कौशल को उन्नत करने की प्रेरणा देता था। इन प्रतिस्पर्धाओं ने उत्साह पैदा किया और प्रतिभागियों को अपनी सीमाओं को चुनौती देने का अवसर दिया, जिससे विकास तथा नवाचार का वातावरण निर्मित हुआ। इन प्रतिस्पर्धाओं के विजेताओं को न केवल सम्मान प्राप्त हुआ, बल्कि उन्हें वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का गौरव भी प्राप्त हुआ, जहाँ उन्होंने अपने देश की कॉफ़ी संस्कृति एवं कौशल को प्रदर्शित किया।

प्रतिस्पर्धाओं के क्षेत्र में एक समर्पित ग्रॉवर्स विलेज था, जहाँ उपजकर्ता अपनी उपज को सुंदर रूप से डिज़ाइन की गई गाड़ियों में प्रदर्शित कर रहे थे। प्रतिस्पर्धाओं के क्षेत्र में एक रोस्टर्स विलेज एक कॉफ़ी-बू बार, एक समर्पित कपिंग रूम और स्टॉल्स भी था, जो आगंतुकों और उद्योग जगत द्वारा सर्वाधिक पसंद किया गया।

वर्ल्ड कॉफ़ी एक्सपो:

5वें विश्व कॉफ़ी सम्मेलन के दौरान एक वर्ल्ड कॉफ़ी एक्सपो भी आयोजित किया गया, जिसमें दुनिया भर से कॉफ़ी मूल्य श्रृंखला को प्रदर्शित किया गया, जिसमें ग्लोबल कॉफ़ी, कॉफ़ी प्रोसेसर्स, प्रमुख कॉफ़ी कॉर्पोरेट्स, सरकारी एजेंसियाँ, उपकरण निर्माता (फार्म से कप तक), स्टार्टअप्स तथा कॉफ़ी से संबंधित क्षेत्र शामिल थे। इसने प्रदर्शकों को विश्व कॉफ़ी सम्मेलन में पंजीकृत प्रतिनिधियों तथा दुनिया भर से 17,000 से अधिक व्यापारिक आगंतुकों से मिलने और नेटवर्किंग करने का अवसर प्रदान किया, जो कॉफ़ी उपजकर्ता और कॉफ़ी क्रय किए जाने वाले राष्ट्र, निर्यातकों, आयातकों, प्रमुख कॉफ़ी संघों, वैश्विक कॉफ़ी विशेषज्ञों, रोस्टर्स और एच.ओ.आर.ई.सी.ए. से थे। यह एक स्टार-स्टडेड आकर्षण था, जिसमें पूरी कॉफ़ी मूल्य श्रृंखला को बीज से कप तक प्रदर्शित किया गया। कुल मिलाकर, एक्सपो में 253 प्रदर्शकों ने भाग लिया। इसमें उपकरण कंपनियाँ, कॉफ़ी मशीनें, सॉल्युबल कॉफ़ी ब्रांड्स और कैफे चेन शामिल थे। इसके अतिरिक्त, प्रदर्शनी में खूबसूरती से डिज़ाइन किए गए थीम पविलियन्स थे, जो घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का प्रतिनिधित्व करते थे।

*****

अध्याय V

विस्तार एवं विकास

1. परंपरागत क्षेत्र

परंपरागत कॉफ़ी उपजाने वाले क्षेत्रों में तीन दक्षिणी राज्यों यथा, कर्नाटक, केरल एवं तमिलनाडु शामिल हैं। परंपरागत क्षेत्रों में कॉफ़ी की कुल रोपित क्षेत्र 3,70,813 हेक्टेयर है, जो देश की कुल कॉफ़ी क्षेत्र 4,89,619.64 हेक्टेयर का 76% है। परंपरागत क्षेत्रों में जोतों की कुल संख्या 1,77,752 है, जो देश की कुल 4,40,748 जोतों का लगभग 40.33% है।

1.1. परंपरागत क्षेत्र में कॉफ़ी के अधीन क्षेत्र

वर्ष 2023-24 के दौरान, तीन परंपरागत कॉफ़ी उपजाने वाले राज्यों में कॉफ़ी के रोपित क्षेत्र, फलन क्षेत्र तथा जोतों की संख्या का विवरण निम्नानुसार हैं :

परंपरागत क्षेत्र में रोपित क्षेत्र, फलन क्षेत्र तथा जोतों की संख्या

राज्य	रोपित क्षेत्र (हे.)			फलन क्षेत्र (हे.)			जोतों की संख्या		
	अरेबिका	रोबस्टा	कुल	अरेबिका	रोबस्टा	कुल	<10 हे.	>10 हे.	कुल
कर्नाटक	1,05,219	1,43,723	**2,48,942**	97,749	1,35,904	**2,33,653**	79,508	2,208	**81,716**
केरल	4,238	81,719	**85,957**	3,957	81,087	**85,044**	77,584	277	**77,861**
तमिलनाडु	29,642	6,272	**35,914**	28,077	5,952	**34,029**	17,830	345	**18,175**
कुल	**1,39,099**	**2,31,714**	**3,70,813**	**1,29,783**	**2,22,943**	**3,52,726**	**1,74,922**	**2,830**	**1,77,752**

1.2. वर्ष 2023-24 में मौसम परिस्थिति तथा फसल उत्पादन

वर्ष 2023 के दौरान, ग्रीष्मकाल उच्च तापमान सहित गर्म तथा शुष्क था। परंपरागत क्षेत्रों के कॉफ़ी उपजाने वाले सभी क्षेत्रों में पुष्पण एवं समर्थन बौछार की प्राप्ति विलम्ब से हुई, लेकिन संतोषजनक रही। आगे, मौसम स्थिति सामान्य थी जिससे कॉफ़ी बागानों में नए पौधों को रोपित करने और मृदा की सामान्य नमी बचाने के लिए सहायता मिली। जहाँ भी उपजकर्ताओं के पास शिरोपरी (ओवरहेड) सिंचाई की सुविधा थी, उन्होंने सुनिश्चित फसल लगने के लिए रोबस्टा को पुष्पण एवं समर्थन बौछार जैसी सिंचाई उपलब्ध कराया। जून 2023 के प्रथम पखवाड़े के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून मंद रूप से प्रारंभ होकर जुलाई महीने में मूसलाधार बारिश का रूप लिया तथा सितंबर के दौरान अनिरंतर रूप से वर्षा होती रही। परंपरागत क्षेत्रों में वर्ष 2022 की संगत अवधि की तुलना में प्रस्तुत मानसून अवधि के दौरान 30% कम वर्षा प्राप्त हुई थी हालाँकि जल टंकियाँ एवं झरनें बह निकलें, बोरवेलों में अंतर्जल का भराव हुआ। समग्र रूप से इस मानसून में मृदा की नमीयता बनी रही और वानस्पतिक वृद्धि भी हुई। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान कोई महत्वपूर्ण फसल हानि, बाढ़ या भूस्खलन नहीं हुआ था।

उत्तर-पूर्वी मानसून अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े के दौरान शुरू हुआ तथा पूरे मौसम में मध्यम से उच्च तेज़ हवा के साथ

सक्रिय रहा। इसके अलावा, दिसंबर महीने के दौरान हुई वर्षा के कारण कॉफ़ी की कटाई एवं प्रसंस्करण में बाधा उत्पन्न हुई, जिससे कुछ हद तक गुणवत्ता में गिरावट आई। कुल मिलाकर, स्वस्थ पौधों व फसलों के लिए प्रचलित वर्ष 2023-24 की मौसमी परिस्थितियाँ अनुकूलतम रहीं।

परंपरागत कॉफ़ी उपजाने वाले क्षेत्रों में 2023-24 मौसम के लिए फसल प्राक्कलन 3,47,665 मीट्रिक टन रखा गया था जिसमें अरेबिका का 88,795 मीट्रिक टन एवं रोबस्टा का 2,58,870 मीट्रिक टन शामिल है। राज्यवार विवरण निम्नानुसार है :-

परंपरागत क्षेत्र में कॉफ़ी उत्पादन का प्राक्कलन (2023-24)

राज्य	उत्पादन प्राक्कलन (मीट्रिक टन)		
	अरेबिका	रोबस्टा	कुल
कर्नाटक	72,945	1,81,630	2,54,575
केरल	2,000	71,750	73,750
तमिलनाडु	1,850	5,490	19,340
कुल	**88,795**	**25,8870**	**3,47,665**

1.3 कीट एवं रोग

स्थानिक क्षेत्रों में अरेबिका का प्रमुख कीट सफेद तना छेदक का आपतन सामान्यतया निम्न से मध्यम स्तर तक था। कॉफ़ी उपजाने वाले अधिकांश क्षेत्रों में भी कॉफ़ी बेरी बोरर का आपतन कम से मध्यम स्तर तक पाया गया।

रोबस्टा को ग्रसित करने वाले शॉट होल बोरर तथा चूषक पीड़क जैसे अन्य कीटों का आपतन सामान्यत: कम पाया गया। इसके अलावा, कॉफ़ी उपजाने वाले क्षेत्रों में, भीमकाय अफ्रिकन घोंघा (जीएएस) की संख्या कम पाई गई।

रोगों में से अरेबिका का प्रमुख रोग, कॉफ़ी पत्ती किट्ट का आपतन निम्न से मध्यम स्तर तक था। ब्लैक रॉट, स्टॉक रॉट, पश्चमारी एवं जड़ रोगों का आपतन भी निम्न से मध्यम स्तर पर थे।

सामान्यतया, कीटों एवं रोगों के प्रबंधन के लिए अपेक्षानुसार आवश्यक उपचारात्मक उपायों की सलाह दी जाती है।

1.4 विस्तार गतिविधियाँ

समस्त विस्तार कार्यालय, अनुसंधान निदेशक, कॉफ़ी बोर्ड के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कार्य करते हैं। अनुसंधान निदेशक, कॉफ़ी बोर्ड, विकास समर्थन योजनाओं के कार्यान्वयन का पर्यवेक्षण करते हैं। संयुक्त निदेशक (विस्तार), हासन, कर्नाटक के चार उप निदेशक (विस्तार), सात वरिष्ठ संपर्क अधिकारी तथा सभी कनिष्ठ संपर्क अधिकारियों के विस्तार / विकास गतिविधियों का पर्यवेक्षण करते है। संयुक्त निदेशक (विस्तार), कल्पेट्टा, केरल एवं तमिलनाडु के दो उप निदेशक (विस्तार), सात वरिष्ठ संपर्क अधिकारी तथा सभी कनिष्ठ संपर्क अधिकारियों की विस्तार गतिविधियों का पर्यवेक्षण करते हैं।

कॉफ़ी कृषि की वैज्ञानिक पद्धतियों पर ज्ञान एवं कुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से तथा प्रौद्योगिकी के अंतरण के लिए कॉफ़ी बोर्ड के विस्तार कर्मियों ने कॉफ़ी उपजकर्ताओं के साथ निकट संपर्क स्थापित करना जारी रखा। सामान्यत: उपजकर्ताओं को एवं विशेषत: छोटे उपजकर्ताओं को कॉफ़ी के उत्पादन, उत्पादकता तथा गुणता सुधारने के लिए विकास समर्थन प्रदान करने के अलावा, प्रौद्योगिकी के अंतरण करने हेतु व्यक्ति एवं सामूहिक विभिन्न विस्तार पहुंच तथा साधनों को कार्य में लाया गया।

अवधि के दौरान, केंद्रित नियोजित दृष्टिकोण तथा क्रियान्वयित गतिविधियों से संबंधी विधि निदर्शन का आयोजन के लिए आदर्श एस्टेटों का चयन / कृषि प्रचालनों को प्रभावी ढ़ंग से निष्पादित करने के लिए कौशल सुधारने हेतु प्रक्षेत्रगत निदर्शन; मुद्रण/ इलेक्ट्रॉनिक/ सोशल मीडिया के जरिए सलाह प्रदान करना; कॉफ़ी उपजकर्ताओं तथा कर्मियों के ज्ञान एवं कौशल स्तरों को सुधारने के उद्देश्य से ग्राम स्तरीय समूह बैठकें, संगोष्ठियाँ एवं अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन सम्मिलित है।

कॉफ़ी बोर्ड, अगले-स्तरीय प्रौद्योगिकी सक्षम विस्तार सेवा - "कॉफ़ी कृषि तरंगा" का क्रियान्वयन कर रहा है। जो कॉफ़ी उपजकर्ताओं के लिए एक आई.वी.आर.एस. आधारित मोबाइल फोन सलाह सेवा है, जो कॉफ़ी उत्पादन प्रौद्योगिकी, मौसम तथा मूल्य से संबंधित जानकारी के बारे में सलाह प्रसारित करती है।

विस्तार कार्मिकों ने प्राकृतिक विपदा के दौरान फसल हानि पर सर्वेक्षण, फसलों का आवधिक मूल्यांकन, कीट एवं रोगों के आपतन का अनुवीक्षण तथा प्रबंधन और कॉफ़ी बीज का अधिप्राप्ति एवं वितरण जैसे गतिविधियों पर भी कार्य किया हैं।

वर्ष 2023-24 के दौरान सम्पन्न विभिन्न विस्तार गतिविधियों का विवरण निम्नलिखित हैं:

क्र.सं.	गतिविधियाँ	उपलब्धियाँ (सं.)
1.	एस्टेट दौरा	21861
2.	आदर्श एस्टेटों का चयन	154
3.	फील्ड निदर्शन	1185
4.	ग्राम स्तरीय बैठकें	150
5.	संगोष्ठियाँ	11
6.	प्रौ.मू.केंद्रों में कॉफ़ी कृषि पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम	59
7.	सलाह सेवा	
	क) मुद्रण मीडिया	37
	ख) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (रेडियो परिचर्चा/ टी वी कार्यक्रम)	12
	ग) सोशल मीडिया	1041
8.	प्रदर्शन दौरा	13
9.	कृषकों का फील्ड स्कूल	29
10.	महिला मजदूर/उपजकर्ताओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	14

1.5 प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र (टीईसी)

उत्पादन तथा उत्पादकता को सुधारने के उद्देश्य से प्रत्येक टीईसी के लिए बनाई गई वार्षिक कार्य-योजना के अनुसार परंपरागत क्षेत्रों के विभिन्न कृषि जलवायवीय अंचलों में स्थित कॉफ़ी बोर्ड के दस प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्रों (टी.ई.सी.) ने कृषि प्रचालनों को यथासमय चालू रखा है। इन प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्रों ने क्षेत्र/स्थान विशिष्ट कृषि विज्ञानियाँ पैकेज पद्धतियों को अपनाने द्वारा विभिन्न पौधा सामग्रियों के निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए प्रशिक्षण केंद्र तथा बीज उत्पादन केंद्रों के रूप में कार्यरत हैं।

प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्रों का विवरण (2023-24)

प्रौ.मू.कें. का नाम		कार्यारंभ वर्ष	रोपित क्षेत्र हे. में			फलन क्षेत्र हे. में.			उत्पादन (कि.ग्रा.)		उत्पादकता (कि.ग्रा./हे.)	
			अरे.	रोब.	कुल	अरे.	रोब.	कुल	अरे.	रोब.	अरे.	रोब.
कर्नाटक												
1	अरसिनगुप्पे चिक्कमगलूरु	1980	6.50	0.00	6.50	4.80	0.00	4.80	2,421	0	504	0
2	हेस्गल, मूडिगेरे	1977	8.83	0.98	9.81	8.83	0.42	9.25	3,404	226	386	538
3	मठसागर सकलेशपुरा	1959	5.23	1.25	6.48	4.53	1.25	5.78	2,265	907	500	726
4	गोनिकोप्पलु	1958	0.00	10.56	10.56	0.00	10.56	10.56	0	12113	0	1147
केरल												
1	कल्पेट्टा	1958	0.07	7.13	7.20	0.07	6.63	6.70	98	5,700	1400	860
2	मानंतवाडी	1979	0.50	8.30	8.80	0.50	8.18	8.68	80	6,000	160	733
3	वाषावरा	1998	0.60	1.94	2.54	0.60	1.94	2.54	454	3,156	757	1627
तमिलनाडु												
1	गुडलूरु	1985	2.13	3.44	5.57	1.60	2.80	4.40	575	2,250	359	804
2	बोडिनायकनूर	1983	5.65	0.00	5.65	3.18	0.00	3.18	1,100	0	346	0
3	येरकाड	1986	10.00	0.00	10.00	10.0	0.00	10.00	4,515	0	452	0

1.6 परंपरागत क्षेत्रों में कॉफ़ी का विकास समर्थन

विकास समर्थन स्कीम के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु कॉफ़ी बोर्ड के विस्तार कर्मियों ने पंजीकरण, जाँच-पड़ताल, सहायिकी (सब्सिडा) आवेदन/दावों की प्रक्रिया तथा सहायिकी (सब्सिडा) वितरण का कार्य संभाला है। उत्पादन, उत्पादकता तथा कॉफ़ी गुणता को सुधारने हेतु पुनर्रोपण तथा जल आवर्धन तथा गुणता उन्नयन गतिविधियों के लिए परंपरागत क्षेत्रों के कॉफ़ी उपजकर्ताओं की सहायिकी (सब्सिडी) बढ़ा दी गई थी।

2023-24 (एमटीएफ अवधि) के दौरान विकास समर्थन उपलब्धियाँ

क्र. सं.	घटक/कार्य	लाभार्थियों की सं./एककों की सं.	लाभान्वित क्षेत्र (हे.में)
1.	पुनर्रोपण	1370	853.39
2.	जल आवर्धन	3968/4329	8224.62
3.	गुणता उन्नयन*	712/766	614.73

(केवल *अ.जा./अ.ज.जा. के उपजकर्ताओं के लिए)

2. गैर-परंपरागत क्षेत्र (एनटीए) - (आंध्र प्रदेश एवं ओड़िशा)

आंध्र प्रदेश (एपी) एवं ओड़िशा राज्यों में कॉफ़ी की कृषि के लिए उपयुक्त क्षेत्रों को चिन्हित करते हुए कॉफ़ी बोर्ड ने वर्ष 1950 के प्रारम्भ में तकनीकी-व्यवहार्यता का सर्वेक्षण किया था। सर्वेक्षण रिपोर्ट की सिफारिशों पर, आंध्र प्रदेश के वन विभाग ने 1961 में विशाखपट्टणम के एजेंसी क्षेत्रों में पहली बार वाणिज्यिक कॉफ़ी कृषि करना प्रारंभ किया। बाद में, आंध्र प्रदेश वन विकास निगम लिमिटेड (ए.पी.एफ.डी.सी.) को इन बागानों का अनुरक्षण के लिए सौंप दिया गया था। वर्ष 1976 में, एकीकृत जनजातीय विकास अभिकरण (आई.टी.डी.ए.) ने जनजातीय समूह में प्रचलित 'पोडू' या झूम खेती पद्धति को समाप्त करने हेतु विकास पहल के रूप में कॉफ़ी से परिचित कराया। गैर-परंपरागत क्षेत्र में कॉफ़ी की खेतीबाड़ी की संभाव्यता को समझकर कॉफ़ी बोर्ड ने IX वीं पंचवर्षीय योजना से आंध्र प्रदेश तथा ओड़िशा में कॉफ़ी विकास के लिए समर्थन प्रदान किया।

2.1. गैर-परंपरागत क्षेत्र में क्षेत्रों का वितरण:

आंध्र प्रदेश एवं ओड़िशा में कॉफ़ी के अधीन क्षेत्र एवं जोतों की संख्या का विवरण निम्नानुसार हैं:-

गैर-परंपरागत क्षेत्र में रोपित क्षेत्र, फलन क्षेत्र तथा जोतों की संख्या

संपर्क क्षेत्र	रोपित क्षेत्र (हे.)			फलन क्षेत्र (हे.)			जोतों की संख्या		
आंध्र प्रदेश	अरेबिका	रोबस्टा	कुल	अरेबिका	रोबस्टा	कुल	<10हे	>10हे	कुल
मिनुमुलूरू	46088.41	1.02	**46089.43**	36147.01	1.02	**36148.03**	119636	2	**119638**
चिंतपल्ली (पूर्व व पश्चिम)	41870.23	234.17	**42104.40**	33127.60	234.17	**33361.77**	79258	3	**79261**
अरकू वैली	19169.06	0.00	**19169.06**	14649.06	0.00	**14649.06**	46897	1	**46898**
आंध्र प्रदेश का कुल	**107127.7**	**235.19**	**107362.89**	**83923.67**	**235.19**	**84158.86**	**245791**	**6**	**245797**
ओड़िशा	5342.88	0.55	**5343.43**	4245.73	0.55	**4246.28**	6425	18	**6443**
छत्तीसगढ़ *	8.00	0	**8.00**	8.00	0	**8.00**	1	0	**1**
कुल	**112478.58**	**235.74**	**112714.32**	**88177.40**	**235.74**	**88413.14**	**252217**	**24**	**252241**

* सीएचआरएस, जगदलपुर, छत्तीसगढ़ (आईजीएयू, रायपुर) के अधीन दरभा ब्लॉक, बस्तर जिला, छत्तीसगढ़ में वर्ष 2018-19 के दौरान कॉफ़ी की खेती शुरु की गई थी।

2.2. मौसम परिस्थिति एवं फसल उत्पादन

वर्ष 2023-24 के दौरान, आंध्र प्रदेश का मौसम कॉफ़ी के उत्पादन के लिए संतोषजनक व अनुकूलतम था। मार्च 2023 के दूसरे पखवाड़े के दौरान प्राप्त पुष्पण बौछार तथा अप्रैल 2023 के दौरान प्राप्त समर्थन बौछार से बेहतर पुष्पण एवं फल लगने में सहायता हुई। जून 2023 में दूसरे सप्ताह के दौरान दक्षिण-पश्चिमी मानसून शुरु होकर सक्रिय रहा। इसके अलावा, दिसंबर में उत्तर-पूर्वी मानसून अवधि के दौरान मिचांग चक्रवात के प्रभाव से इस क्षेत्र में छायादार वृक्षों तथा कॉफी के पौधों को क्षति पहुँची तथा फल गिर गए।

ओड़िशा में, मार्च 2023 के दौरान हल्की सी बौछार से कलियों की आवाजाही शुरू हुई तथा बाद में अप्रैल 2023 के दौरान हुई वर्षा ने अधिकांश कॉफ़ी उपजाने वाले क्षेत्रों में पुष्पण तथा समर्थन बौछार की भूमिका निभायी। आगे, 4 जुलाई 2023 से दक्षिण-पश्चिमी मानसून शुरु होकर अक्टूबर प्रथम सप्ताह तक सक्रिय रहा।

इन बौछारों से वानस्पतिक वृद्धि होने के साथ साथ मृदा की नमी बनाए रखने में सहायता होती है जिससे अगले वर्ष के लिए कॉफ़ी बेरी के विकास, वानस्पतिक वृद्धि तथा फसलन काष्ठ में सुधार होता है। पूरे मौसम में वर्षा का फैलाव संतोषजनक था।

संपूर्ण परिस्थिति को देखते हुए, 2023-24 मौसम का उत्पादन प्राक्कलन 12,675 मीट्रिक टन है, जिसमें अरेबिका का 12,635 मीट्रिक टन तथा रोबस्टा का 40 मीट्रिक टन सम्मिलित है।

2.3. कीट एवं रोग

वर्ष 2023-24 के दौरान, आंध्र प्रदेश एवं ओड़िशा में कीटों एवं रोगों के अधिक पैमाने में फैलने की रिपोर्ट नहीं मिली। कीट एवं रोगों के प्रभावात्मक नियंत्रण के लिए कॉफ़ी उपजकर्ताओं को प्रबंधन पद्धतियों से अवगत कराने हेतु सभी संभाव्य माध्यमों द्वारा नियमित सलाह सेवाएँ प्रदान की गई थी।

2.4. विस्तार गतिविधियाँ

आंध्र प्रदेश तथा ओड़िशा के विस्तार कर्मियों द्वारा कार्यान्वित विस्तार गतिविधियाँ, जनजाति प्रदेश की कॉफ़ी के उत्पादन, उत्पादकता एवं गुणता में सुधार लाने के लिए संपर्क स्थापना एवं कॉफ़ी जोतों में अनुवर्ती दौरे के जरिए प्रौद्योगिकी का अंतरण; क्षेत्र निदर्शन, समूह विचार-विमर्शों का आयोजन, सलाह पत्र जारी करना आदि पर केंद्रित थे।

वर्ष 2023-24 के दौरान गैर-परंपरागत क्षेत्रों में कार्यान्वित विभिन्न विस्तार गतिविधियों का विवरण निम्नानुसार हैं :

क्र. सं.	गतिविधियाँ	उपलब्धियाँ (संख्या)
1	एस्टेट दौरा (संख्या)	5091
2	पद्धति निदर्शन (संख्या)	1180
3	ग्राम स्तरीय कार्यशालाएँ (संख्या)	190
4	टीईसी में क्षमता निर्माण कार्यक्रम (संख्या)	30
5	प्रदर्शन दौरा (संख्या)	39
6	गुणता जागरूकता कार्यक्रम (संख्या)	25
7	अध्ययन दौरा (संख्या)	3

2.5. प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र (टी ई सी)

गैर-परंपरागत क्षेत्र में दो प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र कार्यरत हैं, एक मिनिमूलूरु (आंध्र प्रदेश) तथा दूसरा कोरापुट (ओड़िशा) में है। ये दोनों निदर्शन-सह-प्रशिक्षण केंद्रों के रूप में तथा गुणता बीज कॉफ़ी के लिए बीज उत्पादन केंद्रों के रूप में भी कार्य कर रहे हैं।

प्रौ.मू.कें. का नाम		कार्यारंभ वर्ष	रोपित क्षेत्र हे. में			फलन क्षेत्र हे. में.			उत्पादन (कि.ग्रा.)		उत्पादकता (कि.ग्रा./हे.)	
			अरे.	रोब.	कुल	अरे.	रोब.	कुल	अरे.	रोब.	अरे.	रोब.
1	प्रौ मू कें, मिनुमूलूर	1971	8.15	0.52	8.67	6.75	0.52	7.27	1495	448	221	862
2	प्रौ मू कें, कोरापुट	1978	9.99	0.55	10.54	9.99	0.55	10.54	5019	316	502	574

2.6. मिनी कॉफ़ी क्यूरिंग वर्क्स

वर्ष 2004-05 के दौरान आंध्र प्रदेश के चिंतपल्ली में स्थापित मिनी कॉफ़ी क्यूरिंग वर्क्स ने आंध्र प्रदेश तथा ओड़िशा के **जनजातीय उपजकर्ताओं** की कच्ची कॉफ़ी के प्रसंस्करण कार्य को जारी रखा। वर्ष 2023-24 में 28,638 कि.ग्रा. कॉ. फी को क्यूरिंग की गई।

2.7. गैर-परंपरागत क्षेत्र में कॉफ़ी विकास कार्यक्रम

वर्ष 2023-24 के दौरान, गैर परंपरागत क्षेत्र (एनटीए) में कार्यान्वित विभिन्न सहायिकी (सब्सिडी) स्कीमों के अधीन प्रत्यक्ष उपलब्धियाँ निम्नानुसार हैं :

2023-24 के दौरान, कॉफ़ी विकास कार्यक्रम के अधीन उपलब्धियाँ

गतिविधियाँ	(लाभार्थी इकाईयों की संख्या)
कॉफ़ी विस्तार (लाभार्थी / क्षेत्रफल हेक्टेयर. में)	15609 / 6883.9
समेकन (लाभार्थी / क्षेत्रफल हेक्टेयर. में)	12871 / 5199.6
पुनर्रोपण (लाभार्थी / क्षेत्रफल हेक्टेयर. में)	13 / 13.63
जल आवर्धन (लाभार्थी / इकाईयों की संख्या)	2 / 2
गुणता उन्नयन	
क) ड्राइंग यार्ड (लाभार्थी / इकाईयों की संख्या)	1395 / 1395
ख) बेबी पल्पर्स (लाभार्थी / इकाईयों की संख्या)	144 / 144
ईको प्रमाणन (लाभार्थी इकाईयों की संख्या)	2/2

3. उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (एन ई आर)

वर्ष 1953 में असम के कछार जिले में कॉफ़ी कृषि शुरु की गई थी। प्रारंभ में, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के विभिन्न राज्यों के निगमों/ विभागों द्वारा कॉफ़ी विस्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कॉफ़ी कृषि को बढ़ावा मिलने पर कॉफ़ी बोर्ड ने, वर्ष 1982-1990 के दौरान व्यापक सर्वेक्षण किया और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के विभिन्न राज्यों में कॉफ़ी की कृषि हेतु उपयुक्त क्षेत्रों को चिन्हित किया गया। तदनंतर, बोर्ड, IX वीं योजना अवधि (1997-2002) से कॉफ़ी का विकास कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में प्रत्यक्ष रूप में जुड़ गया।

3.1. वितरण क्षेत्र

उत्तर-पूर्वी राज्यों में कॉफ़ी के अधीन क्षेत्र तथा जोतों की संख्या से संबंधित विवरण निम्नानुसार हैं :

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में रोपित क्षेत्र, फलन क्षेत्र तथा जोतों की संख्या

क्र. सं.	संपर्क क्षेत्र/ राज्य	रोपित क्षेत्र (हे.)			फलन क्षेत्र (हे.)			जोतों की संख्या		
		अरेबिका	रोबस्टा	कुल	अरेबिका	रोबस्टा	कुल	<10 हे.	>10 हे.	कुल
1	अरुणाचल प्रदेश	2.50	558.85	561.35	0.00	312.00	312.00	674	2	676
2	असम	332.73	245.42	578.15	141.43	97.15	238.58	1369	1	1370
3	मणिपुर	183.45	38.60	222.05	14.05	0.00	14.05	322	0	322
4	मेघालय	266.70	1053.72	1320.42	164.59	268.62	433.21	2712	0	2712
5	मिज़ोरम	1427.35	75.85	1503.20	374.22	13.90	388.12	2411	1	2412
6	नगालैण्ड	1296.65	208.45	1505.10	510.00	31.00	541.00	2517	0	2517
7	त्रिपुरा	140.35	261.70	402.05	127.20	39.85	167.05	746	0	746
	कुल	**3649.73**	**2442.59**	**6092.32**	**1331.49**	**762.52**	**2094.01**	**10751**	**4**	**10755**

3.2. मौसम परिस्थिति एवं फसल उत्पादन

उत्तर-पूर्वी राज्यों में सामान्य जलवायु - लंबे दिन, मूसलधार वर्षा, दैनिक तापमान में परिवर्तन आदि विशिष्ट विशेषताओं के साथ अधिकांश उष्णकटिबंधीय एवं उप-उष्णकटिबंधीय है।

अप्रैल-जून महीने के दौरान हुई बारिश से नए पौधों की लगना और मृदा में नमी का स्तर बनाए रखने के अलावा पुष्पण एवं समर्थन बौछार में सहायता मिली। जुलाई-सितंबर अवधि के दौरान प्रचलित मौसम बेरियों की वृद्धि तथा विकास के साथ-साथ नए अंकुरों को निकलने के लिए अनुकूल था। अक्टूबर-दिसंबर महीने के दौरान मौसम की स्थिति बेरीयों को परिपक्व बनाने, फल बनने में सहायक होती है।

मौसम 2023-24 के लिए अंतिम फसल प्राक्कलन 160 मीट्रिक टन रखा गया था जिसमें अरेबिका का 70 मीट्रिक टन तथा रोबस्टा का 90 मीट्रिक टन सम्मिलित है।

3.3. कीट एवं रोग

कोलासिब और हाफलांग में सफेद तना छेदक हल्के आपतन तथा कुमारघाट संपर्क क्षेत्रों के कुछ स्थानों में कॉफ़ी पत्ती किट्ट के उच्च आपतन के अलावा, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के कॉफ़ी एस्टेटों में सामान्यत:, कीट एवं रोग का अधिक आपतन नहीं पाया गया।

3.4. विस्तार गतिविधियाँ :

विस्तार कर्मियों द्वारा कार्यान्वित विस्तार गतिविधियाँ, जनजाति प्रदेश की कॉफ़ी के उत्पादन, उत्पादकता एवं गुणता में सुधार लाने के लिए संपर्क स्थापना और कॉफ़ी जोतों में अनुवर्ती दौरे के जरिए प्रौद्योगिकी का अंतरण; फील्ड निदर्शन, समूह परिचर्चा, गुणता जागरूकता अभियान का आयोजन आदि पर केंद्रित थे।

वर्ष 2023-24 के दौरान उत्तर पूर्वी क्षेत्रों में की गई गतिविधियाँ

क्र.सं.	गतिविधियाँ	उपलब्धियां (सं.)
1	एस्टेट दौरा	3676
2	फील्ड निदर्शन	2616
3	समूह बैठकें/संगोष्ठियाँ	236
4	प्रौ.मू.कें. में क्षमता निर्माण कार्यक्रम	2
5	गुणता जागरुकता अभियान	31
6	प्रक्षेत्रगत प्रशिक्षण	64
7	अध्ययन दौरा - आंतरिक	13
8	सलाह पत्र	1408

3.5. प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र (टी ई सी)

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में चार प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र कार्यरत हैं यथा, देवमाली (अरुणाचल प्रदेश), हाफलांग (एन.सी.हिल्स, असम), बुआलपुई (मिज़ोरम) तथा तुलाकोणा (अगरतला, त्रिपुरा)। मिज़ोरम के बुआलपुई में स्थित प्रौ.मू.कें., कॉफ़ी बीज के उत्पादन केंद्र के साथ-साथ निदर्शन-सह-प्रशिक्षण केंद्र के रूप में सेवाएँ प्रदान कर रहा है।

प्रौ.मू.कें. का नाम	कार्यारंभ के वर्ष	रोपित क्षेत्र हे. में			फलन क्षेत्र हे. में.			उत्पादन (कि.ग्रा.) पुष्पणोत्तर		उत्पादकता (कि.ग्रा./हे.)	
		अरे.	रोब.	कुल	अरे.	रोब.	कुल	अरे.	रोब.	अरे.	रोब.
उत्तर-पूर्वी क्षेत्र											
देवमाली	1983	0.00	13.00	13.00	0.00	13.00	13.00	0.0	7000	0.0	538.0
हाफलांग	1980	2.98	6.62	9.60	2.08	4.40	6.48	471	1792	226	407.0
बुआलपुई	1988	10.50	0.00	10.50	8.40	0.0	8.40	2550	0	303	0.0
तुलाकोणा	1986	0.00	8.40	8.40	0.00	6.00	6.00	0.0	405	0.0	67.5

3.6. उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में कॉफ़ी विकास कार्यक्रम के अधीन सहायता

वर्ष के दौरान, कॉफ़ी के उत्पादन एवं गुणता सुधारने के समग्र उद्देश्य से कॉफ़ी बोर्ड ने उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में कॉफ़ी विकास कार्यक्रम के अधीन कॉफ़ी का विस्तारण, समेकन एवं गुणता प्रोन्नयन जैसे विभिन्न गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की। वर्ष के दौरान, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियों के लिए सहायता में बढ़ोत्तरी संबंधी प्रत्यक्ष उपलब्धियों का विवरण नीचे दिया गया है :

गतिविधियाँ	लाभार्थी / क्षेत्र / इकाई
कॉफ़ी का विस्तारण (लाभार्थी /हेक्टेयर में)	869 / 447.15
कॉफ़ी का समेकन (लाभार्थी /हेक्टेयर में)	20 / 16.9
जल आवर्धन (लाभार्थी / इकाईयों की संख्या)	116 / 116
ड्राइंग यार्ड (लाभार्थी / इकाईयों की संख्या)	154 / 154
समूह नर्सरी (संख्या /पौदों की संख्या)	11 / 12,16,700

उपरोक्त गतिविधियों के लिए बढ़ाए गए वित्तीय सहायता के अलावा, कॉफ़ी बोर्ड ने कॉफ़ी का विस्तारण एवं समेकन कार्यों को सुविधा प्रदान करने के लिए समूह नर्सरियों के द्वारा कॉफ़ी पौदों को उगाने के लिए और उनकी आपूर्ति के लिए भी समर्थन दिया है।

3.7. मिनी कॉफ़ी क्यूरिंग वर्क्स

कॉफ़ी बोर्ड द्वारा बुआलपुई में स्थापित मिनी कॉफ़ी क्यूरिंग वर्क्स में मिज़ोरम और त्रिपुरा राज्यों के उपजकर्ताओं द्वारा पूलित कच्ची कॉफ़ी का प्रसंस्करण कार्य जारी रखा गया।

4. हितधारकों के लिए क्षमता निर्माण

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, कॉफ़ी उद्योग के हितधारकों के क्षमता निर्माण के एक भाग के रूप में अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित किए गए जिनका विवरण निम्नानुसार है :

- कॉफ़ी बोर्ड के प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्रों में कॉफ़ी उपजकर्ताओं, एस्टेट कामगारों और पर्यवेक्षी स्टाफ को लाभ पहुँचाने हेतु कॉफ़ी कृषि के विभिन्न पहलुओं पर लगभग 798 प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।
- कृषि विश्वविद्यालय / आई.सी.ए.आर. के कृषि विज्ञान केंद्रों के सहयोग से 273 महिला उपजकर्ताओं / कामगारों को लाभ पहुँचाने हेतु चौबीस व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

*****

अध्याय-VI

बाज़ार विकास एवं प्रसंस्करण हेतु समर्थन

घरेलू कॉफ़ी उपभोग में वृद्धि, समुचित ढंग से संरचित घरेलू कॉफ़ी बाजार विकसित करने तथा अंतर्राष्ट्रीय मूल्य में कमी के दौरान उपजकर्ताओं को विशेषतया छोटे उपजकर्ताओं को बेहतर प्रतिलाभ उपलब्ध कराने की दृष्टि से और मूल्य वर्धन का अवसर प्रदान करने हेतु निम्नलिखित दो घटक को भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया था :

क) बाज़ार विकास

ख) मूल्य वर्धन हेतु समर्थन

क) बाज़ार विकास

इस घटक के तीन उप-घटक हैं - यथा (i) बाजार अनुसंधान एवं आसूचना, (ii) घरेलू कॉफ़ी प्रोन्नयन एवं (iii)लघु उपजकर्ता समूह / स्वयं सहायता समूह/ कॉफ़ी विपणन हेतु सहकारी संघों को समर्थन।

(i) बाजार अनुसंधान एवं आसूचना

यह घटक, उपजकर्ताओं को वेब के माध्यम से बाजार प्रवृत्ति का विश्लेषण प्रदान करने एवं बाजार में उपजकर्ताओं को बेहतर मूल्य प्राप्त कराए जाने हेतु बोर्ड के विस्तार नेटवर्क के जरिए उसका प्रचार-प्रसार कार्य पर केंद्रित है। बाजार आसूचना एकक द्वारा किए गए प्रमुख कार्यों में से वार्षिक फसल प्राक्कलन के द्वारा आपूर्ति प्राक्क्लन, बाजार प्रवृत्तियों को विश्लेषण, कॉफ़ी पर डेटाबेस का अनुरक्षण, घरेलू सूचकांक मूल्य रिपोर्ट, घरेलू उपभोग एवं मनोवृत्ति सर्वेक्षण के साथ-साथ आवधिक अनुसंधान रिपोर्ट प्रस्तुत करना भी सम्मिलित है।

(ii) घरेलू कॉफ़ी प्रोन्नयन

कॉफ़ी बोर्ड नियमित रूप से देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित प्रतिष्ठित घरेलू प्रदर्शनियों में भाग लेता है। इन प्रदर्शनियों में सभी कॉफ़ी उपज क्षेत्रों की विभिन्न श्रेणियों की कॉफ़ी, विशिष्ट कॉफ़ीस भारतीय कॉफ़ी पर साहित्य प्रदर्शन तथा आम जनता को कॉफ़ी सेवन के फायदे के बारे में साहित्य वितरित करते हुए जनता को जागरूक किया जाता है तथा प्रदर्शनियों में आगंतुकों को शुद्ध कॉफ़ी भी परोसी जाती है।

वर्ष 2023-24 के दौरान, कॉफ़ी बोर्ड ने उपभोक्ता जागरूकता एवं मानव स्वास्थ्य पर कॉफ़ी सेवन के सकारात्मक प्रभावों के बारे में शिक्षा के माध्यम से कॉफ़ी उपभोग को बढ़ावा देने के लिए देश में आयोजित घरेलू प्रदर्शनियों में भाग लिया। इन कार्यक्रमों के दौरान, एक बेहतरीन कप कॉफ़ी तैयार करने के तरीकों पर निदर्शन भी आयोजन किया गया तथा कॉफ़ी क्षेत्र में करियर या रोजगार के अवसरों के बारे में भी लोगों को जागरूक किया गया।

उपरोक्त के अलावा, कॉफ़ी बोर्ड ने इंडिया कॉफ़ी हाउस तथा इंडिया कॉफ़ी केंद्रों के माध्यम से शुद्ध और उच्च गुणवत्ता वाली भारतीय कॉफ़ीस की बिक्री द्वारा कॉफ़ी उपभोग को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों को जारी रखा। वर्तमान में, देश भर में ग्यारह ऐसे इकाइयाँ कार्यरत हैं।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान घरेलू कार्यक्रमों में भागीदारी का विवरण

क्र.सं	कार्यक्रम एवं स्थान	तिथियाँ
1	अप्पाचेत्तोलंडा हॉकी कार्निवल 2023, नापोक्लु	15-18 अप्रैल 2023
2	अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता सम्मेलन, ए.ए.यू., जोरहाट, असम	20-30 अप्रैल 2023
3	फ्लावर शो कोडाइकनाल तमिलनाडु	26-28 मई 2023
4	ग्लोबल फूड रेगुलेटरी समिट, नई दिल्ली	20-21 जुलाई 2023
5	चाय और कॉफ़ी एक्सपो, अहमदाबाद, गुजरात	11-13 अगस्त 2023
6.	यू.पी.ए.एस.आई. (उपासी) जनरल बॉडी, कूनूर, तमिलनाडु	13-14 सितंबर 2023
7	वर्ल्ड चाय और कॉफ़ी एक्सपो, नई दिल्ली	4-6 अक्टूबर 2023
8	वर्ल्ड खाद्य भारत, नई दिल्ली	3-5 नवंबर 2023
9	फुड एवं बिवरेजस शो, पुणे, महाराष्ट्र	3-5 नवंबर 2023
10	कृषि मेला, गाँधी कृषि विज्ञान केंद्र, बेंगलूरु, कर्नाटक	17-20 नवंबर 2023
11	तीसरा फूड एक्सपो, चेन्नई, तमिलनाडु	24-26 नवंबर 2023
12	14वीं ओणाटुकरा एग्री फेस्ट, चारुम्मूडु, केरल	27-31 दिसंबर 2023
13	प्रथम कॉफ़ी फेस्टिवल, फिज़ा नेक्सस मॉल, मंगलूरु, कर्नाटक	29-31 दिसंबर 2023
14	आत्मनिर्भर भारत, नई दिल्ली	3-10 जनवरी 2024
15	प्लांटर्स मीट, सकलेशपुरा, कर्नाटक	6 जनवरी 2024
16	इंडस फूड, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश	8-10 जनवरी 2024
17	क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन-दक्षिण एवं दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र, बेंगलूरु, कर्नाटक	19 जनवरी 2024
18	केरल प्लांटेशन एक्सपो, कोच्चि, केरल	20-22 जनवरी 2024
19	फ्लावर एंड हॉर्टिकल्चरल शो, मडिकेरी, कर्नाटक	26-28 जनवरी 2024
20	5वीं चंदनवना फिल्म क्रिटिक्स अकादमी अवाड्र्स, बेंगलूरु, कर्नाटक	28 जनवरी 2024
21	वायनाड एग्रो-बायोडाइवर्सिटी स्टार्ट-अप मीट, एम.एस.एस.आर.एफ., वायनाड, केरल	1-2 मार्च 2024
22	आहार 2024, नई दिल्ली	7-11 मार्च 2024
23	महिला दिवस कार्यक्रम (इस्ट्रैक-इसरो), बेंगलूरु, कर्नाटक	12 मार्च 2024
24	कुंडियोलंडा हॉकी कार्निवल, नापोक्लु,मडिकेरी, कर्नाटक	30-31 मार्च 2024

डिजिटल मीडिया के माध्यम से कॉफ़ी की प्रोन्नयन पर भी जोर दिया गया है, जिसमें भारतीय कॉफ़ी की खूबियाँ जैसे पर्यावरण-हितैषी (इको-फ्रेंडली), छाया में उगाई गई तथा संधारणीय कॉफ़ी पर ध्यान केंद्रित करते हुए युवाओं के बीच कॉफ़ी को पसंदीदा पेय के रूप में लोकप्रिय बनाया जा रहा है।

कॉफ़ी गुणता प्रभाग के तहत किए गए कार्यक्रम

वर्ष 2023-24 के दौरान, कॉफ़ी गुणता प्रभाग द्वारा निम्नलिखित अनुसंधान कार्य किए गए :

- इंडिया कॉफ़ी फ्लेवर व्हील विकसित करने की दिशा में भारतीय कॉफ़ी की रूपरेखा विकसित करना।
- एक्सेलसा कॉफी भूनने के तापमान एवं समय का भौतिक-रासायनिक तथा संवेदी गुणों पर प्रभाव।
- पौधा आधारित दूध : प्रकार्यात्मक पेय तैयार करने का एक विकल्प।
- घनत्व, अशुद्धि, नमी तथा जल गतिविधि जैसे हरी फलियों की भूमिका के आधार पर रोस्टिंग के लिए प्रोफ़ाइल सेट किया जाएगा।
- भारतीय कॉफ़ी एवं कैस्केरा पर निष्कर्षण अध्ययन – पीसने हेतु बीन का आकार तथा कॉफ़ी पेय बनाने की विधि की भूमिका।
- अरेबिका कॉफ़ी (कॉफ़िया अरेबिका) के रासायनिक विश्लेषण एवं संवेदी मूल्यांकन पर विभिन्न प्रसंस्करण विधियों का प्रभाव।
- कॉफ़ी एवं चिकोरी ब्लेंड्स की संयोजन तथा संवेदी विशेषताओं का मूल्यांकन।
- एक्रिलामाइड के लिए एलसीएमएस-एमएस विधि का सत्यापन तथा कॉफ़ी चिकोरी मिश्रण के लिए मैट्रिक्स मिलान विधि का अनुकूलन।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान, कुल 1314 कॉफ़ी नमूनों (238 लाभार्थियों से 817 वाणिज्यिक नमूने तथा 497 अनुसंधान नमूने) का भौतिक एवं कप गुणता मापदंडों के लिए मूल्यांकन किया गया।

उपजकर्ताओं / क्यूरर्स / व्यापारियों / निर्यातकों / अनुसंधानकर्ताओं से प्राप्त हुए 55 लाभार्थियों से प्राप्त कुल 147 नमी मापक यंत्रों को विश्लेषण प्रयोगशाला में अंशांकन (कैलिब्रेशन) में अंशांकन करके रिपोर्ट जारी की गई।

इसके अतिरिक्त, 23 लाभार्थियों से प्राप्त 65 नमूनों का पोषण संबंधी, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण एफ.एस.एस.ए.आई. मापदंडों, ओक्राटॉक्सिन-ए, कैफ़ीन एवं क्लोरोजेनिक एसिड के लिए विश्लेषण किया गया। यह मूल्यांकन, विश्लेषण प्रयोगशाला में किया गया एवं रिपोर्ट जारी की गई।

वर्ष 2023-24 के दौरान, तीन "कापी शास्त्र" प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनसे 65 प्रतिभागी लाभान्वित हुए। ग्यारह बैरिस्टा प्रशिक्षण कार्यक्रम देश के विभिन्न भागों में आयोजित किए गए, जिनमें 124 प्रतिभागियों ने भाग लिया। पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स इन कॉफ़ी क्वालिटी मैनेजमेंट के वर्ष 2022-23 बैच के 15 छात्रों ने सफलतापूर्वक यह पाठ्यक्रम पूर्ण किया, जबकि 2023-24 में शामिल 15 छात्रों ने प्रथम त्रैमासिक सत्र पूर्ण की है।

कॉफ़ी कार्यक्रम में मूल्य वर्धन के लिए आर एण्ड जी इकाईयों को दी गई सहायता के तहत, ग्यारह आर एण्ड जी इकाइयों को सहायिकी (सब्सिडी) तथा समर्थन दिया गया। वर्ष 2023-24

के दौरान, भौगोलिक उपदर्शन पंजीकरण प्राप्त कर चुके चार कॉफ़ीस के लिए अधिकृत उपयोगकर्ता पंजीकरण प्रगति पर है।

राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशालाओं (एन.ए.बी.एल.) के अधीन आंतरिक लेखापरीक्षा तथा प्रबंधन समीक्षा के बाद आवेदन ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया। दिनांक 16 व 17 मार्च 2024 को एन.ए.बी.एल. का मुख्य मूल्यांकन भी पूरा किया गया और मूल्यांकन के दौरान उठाए गए गैर-अनुपालन मुद्दों के दस्तावेज़ तैयार किए जा रहे हैं।

कॉफ़ी बोर्ड द्वारा 2022-23 के दौरान आयोजित किया गया एक विशेष कप गुणता मूल्यांकन कार्यक्रम है "नो योर कापी (के.वाई.के.)"। वर्ष 2023-24 के दौरान प्रप्त कप गुणवत्ता मूल्यांकन के समापन के पश्चात छह विभिन्न श्रेणियों के तहत शीर्ष अंक प्राप्त किए कॉफ़ीस को "फ्लेवर ऑफ इंडिया द फाइन कप अवार्ड - 2023-24" में सम्मानित किया गया।

वर्ल्ड कॉफ़ी कॉन्फ्रेंस एवं एक्सपो 2023, बेंगलूरु में, भारतीय विशेष कॉफ़ी संघ (एस.सी.ए.आई) एवं यूनाइटेड कॉफ़ी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (यू.सी.ए.आई.) के सहयोग से कॉफ़ी हितधारकों की व्यापक भागीदारी तथा समर्थन के साथ 22वें राष्ट्रीय बैरिस्टा चैंपियनशिप (एन.बी.सी.) का आयोजन किया गया। मेसर्स कापी मशीन्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से प्रथम आधिकारिक नेशनल लाट्टे आर्ट चैंपियनशिप (एन.एल.ए.सी) की शुरुआत तथा आयोजन किया गया।

*****

अध्याय VII

निर्यात प्रोन्नयन

कॉफ़ी का निर्यात

निर्यातक पंजीकरण एवं नवीनीकरण

31 मार्च 2024 को यथास्थिति कॉफ़ी बोर्ड में पंजीकृत निर्यातकों की कुल संख्या 2,265 थी, जबकि 31 मार्च 2023 को यथास्थिति यह 1,911 थी। इसमें, वर्ष 2023-24 के दौरान बने 231 नए पंजीकरण तथा 123 पंजीकरणों के नवीनीकरण शामिल हैं।

निर्यात परमिट तथा आईसीओ मूल प्रमाणपत्र

कॉफ़ी बोर्ड, कॉफ़ी अधिनियम की धारा 20 के अधीन कॉफ़ी के निर्यात के लिए निर्यात परमिट जारी करता है। लंदन के अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन समझौता 2007, के अनुच्छेद 33 के अनुसार, कॉफ़ी बोर्ड भी कॉफ़ी के पंजीकृत निर्यातकों को कॉफ़ी के निर्यात के लिए अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन मूल प्रमाणपत्र जारी करता है।

निर्यात: कॉफ़ी बोर्ड ई-परमिट पोर्टल

https://www.coffeeboard.gov.in/permit पर ऑनलाइन आवेदन फाइल करने पर निर्यात परमिट तथा आईसीओ मूल प्रमाणपत्र जारी किए जा रहे हैं। सभी पंजीकृत निर्यातकों को प्रयोगकर्ता आई डी एवं पासवर्ड देते हुए भारतीय एवं पुनर्निर्यातित कॉफ़ी दोनों के लिए निर्यात परमिट का ऑनलाइन फाइल करने और निर्यात की पुष्टि की विवरणी प्रस्तुत करने की सुविधा प्रदान की गई है। वर्ष 2023-24 में कुल 12,984 निर्यात परमिट तथा आईसीओ मूल प्रमाणपत्र कॉफ़ी के 308 पंजीकृत निर्यातकों को जारी किए गए हैं, जबकि वर्ष 2022-23 के दौरान 12,470 निर्यात परमिट जारी किए गए थे। कुल 12,984 परमिट में से, 10,376 परमिट भारतीय मूल के कॉफ़ी के निर्यात के लिए जारी किए गए थे और 2,608 परमिट मूल्य वर्धन के बाद आयातित कॉफ़ी के पुनर्निर्यात के लिए जारी किए गए थे।

निर्यातकों के साथ संवाद

वर्ष के दौरान, कॉफ़ी निर्यातक तथा निर्यातक संघ/स्पेशालिटी कॉफ़ी संघ तथा लाइन विभागों के साथ बैठकें आयोजित की गईं। बैठकों में निर्यात प्रोन्नयन योजना, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, व्यापार मेलों में सहभागिता, गुणता संबंधी मामले, वित्तीय सहायता आदि से संबंधित कई पणधारियों की समस्याओं पर विचार-विमर्श किए गए। सभी संगत मुद्दों को समुचित मध्यस्थता एवं समर्थन हेतु मंत्रालय तथा लाइन विभाग में प्रस्तुत किया गया।

रिपोर्ट एवं विवरणियाँ

निर्यातक समुदाय को, उनकी गतिविधियों में सहायता कर उन्हें जानकारी देने के अलावा, कॉफ़ी निर्यात पर आवधिक रिपार्ट एवं विवरणी तैयार कर मंत्रालय तथा अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन को भेजी गई हैं। अवधि के दौरान, भेजी गई प्रमुख रिपोर्ट एवं विवरणियाँ निम्नानुसार हैं :

क) निर्यात निष्पादन पर दैनिक रिपोर्ट

ख) मंत्रालय को मासिक रिपोर्ट

ग) कॉफ़ी के प्राथमिक निर्यात पर गंतव्य-स्थान के अनुसार मूल्य एवं अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन (आईसीओ) को पुस्तक रुप में मासिक रिपोर्ट

घ) भारत से निर्यातित कॉफ़ी के लिए आईसीओ मूल प्रमाणपत्र के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन को मासिक आधार पर सांख्यिकीय आँकड़ों का प्रेषण

उपरोक्त रिपोर्टों के अलावा, निर्यातक-वार, देश-वार, प्रकार एवं श्रेणीवार रिपोर्ट निर्यात पर तैयार की गई हैं

कॉफ़ी के निर्यात योग्य प्रकार तथा श्रेणियाँ

अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन (आईसीओ) के कॉफ़ी गुणता सुधार कार्यक्रम के अनुसार बोर्ड द्वारा पहचाने गए निर्यात योग्य कॉफ़ी के प्रकार तथा श्रेणियों (संकल्प संख्या 420 तथा मॉनसूनीकृत कॉफ़ी के वर्तमान मानकों में संशोधन के बाद परिचालित पत्र सं. मार्च/निर्यात/33.बी/2010-11/790 दिनांक 18/08/2010 देखें) का विवरण निम्नानुसार हैं :

कॉफ़ी के निर्यात योग्य प्रकार तथा श्रेणियाँ

प्रकार	प्रीमियम श्रेणी	वाणिज्यिक श्रेणी	स्पेशालिटी कॉफ़ी
हरी कॉफ़ी अरेबिका पार्चमेंट (प्लांटेशन) (धुली अरेबिका)	पीबी बोल्ड ए ए	पीबी, ए,बी,सी* बल्क	मैसूर नग्गेट्स ई.बी
अरेबिका चेरी (अनधुली अरेबिका)	पीबी बोल्ड एए, ए.	पीबी, एबी., सी** बल्क***	मानसून्ड मालाबार-एएए मानसून्ड मालाबार-एए मानसून्ड मालाबार-ए मानसून्ड मालाबार अरेबिका ट्राइएज#
रोबस्टा पार्चमेंट (धुली रोबस्टा)	पीबी बोल्ड, ए	पीबी, एबी, सी, बल्क	रोबस्टा कापी रोयाल
रोबस्टा चेरी (अनधुली रोबस्टा)	पी बी बोल्ड एएए, एए, ए	पीबी, एबी, सी, बल्क, क्लीन बल्क	मानसून्ड मालाबार रोबस्टा- एए मानसून्ड मालाबार रोबस्टा ट्राइएज#
विविध श्रेणी लाइबेरिया एक्सेलशिया		बल्क ## बल्क ##	
इंस्टैंट कॉफ़ी			
भुनी कॉफ़ी बीज			
भुनी व पिसी कॉफ़ी			

* आईसीओ संकल्प 407/420 के पाद टिप्पणी में दिए गए समतुल्य का विवरण में सूचित किए अनुसार, प्लांटेशन-सी इसके लिए अपवाद है

** अरेबिका चेरी 'सी' - ब्लैक्स, ब्राउन्स एवं बिट्स रहित हो

*** अरेबिका चेरी बल्क में 10% से कम ब्लैक्स, ब्राउन्स एवं बिट्स हो

मानसून्ड अरेबिका ट्राइएज व मानसून्ड रोबस्टा ट्राइएज ब्लैक्स, ब्राउन्स एवं बिट्स रहित हो

रोबस्टा के समान दोष माना जाना

टिप्पणी: मानसून्ड कॉफ़ी के लिए नमी स्तर 13.0-14.5% है

कॉफ़ी के निर्यात

कॉफ़ी बोर्ड द्वारा जारी की गई निर्यात परमिट के आधार पर वर्ष 2023-24 के दौरान, भारत ने लगभग 3,83,653 मीट्रिक टन कॉफ़ी का निर्यात किया (1,10,367 मीट्रिक टन पुन: निर्यात सहित), जिसकी कुल कीमत ₹10,380 करोड़ रही (प्रति मीट्रिक टन ₹2,70,557 की औसत मूल्य प्राप्ति), जो कि अमेरिकी डॉलर में $1,254 मिलियन के समतुल्य है (प्रति मीट्रिक टन $3,269 मिलियन की औसत मूल्य प्राप्ति)। वर्ष 2022-23 के दौरान, ₹8,985 करोड़ मूल्य की 3,96,386 मीट्रिक टन कॉफ़ी (98,057 मीट्रिक टन पुनर्निर्यात सहित) के निर्यात के लिए निर्यात परमिट जारी किए गए, जो $1,120 मिलियन के समतुल्य है तथा इकाई मूल्य 2,26,673 रुपये प्रति मीट्रिक टन ($2,826 मिलियन प्रति मीट्रिक टन के समतुल्य) है। वर्ष 2023-24 के दौरान, निर्यात के लिए 113 देशों को निर्यात परमिट जारी किए गए हैं जबकि पिछले वर्ष 118 देशों को निर्यात परमिट जारी किए गए थे, जिनमें से इटली, जर्मनी, रुस संघ, संयुक्त अरब अमीरात एवं बेल्जीयम 5 अग्रणी आयातक देश थे।

वर्ष 2023-24* में निर्यातित कॉफ़ी के प्रकार (अनंतिम)

कॉफ़ी के प्रकार	मात्रा टन में* (जीबीई)	कुल निर्यात का प्रतिशत
रोबस्टा चेरी	162682	42.40%
इंस्टैंट/घुलनशील कॉफ़ी	147481	38.44%
अरेबिका पार्चमेंट	35705	9.31%
रोबस्टा पार्चमेंट	28459	7.42%
अरेबिका चेरी	8877	2.31%
भुनी व पिसी कॉफ़ी	393	0.10%
भुनी कॉफ़ी बीन्स	54	0.01%
कुल	**383653**	**100.00**

टिप्पणी : ग्रीन बीन समतुल्य मात्रा। *जारी निर्यात परमिट पर आधारित

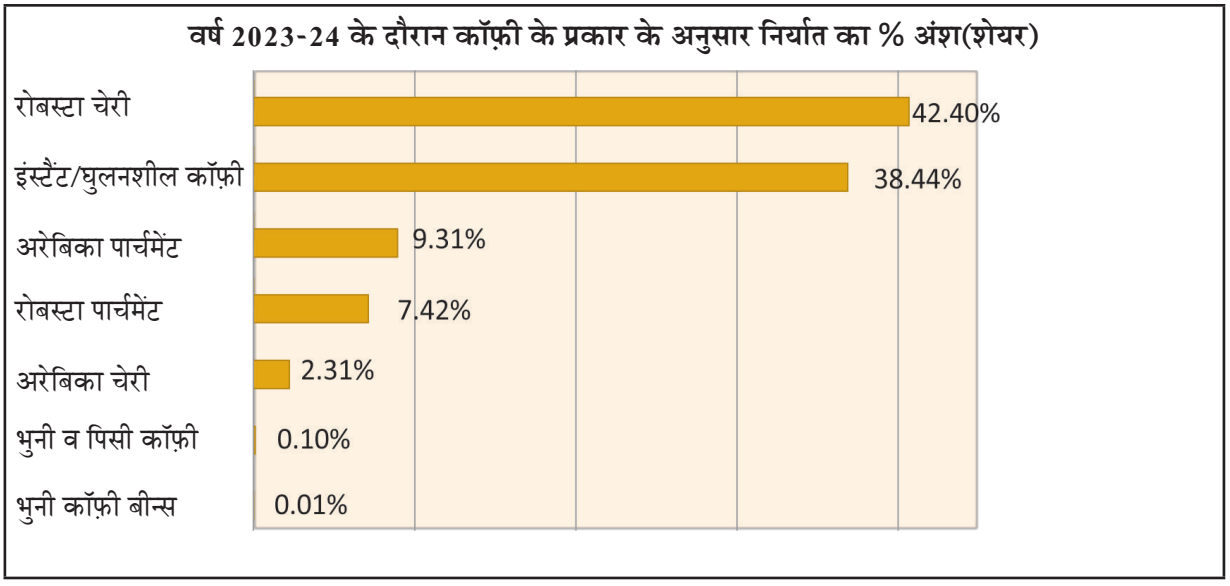

टिप्पणी - ग्रीन बीन समतुल्य मात्रा। *जारी निर्यात परमिट पर आधारित

2023-24 में सर्वकालिक उच्च निर्यात रिकार्ड

2023-24 के दौरान, कॉफ़ी निर्यात लगातार तीसरे वित्तीय वर्ष में 1286 मिलियन अमेरिकी डॉलर [**निर्यात (NIRYAT)** के अनुसार] के साथ एक बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है, जबकि सरकार ने 1,249 मिलियन अमेरिकी डॉलर का लक्ष्य निर्धारित किया था, जो मूल्य प्राप्ति के मामले में अब तक का उच्चतम स्तर है। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान कॉफ़ी निर्यात में वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में 12% की वृद्धि हुई है [**निर्यात (NIRYAT)** के अनुसार] 1,146 मिलियन अमेरिकी डॉलर है।

वर्ष 2023-24* के दौरान कॉफ़ी के निर्यातों का श्रेणीवार विवरण
(भारतीय व पुनर्निर्यातित कॉफ़ी दोनों)

क्र. सं.	श्रेणी	मात्रा (टन में)	मूल्य (लाख ₹ में)	मूल्य (लाख $ में)	इकाई मूल्य (₹/टन) में	इकाई मूल्य ($/टन में)
1	अरेबिका चेरी - ए	25	101.05	1.23	404200	4920
2	अरेबिका चेरी - एए	469	1745.11	21.10	372092	4499
3	अरेबिका चेरी - एबी	2256	6801.20	82.44	301472	3654
4	अरेबिका चेरी - बल्क	62	343.65	4.16	554274	6710
5	अरेबिका चेरी - सी	815	2247.60	27.22	275779	3340
6	अरेबिका चेरी - पीबी	271	740.78	9.03	273351	3332
7	इंस्टैंट कॉफ़ी	147481	367571.34	4437.91	249233	3009
8	लिबेरिया बल्क	117	333.98	4.04	285453	3453
9	मानसून्ड मालाबार अरेबिका- एएए	64	329.90	3.98	515469	6219
10	मानसून्ड मालाबार अरे.ट्राइएज	38	109.06	1.31	287000	3447
11	मानसून्ड मालाबार अरेबिका- ए	345	1370.33	16.54	397197	4794
12	मानसून्ड मालाबार अरेबिका- एए	4415	19565.00	235.88	443148	5343
13	मानसून्ड मालाबार रोबस्टा- एए	1024	2866.24	34.60	279906	3379
14	मैसूर नग्गेट्स - ईबी	3271	13765.41	166.42	420832	5088
15	प्लांटेशन - ए	12527	49378.56	597.52	394177	4770
16	प्लांटेशन - एए	8725	34637.01	418.64	396986	4798
17	प्लांटेशन - बी	6280	22247.18	268.90	354254	4282
18	प्लांटेशन - बल्क	2428	11873.04	143.90	489005	5927
19	प्लांटेशन - सी	1993	6689.32	81.31	335641	4080
20	प्लांटेशन - पीबी	482	1839.68	22.26	381676	4618
21	भुनी व पिसी कॉफ़ी	393	1913.69	23.11	486944	5880
22	भुनी कॉफ़ी बीज	54	310.61	3.74	575204	6926
23	रोबस्टा चेरी एएए	5965	16568.92	200.04	277769	3354

क्र. सं.	श्रेणी	मात्रा (टन में)	मूल्य (लाख ₹ में)	मूल्य (लाख $ में)	इकाई मूल्य (₹/टन) में	इकाई मूल्य ($/टन में)
24	रोबस्टा चेरी -ए	38022	97380.91	1176.84	256117	3095
25	रोबस्टा चेरी -एए	23022	59527.67	718.92	258569	3123
26	रोबस्टा चेरी -एबी	73382	186081.46	2248.35	253579	3064
27	रोबस्टा चेरी-बल्क	1974	5063.78	60.97	256524	3089
28	रोबस्टा चेरी - सी	80	204.78	2.49	255975	3113
29	रोबस्टा चेरी - पीबी	7868	19831.09	239.41	252047	3043
30	रोबस्टा चेरी क्लीन बल्क	11345	26675.67	322.22	235132	2840
31	रोबस्टा कापी रोयाले	7631	21716.61	262.71	284584	3443
32	रोबस्टा पार्चमेंट - ए	1237	3701.00	44.80	299192	3622
33	रोबस्टा पार्चमेंट - एबी	13131	37261.26	450.15	283766	3428
34	रोबस्टा पार्चमेंट - सी	1381	3339.38	40.46	241809	2930
35	रोबस्टा पार्चमेंट - पीबी	1357	3597.23	43.59	265087	3212
36	रोबस्टा पार्चमेंट बल्क	3677	10170.75	122.87	276605	3342
37	रोबस्टा पार्चमेंट पीबी -बोल्ड	45	103.97	1.26	231044	2800
	कुल	**383653**	**1038004**	**12540**	**270558**	**3269**

टिप्पणी - ग्रीन बीन के समतुल्य मात्रा *जारी किए गए निर्यात परमिट के आधार पर

वर्ष 2023-24* के दौरान कॉफ़ी निर्यात का देशवार विवरण (भारतीय और पुनर्निर्यातित कॉफ़ी दोनों)

क्र.सं.	देश का नाम	मात्रा (टन में)	मूल्य (लाख ₹ में)	मूल्य (लाख $ में)
1	इटली	63998.53	167511.67	2022.92
2	जर्मनी	37151.27	104795.18	1266.10
3	रूसी संघ	25256.61	62900.82	760.63
4	संयुक्त अरब अमीरात	21478.07	58063.33	700.92
5	बेल्जियम	18755.58	51927.93	628.16
6	तुर्की	16508.00	35700.95	431.35
7	पोलैंड	14814.16	35222.26	425.61
8	मलेशिया	11728.89	22741.62	274.38
9	लीबिया	10970.85	27813.90	335.53
10	जॉर्डन	10843.61	37480.63	453.75

क्र.सं.	देश का नाम	मात्रा (टन में)	मूल्य (लाख ₹ में)	मूल्य (लाख $ में)
11	यू.एस.ए.	9040.06	34948.94	421.98
12	यूनाइटेड किंगडम	7567.06	25134.65	303.83
13	कुवैत	7235.42	26551.06	321.02
14	ग्रीस	6182.80	17147.72	207.42
15	सऊदी अरब	6092.78	21078.88	254.27
16	दक्षिणी कोरिया गणराज्य	5719.56	15779.46	190.86
17	ऑस्ट्रेलिया	5594.65	16756.76	202.66
18	स्पेन	5192.28	13544.30	163.77
19	नीदरलैंड्स	5120.25	13868.48	167.85
20	मिस्र	4697.99	13416.61	161.86
21	यूक्रेन	4487.74	10177.32	122.95
22	पुर्तगाल	3849.49	9261.27	111.97
23	क्रोएशिया	3516.06	8400.38	101.57
24	इराक	3515.97	8694.95	104.81
25	स्विट्जरलैंड	3416.64	13177.73	159.21
26	स्लोवेनिया	3152.50	7693.84	92.99
27	वियतनाम	3073.05	6156.35	74.40
28	बांग्लादेश	2868.26	7527.59	90.88
29	लेबनान	2721.36	5702.18	69.01
30	इज़राइल	2660.94	7094.08	85.79
31	सेनेगल	2657.41	8467.36	102.17
32	घाना	2620.54	8678.06	104.63
33	ताइवान	2614.21	5784.19	69.83
34	फ्रांस	2510.82	8033.94	97.17
35	नाइजीरिया	2453.94	5137.76	61.95
36	सीरिया	2400.50	5249.96	63.58
37	इंडोनेशिया	2088.45	4277.76	51.20
38	ईरान, इस्लामिक आर/ओ	2063.85	5254.52	63.54
39	नाइजर	2051.58	4822.28	58.36
40	अल्जीरिया	1964.38	5575.29	67.26
41	माली	1925.83	4945.15	59.53
42	मॉरिटानिया	1765.90	5179.05	62.43
43	टोगो	1643.47	4313.11	52.04

क्र.सं.	देश का नाम	मात्रा (टन में)	मूल्य (लाख ₹ में)	मूल्य (लाख $ में)
44	रोमानिया	1558.40	3789.62	45.72
45	अल्बानिया	1556.60	4331.04	52.39
46	ट्यूनीशिया	1404.09	2861.70	34.56
47	नेपाल	1379.70	6085.64	73.40
48	मोरक्को	1285.16	3585.08	43.22
49	फ़िनलैंड	1237.25	2959.47	35.88
50	मोंटेनेग्रो	1141.72	2417.03	29.22
51	जॉर्जिया	1107.02	2557.89	30.96
52	कांगो	1064.18	2931.97	35.39
53	लातविया	941.03	2562.69	30.95
54	म्यांमार	901.62	1814.05	21.89
55	कनाडा	895.58	2880.83	34.76
56	मेक्सिको	862.91	1669.33	20.22
57	गिनी	858.57	2811.34	33.92
58	जापान	799.10	2972.73	35.95
59	बुल्गारिया	761.85	1908.36	23.02
60	चीन, पीपुल्स आर/ओ	756.13	1603.96	19.38
61	स्वीडन	713.43	2614.66	31.72
62	आर्मेनिया	636.15	1777.58	21.53
63	एस्टोनिया	617.39	1473.70	17.85
64	सिंगापुर	541.96	1592.11	19.23
65	कैमरून	521.39	1316.20	15.89
66	ओमान	483.29	1393.42	16.84
67	गाम्बिया	446.88	1506.32	18.14
68	न्यूज़ीलैंड	393.70	1253.50	15.15
69	थाईलैंड	389.87	933.37	11.28
70	तुर्कमेनिस्तान	373.67	1023.89	12.40
71	आइवरी कोस्ट	367.59	1103.85	13.18
72	उज़बेकिस्तान	358.42	766.66	9.27
73	बुर्किना फ़ासो	321.36	722.43	8.70
74	दक्षिण अफ्रिका	244.11	689.07	8.32
75	बेनिन	226.94	564.54	6.82
76	गैबॉन	193.36	414.81	5.01

क्र.सं.	देश का नाम	मात्रा (टन में)	मूल्य (लाख ₹ में)	मूल्य (लाख $ में)
77	केन्या	187.57	420.19	5.09
78	साइप्रस	174.57	424.48	5.14
79	पेरू	163.09	738.05	8.89
80	श्रीलंका	147.03	430.08	5.19
81	लिथुआनिया	146.19	400.82	4.82
82	कजाखस्तान	135.44	321.27	3.89
83	नॉर्वे	132.87	657.34	7.96
84	चेक गणराज्य	130.64	329.64	3.99
85	कतर	101.50	474.83	5.73
86	ओमान सल्तनत	99.70	328.34	3.96
87	सूडान	96.00	253.07	3.06
88	अज़रबैजान	91.45	189.03	2.30
89	आयरलैंड	77.98	288.15	3.48
90	एल साल्वाडोर	67.08	183.03	2.20
91	तंजानिया	62.74	194.92	2.35
92	फ्रेंच पोलिनेशिया	61.70	177.18	2.14
93	कोसोवो	61.18	119.25	1.44
94	चाड	50.73	106.53	1.28
95	अंगोला	50.41	125.07	1.52
96	फ़िलीपींस	46.81	69.28	0.84
97	भूटान	46.33	190.65	2.31
98	स्लोवाकिया	39.00	83.12	1.00
99	हांगकांग	30.01	118.94	1.43
100	इक्वेटोरियल गिनी	26.52	60.17	0.73
101	मालदीव	22.37	55.23	0.67
102	मध्य अफ्रिका	20.54	71.11	0.85
103	लक्समबर्ग	19.30	140.38	1.69
104	मोल्दोवा	12.44	46.64	0.57
105	मॉरीशस	10.16	25.90	0.31
106	बहरीन	10.02	50.12	0.61
107	ताजिकिस्तान	9.10	25.37	0.31
108	फ़िजी	8.96	21.28	0.26
109	मेडागास्कर	0.34	0.63	0.01

क्र.सं.	देश का नाम	मात्रा (टन में)	मूल्य (लाख ₹ में)	मूल्य (लाख $ में)
110	कोमोरोस	0.31	0.97	0.01
111	सेशेल्स	0.30	2.27	0.03
112	ब्रुनेई दारुस्सलाम	0.29	1.53	0.02
113	होंडुरास	0.27	1.28	0.02
कुल		**383653**	**1038004**	**12540**

टिप्पणी : ग्रीन बीन के समतुल्य मात्रा। *जारी किए गए निर्यात परमिट के आधार पर

वर्ष 2023-24* के दौरान पुन-निर्यातित कॉफ़ी का देशवार विवरण

क्र.सं.	देश का नाम	परिमाण (टन में)	मूल्य (लाख ₹ में)	मूल्य (लाख $ में)
1	रूसी संघ	19786.59	48667.11	588.55
2	पोलैंड	11835.82	27310.42	330.02
3	मलेशिया	10684.72	19984.91	241.15
4	तुर्की	9233.67	18780.70	226.63
5	यूनाइटेड किंगडम	5161.11	17293.67	209.07
6	संयुक्त अरब अमीरात	4680.58	11773.76	141.97
7	यू.एस.ए.	4049.38	18531.07	223.55
8	इटली	3775.60	8484.16	102.39
9	यूक्रेन	3748.96	7750.81	93.62
10	बांग्लादेश	2224.85	6093.83	73.57
11	वियतनाम	2094.40	3818.71	46.08
12	इंडोनेशिया	2088.45	4277.76	51.20
13	सेनेगल	1947.14	6430.64	77.56
14	ताइवान	1847.15	3720.10	44.94
15	घाना	1804.44	6346.69	76.49
16	स्विट्जरलैंड	1647.65	6480.43	78.40
17	लेबनान	1317.77	2103.23	25.39
18	नीदरलैंड्स	1305.43	3214.57	38.89
19	जर्मनी	1212.78	2487.99	30.11
20	मॉरिटानिया	1135.85	3705.88	44.69
21	फ़िनलैंड	1103.91	2570.91	31.18
22	बेल्जियम	1064.83	2563.48	31.01

क्र.सं.	देश का नाम	परिमाण (टन में)	मूल्य (लाख ₹ में)	मूल्य (लाख $ में)
23	इराक	972.68	2475.84	29.82
24	जॉर्डन	931.89	1500.36	18.15
25	ट्यूनीशिया	926.17	1897.96	22.88
26	जॉर्जिया	908.44	2106.71	25.48
27	मेक्सिको	842.40	1612.65	19.54
28	सऊदी अरब	842.02	2444.83	29.44
29	स्पेन	763.93	1932.96	23.33
30	ऑस्ट्रेलिया	751.21	2296.64	27.75
31	कांगो	723.95	1974.18	23.83
32	टोगो	687.03	1958.94	23.69
33	रोमानिया	672.83	1618.16	19.53
34	माली	608.36	1439.65	17.33
35	नाइजीरिया	562.71	1385.18	16.70
36	गिनी	466.98	1747.07	21.08
37	जापान	397.95	1245.84	15.06
38	थाईलैंड	389.48	929.93	11.23
39	उज़बेकिस्तान	358.42	766.66	9.27
40	कोरिया गणराज्य	350.74	878.97	10.62
41	आइवरी कोस्ट	318.19	989.24	11.79
42	ग्रीस	301.60	657.83	7.92
43	चीन, पीपुल्स आर/ओ	244.27	585.06	7.07
44	कैमरून	241.70	647.08	7.83
45	फ्रांस	209.04	583.06	7.08
46	नाइजर	206.39	519.84	6.31
47	गाम्बिया	205.40	745.62	8.99
48	म्यांमार	194.74	411.05	4.97
49	आर्मेनिया	192.76	494.35	6.00
50	केन्या	187.57	420.19	5.09
51	लातविया	179.71	497.98	6.03
52	अल्जीरिया	158.26	389.77	4.70
53	साइप्रस	155.37	378.24	4.58
54	पेरू	138.93	616.22	7.42

क्र.सं.	देश का नाम	परिमाण (टन में)	मूल्य (लाख ₹ में)	मूल्य (लाख $ में)
55	दक्षिण अफ्रीका	126.86	367.46	4.44
56	चेक गणराज्य	110.50	223.50	2.70
57	नेपाल	101.14	287.46	3.47
58	बेनिन	95.00	249.30	3.02
59	लीबिया	91.48	326.46	3.97
60	अज़रबैजान	91.45	189.03	2.30
61	ईरान, इस्लामिक आर/ओ	91.00	205.27	2.48
62	कज़ाकिस्तान	72.17	150.96	1.82
63	एल साल्वाडोर	67.08	183.03	2.20
64	क्रोएशिया	66.46	151.67	1.83
65	मिस्र	52.05	118.11	1.42
66	श्रीलंका	48.58	111.81	1.35
67	इज़राइल	47.81	149.47	1.81
68	फिलीपींस	46.80	69.15	0.83
69	बुर्किना फ़ासो	45.12	107.31	1.29
70	आयरलैंड	44.93	181.13	2.18
71	कोसोवो	41.18	78.12	0.94
72	तंजानिया	37.44	113.84	1.37
73	बुल्गेरिया	36.62	99.08	1.20
74	अंगोला	33.77	69.11	0.83
75	सिंगापुर	27.34	62.38	0.75
76	इक्वेटोरियल गिनी	26.52	60.17	0.73
77	गैबॉन	24.24	56.11	0.68
78	मध्य अफ्रिका	20.54	71.11	0.85
79	न्यूज़ीलैंड	20.28	64.88	0.78
80	स्लोवाकिया	19.50	43.05	0.52
81	कनाडा	17.00	55.20	0.66
82	मॉरीशस	10.16	25.90	0.31
83	तुर्कमेनिस्तान	9.67	21.64	0.26
84	मालदीव	1.95	3.56	0.04
	कुल	**110367**	**274434**	**3314**

टिप्पणी : ग्रीन बीन समतुल्य मात्रा। *जारी निर्यात परमिट पर आधारित

वर्ष 2023-24* के दौरान 10 अग्रणी निर्यातक
[भारतीय और पुनर्निर्यातित कॉफ़ी दोनों]

क्र.सं.	निर्यातक का नाम	मात्रा (टन में)	मूल्य (लाख ₹ में)	मूल्य (लाख $ में)
1	सीसीएल प्रोडक्टस् इंडिया लिमिटेड	40223.33	118996.72	1437.02
2	विद्या हर्ब्स प्राइवेट लिमिटेड	31715.33	80414.38	970.93
3	ओलम फुड़ इंग्रिडीएंट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	25982.06	77617.76	938.13
4	एन.के.जी. इंडिया कॉफ़ी प्राइवेट लिमिटेड	23619.34	67814.43	819.86
5	इंडस कॉफ़ी प्राइवेट लिमिटेड	22031.47	51197.30	618.54
6	अल्लानासन्स प्राइवेट लिमिटेड	21476.57	64559.57	780.34
7	टाटा कॉफ़ी लिमिटेड	17015.24	45873.28	554.81
8	लुइस ड्रेफस कंपनी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	16343.30	47433.96	573.85
9	सक्डेन कॉफ़ी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	15267.30	41375.73	499.33
10	ईकाम कमॉडिटीस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	14894.10	41086.29	497.21
11	अन्य	155084.59	401634.87	4850.36
	कुल	**383653**	**1038004**	**12540**

टिप्पणी: ग्रीन बीन के समतुल्य मात्रा। *जारी निर्यात परमिट पर आधारित

वर्ष 2023-24* के दौरान श्रेणीवार कॉफ़ी निर्यात
(भारतीय एवं पुनः निर्यातित कॉफ़ी)

क्र. सं.	कॉफ़ी के प्रकार	मात्रा (टन में)	मूल्य (लाख ₹ में)	मूल्य (लाख $ में)
1	ग्रीन कॉफ़ी (ग्रीन स्पेशालिटी कॉफ़ी को छोड़कर)	218935	608486	7354
2	ग्रीन स्पेशालिटी कॉफ़ी	16788	59723	721
3	घुलनशील, भुनी व पिसी एवं ग्राउंड कॉफ़ी	147929	369796	4465
कुल		**383653**	**1038004**	**12540**

टिप्पणी - ग्रीन बीन समतुल्य मात्रा।

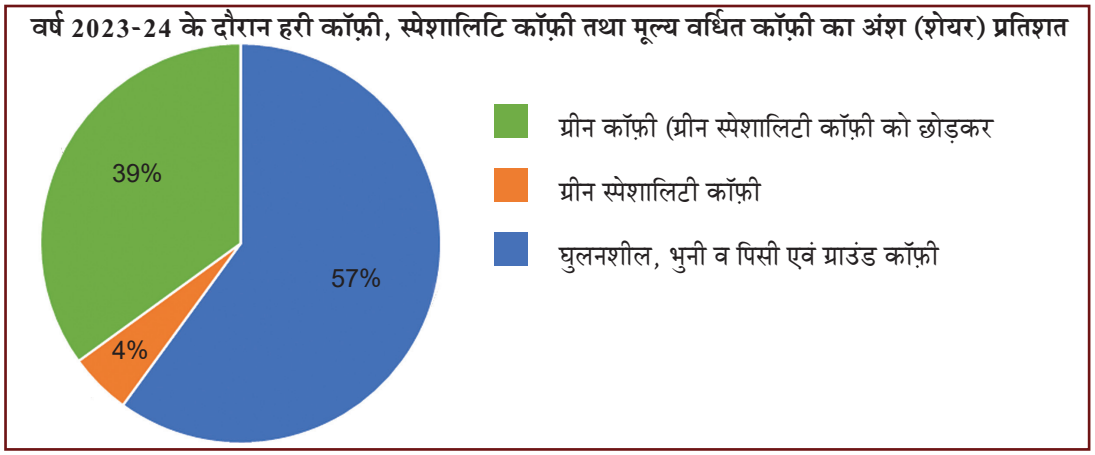

*जारी निर्यात परमिट पर आधारित

निर्यात प्रोन्नयन स्कीम - कॉफ़ी के निर्यात के लिए पारगमन/माल ढुलाई सहायता देना।

मध्यमावधि ढाँचे (एमटीएफ) की अवधि के दौरान कॉफ़ी के निर्यात के लिए पारगमन/माल ढुलाई की सहायता प्रदान करने के लिए तौर-तरीकों की अधिसूचना संख्या.MAR/EXPORTS/MTF/2018-19/499, दिनांक 13.07.2018 के अनुसार निर्यात प्रोन्नयन स्कीम को दि.13.07.2018 से जो लागू की गई है तथा इसे बोर्ड की वेबसाइट पर प्रसारित किया गया है। स्कीम का उद्देश्य है कि महत्वपूर्ण उच्च मूल्य अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में इंडिया ब्रांड बनाने और उच्च मूल्य विभेदित कॉफियों द्वारा मूल्य वर्धित कॉफियों के मार्केट अंश (शेयर) की वृद्धि करने द्वारा निर्यात आय को बढ़ाना है।

पारगमन/माल ढुलाई सहायता का पैमाना

i) यू.एस.ए., कनाडा, जापान, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया, फिनलैंड तथा नार्वे जैसे दूरवर्ती उच्च मूल्य बाज़ारों को उच्च मूल्य ग्रीन कॉफ़ी के निर्यात के लिए ₹2/- प्रति कि.ग्रा.।

ii) "इंडिया ब्रांड" के रूप में निर्यातित खुदरा उपभोक्ता पैक में मूल्य वर्धित कॉफ़ी के निर्यात के लिए ₹3/- प्रति कि.ग्रा., इसकी विनिर्माण/तैयारी के लिए उपयोग की जाने वाली ग्रीन कॉफ़ी के अधार पर की जाती है, जो इंस्टैंट/घुलनशील कॉफ़ी के लिए अधिकतम 2.6 कि.ग्रा. और भुनी हुई कॉफ़ी बीज और आर एण्ड जी कॉफ़ी के लिए 1.19 कि.ग्रा. की दर से होगी।

वर्ष 2023-24 के दौरान वितरित निर्यात प्रोत्साहन इस प्रकार हैं :

क्र.सं.	घटक	मात्रा टनों में	मूल्य (लाख ₹ में)
1	दूरवर्ती बाज़ारों पर उच्च मूल्य ग्रीन कॉफ़ी के निर्यात के लिए ₹2/- कि.ग्रा. की दर से दिए गए प्रोत्साहन	13791	276
2	"'इंडिया ब्रांड" के रुप में रिटेल पैक में मूल्य वर्धित कॉफ़ी के निर्यात के लिए ₹3/-कि.ग्रा. की दर पर दिए गए प्रोत्साहन	10760	323
	कुल	**24551**	**599**

टिप्पणी - ग्रीन बीन समतुल्य मात्रा।

भारतीय कॉफ़ी की ब्रांडिंग के लिए लोगो

कॉफ़ीस ऑफ़ इंडिया - मातृ लोगो

कॉफ़ीस आफ़ इंडिया - निर्यात लोगो

भारतीय कॉफ़ी बोर्ड ने इंडिया ब्रांड के रुप में मूल्य वर्धित कॉफ़ी के निर्यात को बढ़ाने और छाया में उगाए, धारणीय एवं आभायुक्त भारतीय कॉफ़ी का चित्रण कॉफ़ीज़ ऑफ़ इंडिया लोगो में दर्शाकर भारतीय कॉफ़ी की पहचान सशक्त बनाने का कार्य कर रहा है। वास्तव में लोगो प्रतीकात्मक रूप से यह बोध कराता है कि भारतीय कॉफ़ी छाया में उगाई जाती है, भारत के कॉफ़ी उगाने वाले क्षेत्र विश्व के 25 जैव-विविधतायुक्त महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है और भारत में उगाए जाने वाली कॉफ़ी की विविधता पर भी प्रकाश डालता है।

निर्यात प्रोन्नयन

कॉफ़ी बोर्ड द्वारा विभिन्न निर्यात प्रोन्नयन गतिविधियों को प्रचलित किया जा रहा है जैसे कॉफ़ी केन्द्रित व्यापार मेलों/प्रदर्शनियों, क्रेता-विक्रेता बैठकों (बीएसएम) एवं उत्क्रम क्रेता-विक्रेता बैठकों (आरबीएसएम) में भाग लेना, कॉफ़ी स्वादन के सत्रों का आयोजन करना, प्रमुख कॉफ़ी आयातक देशों में भारतीय दूतावासों एवं विदेशी संघों के साथ सहयोग करना, डिजिटल मीडिया के माध्यम से ब्रांड निर्माण तथा प्रचार अभियान चलाना, गॉरमेट कॉफ़ी गिफ्ट बॉक्स उपलब्ध कराना आदि। वर्ष के दौरान बोर्ड ने निम्नलिखित कुल 5 भौतिकी कार्यक्रमों में भाग लिया तथा एक आभासी व्यवहार नेटवर्क बैठक (वर्चुअल बुसिनेस नेटवर्क मीट) का आयोजन किया जिसका ब्यौरा निम्नलिखित है:

क्र.सं.	आयोजन एवं स्थान	स्थान / राष्ट्र	अवधि
1.	मेलबर्न इंटरनेशनल कॉफ़ी एक्सपो, बी.एस.एम. (क्रय-विक्रय बैठक) के साथ	मेलबर्न, आस्ट्रेलिया	17-19 अगस्त, 2023
2.	वर्ल्ड फूड मॉस्को	मॉस्को, रूस	19-22 सितंबर, 2023
3.	होस्ट मिलानो	मिलान, इटली	13-17 अक्टूबर, 2023
4.	सियोल कैफ़े शो, बी.एस.एम. (क्रय-विक्रय बैठक) के साथ	सियोल, दक्षिण कोरिया	08-11 नवंबर, 2023
5.	गल्फूड 2024, बी.एस.एम. (क्रय-विक्रय बैठक) के साथ	दुबई, यू.ए.ई.	19-23 फ़रवरी, 2024
	कॉफ़ी बोर्ड ने भारतीय दूतावास, बैंकॉक, थाईलैंड के सहयोग से मई, 2023 के महीने के दौरान एक वर्चुअल बिजनेस नेटवर्क मीट का आयोजन किया।		

******

अध्याय VIII

बाजार अनुसंधान एवं आसूचना

बोर्ड के बाज़ार अनुसंधान एवं आसूचना एकक द्वारा 2023-24 के दौरान निम्नलिखित कार्य निष्पादित किए गए हैं :

- एकक ने मूल्य, आपूर्ति, मांग और अन्य मूलभूत एवं तकनीकी कारकों से संबंधित दैनिक बाज़ार जानकारी (वैश्विक एवं भारत से संबंधित दोनों) के संग्रह एवं समेकन का कार्य जारी रखा जो बाज़ार विश्लेषण के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन सूचनाओं को उद्योग क्षेत्र के साथ-साथ सरकार को भी प्रेषित की गई। वर्ष 2023-24 के दौरान, कुल 216 दैनिक बाज़ार रिपोर्ट तैयार करके प्रसारित की गई।
- अवधि के दौरान दैनिक बाज़ार विश्लेषण से संबंधित दैनिक ई-मेल सूचना जारी रखी गई। इस सुविधा को विस्तार विभाग द्वारा उपजकर्ताओं तक बढ़ाई गई तथा वेबसाइट www.coffeeboard.gov.in में पोस्ट की गई।
- एकक ने भारतीय और वैश्विक कॉफ़ी आंकड़ों को कवर करते हुए एक व्यापक "कॉफ़ी पर डेटाबेस" प्रकाशित किया है जो नीति निर्माताओं और हितधारकों के लिए बहुत उपयोगी है।
- मौसम 2023-24 के लिए विभिन्न श्रेणी के जोतों एवं कॉफ़ी अंचल/क्षेत्रों भर स्तरीय अनियमित नमूना चयन तकनीकों का प्रयोग कर फसल प्राक्कलन तैयार किए गए।
  - 2023-24 के लिए पुष्पणोत्तर प्राक्कलन 3,74,200 मीट्रिक टन (अरेबिका का 1,13,000 मीट्रिक टन एवं रोबस्टा का 2,61,200 मीट्रिक टन) था।
  - 2023-24 के लिए मानसूनोत्तर प्राक्कलन 3,60,500 मीट्रिक टन (अरेबिका का 1,01,500 मीट्रिक टन एवं रोबस्टा का 2,59,000 मीट्रिक टन) था।
- एकक ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू टी ओ) और कॉफ़ी से संबंधित व्यापार नीति मामलों पर आर्थिक एवं विश्लेषणात्मक समर्थन प्रदान किया है। एकक ने विश्लेषण करके मुक्त व्यापार समझौतों के अधीन कॉफ़ी के लिए उत्पाद विशिष्ट नियम तैयार किया है तथा इसे मंत्रालय को भी प्रस्तुत किया है।
- एकक द्वारा निर्यात अनुभाग की गतिविधियों का समन्वय किया जाता है।
- एकक ने ज्यादा मध्यस्थों के बिना कॉफ़ी उपजकर्ताओं तथा उद्यमियों को सीधे निर्यात करने के लिए प्लैटफार्म प्रदान करते हुए 'विक्रयम" नाम से एक ऊष्मायन कार्यक्रम आयोजित किया।
- एकक ने अरेबिका और रोबस्टा कॉफ़ी दोनों की स्थापना लागत के आकलन पर कार्य किया है। इसे इकाई लागत का निर्धारण के लिए राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) को प्रस्तुत किया गया है।
- घरेलू शुद्ध कॉफ़ी का उपभोग बढ़ाने तथा भारतीय उच्च गुणवत्ता वाली कॉफ़ी के प्रीमियमीकरण के लिए कॉफ़ी बोर्ड ने "इंडिया कॉफ़ी-टेस्ट नेचर", "कॉफ़ीस ऑफ़ इंडिया" एवं "इंडिया कॉफ़ी-हेरिटेज" ब्रांड के तहत ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों में लॉन्च किया। एकक द्वारा इन गतिविधियों का समन्वय किया जाता है।

❖ कॉफ़ी बोर्ड ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकरण योजना (पीएमएफएमई) के ब्रांडिंग और विपणन घटक के तहत कर्नाटक राज्य कृषि उत्पाद प्रसंस्करण और निर्यात निगम लिमिटेड (केएपीपीईसी) के माध्यम से "इंडिया कॉफ़ी" ब्रांड के तहत क्षेत्रीय और जीआई कॉफ़ी की ब्रांडिंग और मार्किंग के लिए पीएमएफएमई योजना के तहत कुल ₹57,21,700 रुपये के बजट के लिए सामान्य ब्रांडिंग और विपणन प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। इस संबंध में, खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय, भारत सरकार ने ₹28,60,850 रुपये के अनुदान के साथ प्रस्ताव को मंजूरी दे दी (पीएमएफएमई दिशानिर्देशों के अनुसार कुल बजट का 50% पीएमएफएमई योजना के तहत ब्रांडिंग और विपणन घटक के लिए सहायता अनुदान है) तथा शेष राशि ₹28,60,850 रुपये कॉफ़ी बोर्ड द्वारा वहन की जाएगी। एकक ने उपर्युक्त प्रस्ताव तैयार कर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार को प्रस्तुत कर दिया है।

❖ एकक ने "घरेलू कॉफ़ी उपभोग रुझान 2023" पर बाजार अनुसंधान अध्ययन किया।

- घरेलू कॉफ़ी उपभोग के रुझानों पर निष्पक्ष अध्ययन रिपोर्ट प्रकाशित करने के लिए कॉफी बोर्ड ने कॉफ़ी मूल्य श्रृंखला के हितधारकों को शामिल करके समिति का गठन करते हुए 2023 के दौरान एक अध्ययन शुरू किया है। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य भारत में कॉफ़ी का उपभोग तथा उपभोग किए जाने वाले अन्य पेय पदार्थों में इसकी हिस्सेदारी का अनुमान लगाना है। इसके अलावा, विकास के संभावित अवसरों की पहचान करने के लिए प्रमुख कॉफ़ी उपभोग की आदतों और व्यवहार स्वरूप को समझना भी अध्ययन में प्रमुख रूप से केंद्रित थे। यह अध्ययन मेसर्स क्रिसिल नामक एजेंसी द्वारा किया गया।

रिपोर्ट के जाँच-परिणाम इस प्रकार हैं :

- अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि 2023 में कुल कॉफ़ी का उपभोग 91,000 मीट्रिक टन ग्रीन बीन समकक्ष (जीबीई) होगी, जो 2012 में 84,000 टन थी। इसका मुख्य कारण घर पर उपभोग में वृद्धि, इंस्टैंट कॉफ़ी की अधिक पहुंच और घर से बाहर देश भर के कैफे में कॉफ़ी का अधिक उपभोग है।
- क्षेत्रवार परिदृश्य में, दक्षिण भारतीय क्षेत्र कॉफ़ी उपभोग में प्रभुत्व पाया है, जहाँ कुल उपभोग का हिस्सा 75-80% इसी क्षेत्र में केंद्रित है।

  हालाँकि, विविध भौगोलिक क्षेत्रों में खुदरा कॉफ़ी ब्रांडों की बढ़ती जागरूकता तथा प्रवेश के कारण अन्य क्षेत्रों में भी एक दशक पहले की तुलना में कॉफ़ी की पहुँच में वृद्धि देखी गई है।
- शहरी-ग्रामीण को अलग-अलग देखने के मामले में, शहरी क्षेत्रों में अभी भी कॉफ़ी का उपभोग बड़ी मात्रा में है, जो कि नियमित कॉफ़ी उपभोग में वृद्धि के साथ-साथ महानगरों, टैयर-1 और टैयर-2 शहरों में अपनी पहुँच का विस्तार करने वाले कैफे चेन/श्रृंखला के कारण है।
- कॉफ़ी के प्रमुख उपभोग आदतों के संदर्भ में, पारंपरिक भुना व पिसे (आरएंडजी) कॉफ़ी से इंस्टैंट कॉफ़ी की ओर बदलाव आया है, कुल उपभोग का करीब 65% हिस्सा इंस्टैंट कॉफ़ी है। यह मुख्य रूप से इंस्टैंट कॉफ़ी से जुड़ी सामर्थ्य व बिना किसी असुविधा के तैयार हो जाने का कारण है।
- रिपोर्ट में कॉफ़ी की प्रमुख आदतों को भी विस्तार से शामिल किया गया है, जैसे कि कॉफ़ी पीने

का समय, कॉफ़ी पर व्यय, खरीदारी की आदतें आदि।

❖ कॉफ़ी बोर्ड ने कॉफ़ी क्षेत्र के हितधारकों को एक ही मंच पर सभी सेवाएँ, उत्पाद तथा जानकारी प्रदान करने के लिए एकीकृत वन स्टॉप मोबाइल ऐप "इंडिया कॉफ़ी ऐप" को विकास करके लॉन्च किया है। "इंडिया कॉफ़ी ऐप" कॉफ़ी क्षेत्र के सभी हितधारकों को कॉफ़ी फलियों की आपूर्ति, ट्रैप्स, लूर्स तथा कॉफ़ी कीटों से निपटने के लिए जैव-नियंत्रण क्लेदक, अनुकूलित सलाह, मृदा नमूनों का विश्लेषण, निर्यात सुविधा, गुणता विश्लेषण आदि जैसी अनुसंधान एवं विकास सेवाएं प्रदान करता है। ऐप में दी गई सेवाएं उत्पादन व उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए मौजूदा मोबाइल अभिगम का लाभ से कृषकों को सर्वोत्तम कृषि पद्धतियों, मूल्यों पर सजगता तथा कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में कुशलपूर्वक, यथासमय अनुकूलित सलाह देने में सक्षम बनाता है। एकक ने 'इंडिया कॉफ़ी ऐप' के विकास से संबंधित गतिविधियों का समन्वय किया है।

❖ यूरोपीय आयोग ने निर्वनीकरण और वन क्षरण से जुड़ी कुछ वस्तुओं और उत्पादों के व्यापार पर नियमित करने तथा विनियमन (ईयू) संख्या 995/2010 को निरस्त करने का प्रस्ताव दिया है। नई यूरोपीय संघ (ईयू) विनियमन, जो 30 दिसंबर 2024 (या सूक्ष्म या छोटे व्यवसायों के लिए 30 जून 2025) से लागू होता है, कॉफ़ी निर्यातकों को एक उचित परिश्रम विवरण प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है जो साबित करता है कि उनकी कॉफ़ी से निर्वनीकरण/वन क्षरण नहीं कर रहा है। विचाराधीन नई यूरोपीय संघ निर्वनीकरण -मुक्त विनियमन (ईयूडीआर) कॉफ़ी और उसके उत्पादों पर भी लागू होगा। यूरोपीय संघ भारत के कॉफ़ी निर्यात का प्रमुख गंतव्य है, जिसकी भारत के कुल कॉफ़ी निर्यात में लगभग 55% हिस्सेदारी है। यूरोपीय बाज़ार में "निर्वनीकरण -मुक्त" उत्पादों के प्रवेश को सुनिश्चित करने के लिए प्रस्तावित विनियमन, व्यापारियों तथा लघु कॉफ़ी उपजकर्ताओं सहित अन्य बाजार सट्टेबाजों द्वारा किए जाने वाले अनिवार्य परिश्रम प्रक्रियाओं की स्थापना करता है। "इंडियन कॉफ़ी" को ईयूडीआर अनुरूप बनाने के लिए कॉफ़ी बोर्ड ने निम्नलिखित उपाय किए हैं;

- कॉफ़ी बोर्ड ने ईयूडीआर के प्रभावों की जाँच करने तथा ईयूडीआर के अनुपालन के लिए व्यावहारिक समाधान सुझाने हेतु भारतीय बागान प्रबंधन संस्थान (आईआईपीएम) को एक अध्ययन का जिम्मा सौंपा है।

- कॉफ़ी बोर्ड ने 29.11.2023 को आईआईपीएम कैंपस, बेंगलूरु में कॉफ़ी हितधारकों के साथ ईयूडीआर पर एक परस्पर संवादात्मक परामर्श बैठक आयोजित किया। इस परस्पर संवादात्मक सत्र में भारतीय कॉफ़ी को ईयूडीआर के अनुरूप बनाने के लिए ट्रेसेबिलिटी तंत्र के साथ-साथ व्यक्तिगत एस्टेट के लिए बहुभुज / भौगोलिक स्थानों को अधिकृत करने जैसे कार्य-योजनाओं की कार्यान्वयन पर चर्चा करने कॉफ़ी बोर्ड के अधिकारियाँ, आईआईपीएम संकाय, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) कर्नाटक राज्य रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर (केएसआरएसएसी) के अधिकारियाँ, उत्पाद ट्रैसेबिलिटी मोबाइल ऐप विकसित करने में विशेषज्ञता रखने वाले स्टार्ट अप के अधिकारी तथा कॉफ़ी हितधारक शामिल थे। इसके अलावा हितधारकों एवं प्रौद्योगिकी सेवा प्रदाताओं के साथ नियमित परामर्श आयोजित किया गया।

- कॉफ़ी बोर्ड "इंडिया कॉफ़ी ऐप" में एक तंत्र विकसित करने पर काम कर रहा है, जिसके तहत

कॉफ़ी एस्टेट की सीमाओं के जीपीएस निर्देशांक का उपयोग करके बहुभुज / भौगोलिक स्थानों को अधिकृत किया जा सकेगा, साथ ही निर्वनीकरण से मुक्त कॉफ़ी मूल्य श्रृंखला सुनिश्चित करने के लिए उत्पाद ट्रेसेबिलिटी भी की जा सकेगी।

- एकक ने भारतीय कॉफ़ी को ईयूडीआर अनुरूप बनाने के लिए उपरोक्त सभी गतिविधियों का समन्वय किया है।

❖ एकक ने घरेलू नीलामी केंद्र, इंडियन कॉफ़ी ट्रेड एसोसिएशन (आईसीटीए) को कॉफ़ी के सभी श्रेणियों के लिए साप्ताहिक प्राक्कलित सूचकांक मूल्य प्रदान किया।

❖ एकक ने कॉफ़ी बोर्ड मुख्यालय में ई-ऑफिस के कार्यान्वयन का समन्वय किया है

❖ एकक ने बोर्ड की वेबसाइट www.coffeeboard.gov.in के अनुरक्षण का कार्य जारी रखा है।

*****

अध्याय IX

लेखा एवं वित्त

कॉफ़ी बोर्ड के लेखा एवं वित्त विभाग द्वारा निम्नलिखित कार्य किए जाते हैं:

- बजट प्राक्कलनों की तैयारी तथा बोर्ड के विभिन्न विभागों को बजट का आबंटन।
- निधि आदि का निर्मोचित करने हेतु वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वित्त प्रभाग के साथ संपर्क कार्य।
- बोर्ड के विभिन्न विभागों के लेखाओं का संकलन तथा अनुरक्षण।
- संसाधनों के मूल्य दक्ष उपयोग सुनिश्चित करते हुए बोर्ड के नकद एवं अन्य वित्तीय संव्यवहार पर प्रभावी नियंत्रण रखना।
- वित्तीय आशय से जुड़े सभी मामलों पर सलाह देना।
- बोर्ड के कार्यालयों के आंतरिक लेखापरीक्षा का आयोजन।
- बिक्री कर, भुगतान आदि जैसे पूल विपणन से संबंधित लंबित मामलों का निपटान।

प्राप्तियाँ एवं भुगतान, आय एवं व्यय तथा तुलन पत्र जैसे तीन सेटों में बोर्ड की लेखा तैयार की गई है। 2023-24 के दौरान भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान तथा प्रत्येक लेखा शीर्ष के अधीन अनंतिम व्यय का विवरण नीचे दिया गया है:

(₹ करोड़ में)

अनुदान शीर्ष	प्राप्त अनुदान	अनंतिम व्यय
सहायता अनुदान सामान्य (ओएनईआर)	21.75	21.75
पूँजी परिसंपत्तियों का सृजन - योजना (ओएनईआर)	2.00	2.00
सहायिकी (सब्सिडी) (ओएनईआर) बागान	43.70	43.70
सहायिकी (सब्सिडी) - एस सी उप-योजना	3.30	3.30
सहायिकी (सब्सिडी) - जनजातीय क्षेत्र उप-योजना	12.09	12.09
स्वच्छता कार्य योजना - एसएपी	1.00	1.00
पूँजी परिसंपत्तियों का सृजन - उत्तर-पूर्वी	0.50	0.50
सहायिकी (सब्सिडी) - उत्तर-पूर्वी	4.61	4.61
सहायता अनुदान - उत्तर-पूर्वी	2.25	2.25
सहायता अनुदान - वेतन	126.50	142.79
सहायता अनुदान - सामान्य	8.50	8.50
कुल	**226.20**	**242.49**

अतिरिक्त व्यय कॉफ़ी बोर्ड के आई.ई.बी.आर. खाते से पूर्ण किया गया है।

पेंशन

यथा 31.03.2023 को पेंशन संचय निधि के ₹24.61 करोड़ (₹24,61,31,000) ब्याज अर्जन के लिए राष्ट्रीयकृत बैंकों में निवेश किया गया है। वर्ष में अर्जित कुल ब्याज ₹1.76 करोड़ (₹1,76,79,551) था। 2747 पेंशनभोगियों के पेंशन तथा वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान सेवानिवृत्त हुए लोगों के पेंशनरी लाभ का भुगतान किया गया।

01.01.2004 के बाद कॉफ़ी बोर्ड की सेवाओं में नियुक्त कर्मचारियों मे वर्ष 31.03.2024 को यथास्थिति नई पेंशन योजना के अधीन कुल 178 अधिकारी / कर्मचारी कार्यरत हैं।

भविष्य निधि

वर्ष के दौरान, ₹6.04 करोड़ (₹6,04,86,200) की राशि भविष्य निधि के अंशदान के रूप में प्राप्त हुई तथा ₹8.38 करोड़ (₹8,38,88,650) की राशि भविष्य निधि आंशिक अंतिम निकासी तथा अंतिम निकासी के रूप में वितरित की गई। कॉफ़ी अधिनियम, 1942 के अनुसार ब्याज अर्जन के लिए ₹29.00 करोड़ की अधिशेष निधि विभिन्न राष्ट्रीयकृत बैंकों में निक्षेप किया है तथा इससे वर्ष के दौरान ₹2.46 करोड़ (₹2,46,18,029) ब्याज प्राप्त हुआ है।

पूल निधि

कॉफ़ी पूलिंग युग के दौरान, कॉफ़ी रोपकों द्वारा पूलित कॉफ़ी की बिक्री से प्राप्त राशि से पूल निधि सृजित की गई थी। पूलित कॉफ़ी के विपणन तथा रोपकों को भुगतान का दायित्व कॉफ़ी बोर्ड का था। इस गतिविधि के अधीन कॉफ़ी के प्रोन्नयन हेतु प्रचार-प्रसार तथा आंतरिक एवं अंतरराष्ट्रीय उपभोग के लिए कॉफ़ी का विपणन अनुरक्षण कार्य शामिल है।

वर्ष 1995 में बोर्ड ने कॉफ़ी के डी-पूलिंग करने का निर्णय लिया, जिससे पूलिंग गतिविधियों में कार्यरत अधिशेष कर्मचारियों को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति आवश्यक हो गई। तदनुसार, पूल निधि से सेवानिवृत्त लाभ तथा अनुग्रह राशि दी गई थी। बकाया राशि सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन के भुगतान के लिए कॉर्पस निधि में अंतरित की गई है। केवल ₹9.41 करोड की अधिशेष पूल निधि की राशि भारतीय स्टेट बैंक, टिपु सुलतान पैलेस रोड-शाखा, बेंगलूरु में निक्षेपित है।

*****

संकेताक्षर

AAU	कृषि उपक्रम संघ
AIC	अटल इन्क्यूबेशन सेंटर
AIM	अटल नवाचार मिशन
Ar./Arab.	अरेबिका
APFDC	आंध्र प्रदेश वन विकास निगम लिमिटेड.
BCRL	जैव नियंत्रण अनुसंधान प्रयोगशालाएँ
BE	बजट अनुमान
BIS	भारतीय मानक ब्यूरो
BLAST	आधारभूत स्थानीय एलाइनमेन्ट सर्च टूल
BSM	क्रेता-विक्रेता बैठक
Bt	बैसिलस थुरिंजिएन्सिस
B2B	व्यापार से व्यापार तक
CAG	नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
CBB	कॉफी बेरी बोरर
CCRI	केंद्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान
cDNA	पूरक डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड
CDRP	कॉफ़ी ऋण राहत पैकेज
CED	उद्यमिता विकास केंद्र
CEO	मुख्य कार्यकारी अधिकारी
CFC	कमोडिटीज के लिए सामान्य निधि
CHRS	बागवानी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र
Chy.	चेरी
CIAE	केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान
CIS	कैरियर सुधार योजना
CLR	कॉफ़ी पत्ती किट्ट
CQI	कॉफ़ी गुणता संस्थान

CxR	कोंगेंसिस x रोबस्टा
CRISIL	क्रेडिट रेटिंग इन्फॉर्मेशन सर्विसेज ऑफ इंडिया लिमिटेड.
CRSS	कॉफ़ी अनुसंधान उप-स्टेशन
CST	केंद्रीय बिक्री कर
CWSB	कॉफ़ी सफेद तना छेदक
D C	उप आयुक्त
DGFT	विदेश व्यापार महानिदेशक
DBT	जैव प्रौद्योगिकी विभाग
DNA	डिऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड
Dy.	उप
EAD	इलेक्ट्रो एंटेनोग्राफिक डिटेक्शन
EC	पायसीकारी सांद्रता
EFC	व्यय वित्त समिति
EU	यूरोपीय संघ
EUDR	यूरोपीय संघ निर्वनीकरण -मुक्त विनियमन
FAO	खाद्य एवं कृषि संगठन
FPO	कृषक उत्पादन संगठन
FSSAI	भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण
FY	वित्तीय वर्ष
FYM	खेतों की खाद
GAS	भीमकाय आफ्रिकी घोंघा
GBE	हरी बीन समतुल्य
GI	भौगोलिक उपदर्शन
GKVK	गांधी कृषि विज्ञान केंद्र
GPS	ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम
Govt.	सरकार
GST	वस्तु एवं सेवा कर

Ha.	हैक्टेयर
HAL	हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड
HDT	हाइब्रिडो -डी-टिमोर
HO	मुख्यालय
HORECA	होटल, रेस्तरां और कैफे/खानपान
IAP	आंतरिक लेखापरीक्षा पार्टी
IAS	भारतीय प्रशासनिक सेवा
IARI	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
ICAR	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
ICC	इंडिया कॉफ़ी सेंटर
ICD	इंडिया कॉफ़ी डिपो
ICDP	एकीकृत कॉफ़ी विकास कार्यक्रम
ICE	अंतरमहाद्वीपीय विनिमय
ICH	इंडिया कॉफ़ी हाउस
ICO	अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन
ICTA	भारतीय कॉफ़ी व्यापार संघ
IDAS	भारतीय रक्षा लेखा सेवा
i.e.	अर्थात (आईडी एस्ट)
IEBR	आंतरिक और अतिरिक्त बजटीय संसाधन
IGAU	इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
IICF	भारत अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी महोत्सव
IIHR	भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान
IIPM	भारतीय बागान प्रबंधन संस्थान
ILO	अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक संगठन
IMLVT	अंतर्राष्ट्रीय बहु-स्थान विविधता परीक्षण
IOFS	भारतीय आयुध निर्माणी सेवा
IPM	एकीकृत कीट प्रबंधन

IPR	बौद्धिक संपदा अधिकार
ISRO	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
ISTRAC	इसरो टेलीमेट्री ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क
ITDA	एकीकृत जनजातीय विकास अभिकरण
ITPO	भारत व्यापार प्रोन्नयन संगठन
IVRS	पारस्परिक ध्वनी प्रतिक्रिया पद्धति
JISL	जैन इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड.
KAPPEC	कर्नाटक राज्य कृषि उत्पाद प्रसंस्करण एवं निर्यात निगम लिमिटेड.
KGST Dept.	केरल सरकार बिक्री कर विभाग
Kg.	किलोग्राम
KSRSAC	कर्नाटक राज्य सुदूर संवेदन अनुप्रयोग केंद्र
KYK	नो योर कापी
lb.	पाउंड (लिब्रा)
LCMS-MS	लिक्विड क्रोमैटोग्राफी मास स्पेक्ट्रोमेट्री - मास स्पेक्ट्रोमेट्री
MACP	संशोधित सुनिश्चित कैरियर प्रगतन
MD	प्रबंध निदेशक
MFCS	संशोधित लचीली पूरक योजना
MON.	मानसून्ड
MT	मीट्रिक टन
MTF	मध्यमावधि ढांचा
MTS	बहु कार्येण कर्मचारी
MUTV	बहुउपयोगी ट्रैक्टर वाहन
NABARD	राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक
NABL	परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड
NBAIR	राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो
NBC	राष्ट्रीय बरिस्ता चैम्पियनशिप
NBPGR	राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो

NER	उत्तर पूर्व क्षेत्र
NLAC	राष्ट्रीय लट्टे कला चैम्पियनशिप
NPK	नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम
NTA	गैर परंपरागत क्षेत्र
ONER	पूर्वोत्तर क्षेत्र के अलावा
PB	वेतन बैंड
PCR	पोलीमरेज श्रृंखला अभिक्रिया
PF	भविष्य निधि
pH	हाइड्रोजन की क्षमता
PMFME	प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकरण योजना
PPV & FRA	पौधा किस्म संरक्षण एवं कृषक अधिकार प्राधिकरण
PUC	पूर्व विश्वविद्यालयी पाठ्यक्रम
PwBD	बेंचमार्क विकलांगता वाले कार्मिक
RBSM	रिवर्स क्रेता-विक्रेता बैठक
RCMC	पंजीकरण सह सदस्यता प्रमाणपत्र
RCRS	क्षेत्रीय कॉफ़ी अनुसंधान स्टेशन
R & D	अनुसंधान एवं विकास
R & G	भुनी व पिसी
RNA	राइबोन्यूक्लिक एसिड
Rob.	रोबस्टा
RRSC	क्षेत्रीय सुदूर संवेदन केंद्र
RTI	सूचना का अधिकार
SC	अनुसूचित जाति
SCAI	स्पेशलिटी कॉफ़ी एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया
SCoT	आरंभ कोडोन लक्षित
SHB	शॉट होल बोरर
SHG	स्वयं सहायता समूह

Sln.	चयन
SMES	लघु एवं मध्यम उद्यम
SRAP	अनुक्रम संबंधित प्रवर्धित बहुरूपता
SSH	दमन घटाव संकरण
SSLC	सेकेंडरी स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट
ST	अनुसूचित जनजाति
STAT	बिक्री कर अपीलीय न्यायाधिकरण
STD	सौर सुरंग ड्रैयर
TEC	प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र
TIES	व्यापार अवसंरचना निर्यात योजना
TNAU	तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय
UAE	संयुक्त अरब अमीरात
UCAI	भारतीय संयुक्त कॉफ़ी संघ
UNIDO	संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन
UPASI	उपासी - दक्षिणी भारत के संयुक्त रोपणकर्ता संघ
UR	अनारक्षित
USA	संयुक्त राज्य अमेरिका
viz.	अर्थात् (विडेलिसेट)
WA	रिट अपील
WBC	विश्व बरिस्ता चैम्पियनशिप
WCC	विश्व कॉफ़ी सम्मेलन
WCR	विश्व कॉफ़ी अनुसंधान
w.e.f.	इस तिथि से प्रभावी
WSB	सफेद तना छेदक
WTO	विश्व व्यापार संगठन

RESEARCH

Polyhouse & Soil Testing Laboratory at TEC, Gonikoppal

Distribution of Certificates to the Participants of Capacity Building Programmes

Demonstration on Bush Management in Coffee

Farmers Field School on Handling Centering & Desuckering

Field Demonstration on Specialty Coffee Preparation to Growers

Field Demonstration on Installation of Baits for Management of Giant African Snails in Farmers Field

EXTENSION

Soil Analysis Campaign at Coffee Growing Villages

Study Tour Organized for Chintapalli Tribal Coffee Farmers

Demonstration on Pruning & Bush Management in Coffee

Demonstration on Sowing of Coffee Seeds in Primary Nursery Bed during an On-Farm Training Programme

Advisories on Coffee Cultivation Practices to Farm Labourers

Coffee Growers Exposure Visit to Coffee Research Station, Chettalli

DOMESTIC PROMOTION

Aahar 2024 Coffees of India Pavilion

Regional Official Language Conference
for South & South-Western Region at Bengaluru

Coffee Board Stall in the Best of India Expo, Pune 2023

Coffee Board Stall in Food Expo, Chennai 2023

Coffee Board Stall at Krishimela, GKVK 2023

CEO & Secretary, Coffee Board visit to World Food India 2023

5th WORLD COFFEE CONFERENCE

5th WORLD COFFEE CONFERENCE

EXTERNAL PROMOTION

Coffees of India Stall at World Food Moscow 2023

Visit of Consulate General of India, Dubai Officials to Coffees of India Pavillion at Gulfood, Dubai 2024

His Excellency Sri. Sunjay Sudhir, Ambassador of India to UAE at Buyers Sellers Meet Gulfood 2024, Dubai

CEO & Secretary, Coffee Board along with the Stakeholders visit to Dubai Multi Commodities Centre

Coffees of India Pavillion at Gulfood 2024, Dubai

Visit of Importers at Coffees of India Pavillion in Gulfood 2024, Dubai

CONTENTS

	CHAPTER	PAGE NO.
	2023-24 – A PERSPECTIVE VIEW	1
I	EXECUTIVE SUMMARY	7
II	CONSTITUTION AND FUNCTIONS OF THE BOARD	16
III	ADMINISTRATION AND ESTABLISHMENT	20
III (A)	DETAILS OF STAFF WITH BENCHMARK DISABILITY	29
IV	COFFEE RESEARCH	30
V	EXTENSION AND DEVELOPMENT	44
VI	MARKET DEVELOPMENT AND SUPPORT FOR PROCESSING	54
VII	EXPORT PROMOTION	58
VIII	MARKET RESEARCH & INTELLIGENCE	70
IX	ACCOUNTS AND FINANCE	74

2023-24 – A PERSPECTIVE VIEW

It's an immense pleasure to release the 84th Annual Report of Coffee Board for the year 2023-2024.

Coffee is the most widely traded tropical product, with up to 25 million farming households depending on Coffee cultivation. Production is concentrated in developing countries, where Coffee accounts for a sizeable share of export earnings and provides a key source of livelihood for households. The largest Coffee producing countries are Brazil (39%) and Viet Nam (17%), together accounts for about 56% of global Coffee production. India is the 7th largest producer of Coffee in the world with the share of about 3.50% in the global Coffee production. Coffee is predominantly an export-oriented commodity for the producing countries. India is the 5th largest exporter of Coffee in the world with the share of about 5.20% in global Coffee exports.

Coffee is one of the most widely consumed beverages in the world with an estimated 3 billion cups relished every day. The European Union (27%), the United States of America (17%) are the largest consuming and importing markets globally, together accounts for about 43% of global Coffee consumption.

India is not a major player in the international market but produces some of the best Coffees in the world. Indian high-quality Coffees have created a niche for itself earning high premiums in the international markets, especially Robusta which is highly preferred for its good blending quality.

Global Coffee Production and Consumption

According to the International Coffee Organization, global production for Coffee year 2023-24 was estimated at 178 million bags, representing a 5.9% increase on 168 million bags in 2022-23. World consumption for Coffee year 2023-24 is projected at 177 million bags, an increase of 2.3% on its level of 173 million bags in Coffee year 2022-23.

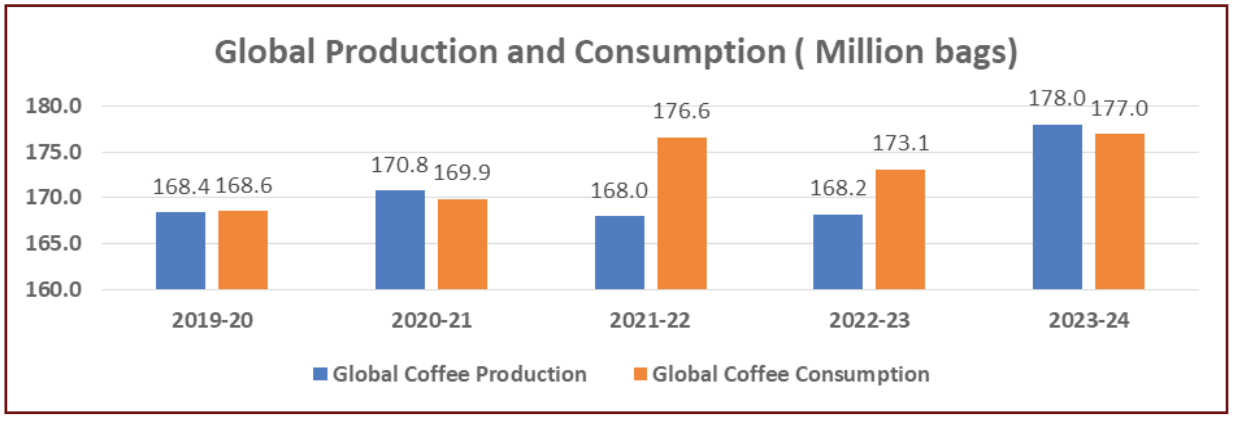

Source: International Coffee Organization

International Prices

Coffee prices are largely influenced by the prices at the international commodity exchanges like Intercontinental Exchange (ICE), New York for Arabicas and ICE, Europe for Robusta. The International Coffee Organization (ICO), London announces ICO Composite Indicator prices based on physical trade in the international platforms. Coffee price is predominantly determined by fundamental factors like global supply, demand and stock movements. Non fundamental factors like fluctuations in exchange rates and trading activities in Coffee futures markets can intensify the price volatility. It is heartening to note that the prices of Robusta Coffee (accounts for more than 70% of India's Coffee production) shown upward trend during 2023-24. As per the ICO, the annual average ICO composite indicator price decreased by 7.06% to 168.79 US cents/lb in 2023-24 compared to annual average composite indicator price of 181.61 US cents/lb during 2022-23.

The prices of other mild Arabicas (the category in which the Indian Arabicas are classified in the international market) have shown downward trend. During the year, the ICO Indicator prices of Other Milds ranged from 183.52 US cents/lb to 229.56 US cents/lb with an average of 202.77 US cents/lb, which is about 16.51% lower than the previous year's (2022-23) average price of 242.86 US cents/lb. While, Robusta prices have ranged from 115.70 US Cents/lb to 165.84 US Cents/lb with an average of 132.55 US Cents/lb during the same period, which is about 29.50% higher than the previous year's price (102.35 US cents/lb).

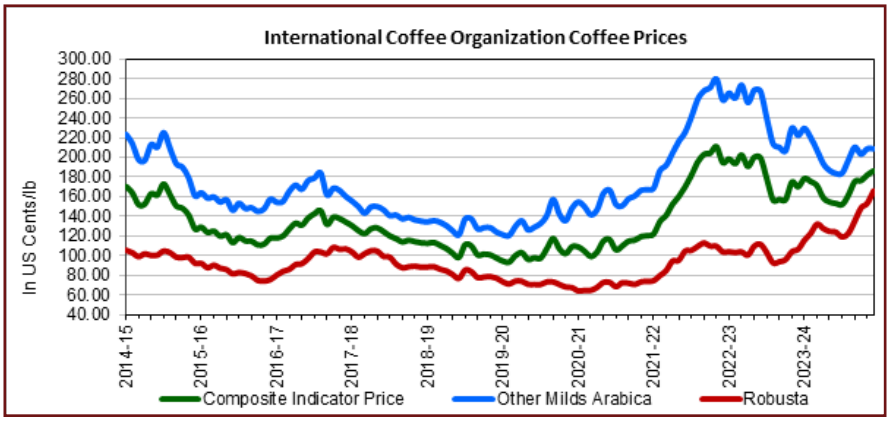

Indian Scenario

During the year 2023, the summer was hot and dry with high temperature. The receipt of blossom and backing showers was delayed, but did not affect much in all the Coffee growing tracts of the Traditional Areas. Further, normal weather condition in the later period helped in establishment of new plants and retention of general soil moisture in Coffee plantations. Wherever, growers had the facility to provide overhead irrigation, they have provided

blossom and backing irrigation to Robusta for assured crop setting. The Southwest monsoon has set in during the first fortnight of June 2023 with feeble note and gained its momentum during July and was intermittent during September month. The rainfall received during current monsoon period was around 30% less, when compared to the corresponding period of 2022 in traditional areas. However, the showers received during the month of July helped in rejuvenation of tanks & streams and recharging of Bore wells. Overall, the monsoon helped in maintaining the soil moisture and vegetative growth. There was no substantial crop loss, flooding and landslides during the reporting year.

North-East monsoon has set in during the second fortnight of October and continued to be active throughout the season with moderate to high wind velocity. Further, the showers received during the month of December has hampered the harvesting and processing of Coffee and affected the quality some extent. Overall, the seasonal conditions prevailed during 2023-24 was favourable for the general health and vigor of plants and crop.

Production and Exports

Crop production estimate for 2023-2024 was placed at 3,60,500 MT, comprising of 1,01,500 MT of Arabica and 2,59,000 MT of Robusta, which is a record production and an increase of 2.41% over previous year's (2022-23) production of 3,52,000 MT comprising of 1,00,000 MT of Arabica and 2,52,000 MT of Robusta.

During 2023-24, export permits for export of 3,83,653 MT of Coffee (including 1,10,367 MT of re-exports) were issued valued at ₹10,380 crores, which is equivalent to US$ 1,254 million with a unit value realization of ₹2,70,557 per MT (equivalent to USD 3,269 per MT). During the year 2022-23, export permits were issued for export of Coffee to the tune 3,96,386 MT of Coffee (including 98,057 MT of re-exports) valued at ₹8,985 crores equivalent to US$ 1,120 million with a unit value realization of ₹2,99,301 per MT (equivalent to USD 2,826 per MT).

During 2023-24, export permits were issued for export of Coffee to 113 countries as against 118 countries in the previous year, out of which Italy, Germany, Russian Federation, United Arab Emirates and Belgium were the top five importing countries.

Domestic Prices

As per the prices prevailed in the auctions conducted by Indian Coffee Traders Association (ICTA), the Domestic Market price of Arabica (Plantation 'A') ranged from ₹267/Kg to ₹401/Kg with an average of ₹359/Kg, which is 9.94% lower than the price that prevailed during the previous year (₹399/Kg) and the Robusta (Cherry 'AB') price ranged from ₹239/Kg to ₹304/Kg with an average of ₹258/Kg, which is an increase of 39.56% over the price prevailed during the previous year (₹185/ Kg).

Auction Prices - Average prices secured in ICTA (Bengaluru) (₹/Kg)

Financial Year	2019-20	2020-2021	2021-22	2022-23	2023-24
Plantation A	236	282	352	399	359
Robusta Chy. AB	139	131	147	185	258

Domestic Consumption

From the year 2000 onwards the domestic Coffee consumption has recorded an impressive growth. Traditionally, Coffee is primarily consumed in the South Indian States. Over the past few years, Coffee has changed from being a traditional beverage to a youthful and trendy beverage with a national presence, consumed in several forms and retail formats. Due to the opening up of a large number of Coffee bars and Cafes, there has been a growing visibility and popularity of Coffee among the consumers and also an increased interest in Coffee as a beverage of social and societal relevance. The main reason for the success of the Cafés in India has been the significant shift in the demographics, increased urbanization and greater disposable income levels. In order to estimate the domestic Coffee consumption, Coffee Board has commissioned a study to M/s CRISIL, a reputed Market research agency during 2023 by constituting committee involving all the stakeholders of Coffee value chain. The study estimated the domestic Coffee consumption at 91,000 MT in 2023.

Export Promotion

During 2023-24, Coffee Board along with the stakeholders participated in five reputed food and beverage specific events in major Coffee importing countries *viz.*, Italy, Australia, Russia, South Korea and United Arab Emirates for the export promotion. Further, Coffee Board made systemic efforts to collaborate with Indian Missions abroad to promote Indian Coffees in the importing countries by organizing promotional programme *viz.,* Coffee tasting sessions on Indian Coffees, participation in virtual Coffee festivals and organizing virtual buyer seller meets. Coffee Board made efforts for large-scale participation of Indian Coffee exporters and specialty Coffee growers in all the overseas events. Further, in order to boost promotion of Indian Coffees, Coffee Board introduced corporate gift boxes containing high quality GI and other regional specialty Coffees for giving away to VIPs and dignitaries in all overseas events and promotion through Indian Missions in major importing countries. Coffee Board has also setup a Coffee experience zone at G20 events to showcase Uniqueness of Indian Coffees to the international fraternity.

Coffee Board organized the meetings with Coffee Exporters and Exporters Association/ Specialty Coffee Association and line departments for resolving the various stakeholders' issues for achieving the Coffee export target set by Government of India.

Further, Coffee Board has taken up all the relevant issues raised by the Coffee exporters during the meetings with the Ministry and line departments for appropriate intervention and support.

Coffee Research

The Coffee Board Research Department has implemented a number of research programmes during the year 2023-24 under the programme 'R & D for Sustainable Coffee Production and Transfer of Technology'. The research projects are implemented through a network of Research Stations mainly at Central Coffee Research Institute (CCRI), Chikkamagaluru, Karnataka and its Regional Stations located at Chettalli (Kodagu, Karnataka), Chundale (Wayanad, Kerala), Thandigudi (Pulneys, Tamil Nadu), R. V. Nagar (Alluri Sitharama Raju District, Andhra Pradesh) and Diphu (Karbi Anglong District, Assam) and also the Plant Tissue Culture and Biotechnology Centre, Mysuru and Coffee Quality Division, Bengaluru.

Projects are also implemented in collaboration with International Institutes like M/s Nestle R & D France and World Coffee Research, USA and also with National Institutes like University of Agricultural Sciences, Bengaluru, Tamil Nadu Agricultural University, Coimbatore, National Bureau of Plant Genetic Resources (NBPGR), New Delhi, and PPV & FRA Authority, New Delhi. CCRI also have collaborative research Programme with Private Entrepreneurs like Jain Irrigation Systems Private Ltd, Jalgaon, Maharashtra.

Coffee Board Programmes

During the year, the Coffee Board continued to implement the plan scheme "Integrated Coffee Development Project" during Medium Term Framework with major activities *viz.*, Research & Development, Transfer of Technology, Capacity Building programme, Development Support to stakeholders *viz.,* development support for Coffee in traditional areas, development support for Coffee in Non-Traditional Areas (NTA), development support for Coffee in North East Region (NER), welfare support to children of labourers, Export promotion and support for value addition for improvement of production, productivity, quality of Coffee and increase overall value realization.

New Initiatives

- Coffee Board has developed One Stop Mobile App 'India Coffee App' for providing all the services, products and information to the stakeholders in Coffee sector on single platform.
- Coffee Board has implemented e-office in Coffee Board Head Office.
- The Coffee Board has entrusted a study to Indian Institute of Plantation Management (IIPM) to examine the implications of the European Union Deforestation-free Regulation (EUDR) and suggest practical solutions to comply with EUDR. The Coffee Board has started working on developing a mechanism in

India Coffee App to capture the Polygons/ Geolocations using GPS coordinates of Coffee estate boundaries together with product traceability for ensuring the deforestation-free Coffee value chains.

- Coffee Board has commissioned a study to M/s CRISIL, a reputed Market research agency during 2023 by constituting committee involving all the stakeholders of Coffee value chain. The study estimated the domestic Coffee consumption at 91,000 MT Green Bean equivalent in 2023.
- Coffee Board organized 5th World Coffee Conference-2023 with the theme "Sustainability Through Circular Economy and Regenerative Agriculture" during the month of September 2023, which witnessed 2,609 delegates of which 323 were international delegates, 253 exhibitors, more than 17,000 business visitors, 347 Business to Business meetings.

December, 2024
Bengaluru

Dr. K. G. Jagadeesha, IAS
CEO & Secretary, Coffee Board

*****

CHAPTER – I

EXECUTIVE SUMMARY

Production

- Crop production estimate for 2023-2024 was placed at 3,60,500 MT, comprising of 1,01,500 MT of Arabica and 2,59,000 MT of Robusta, which is a record production and an increase of 2.41% over previous year's (2022-23) production of 3,52,000 MT comprising of 1,00,000 MT of Arabica and 2,52,000 MT of Robusta.
- The total area planted with Coffee was around 4.90 lakh hectares, of which the total bearing area was around 4.43 lakh hectares.
- There were around 4.41 lakh Coffee holdings in the country of which, around 4.38 lakhs were small holdings with holding size of less than 10 hectares which accounted for about 99% of the total holdings.

Exports

- As per the export permits issued by the Coffee Board, a total quantity of 3,83,653 MT of Coffee (including 1,10,367 MT of re-exports) comprising of 44,582 MT of Arabica, 1,91,141 MT of Robusta and 1,47,481 MT of instant Coffee and 447 MT of Roasted Coffee beans and Roast & Ground Coffee valued at ₹10,380 crores equivalent to US$ 1,254 million was exported to 113 countries during the financial year 2023-24.
- The top five export destinations for Indian Coffee were Italy, Germany, Russian Federation, United Arab Emirates and Belgium. The composite unit value of all types of Coffee exported was ₹2,70,557 per MT during the year 2023-24.
- The total number of exporters registered with Coffee Board stood at 2,265 (including 231 new registrations and 123 renewal of registrations made during the year 2023-24) as against 1,911 during the previous year.
- A total of 12,984 export permits (Indian origin Coffee - 10,376 and re-exports - 2,608) and International Coffee Organization (ICO) Certificate of Origin were issued to 308 registered exporters of Coffee as against 12,470 permits issued during the previous year.

Research

- To introduce the tolerance of Coffee White Stem Borer (CWSB) in Chandragiri (a promising Arabica variety), direct and reciprocal crosses were made between S.4595 and Chandragiri.

- Tissue Cultured CWSB tolerant Arabica line (S.4595) were evaluated in 27 locations. These trial plots are being monitored at regular interval for vegetative vigour & CWSB incidence.
- Towards the development of trait specific Robusta clonal varieties, a total of 476 elite mother plants were identified from 100 estates in Coorg, Chikkamagaluru and Wayanad regions in five phases (2019-2024). Among the 106 plants identified in the first phase, fifteen prospective mother plants were short listed, based on cross compatibility, yield and quality.
- Among the 28 Arabica varieties being evaluated under the IMLVT of World Coffee Research (WCR) project, EC-16, and Catigua MG-2 varieties have shown high field tolerance to Coffee leaf rust. The yield and cup quality of EC-16 was observed to be on par with the other Sarchimor derivatives.
- A total of 15,798.25 kg of seed Coffee comprising of 12,328.25 kg Arabica, 3,379.5 kg Robusta and 90.5 kg seeds of different tree Coffee species were distributed to Coffee growers across India.
- A total of 52,970 rooted clones of CxR Robusta variety was distributed to 357 Coffee growers.
- Somatic embryos were successfully generated from eleven prospective Robusta mother plants identified under the project on “Development of Trait Specific Robusta Clonal Varieties”
- Towards the identification of genes involved in tolerance to the CWSB, the genes differentially expressed during CWSB infection was identified through Suppression Subtractive Hybridization (SSH) approach. Further, the activity of these genes was identified in control and treated plants.
- The sequence variability of 11 defence related genes was studied in 14 Arabica Coffee genotypes. The PCR amplification conditions for six gene-specific primers were optimized and all the genes were amplified from genomic DNA samples of 14 Coffee genotypes. The expression analysis of these genes is in progress.
- Multi-location field evaluation of various proprietary formulations *viz.*, CROPTEK, N24, N20, Bensulf Superfast and Flowering Special in Arabica and Robusta varieties showed increase of yield to the tune of 10.5%, when compared to the control.
- Foliar application of Ammonium Polyborate (500 gram/acre) along with Bordeaux mixture showed 10% increase in yield both in Arabica & Robusta varieties over control treatment.
- Under the soil, leaf, agrochemical analysis and advisory services, a total of 9,918 soil,

16 leaf and 792 agrochemical samples received from 4,109 Coffee growers were analysed and reports communicated to the concerned growers.

- A total of 69 on-spot mobile soil testing campaigns was organized. During the campaigns, a total of 3,477 soil samples were analysed for pH and on-spot recommendation was given to 1,991 Coffee growers.
- Towards developing drought tolerant Robusta cultivars through grafting technology, graft combination such as Sln.9/S.274, S.3399/S.274 and Sln.5B/S.274 were found to be superior amongst various graft combinations tested.
- Foliar application of Calcicare (a commercial proprietary formulation) showed an increase of yield to the tune of 12.18% and 9.52% in Arabica (Sln.9) and Robusta (CxR) varieties, respectively.
- Field evaluation of a new in-house nutrient formulation showed increase of yield to the level of 15.4% when compared to the control treatment.
- Coffee Leaf Rust (CLR) races and Coffee differentials/indicator plants are being maintained at Regional Coffee Research station in Thandigudi (Tamil Nadu).
- Field evaluation of new fungicides for the management of CLR disease in Arabica variety indicated that Hexaconazole 75% WG and Fluxapyroxad 167 g/L + Pyraclostrobin 333 g/L SC @ 0.5 ml/L were found to be on par to the recommended fungicide *viz.*, Hexaconazole 5% EC.
- Field evaluation of Cuprofix (Copper Sulphate 47.15% + Mancozeb 30% WDG) for the management of CLR disease in Arabica variety indicated that the performance of Cuprofix (@ 6.25 g/L) was found to be on-par to the recommended fungicide *viz.*, Bordeaux mixture.
- Fifty cultures of *Bacillus,* forty-two cultures of *Pseudomonas* and twenty-two cultures of *Trichoderma* were isolated from Coffee rhizosphere soils collected from different Coffee growing zones of South India.
- A total of 490 kg bio-control agent (*Trichoderma harzianum* starter culture) was supplied to 14 planters for management of soil borne diseases of Coffee.
- Under the National Bee Board sponsored project on "Impact of Honey bees on Coffee Production and Quality Improvement" studies on Bee visitation were carried out in Arabica and Robusta during blossom period in 2023-24 and observed that *Apis cerana* and *Tetragonula travancorica* were most abundant bees visiting.
- A total of 450 cross vane pheromone traps with lure were supplied to eight planters in Karnataka for management of the CWSB.

- A total of 34,899 Nos. of Broca traps with lure & 1,419.5 litres of Broca lure alone and 14,775 Nos. of xycom traps with lure & 95 litres of xycom lure alone were supplied to 744 growers for the management of Coffee Berry Borer (CBB) and shot hole borer, respectively.
- A total of 281 kg of *Beauveria bassiana* (biocontrol agent) was supplied to nine growers of Karnataka and Tamil Nadu for the management of CBB.
- As an eco-friendly measure to manage the mealybug infestation 64,500 parasitoids (*Leptomastix dactylopii*) were supplied to 27 growers of Kerala and Karnataka.
- Three solar tunnel dryer (STDs) one each at Central Coffee Research Institute (CCRI) and Technology Evaluation Centers (TECs) at Mudigere & Sakaleshpura in Karnataka state were installed during the period under reporting to assess its efficacy for drying Coffee samples.
- The result of the multi-locations drying trials indicated that solar tunnel dryer (STD) could reduce the drying days by 40% to 50% when compared to conventional sun drying. Further, the cup quality score of samples dried in STD and sun drying were on par.
- Biochar (a carbon rich substance produced from Coffee processing wastes *viz.*, cherry husk and parchment husk through pyrolysis) found to improve plant growth, nutrient uptake, water holding capacity of soil and suppression of various Coffee nursery diseases.
- The microbial mapping of seventy Coffee soil samples collected from various Coffee growing zones indicated that the acidic pH and microbial population (bacteria/fungi/actinomycetes) was found to be higher in soil samples collected from drip-circle-zone compared to between-four-plants.
- The microbial mapping (bacteria/fungi/actinomycetes) of soil samples collected from different ecosystems (Arabica/Robusta/Jungle/Paddy) indicated high population of actinomycetes & phosphate solublizer in Arabica ecosystem while paddy ecosystem recorded greater population of bacteria & nitrogen fixer. Robusta ecosystem registered high population of fungi.
- Coffee Board organized an international quality training Programme *viz.*, "Q-Processing of Robusta (QP-2)" jointly with Coffee Quality Institute (CQI, USA) from 12th to 17th February 2024 at CCRI. Twenty-four trainees (eighteen from Coffee Board and six stakeholders from industry) participated in the programme and qualified as Quality Coffee Processor. Further, CCRI is recognized as an international training center by CQI, for organizing Q-Processing training programme.

AIC-CCRI-CED, Coffee Board

AIC-CCRI-CED (Atal Incubation Centre - Central Coffee Research Institute - Centre for Entrepreneurship Development) is the Technology Business Incubator established at the Coffee Board's Head Office in Bengaluru in Collaboration with Central Coffee Research Institute (CCRI) and Atal Innovation Mission (AIM) to support and nurture startups in the Coffee Sector.

During 2023-24, conducted entrepreneurial development as well as capacity building programme *viz*. Varttarambha, Vikrayam, Aarohana, Cafe Conceptor, etc.

5th World Coffee Conference

This 5th edition of World Coffee Conference (WCC) was organised in collaboration with International Coffee Organization (ICO) under the theme 'Sustainability Through Circular Economy & Regenerative Agriculture' from September 25-28, 2023 in Bengaluru. This was the first time such a historical event happened in India. Conference had 11 thematic sessions with different topics and provided a platform for speakers & panellists from India and overseas to engage in enriching discussions on the entire Coffee landscape. Simultaneously, Technical Workshops, Growers Conclave, Competitions and World Coffee Expo were organized during the Conference. Besides 347 Business to Business (B2B) meetings were facilitated during the event.

Extension and Development

A. Traditional Areas

- Extension personnel carried out 1,185 field demonstrations, issued 1,090 advisories through print / electronic / social media to educate the growers on various aspects of Coffee cultivation, conducted 150 village level meetings, 59 training programme on Coffee cultivations, 13 Exposure visits, 14 vocational training programme and 11 Seminars.
- During the period under report, the extension units extended support to 1,370 beneficiaries under replantation activity covering 853.39 Ha. Similarly, benefits were extended to 3,968 beneficiaries for 4,329 water augmentation units benefitting 8,224.62 Ha. and Quality upgradation units to 712 beneficiaries for 766 units benefitting 614.73 Ha.

B. Non-Traditional Areas (Andhra Pradesh & Odisha)

- Extension personnel carried out 1,180 Method demonstrations, organized 39 exposure visits, 190 village level workshops, 25 quality awareness programme and 30 Capacity Building programme for the benefits of tribal Coffee growers.
- Support was extended to 6,883.90 Ha. under Coffee expansion, 5,199.60 Ha. under Consolidation benefiting 15,609 and 12,871 beneficiaries respectively.

Support was extended for construction of 1,395 cement drying yards and for purchase of 144 baby pulper units with an objective of improving Coffee quality.

C. North Eastern Region

- Extension personnel carried out 2,616 Field demonstrations, 236 group meetings, 64 on-farm trainings and 31 quality awareness campaigns to educate the Coffee growers on various aspects of Coffee cultivation.
- Support was extended to 447.15 Ha. of Coffee expansion and consolidation, construction of 154 drying yards, 116 Water augmentation units and 11 group nurseries.

Capacity building programmes

Kaapi Shastra Training Programme is a unique programme aimed at providing a great learning opportunity for those who are passionate about Coffee and for individuals who are keen on setting up Coffee business. It is conducted both in house at Head office, Bengaluru and also in various cities of India. In general, the programme is conducted for a period of five days which includes a basic introduction to Coffee and Coffees of India, roasting technology, brewing and various methods of brewing, Coffee retailing, Coffee packaging and Coffee quality evaluation. The programme includes both theory and practical sessions including visits to roasting units.

During 2023-24, three Kaapi Shastra Training programme on Coffee roasting and brewing techniques were conducted at Head office, Bengaluru that benefited 65 participants.

Barista training programme: Coffee Board presents a great learning platform for individuals interested in Coffee making and Café management to improve their barista skills. During 2023-24, eleven Barista training programme were conducted at different parts of the Country *viz*., Karnataka, Andhra Pradesh, Odisha, Maharashtra, West Bengal, Telengana, Gujarat and Goa benefiting 124 participants.

Post Graduate Diploma Course in Coffee Quality Management

Fifteen students who joined during 2022-23 batch have completed 2nd trimester. Fifteen students who joined the course during 2023-24 batch are in 1st trimester at Central Coffee Research Institute, Balehonnur.

Know your Kaapi (KYK) – A Special Cup Quality Evaluation programme :

The main objective of the programme is to help growers to understand and dwell deeper into the intricacies of their Coffee quality.

Market Research & Intelligence

- Economic and analytical support was rendered on WTO and trade policy matters pertaining to Coffee. During the year 2023-2024, a total of 216 daily market reports were generated and disseminated.

- The Unit has published comprehensive 'Database on Coffee' covering Indian and global detail Coffee statistics, which is very useful for policy makers and stakeholders.
- Crop estimations were carried out using stratified random sampling techniques across different category of holdings and Coffee zones/regions for the season 2023-2024.
- The Unit has coordinated the activities pertaining to development of One Stop Mobile App 'India Coffee App' for providing all the services, products and information to the stakeholders in Coffee sector on single platform.
- The Unit has coordinated the activities pertaining to implementation of e-office in Coffee Board Head office.
- Coffee Board has commissioned a study to M/s. CRISIL, a reputed market research agency during 2023 by constituting committee involving all the stakeholders of Coffee value chain. The study estimated the domestic Coffee consumption at 91,000 MT in 2023.
- The Unit has involved in organizing an incubation programme 'VIKRAYAM' to create a platform for the Coffee growers and entrepreneurs for the direct exports without many intermediaries.

Promotion

- Coffee Board has participated in 5 overseas Coffee centric events to promote Indian Coffees. Coffee Board also organized 3 Buyer Seller Meets along with the Coffee tasting sessions/Coffee mocktail sessions with active involvement of the Indian Coffee stakeholders and the Indian missions abroad.
- Coffee Board organized one virtual Buyer Seller Meet in collaboration with Indian Embassy in Thailand.
- During the year, the Coffee Board has participated in 24 Food & Beverage / Agri Expos in the country for promotion of domestic Coffee consumption.
- Efforts for promotion of domestic Coffee consumption are done via serving the public with pure Indian Coffee through the eleven promotional units of Coffee Board (India Coffee House, India Coffee Depot etc.) across various locations in India.

Administration

- During the year 2023-24, three Board Meetings were conducted on 26th June, 21st September and 29th November, 2023.
- During the year, a total of 24 officers/ officials were granted financial upgradation under the Modified Assured Career Progression Scheme (MACPS).

- During the year, a total of 23 Junior Level Scientific Officers were granted next higher grade under the Career Improvement Scheme (CIS).
- During the year, a total of 45 Officers / officials were promoted in different 'Scientific' 'Technical' and 'Ministerial' cadre posts.
- The Staff Strength of the Coffee Board as on 31.03.2024 was 453 employees comprising of 65 Group 'A' Officers 118 Group 'B' Officers and 270 Group 'C' officials.

Vigilance & Legal

- Vigilance Division conducted Vigilance Awareness Week from 30th October, 2023 to 5th November, 2023.
- Out of 75 court cases, 02 cases were disposed and 73 court cases are pending as on 31.03.2024.

Right to Information

- Under RTI, 47 applications were disposed out of 51 applications received.
- During the year, 4 appeals were received under RTI and all 4 appeals have been disposed.

Engineering Unit

The Engineering Unit has taken up maintenance works of Coffee Board's buildings under Creation of Asset & Swachh Bharath programme and a sum of ₹ 4,23,01,298/- has been incurred towards maintenance works during the financial year 2023-24.

Official Language Implementation

The targets set in the Annual programme for the year 2023-24 for the use of Hindi in correspondences and notings have been achieved at 55% and 30% respectively. In order to fully comply with the Official Language Policy, the following works are performed:

- Official Language Rules, 1976.
- Notes and original correspondence in Hindi.
- Section 3 (3) of the Official Language Act, 1963: A total of 14,775 documents in bilingual.
- Preparation of training programmes and bilingual training materials through Hindi medium.
- Meeting of Official Language Implementation Committee and sending of Official Language Quarterly Progress Report online.
- Conducted Hindi Workshops.
- Inspection related to Official Language Progress.
- Observance of Hindi Month 2023 and Joint Hindi Day

- Participation in Town Official Language Implementation Committee.
- Hindi translation of e-monthly advisory and e-News Letter.
- Release of half-yearly Official Language Magazine “Coffee Samvad” Issue-2 and conducted an Official Language Exhibition at Regional Official Language Conference, Bengaluru.

*****

CHAPTER - II

CONSTITUTION AND FUNCTIONS OF THE BOARD

Coffee Board is a statutory organization under the Ministry of Commerce and Industry, Government of India constituted under the Coffee Act 1942, an Act enacted by the Parliament.

The Board comprises 33 members, including Chairman, Secretary (who is the Chief Executive Officer of the Coffee Board) and members of both the Houses of Parliament and members representing various interests of Coffee Industry appointed by the Government of India.

The Board was reconstituted for a period of three years from 9th September, 2022 with 31 members. Department of Commerce, Ministry of Commerce & Industry vide Gazette notification dated 09.09.2022, appointed 31 Members to the Board, *viz.*, Secretary (as an Ex-Officio member), two Members of Parliament (Lok Sabha), one Member of Parliament (Rajya Sabha), four members representing Governments of the principal Coffee growing states (Tamil Nadu, Karnataka, Kerala and Andhra Pradesh), two members representing the interests of other Coffee growing states of Assam and Nagaland, three members representing large Coffee growers, seven members representing small Coffee growers, three members representing Coffee Trade Interests, two members representing Curing establishment, two members representing labour interest, one member representing Instant Coffee Manufacturers, two members representing consumers' interest and one member representing eminent scientist from Research Institute or an Agricultural University.

Further, Department of Commerce, Ministry of Commerce & Industry vide Gazette notification dated 06.11.2023 appointed Shri M.J. Dinesh as Chairman of the Coffee Board for a period of three years.

List of Coffee Board Members for the year 2023-24

Sl. No.	Category	Appointed under Coffee (Amendment) Rules, 2016	No. of Members	Name
1	Chairman	Rule 3 (1)	1	(1) Shri M J Dinesh
2	Members of Parliament (Lok Sabha)	Rule 3 (1	2	(1) Smt Goddeti Madhavi (2) Shri Prathap Simha
	Member of Parliament (Rajya Sabha)	Rule3 (1)	1	(3) Shri N. Chandrasegharan

Sl. No.	Category	Appointed under Coffee (Amendment) Rules, 2016	No. of Members	Name
3	Members representing Governments of Principal Coffee growing States	Rule 3 (2) (a)	4	(1) Shri C. Samayamoorthy, IAS, Agricultural Production Commissioner & Principal Secretary to the Govt., Govt. of Tamil Nadu (2) Dr. Shamla Iqbal , IAS Secretary to Government, Horticulture & Sericulture Dept., Govt. of Karnataka, (3) Shri APM Mohammed Hanish, IAS, Principal Secretary and Industries Department Govt. of Kerala (4) Shri Kantilal Dande, IAS Secretary to Government, Govt. of Andhra Pradesh
4	Representatives of Large Coffee growers	Rule 3 (2) (b)	3	(1) Shri Shaker Nagarajan (2) Dr. H.S. Krishnananda (3) Shri R P M Ravichandran
5	Representatives of Small Coffee growers	Rule 3 (2)(b)	7	(1) Shri T A Kishore Kumar (2) Shri G K Kumar (3) Shri N B Uday Kumar (4) Shri S Manigundan (5) Shri E Unnikrishnan (6) Shri T Viswanadham (7) Shri Kurusa Uma Maheswara Rao
6	Representatives of Coffee Trade Interest	Rule 3(2)(c)	3	(1) Shri B H V Pradeep Pai (2) Shri K K Manoj Kumar (3) Shri Prabhakar Rao Jayathu
7	Representatives of Curing Establishment Interest	Rule 3(2)(c)	2	(1) Shri D M Shankar (2) Shri A G Divin Raj

Sl. No.	Category	Appointed under Coffee (Amendment) Rules, 2016	No. of Members	Name
8	Representatives of Labour Interest	Rule 3(2)(c)	3	(1) Shri N Bhaskar (2) Shri Siby Varghese (3) - Vacant -
9	Ex-Officio Member	Rule 3(2)(c)	1	(1) Dr. K. G. Jagadeesha, IAS, CEO and Secretary, Coffee Board, Bengaluru
10	Members representing Coffee Growing States other than Principal Coffee Growing States	Rule 3(2)(c)	2	(1) Dr. Lakshmanan S, IAS, Secretary to Government Department Industries Commerce & Public Enterprises, Govt. of Assam. (2) Shri Vikeyie Kenya, IAS Secretary to Government Government of Nagaland
11	Representing Consumers Interests	Rule 3(2)(c)	2	(1) Shri Manoj Kumar Dubey (2) Shri Shirish Vasudeo Deshpande
12	Representing Instant Coffee Manufacturers	Rule 3(2)(c)	1	(1) Shri Challa Srishant
13	Eminent personality in the field of Research / Marketing / Management / Promotion of Coffee	Rule 3(2)(c)	1	(1) Shri G S Mahabala, Eminent personality in Promotion of Coffee

Functions of the Board

The main functions assigned to the Board are:

1. Promotion of agricultural and technological research in the interest of Coffee Industry.
2. Assistance to Coffee Estates for their development.
3. Promotion of Coffee sale and consumption in India and abroad.
4. Management of the other operations as per the provisions of the Coffee Act.

Besides, Coffee Board gathers statistical and other relevant data concerning the industry and disseminates the information to various segments of the industry; acts as a recognized spokesperson on behalf of the Coffee industry to the Government, media, trade and general public; provides guidance for the overall growth and development of the Coffee industry.

Coffee Board represents the Indian Coffee industry in the international forum *viz*., International Coffee Organization, International Science Organizations, Specialty Coffee Associations and work with them for the benefit of Coffee industry.

Standing Committees

The Board may appoint every year the following standing committees:

Sl.No.	Name of the Committee	Functions
1.	Executive Committee	Deals with functions specifically assigned to it under the Coffee Rules. In addition to that deals with matters not specifically assigned to the Propaganda, Marketing, Research, or any other committees constituted by the Board.
2	Propaganda Committee	Deals with matters relating to promotion of Coffee sale and increasing the consumption in India and elsewhere of the Coffee produced in India.
3	Marketing Committee	Deals with Coffee marketing scheme as set forth in the Coffee Act and Rules.
4	Research Committee	Deals with promotion of agricultural and technological research in the interest of the Coffee industry in India.
5	Development Committee	Deals with the measures that may be undertaken for the development of Coffee estates.
6.	Quality Committee	Deals with all issues relating to the improvement in the quality of Coffee produced in India.

Details of the Meetings of the Board, Standing Committees held during the period from 01.04.2023 to 31.03.2024.

Board Meetings	213th Board Meeting held on 26th June, 2023 214th Board Meeting held on 21st September,2023 215th Board Meeting held on 29th November, 2023
Statutory Committees	Not formed / Constituted

****

CHAPTER - III

ADMINISTRATION AND ESTABLISHMENT

Coffee Board is a statutory body constituted under the Coffee Act, 1942 (Act of 1942) having perpetual succession and common seal, with powers to acquire and hold property and to contract and to sue and to be sued.

CEO & Secretary

Dr. K.G. Jagadeesha, IAS

Head of the Departments

The following Heads of Departments held the posts shown against their names during the period.

1. **Shri. N.N. Narendra, IOFS, Director of Finance**
2. **Dr. M. Senthilkumar, Director of Research**

The responsibilities assigned to different departments and the wings are as under:

Secretariat Department

The Secretariat Department is responsible for handling all administrative (staff and office establishment) and vigilance matters, allocation of work among various Divisions / Units of the Board and for monitoring compliance for furnishing information under the Right to Information Act, 2005. The department also deals with convening of meetings of the Board and Statutory Committees apart from monitoring the scheme on Labour Welfare Measures.

The six units attached to the Secretariat Department are:

1. Administration Unit
2. Official Language Unit
3. Vigilance Unit
4. Legal Unit
5. Engineering Unit *and*
6. RTI & Grievances Unit

Administration Unit

(a) Recruitment

During the year, action has been initiated to fill up vacant posts in 'Scientific', 'Technical' and 'Ministerial' cadre by promotion and direct recruitment in terms of the Coffee Board (Cadre & Recruitment) Rules, in force.

(b) Promotions

During the year, a total of 45 Officers / officials were promoted in different 'Scientific' 'Technical' and 'Ministerial' cadre posts.

(c) Modified Assured Career Progression Scheme (MACPS)

During the year a total of 24 Officers/ officials were granted financial upgradation

under the Modified Assured Career Progression Scheme (MACPS).

(d) Modified Flexible Complementing Scheme (MFCS)

A total of **Nil** Scientists granted *in-situ* promotion under the Modified Flexible Complementing Scheme (MFCS).

(e) Career Improvement Scheme (CIS)

During the year a total of 23 Junior Level Scientific Officers were granted Next Higher Grade under the Career Improvement Scheme (CIS) of the Coffee Board.

(f) Transfer and Postings

A total of 59 officials were transferred during the year 2023-24 based on the general transfer guidelines in force. The details are as under:

Sl. No.	Cadre / Grade	No. of officers / officials transferred
1	Group 'A'	14
2	Group 'B'	14
3	Group 'C'	31
	Total	**59**

Staff Strength of Coffee Board as on 31.03.2024

The details of group wise staff strength, number of Scheduled Caste and Scheduled Tribe employees and particulars of female staff strength of Coffee Board as on 31.03.2024 is summarized below:

Sl. No.	Total		SC / ST				Female	
	Classification	No. of Employees	SC	ST	Percentage of representation		No. of Female Employees	Percentage of Female Representation
					SC	ST		
(1)	Group 'A'	65	6	3	9.23	4.62	13	20.00
(2)	Group 'B'	118	22	8	18.64	6.78	42	35.59
(3)	Group 'C'	270	42	11	15.56	4.07	63	23.33
	Total	**453**	**70**	**22**	**15.45**	**4.86**	**118**	**26.05**

Employee's Welfare Measures (01-04-2023 to 31-03-2024)

i) No Conveyance Purchase Advance was granted during the period under report.

ii) No Personal Computer Advance was granted during the period under report.

iii) No House Building advance was granted during the period under report.

iv) The Board has a tie up with the Life Insurance Corporation of India for operating the scheme called "Group Savings Linked Insurance". At the end of March, 2024, the scheme had 361 members on the roll comprising of different categories. An amount of ₹20,27,643/- was settled to 42 members during the financial year 2023-24 .

Labour Welfare Measures

Children of SC & ST labourers working in Coffee plantations and curing establishments were supported under the programme.

a) **Educational Stipends**: The stipends at the rate of ₹2,250/- were granted to students who have taken up higher studies after SSLC, *viz.* 1st year PUC, Polytechnic / Vocational Training during the academic year 2023-24.

b) **Incentive Award:** An Incentive Award of ₹1,500/- and ₹1,000/- each were granted to one girl student and one boy student respectively in each division who have scored highest marks in the SSLC examination in the academic year 2022-23 and continuing further studies.

c) **Financial Assistance:** Financial Assistance were granted to eligible students who pursued graduation and professional courses after XII standard during 2023-24. The details of Financial Assistance granted are as detailed below:-

Details	(₹) Per Head	
	SC	ST
Financial Assistance		
a. Graduation (Arts, Science, & Commerce)	3,750/-	3,750/-
b. Post-Graduation	7,500/-	7,500/-
Financial Assistance Professional Course		
Medical Science, Agriculture and allied science/ Animal husbandry/ Engineering/ Pharmacy/ Nursing/other equivalent degree	7,500/-	7,500/-

FUND UTILIZATION DURING THE FINANCIAL YEAR 2023-24

Particulars	No. of Beneficiaries	Amount (in ₹)
Educational Stipends	3441	77,42,250
Incentive Awards	16	20,000
Financial Assistance		
(i) Graduation	5690	2,13,37,500
(ii) Post-Graduation	781	58,57,500
(iii) Professional Course	1660	1,24,50,000
GRAND TOTAL	**11588**	**4,74,07,250**
Scheduled Castes	3823	1,53,45,500
Scheduled Tribes	7765	3,20,61,750
GRAND TOTAL	**11588**	**4,74,07,250**

A Sum of **₹4,74,07,250/-** was granted to **11588** beneficiaries during the year **2023-24** under Labour Welfare Measures.

Official Language Wing

Activities of Official Language Wing during the year 2023-24 :

- The target set in the Annual programme for the year 2023-24 for writing original correspondence (including e-mail) in Hindi and notings in files/documents in Hindi and for use of Hindi have been achieved at 55% and 30% respectively.
- In compliance with Rule 5 of Official Language Rules, 1976, letters received in Hindi are replied to in Hindi only.
- A total of 14,775 documents under Section 3 (3) of Official Languages Act, 1963 General Orders, Notices, Permits, Licences etc. are issued in bilingual (Hindi-English).
- The target set by the Department of Official Language for the training programme through Hindi medium is achieved.
- In order to achieve 100% compliance of the target set by the Department of Official Language, the email signatures (name and address) of the officers of Coffee Board, Head Office and all sub-offices are made completely in bilingual form.
- During the year under report, four meetings (April-June quarter: 27.06.2023, July-September quarter: 29.08.2023, October-December quarter: 19.12.2023, January-March quarter: 29.03.2024) of the Official Language Implementation Committee are held.
- With the objective of increasing the use of Hindi in official work, employees are trained through Hindi workshops in every quarter. A detailed discussions are held during the workshop on the topics like constitutional provisions related to official language, official language policy, questionnaire of Parliamentary Committee on Official Language, preparing Hindi quarterly progress report as well as 'use of technology' to facilitate working in Hindi.
- In order to comply with the inspection report regarding implementation of Official Language issued by the Department of Official Language, 11 sections/units of Coffee Board, Head Office are inspected. The Sub-Offices of Coffee Board *viz*., Paderu, Araku Valley in Andhra Pradesh and Koraput in Odisha have been inspected on 30.10.2023 and 31.10.2023 respectively. During the inspection, issuance of all documents under Section 3(3) of the Official Language Act, 1963 in bilingual form, use of trilingual formula in nameplates, boards, visiting cards under Rule 11 of Official Language Rules, 1976 have been informed. Also, necessary guidelines are given for effective implementation of Official Language.
- As per the directions of the Department of Official Language, the quarterly progress

report of Coffee Board, Head Office has been sent online. The report is also forwarded to the Regional Implementation Office (South-Bengaluru) and the concerned Ministry.

- An inspection regarding Official Language Policy Implementation has been taken up by the Deputy Director (Implementation), Regional Implementation Office, Bengaluru on 29.08.2023.
- In compliance with the directions of the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, Government of India, Hindi Month 2023 is observed with the aim of increasing the use of Hindi in official work by instilling interest and enthusiasm towards Hindi among the employees and it is inaugurated with a Hindi Kavi Sammelan. During the occasion, creative Hindi competitions like Noting and Drafting, news reading, quiz etc. are organized for the employees. In the middle of the month, a special workshop on "Employment opportunities in Hindi" has been organized for the students from three reputed colleges in Bengaluru. A total of 35 students participated in it. On the occasion of Hindi Day i.e., on 14th September, 2023, an appeal is issued by the Head of the Organization which is circulated in the sub-offices of the Coffee Board and uploaded in the website. The concluding ceremony and prize distribution programme is arranged at the end of the month. On the occasion, Coffee Board's half-yearly Rajbhasha Griha Patrika "Coffee Samvad" is released. The Hindi Diwas message of Hon'ble Union Home Minister of Government of India is read out and winners of the Hindi competitions are felicitated. The function concluded with a cultural programme.
- The Senior Translation Officer attended the Hindi Diwas 2023 and Third All India Official Language Conference held at Pune, Maharashtra on 14th and 15th September, 2023.
- As per the directions of the Department of Official Language, half-yearly report has been sent to the Town Official Language Implementation Committee (Office-2), Bengaluru. While participating actively in the half-yearly meeting, suggestions are given for the use of innovation to achieve the underlying objective of the committee.
- Joint Hindi Day is organized at Coffee Board, Head Office under the aegis of Town Official Language Implementation Committee (Office-2), Bengaluru. A special workshop is organized in which the use of modern tools related to official language and the language and new style and format of noting and drafting in Hindi are discussed in detail. Along with this, "See the picture & pen a story" and "Translation" competitions are organized to create interest and enthusiasm among the employees.

- Annual Assessment Report 2023 has been sent to Department of Official Language, Ministry of Commerce and Industry, Government of India.
- "E-Monthly Advisory" published by CCRI and "E-News Magazine" of Atal Incubation Centre, Coffee Board, Head Office have been regularly translated into Hindi.

The second issue of the half-yearly Rajbhasha magazine "Coffee Samvad" is released by the Chief Guest and Hon'ble Union Minister of State for Home Affairs, Government of India; Secretary, Department of Official Language, New Delhi and Chief Executive Officer and Secretary, Coffee Board, Bengaluru and other distinguished guests present in the Regional Official Language Conference organized at HAL Management Academy, Bengaluru on 19.01.2024. An official language exhibition of various activities/programmes/publications of the Official Language Wing and a Coffee stall of the Coffee Board of India have been set up in the conference.

Vigilance Unit

The Vigilance Unit is responsible for carrying out the following:-

1. Receiving complaints and taking action thereof.
2. Verification of character and antecedents of persons recruited to the Board's service, preparation and submission of periodical returns to the Ministry of Commerce & Industry.
3. Issuance of Vigilance clearance in respect of officers / officials of Coffee Board for various purposes.
4. Processing of application seeking permission for acquiring movable and immovable properties of officers / officials of the Board and scrutinizing the immovable property returns filed by the Group 'A ' & ' B' officers.
5. Surprise vigilance check of sub offices / various sections at Head Office.
6. Processing of files relating to disciplinary proceedings.
7. Further, the Vigilance Awareness Week was conducted during 2023-24, i.e. from 30th October to 5th November 2023.

Details of Vigilance Cases

1	Pending disciplinary cases as on 01.04.2023	03
2	Disciplinary cases added during the year 01.04.2023 to 31.03.2024	NIL
3	Disciplinary cases concluded during the year 01.04.2023 to 31.03.2024	03
4	Disciplinary cases pending as on 31.03.2024	NIL

Legal Cell

The Legal cell is responsible for carrying out the following functions:-

- Attending to all the Board's Legal matters pertaining to Service matters, Marketing, Tax, Intellectual Property Rights (IPR), Plantation Labour, etc.,
- Attending litigations pending before various courts *viz.*, Supreme Court, High Courts, Labour Courts, Lower Courts, IPR Tribunal and Sales Tax Appellate Forum etc., of respective States.
- Co-ordination and assisting the Board's Advocates with relevant records to enable the Advocates in preparing the plaints/ counter and for arguments.
- Attending to correspondences connected with Amendments to Coffee Act and correspondence with the Ministry of Commerce relating to above matters.
- Furnishing of opinion on files being referred by various sections, *viz*., Export, Pension, Engineering, Administration, etc.

Status of Court cases

63 cases were pending at the beginning of the year. During the year, 12 new cases were registered. Out of the total 75 cases, 2 cases were disposed and 73 cases are pending as on 31.03.2024.

Status of Tax Disputes

a) Government of Kerala

The Hon'ble High Court of Kerala vide its order dated 29/8/2008 set aside the orders passed by the STAT confirming the levy of CST for the years 1984/85 to 1990/91, 1994/95 to 1996/97 and remanded the matter to the assessing officer to re-examine the issue in accordance with the law. Similarly, in respect of the Appeals for the year 1991/92 to 1993/94 and 2000/01 under CST and for the year 1991/92 to 1993/94, 1996-97 and 1997-98 under KGST, the STAT vide its order dated 26/9/2012 remanded the matter to the assessing officer. The Board produced the available relevant records to drop the demand. However, the assessing officer vide order dated 14.3.2014 confirmed the levy of CST and raised demand of ₹34.53 crores and interest of ₹174.09 crores aggregating to ₹208.62 crores for the years 1984/85 to 1990/91, 1994/95 and 1995/1996. The Board filed first appeal and 2nd appeal before the STAT, Palakkad, Kerala. The STAT after hearing the matter in detail passed an order dated 20.5.2016 directing the Assessing Officer to give opportunity to Board to produce the records and hear in person. However, the State of Kerala filed Revision petitions before the Hon'ble High Court of Kerala which has been dismissed with a direction to complete the assessment within a period of 6 months. As per the judgement, the Assessing authority, State Tax Officer, Kerala GST Department,

Chavakkad, has issued production of records. Accordingly, Coffee Board submitted further records to substantiate claims in addition to the records which were submitted at the time of original assessments. The Assessing Authority refused to accept them on the grounds that production of transport receipts/ invoices/bill of lading etc., only be considered as per the Tribunal directions and passed orders for payment of ₹241,66,24,328/- Coffee Board after consultation with Tax experts and Board`s Advocate who appeared in the Hon'ble High Court has prepared and filed Appeals before the Deputy Commissioner (Appeals), Kerala Tax Department, Thrissur and also filed Stay order applications. The DC (Appeals) issued notice to remit 1% of disputed amount (2.41 Crores) to consider the appeals and stay orders filed by Coffee Board. The Board filed a Writ Petition before the Hon`ble High Court of Kerala and the Hon`ble court issued interim stay for the notice and this case is pending for final orders.

Engineering Unit

Coffee Board owns office buildings at various places spread across the country *viz.*, Bengaluru, Mysuru, Chikkamagaluru & Hassan (Karnataka); Chennai & Bodinayakanur (Tamil Nadu); Guwahati & Silchar (Assam); Chintapalli & Araku Valley (Andhra Pradesh) and also owns Residential flats in New Delhi, Bengaluru & Hassan (Karnataka); Bodinayakanur (Tamil Nadu) Guwahati & Silchar (Assam) and Chintapalli & Araku Valley (Andhra Pradesh).

Besides, there are Research Stations and Residential quarters at Central Coffee Research Institute in Chikkamagaluru District; Coffee Research Sub Stations at Chettalli (Near Madikeri) in Karnataka; Regional Coffee Research Stations at Chundale in Kerala; Thandigudi in Tamil Nadu; R.V.Nagar in Andhra Pradesh and Diphu in Assam. The Technology Evaluation Centre's maintained by the Extension Department in the states of Karnataka, Kerala, Tamil Nadu, Andhra Pradesh, Odisha, Assam, Arunachal Pradesh, Tripura & Mizoram. India Coffee House in Bengaluru and India Coffee Centre at Bhopal (closed) are also owned and maintained by the Coffee Board.

Details of the Expenditure

The Engineering Unit has taken up maintenance works of Board's buildings under Creation of Asset & Swachh Bharath and a sum of ₹4,23,01,298/- has been incurred towards maintenance works during the financial year 2023-24.

RTI & Grievance Unit
Right to Information

Under Right to Information Act 2005, during the year 2023-24, Coffee Board has received 51 RTI applications from the Citizens of India seeking information/documents, out of which, 47 applications have been disposed, leaving behind 4 applications pending. Coffee Board has received 4 appeals and all 4 appeals have

been disposed leaving behind no appeals pending. Coffee Board has received 2 grievances and disposed all the 2 grievances, leaving behind no grievances pending.

Details of applications under RTI for the year 2023-24

Sl.No.	Particulars	Status
1	Opening balance	Nil
2	Receipts during the year	51
3	Total	51
4	Disposal during the year	47
5	Closing balance as on 31.03.2024	04

Details of Appeals under RTI for the year 2023-24

Sl.No.	Particulars	Status
1	Opening balance	Nil
2	Receipts during the year	04
3	Total	04
4	Disposal during the year	04
5	Closing balance as on 31.03.2024	Nil

Details of Grievances for the year 2023-24

Sl.No.	Particulars	Status
1	Opening balance	Nil
2	Receipts during the year	02
3	Total	02
4	Disposal during the year	02
5	Closing balance as on 31.03.2024	Nil

*****

CHAPTER - III (A)

DETAILS OF STAFF WITH BENCHMARK DISABILITY

A total of 15 Personnel with Benchmark Disabilities (PwBDs) are working in the Coffee Board as on 31.03.2024. The cadre wise details are as under:

Sl. No.	Cadre	Group	Personnel Existing	No. of Persons with Disability		Category-wise Persons with Disability		
				No.	Percentage of PwBDs representation	UR	SC	ST
1	Dy.Director(Research)	A	5	1	20.00	1	--	--
2	Senior Liaison Officer	A	22	1	4.55	1	--	--
3	Research Assistant Grade - I	B	19	3	15.79	3	--	--
4	Junior Translation Officer	B	2	1	50.00	1	--	--
5	Extension Inspector	C	66	2	3.03	2	--	--
6	Junior Assistant	C	7	6	85.71	6	--	--
7	Multi-Tasking Staff (MTS)	C	143	1	0.70	1		
		Total	**264**	**15**	**5.68**	**15**	**--**	**--**

*****

CHAPTER - IV

COFFEE RESEARCH

The Coffee Board Research Department has implemented a number of research projects under the scheme Integrated Coffee Development Programme (ICDP). These projects were implemented through a network of Research Stations & Divisions of the Central Coffee Research Institute (CCRI) located at Chettalli (Kodagu, Karnataka), Chundale (Waynad, Kerala), Thandigudi (Pulneys, Tamil Nadu), R.V. Nagar (Alluri Sitaramaraju District, Andhra Pradesh) and Diphu (Karbi Anglong District, Assam), Plant Tissue Culture & Biotechnology Division (Mysuru) and Coffee Quality Evaluation Division (Bengaluru). Besides, collaborative research programme were also taken up with national and international institutes *viz.,* Developing nano-formulations for the management of various Coffee pests (Tamil Nadu Agricultural University), Development of Coffee harvester (IIT, Roorkee), Evaluation of Arabica varieties under International Multi-Location Variety Trial (IMLVT) of World Coffee Research (WCR) project and Evaluation of Robusta genotypes imported from M/s. Nestle Tours.

The salient achievements from different research projects and other allied activities undertaken during the year 2023-24 are as follows:

Scheme: Integrated Coffee Development Project

Component 1: Research and Development for Sustainable Coffee Production

Sub-component 1.1: Plant Improvement for Durable Resistance and Increased Productivity through Conventional Breeding and Biotechnological Approaches.

Division of Plant Breeding and Genetics

To introduce the tolerance of Coffee White Stem Borer (CWSB) in Chandragiri (a promising Arabica variety), direct and reciprocal crosses were made between S.4595 and Chandragiri during March 2023. From the crosses, three prospective Arabica F_1 hybrids (S.5059, S.5085 & S.5086) were identified for large scale multiplication through tissue culture technique with M/s. Jain Irrigation Systems Ltd. (JISL), Jalgaon.

Under the long-term programme on the evaluation of CWSB tolerant Arabica line (S4595) the tissue culture plants of S.4595 were evaluated at 27 locations in different agro climatic zones. The plants have shown good vegetative vigour with negligible incidence of CWSB.

Towards the development of superior Robusta clonal varieties, 476 elite mother plants were identified from 100 estates in Coorg,

Chikkamagaluru and Wayanad regions in five phases (2019-2024). A total of 15 prospective Robusta mother plants were shortlisted and leaf samples & clonal saplings were provided to Tissue Culture and Biotechnology Division, Coffee Board (Mysuru), for mass multiplication.

Towards the exploitation of under-utilized Coffee species, sixteen crosses were effected using *Coffea congensis, C. quillon, C. canephora, C. laurentii, C. stenophylla, C. dewverei* and *C. canephora* (C x R & S.274 cultivars) during 2024 to check the inter and intra-specific compatibility.

Among the 28 Arabica varieties being evaluated under the IMLVT of WCR project, EC-16, and Catigua MG-2 varieties have shown high field tolerance to Coffee leaf rust. The yield and cup quality of EC-16 was observed to be on par with the other Sarchimor derivatives.

In the collaborative initiative with Nestle R & D, France (started in 2018), the field performance of six Robusta varieties and one Arabica variety were evaluated in different Coffee growing regions of India. The average maiden yield of five selected Robusta varieties evaluated at three locations revealed that FRT 101 Robusta varieties has recorded the highest yield (767 kg clean Coffee/Ha.).

Under the industry support activity, 15,798.25 kg of seed Coffee, comprising of 12,328.25 kg Arabica, 3,379.5 kg Robusta and 90.5 kg seeds of different tree Coffee species were distributed to Coffee growers. Further, a total of 52,970 rooted clones of Robusta var. CxR were distributed to 357 Coffee growers.

Division of Tissue Culture & Biotechnology, Mysuru

Under the in-vitro multiplication of trait-specific Robusta genotypes and genetic analysis of regenerated plants, studies were initiated to establish callus cultures and induce high-frequency somatic embryogenesis in fifteen trait-specific Robusta mother plants. A total of 2,500 leaf explants collected from five CxR plants, three S.274 plants and three old Robusta plants were inoculated into callus induction media. High frequency somatic embryogenesis was achieved in all the genotypes. The comparative genetic homogeneity of somatic embryo-derived and seed-derived plants obtained from the same mother plants was analyzed using molecular markers and sequencing strategy. Further, suitable markers and coding regions were identified to assess the genetic homogeneity of all in-vitro regenerated plants.

Under the application of genomic and transgenic approaches for developing resistance to Coffee White Stem Borer (CWSB), studies were carried out to identify, sequence characterize and study the expression analysis of genes involved in tolerance to the CWSB. Initially, the differentially expressed genes during CWSB infection were identified through the Suppression Subtractive Hybridization (SSH) approach. The amplification and sequence characterization of these genes in 21 different Coffee species

indicated variations in the gene sequence in the form of SNPs and InDels (insertion and deletions). Further, the sequence variability of 11 genes such as mannan synthase, zinc finger protein, isoleucine monooxygenase, polygalacturonase, aquaporin, pathogenesis-related protein, UDP-glycosyltransferase, plastid lipid-associated protein, cytochrome P450 and isoprene synthase was studied in 14 Arabica Coffee genotypes. Primers were designed for six important genes to carry out expression studies. The PCR amplification conditions for these gene-specific primers was optimized and all the genes were amplified from genomic DNA samples of 14 Coffee genotypes. The expression analysis of these genes is in progress

Towards developing climate resilient Robusta varieties using genomic approaches, studies were conducted to analyze the population structure of 20 drought-tolerant Coffea canephora accessions available in gene bank and to develop markers linked with drought tolerance. The accessions were screened with SRAP and SCoT primers. The differentially amplified fragments among drought tolerant genotypes and Robusta cultivars such as CxR and S.274 were amplified using SCoT primers and eluted, purified and sequenced. A total of 25 unique fragments from 12 drought-tolerant Robusta accessions were sequenced. Among the 25 sequences, BLAST search in several public domain databases, five sequences matched with the genes such as 2-oxoglutarate-dependent deoxygenase, RRM-domain, TGA-9-like, and Detoxification 40-like while the other 20 sequences matched as “uncharacterized”. Further, genomic DNA was isolated from the leaf samples of 60 DR Robusta plants representing 20 drought-tolerant Coffea canephora accessions. Total RNA was isolated from leaf and flower tissues of two DR Robusta genotypes. The genomic DNA and cDNA of two drought-tolerant Robusta accessions were screened with newly synthesized primers for abiotic stress-responsive genes isolated from drought-tolerant Robusta accessions.

Under development of climate-resilient Coffee using underutilized diploid species by unconventional breeding techniques, studies were initiated for standardization of high-frequency somatic embryogenesis protocol, and standardization of *in vitro* induction of polyploidy in diploid species (*C. excelsa* and *C. stenophylla*) for use in breeding programme and commercial exploitation. A total 1000 leaf explants of *C. excelsa, C. stenophylla,* and a tetraploid natural tree Coffee hybrid were inoculated for callus induction. High-frequency somatic embryogenesis protocol was standardized for both *C. excelsa* and *C. stenophylla*. The studies for artificial induction of polyploidy in diploid species are in progress.

A natural tetraploid interspecific hybrid showing resistance to leaf rust was identified from a private estate. The ploidy status and genome content of the hybrid were determined by flow cytometry and stomatal plastid counts. The involvement of Arabica as one of the parents was confirmed using molecular

marker analysis. The induction of somatic embryogenesis and multiplication of the identified hybrid is in progress.

In-vitro multiplication, monitoring of transgene expression and testing the inheritance pattern of the transgene in *in-vitro* regenerated Arabica and Robusta transgenic plants is in progress. The transgenic *C. arabica* plant carrying the rice chitinase gene imparting tolerance to Coffee rust and *C. canephora* carrying the tobacco osmotin, sgfp and gus-A genes are maintained in controlled conditions.

Sub-component 1.2: Improvement of Productivity through Enhanced Soil Health, Crop Husbandry and Mechanization

Division of Agronomy

Demonstration blocks for evaluating various farm machineries (mini tractor, trailer, weed slasher, MUTV, mist blower cum duster, waste shredder, pit digger, chain saw, brush cutter, fertilizer spreader & pole pruner) with a new planting pattern (or) planting design were established at CCRI, CRSS Chettali and RCRS Thandigudi. Further, as a part of precision Coffee production technologies, drip irrigation and fertigation trial plots were also initiated at CCRI.

Coffee-based crop diversification plots were established at CCRI , RCRS RV Nagar and five technology evaluation centers (TECs) in Karnataka state (Chikkamagaluru, Mudigere, Sakaleshpura, Madikeri & Gonikoppa).

The results of the multi-location trial on the impact of various biodegradable mulching materials on weed suppression indicated that all the biodegradable mulching materials suppressed the weed growth to the tune of 54% to 75% during the first six months of the trials.

Evaluation of a commercial bio-herbicide *viz.,* **"Weed Out"** on Coffee soils (at the rate of 10 ml/L) indicated that the weed suppression was comparatively better without any phytotoxic effect on Coffee.

Evaluation of a proprietary product *viz*., "HYTB" (an amino acid-based substance) in Arabica Coffee at the rate of one litre per acre recorded promising performance in respect of yield contributing parameters and crop yield.

Division of Agricultural Chemistry

The results of the multi-location field experiment on **"Impact of nano fertilizers (Urea/DAP) on yield and quality of Coffee"** indicated no significant difference in yield with the application of nano fertilizers (Urea/DAP). The yield data (mean of two years) revealed that in Arabica Coffee, foliar application of nano fertilizers (Urea/DAP) at the rate of 5 ml L^{-1} and RDF @ 50% (as soil application) recorded increased yield to the tune of 8% to 10% over 100% RDF. While in Robusta Coffee, foliar application of nano fertilizers (Urea/DAP) at the rate of 5 ml L^{-1} and 50% RDF (as soil application) recorded increased yield to the extent of 6% to 8% over 100% RDF (control).

Multi-location field trials were initiated to evaluate new chemical formulations *viz.,* CROPTEK (8:21:21:2.1), N24 (24:24:0), N20

(20:20:0:13), Bensulf superfast and flowering special (9:27:18 + TE) at CCRI (both Arabica & Robusta), CRSS, Chettalli (Arabica) and TEC Gonikoppal (Robusta) during 2022. The yield data (mean of two years) showed no significant differences among the new chemical formulations.

Multi-location field trials were initiated to study the impact of soil and foliar application of ammonium polyborate on leaf nutrient status in soil & leaf, yield and quality of Arabica and Robusta varieties at Chikkamagaluru, CRSS-Chettalli, Technology Evaluation Center (Chikkamgaluru) and private estate (Devadhanam estate) during 2022. The yield data (mean of two years) indicated that foliar application of ammonium polyborate at the rate of 500 gram per acre increased the yield to 10% over 100% RDF (control treatment).

Under the soil, leaf, agrochemical analysis and advisory services, a total of 9,918 soil, 16 leaf & 792 agrochemical samples received from 4,109 Coffee planters were analysed and advisory was provided for application of lime and fertilizers. Besides, 69 on-spot mobile soil testing campaigns were organized at various locations in South India benefitting 1,991 Coffee growers. During the campaigns, a total of 3,477 soil samples were analysed for pH and on-spot lime recommendation was rendered.

Division of Plant Physiology

Towards developing drought tolerant Robusta cultivars, grafting studies were taken up to identify suitable root stocks for Robusta varieties (C x R & S.274). Among the various graft combinations evaluated, graft combinations such as Sln.9/S.274, S.3399/S.274 & Sln.5B/S.274 were found to be superior in-terms of physiological and biochemical parameters, as compared to parental lines under field condition.

Foliar application of Calcicare (a liquid-based proprietary formulation) on yield of Arabica (Sln.9) and Robusta (CxR) varieties indicated a yield increase 12.18% and 9.52% in Arabica and Robusta, respectively.

Evaluation of an in-house nutrient spray formulation at CCRI and two selected private estates recorded higher yield of 15.4% compared to control.

Under the collaborative programme *viz.* “Monitoring of carbon emission from shade grown Coffee plantations” with ISRO-RRSC Bengaluru, a 30-feet Eddy station was installed at CCRI to monitor the carbon emission from selected Coffee blocks.

Division of Plant Pathology

Field evaluation of newer fungicides (Propiconazole 13.9% + Difenoconazole 13.9%, Picoxystrobin 6.78% + Tricyclozole 20.33%, Picoxystrobin 7.05% + Propiconazole 11.71, Fluopyram 17.7 + Tebuconazole 17.7, Fluxapyroxad 167 g/L + Pyraclostrobin 333 g/L and Hexaconazole 75%) for the management of Coffee leaf rust (CLR) indicated that the efficacy of Hexaconazole 75% WG and Fluxapyroxad 167 g/L + Pyraclostrobin 333 g/L SC (at the rate of 0.5 ml/L) was found to be on-par with Hexaconazole 5% EC which is being currently recommended for minimizing

the CLR disease incidence.

Field evaluation of a commercial copper-based fungicide *viz.,* "Cuprofix" (copper sulphate 47.15% + mancozeb 30% WDG) for the management of CLR indicated that the efficacy of Cuprofix at the rate of 6.25 g/L found to be on par with the currently recommended prophylactic fungicide (0.5% Bordeaux mixture) for minimizing the CLR disease incidence.

The behavior of CLR pathogen (*Hemileia vastatrix*) was studied under the changing climatic conditions on susceptible and tolerant Arabica varieties Sln.3 (S.275) and Sln.13 respectively. Data recorded on CLR disease incidence at fortnightly intervals, correlated with data of weather parameters (maximum temperature, minimum temperature, relative humidity and rainfall) recorded at CCRI. The data indicated that maximum temperature, rainfall and sunshine hours were positively correlated with the disease incidence.

Coffee leaf rust race isolation, purification and characterisation were carried out at RCRS, Thandigudi, Tamil Nadu using Coffee differentials. Coffee differentials and rust races are being maintained at this station.

Six new systemic fungicides were evaluated under *in-vitro* and field conditions for the management of black rot disease. Among the six fungicides tested, Fluopyram 17.7 % w/w + Tebuconazole 17.7 % SC at the rate of 1.5 ml/L and Fluxapyroxad 167 g/L + Pyraclostrobin 333 g/L (at the rate of 1 ml/L) recorded minimum disease incidence.

Towards the development of integrated disease management to mitigate stalk rot disease, six fungicides and two bio-agents (*Bacillus subtilis* & *Trichoderma harzianum*) were evaluated in the field. Minimum disease incidence was observed in plants treated with Pyraclostrobin 133 g/L + Epoxiconazole 50 g/L (1 ml/L) followed by Tebuconazole 38.39% SC (1 ml/L) and combination of *Bacillus subtilis* & *Trichoderma harzianum* (10 ml/L).

The leaf spot disease caused by *Colletotrichum gloeosporioides* in areca nut (an associated crop in Coffee plantation) was reported to be epidemic in certain parts of Karnataka. To study the possibility of cross infecting ability, the fungus *C. gloeosporioides* isolated from Coffee and areca nut were cross inoculated and inoculated seedlings were incubated in glass house conditions. After constant observations for a period of sixty days, it was found that the *C. gloeosporioides* isolated from Coffee stalk rot failed to infect areca nut and vice-versa indicating both strains are different.

Ten new fungicides were evaluated against leaf spot diseases caused by *Myrothecium roridum* and *Cercospora coffeicola* under nursery condition. Among the various fungicides evaluated, Fluopyram 17.7+ Tebuconazole 17.7 SC Picoxystrobin 7% + Propiconazole 12% SC and Tebuconazole 38.39% SC showed in minimum disease incidence.

Studies were initiated to understand the impact of Coffee biochar on Coffee nursery diseases. The results of the preliminary trials indicated that nursery mixture amended with Coffee

biochar at the rate of 4% recorded minimum leaf spot disease incidence while nursery mixture amended with Coffee biochar at the rate of 1% recorded minimum brown eye spot disease incidence.

Under the industry support activity, 490 kg bio-control agent *viz*., *Trichoderma harzianum* starter culture was supplied to 14 planters for management of soil borne diseases of Coffee.

Division of Entomology

Under the National Bee Board sponsored project on "Impact of honeybees on Coffee production and quality improvement", studies on bee visitation were carried out in Arabica and Robusta plantations during the blossom periods in 2023-24 seasons at CCRI. The observation indicated that *Apis cerana* and *Tetragonula travancorica* were the most abundant bees visiting Arabica and Robusta plantations.

The efficiency of the nano-formulations on ovicidal activity of CWSB was evaluated under laboratory and field conditions in collaboration with Tamil Nadu Agricultural University (TNAU), Coimbatore. The nano-formulation and 4% cellulose acetate found to prevent egg laying up to 90 days after spraying.

Collaborative studies were initiated to develop nano-pheromones to improve the trapping efficiency of CWSB pheromone lure. The response of nano-pheromones synthesized by M/s. ATGC, Bengaluru was studied against CWSB using electro antennographic Detection (EAD) at NBAIR, Bengaluru. The effective concentration of nano-pheromone was installed in different field locations to study their efficiency.

To improve the trapping efficacy of shot hole borer (SHB), kairomones were collected from Coffee plants. The kairomones were identified using GC-MS instrument and their response against SHB was recorded by EAD at semio-chemical laboratory at IIHR, Bengaluru. Among the different volatiles identified, SHB responded to 31 different volatile components. The notable responses were found to be 2,4-Dimethyl Heptane, α-Pinene, 3-Ethyltoluene, Ethyl benzoate, 2-Methyldodecane, 3-Hexanol, 2-Hexyl - 1-Decanol, Styrene, Beta Myrcene, Pentadecane and D-Limonene.

The natural enemies of SHB from different Coffee growing locations was explored and the most abundant parasitoid observed was *Tetrastichus* spp. (Hymenoptera: Eulophidae). Further, the SHB parasitism ranged from 1.67% to 11.67% and parasitism was comparatively more in January (11.67%) followed by February (10%).

A preliminary study was initiated in collaboration with National Bureau of Agricultural Insect Resources (NBAIR), Bengaluru to evaluate the nano-matrix deliverable against CBB trap catches. The trap catch in nano-matrix deliverable was on par with the standard Broca lure. The CBB pest populations in all the Coffee growing areas was regularly monitored and based on this, timely advisories were issued to the Coffee growers for the effective management of the pests.

Under the industry support activity, a total of 450 cross vane pheromone traps with lure were supplied to eight planters in Karnataka for management of the CWSB. Further, 34,899 Broca traps with Broca lure and 1419.5 litres of lure alone were supplied to 241 and 230 growers respectively for the management of CBB. A total of 14,775 xycom traps with xycom lure and 95 litres of xycom lure alone were supplied to 214 and 59 growers respectively for the management of SHB. A total of 281 kg of *Beauveria bassiana* was supplied to nine growers of Karnataka and Tamil Nadu for the management of CBB.

As an eco-friendly measure to manage the mealybug infestation 64,500 Nos. of parasitoids (*Leptomastix dactylopii)* were supplied to 27 growers of Kerala and Karnataka.

Sub-component 1.3: Post Harvest Technology and Quality Improvement

Division of Post Harvest Technology

A new static mechanical dryer (Taiwan make) was evaluated during 2023-24 harvest season at CCRI. The observation indicated that Arabica Parchment and Arabica Cherry samples took about 16 and 40 hours to reach the desired moisture level of 10% and 11%, correspondingly. The cup quality of samples dried in new mechanical dryer was to the tune of 74% to 75%.

Three solar tunnel dryer (STDs) one each at Central Coffee Research Institute (CCRI) and Technology Evaluation Centers (TECs) at Mudigere & Sakaleshpura in Karnataka state were installed during the period under reporting to assess its efficacy for drying Coffee samples. The results of multi-location drying trials indicated that the STD could reduce the drying days by 40% to 50% when compared to conventional sun drying. The cup quality of samples dried in STD revealed no significant differences between sun drying (73.75) and drying in STD (76.75).

The results of experiments conducted using biochar (a carbon rich substance produced from Coffee processing wastes *viz*., cherry husk and parchment husk) at CCRI indicated that biochar has positive influence in improving plant growth, nutrient uptake, water holding capacity of soil and suppression of various Coffee nursery diseases.

The microbial mapping of seventy Coffee soil samples collected from various Coffee growing zones indicated that the microbial population (bacteria/fungi/actinomycetes) found to be relatively higher in soil samples collected from drip-circle-zone when compared to between-four-plants. Further, pH/soil reaction of soil samples collected from drip-circle-zone found to be more acidic, as compared to soil from between-four-plants.

The microbial mapping (bacteria/fungi/actinomycetes) of soil samples collected from different ecosystems (Arabica/Robusta/Jungle/Paddy) during the reporting period indicated that Arabica ecosystem contained high population of actinomycetes & phosphate solublizer while paddy ecosystem recorded greater population of bacteria & nitrogen fixer. Robusta ecosystem registered high population of fungi.

Division of Coffee Quality

Training Programme Conducted under Division of Coffee Quality

1. Kaapi Shastra Training Programme

The objective of this training programme is to create awareness on the latest technologies in Coffee Roasting, Grinding and Packaging and to demonstrate the techniques for brewing good quality Coffee. Three programmes were conducted during 2023-24 and 65 participants attended the programmes. The details are as follows:

Sl. No.	Venue	Particulars	No. of Participants
1	HO, Bengaluru	3rd – 7th July, 2023	26
2	HO, Bengaluru	20th – 24th November, 2023	26
3	HO, Bengaluru	18th – 22nd December, 2023	13
	Total		**65**

2. Barista Training Programme

Barista Training Programme introduced by Coffee Board presents a great learning platform for individuals interested in Coffee making, Café management and to improve their barista skills. Totally 11 programme were conducted during 2023-24 and 124 participants attended the programme in different parts of the country *viz*., Karnataka, Andhra Pradesh, Odisha, Maharashtra, West Bengal, Telangana, Gujarat and Goa. The details are as follows:

Sl No.	Venue	Particulars	No. of Participants
1.	Manasaangothri, Mysuru.	19th – 23rd June, 2023	13
2.	Girijan Co-Op Corporation Ltd., Visakhapatnam.	31st July – 4th August, 2023	19
3.	IHM VSS Nagar, Bhubaneswar.	28th August – 1st September, 2023	09
4.	HO, Bengaluru.	6th – 10th November, 2023	11
5.	abCoffee, Mumbai.	4th – 8th December, 2023	08
6.	Tea Board, Kolkata.	8th – 12th January, 2024	10
7.	GAR, Banjara Hills, Hyderabad.	26th – 30th January, 2024	13
8.	Shakti Foundation C/o Kokoro Barista school, Surat.	29th January 2nd February, 2024	12
9.	Shakti Foundation C/o Kokoro Barista school, Surat.	26th February – 1st march, 2024	12
10.	Venkataramana Complex, Hyderabad.	11th – 15th March, 2024	08
11.	Full of Beans Coffee, Goa.	11th – 15th March, 2024	09
	Total		**124**

3. Know Your Kaapi (KYK) - A special cup quality evaluation programme

Coffee Board of India initiated special cup quality evaluation programme drive called “Know Your Kaapi (KYK)”, with an objective of helping growers to understand and dwell deeper into the intricacies of their Coffee quality. After completion of cup quality evaluation of samples under 6 different categories, top scoring Coffees were awarded with Flavour of India - The Fine Cup Award. The details of the awarded Coffee samples are mentioned below:

- **Best Washed Arabica** - Mrs. Killo Aswini w/o. Gasanna, Andhra Pradesh.
- **Best Semi-washed Arabica** - Mr. Sambeet Kumar Panda, M/s. Saptagiri Plantation, Koraput.
- **Best Arabica Naturals** - M/s. Kruthi Coffee, Kindriguda Tribal Farmers Group, Koraput.
- **Best Washed Robusta** - Mr. Jacob Mammen, M/s. Badra Balehonnur Estate, Chikkamagaluru.
- **Best Semi-washed Robusta** - Mr. Srinivasa K S, M/s. Kowli estate, Chikkamagaluru.
- **Best Robusta Naturals** - Mr. Jacob Mammen, M/s. Badra Balehonnur Estate, Chikkamagaluru.

"Know Your Kaapi (KYK)" for the year 2023-24 has also been announced with modification in the guidelines.

4. Post Graduate Diploma in Coffee Quality Management

Fifteen students joined during 2022-23 completed the second trimester at Coffee Quality Division during the year. Fifteen students were enrolled for the course during 2023-24 batch and are in their first trimester at Central Coffee Research Institute, Balehonnur during the reporting period.

Support for Value Addition

A Step in the Direction of Value Addition

In the world Coffee chain, hardly 40% of the Coffee economy is in the producing countries while the remaining 60% is captured by consuming countries. Over the years consuming countries have improved the capabilities of processing, manufacturing and marketing Coffee as an end product. Adoption of latest technologies in roasting, grinding and packaging is critical for the sustained development of Coffee value chain and the market. Processing, packaging and marketing of Coffee in the domestic market would also provide ample opportunities for employment generation especially through small and medium enterprises. As the modern technologies in the areas of Coffee roasting, grinding and packaging are capital intensive; it inhibits the Small and Medium Enterprises (SMES) to venture into taking up Coffee value addition activities. Therefore, it is found necessary to extend appropriate support to the entrepreneurs to acquire the suitable technology to manufacture and package good quality Coffee powder.

Coffee Board is supporting R&G units by providing subsidy under XII plan MTF scheme component 10 Support for Value Addition. The main objective this component is to enhance quality of Coffee product and achieve value addition through introduction of improved technologies in roasting, grinding and packaging which will result in boosting domestic Coffee consumption and entrepreneurship in the Coffee sector. Support being extended to Individual units, Partnership firms, Self-Help-Groups (SHG)/

Growers' collectives who are interested to establish Coffee roasting units and also those proposing to modernize the existing units with new automated / energy saving / eco-friendly machinery.

The Components Eligible for Subsidy

i. Roasting Unit, Gourmet Roasting unit 1 Kg to < 10 Kg/batch and small roasting units with a capacity of less than 25 Kg capacity are eligible for subsidy support of 40% of the machinery cost with a ceiling of ₹10 lakhs.

ii. For the SHGs, Women Entrepreneurs, SC/ST, Minorities and differently abled beneficiaries, subsidy support is at 50% of the machinery cost with a ceiling of ₹10 lakhs.

Support to gourmet roaster units would enable roasting of specialized blends in smaller quantities. This may also help to encourage large number of small players/new entrepreneurs to take up this venture in non-traditional Coffee drinking areas.

New Units

The roasting, grinding and packaging machinery in any of the following combinations are eligible for subsidy.

a) Roasting machine, grinding machine and packaging machine.

b) Roasting machine and packaging machine.

c) Grinding machine and Packaging machine.

During the year, subsidy was provided for 11 units under the component

Towards Profiling of Coffees of India and developing India Coffee flavour wheel, a total of 1,702 samples received from regional offices and growers were evaluated for cup quality and evaluation of nutritional parameters is underway. Studies were carried out on plant-based milk, as an alternative to prepare functional beverage. Comparative analysis of cow milk blending with plant-based milk for espresso beverages indicated that plant-based milk provides a creamier texture and a more balanced taste in espresso beverages, while cow milk provides a richer taste and a more robust texture.

Extraction studies on Indian Coffee – Role of grind size and brewing method: The data of the extraction studies undertaken using Indian Filter Coffee method suggests that the relationship between grind size and extraction efficiency is influenced by the roast level. Effect of different processing methods on chemical analysis and sensory assessment of Arabica Coffee, indicated that the different methods of processing significantly affected the chemical analysis of roasted and green Coffee, also organoleptic activity in roasted Coffee.

Evaluation of Coffee and chicory blends for composition and sensory attributes indicated that the substitution of chicory content in the developed blends is evident from the analytical results particularly pH, Brix, TDS and caffeine content varies similar to compositional changes.

AIC-CCRI-CED, Coffee Board

AIC-CCRI-CED (Atal Incubation Centre - Central Coffee Research Institute - Centre for Entrepreneurship Development) is the Technology Business Incubator established at the Coffee Board's Head Office in Bengaluru in Collaboration with Central Coffee Research Institute (CCRI) and Atal Innovation Mission (AIM) to support and nurture startups in the Coffee Sector.

Objectives:

- Foster a supportive environment for entrepreneurs to drive business innovations.
- Incubate and graduate innovative startups
- Creating opportunities for young entrepreneurs and youths.
- Address Coffee industry challenges with entrepreneurial solutions to enhance India's high-grade Coffee quality and quantity.

During 2023-24, the following training programmes were organized for the stakeholders and aspiring entrepreneurs.

Varttarambha - Online Pre-Incubation Programme for aspiring and early-stage startups in the Coffee and allied sectors with 23 participants.

Vikrayam - An online programme on exports vertical of the Coffee Sector. A total of 25 participants were trained on Coffee Exports and connected them with stakeholders in the Coffee Industry.

Aarohana - Incubation programme that involves providing mentorship, access to funds, professional networking, product/ service development facilities to the startups working on innovative and scalable business models related to Coffee and allied sectors.

Cafe Conceptor - A hands-on four days Programme at AIC-CCRI-CED that gives practical knowledge and exposure for the aspiring cafe entrepreneurs towards setting-up a Coffee-centric-cafe. A total of 4 batches for 44 participants were conducted.

Entrepreneurship Development Programmes - Under this programme, around 50 tribal women were trained at Ekta Nagar, Gujarat on Coffee Brewing and Cafe Management. More than 200 students visited the AIC-CCRI-CED and got introduced to the innovative startup ideas related to Coffee Sector: Facilitated access for Incubated startups to participate in National and International events as exhibitors.

Twenty Webinars on Innovation & Entrepreneurship related to Coffee Sector was organized and about 750 participants attended the Webinars.

5th World Coffee Conference

This 5th edition of World Coffee Conference (WCC) was organised in collaboration with International Coffee Organization (ICO) under the theme **'Sustainability Through Circular Economy & Regenerative Agriculture'**

from September 25-28, 2023 in Bengaluru. This was the first time such a historical event happened in India.

The inaugural ceremony was graced by Shri Piyush Goyal, the Honourable Minister for Commerce & Industry, Government of India, along with esteemed dignitaries notably Mr. Joe Kuli, Honourable Minister for Coffee from Papua New Guinea; Mr. Massimiliano Fabian, Chair of the International Coffee Council; Dr. Vanusia Nogueira, Executive Director of the International Coffee Organization (ICO); Mr. Suresh Narayanan, Chairman & Managing Director of Nestle India Ltd; Mr. Sunil A. D'Souza, CEO & MD of Tata Consumer Products; Mr. Challa Srishant, Managing Director of CCL Products (India) Ltd; Mr. Shiva Krishnamurthy, Vice President of South Asia Food & Beverage at Hindustan Lever Limited; Mr. N Sathappan, Chairman & MD of SLN Coffee Pvt. Ltd; Dr. K.G. Jagadeesha, CEO & Secretary of Coffee Board; Mr. N. N. Narendra, Director of Finance of Coffee Board, and representatives from UNIDO, FAO, ITC, Afreximbank, and ILO.

The Conference was commenced on September 25th with a grand inauguration, paving the way for an enlightening experience. The opening plenary sessions resonated with keynote talks from luminaries like Ms. Vanusia Nogueira, Executive Director of the ICO, Prof. Gunter Pauli, Economist & Author, and Mr. Matthew Barry, Insights Manager-Food & Beverage, Euromonitor International.

From 26th to 27th September, the Conference was held featuring 11 thematic sessions , and 42 topics. This also provided a platform for 76 speakers & panellists from India and overseas to engage in enriching discussions on the entire Coffee landscape.

Simultaneously, technical workshops buzzed with activity, hosting 13 hands-on sessions by 24 speakers including nine international speakers that explored topics ranging from The Rise of Alternative Milk to Roasting and Café Business. These workshops provided a practical dimension, ensuring a holistic experience for attendees.

On September 28th , attention shifted to the Growers Conclave, inaugurated by Shri Amardeep Singh Bhatia IAS, Additional Secretary, Department of Commerce, Govt. of India. After inauguration, the ninth edition of Coffee Guide and the India Coffee App were released for the benefit of Coffee community. The day-long programme delved into topics crucial for Coffee growers, including Technological Advancements, Quality Management, and the Impact of Green Coffee Packaging. Concurrently, the Start-up Conclave unfolded across seven high-impact sessions by 15 speakers covering diverse topics from Business Process & Product Innovations to Sustainability & Climate Change. This conclave celebrated the spirit of innovation in the Coffee start-up ecosystem.

Competitions

The Competitions Arena at WCC 2023 was more than just Coffee competitions; it was a platform that inspired excellence in Coffee brewing and fuelled the ambition of baristas to elevate their skills. These competitions created excitement and challenged participants to push their boundaries, fostering an atmosphere of growth and innovation. Winners of these competitions not only earned recognition but also had the honor of representing India on the global stage at the World Championships, showcasing the best of their Nation's Coffee culture and talent.

The Competitions Arena had a dedicated Growers Village wherein growers showcased their produce in aesthetically designed carts. The Competitions Arena also housed a roasters village, a Coffee brew bar, a dedicated cupping room and stalls, which was a hot favourite among the visitors and industry folks.

World Coffee Expo.

In the background of 5th World Coffee Conference, a World Coffee Expo was also organized which showcased entire Coffee Value Chain from across the world that includes Coffees from across the globe, Coffee Processors, Leading Coffee Corporates, Government Agencies, Equipment makers from farm to cup, Start Ups and Coffee allied segments. It helped the exhibitors to meet & network with WCC registered delegates and more than 17,000 business visitors from across the globe representing Coffee producing & buying nations, exporters, importers, leading Coffee Associations, global Coffee experts, Roaster, HORECA. It was a star-studded attraction, featuring the entire Coffee value chain from bean to cup. In total there were 253 exhibitors who participated in the expo. It showcased equipment companies, Coffee machines, soluble Coffee brands and café chains. Additionally, the exhibition featured beautifully designed theme pavilions representing both domestic and international entities.

*****

CHAPTER - V

EXTENSION AND DEVELOPMENT

1. Traditional Area

The traditional Coffee growing areas consist of three southern states *viz.*, Karnataka, Kerala and Tamil Nadu. The total planted area under Coffee in Traditional Areas is 3,70,813 Ha., which accounts for 76% of the total area of 4,89,619.64 Ha. in the country. The number of holdings in Traditional Areas are 1,77,752 which account for around 40.33% of the total number of 4,40,748 holdings in the country.

1.1. Area under Coffee in Traditional Area

The details of planted area, bearing area under Coffee and number of holdings for 2023-24 in the three traditional Coffee growing states are as under:

Planted Area, Bearing Area, No. of holdings in Traditional Area

	Planted Area (Ha.)			Bearing Area (Ha.)			No. of Holdings		
	Arab.	Rob.	Total	Arab.	Rob.	Total	<10 Ha.	>10 Ha.	Total
Karnataka	1,05,219	1,43,723	**2,48,942**	97,749	1,35,904	**2,33,653**	79,508	2,208	**81,716**
Kerala	4,238	81,719	**85,957**	3,957	81,087	**85,044**	77,584	277	**77,861**
Tamil Nadu	29,642	6,272	**35,914**	28,077	5,952	**34,029**	17,830	345	**18,175**
Total	**1,39,099**	**2,31,714**	**3,70,813**	**1,29,783**	**2,22,943**	**3,52,726**	**1,74,922**	**2,830**	**1,77,752**

1.2. Weather Conditions and Crop Production for 2023-24

During the year 2023, the summer was hot and dry with high temperature. The receipt of blossom and backing showers was delayed, but did not affect much in all the Coffee growing tracts of the Traditional Areas. Further, normal weather condition helped in establishment of new plants & retention of general soil moisture in Coffee plantations. Wherever, growers had the facility to provide overhead irrigation, they have provided blossom and backing irrigation to Robusta for assured crop setting. The Southwest Monsoon has set in during the first fortnight of June 2023 with feeble note and gained its momentum during July and was intermittent during September month. The rainfall received during current monsoon period was around 30% less, when compared to the corresponding period of 2022 in traditional areas. However, the showers received during the month of July, helped in rejuvenation of

tanks & streams and recharging of Borewells. Overall, the monsoon helped in maintaining the soil moisture and vegetative growth. There was no substantial crop loss, flooding and landslides during the reporting year.

North-East monsoon has set in during the second fortnight of October and continued to be active throughout the season with moderate to high wind velocity. Further, the showers received during the month of December has hampered the harvesting and processing of Coffee and affected the quality to some extent. Overall, the seasonal conditions prevailed during 2023-24 was favorable for the general health and vigor of plants and crop.

The Crop estimates in respect of Traditional Coffee growing areas for the season 2023-24 was placed at 3,47,665 tonnes comprising 88,795 tonnes of Arabica and 2,58,870 tonnes of Robusta. The state-wise details are as under:

Estimates of Coffee Production in Traditional Area (2023-24)

State	Production Estimates (Tonnes)		
	Arabica	Robusta	Total
Karnataka	72,945	1,81,630	2,54,575
Kerala	2,000	71,750	73,750
Tamil Nadu	13,850	5,490	19,340
Total	**88,795**	**2,58,870**	**3,47,665**

1.3. Pests and Diseases

The incidence of White Stem Borer, which is a major pest on Arabica, was generally low to medium in low rainfall areas and endemic areas. The incidence of Coffee Berry Borer was also low to medium in most of the Coffee growing regions.

The incidence of other pests like Shot Hole Borer on Robusta and sucking pests was at low level in general. Further, the incidence of Giant African Snail (GAS) was low in the Coffee tracts.

Among the diseases, the incidence of Coffee leaf rust, a major disease on Arabica was at low to medium level. The incidence of black rot, stalk rot, die back and root diseases were also at low to medium level.

In general, necessary remedial measures were advocated as and when required to manage the pests and diseases under check.

1.4. Extension Activities

The Extension Offices are under the administrative control of the Director of Research, Coffee Board. The Director of Research, Coffee Board supervises the implementation of Development Support Schemes. The Joint Director (Extension) at Hassan supervises the extension / development activities of the four Deputy Directors of Extension, seven Senior Liaison Officers and all the Junior Liaison Officers in

Karnataka. The Joint Director (Extension), Kalpetta supervises the extension activities of the two Deputy Directors of Extension, seven Senior Liaison Officers and all the Junior Liaison Officers in Kerala and Tamil Nadu.

The Extension Personnel of the Board continued to build close rapport with the Coffee growers for transfer of technology and to improve the knowledge and skills on scientific method of Coffee cultivation. Various individual and group extension approaches and tools were employed for transfer of technology to the growers in general and small growers in particular, besides providing development support for improving the production, productivity and quality of Coffee.

The focused approaches employed and the activities carried out during the period included selection of model estate for conducting method demonstrations / on-farm demonstrations to improve the skills of carrying out operations effectively, advisory through print/electronic/ social media, organizing village level / group meetings and seminars and other training programme in order to improve the knowledge and skill levels of Coffee growers and workers.

Coffee Board is implementing next-level technology-enabled extension service - “Coffee Krishi Tharanga” - an IVRS based mobile phone advisory service to Coffee farmers to disseminate advisories on Coffee production technology, weather and price related information.

The Extension Personnel also carried out activities *viz.*, crop loss survey during natural calamity, periodical assessment of crops, monitoring & management of pest and disease incidence, procurement and distribution of seed Coffee.

The details of various extension activities carried out during the year 2023-24 are as under:

Sl. No.	Activities	Achievement (Nos.)
1	Estate Visits	21861
2	Selection of Model Estates	154
3	Field Demonstrations	1185
4	Village level meetings	150
5	Seminars	11
6	Capacity Building Programme on Coffee cultivation at TECs	59
7	Advisory	
	a) Print Media	37
	b) Electronic Media (Radio talks / TV programme)	12
	b) Social media	1041
8	Exposure visits	13
9	Farmers Field School	29
10	Vocational training programme for women workers/ growers	14

1.5. Technology Evaluation Centres (TECs)

Ten Technology Evaluation Centres (TECs) of the Board located in different agro climatic zones of traditional areas continued to function for carrying out timely cultural operations as per the annual action plan drawn for each TEC for improving production and productivity. These TECs continued to serve as centres for evaluating the performance of various plant materials by adopting region / location specific agronomic package of practices, as training centres and as seed production centres.

Details of Technology Evaluation Centres (2023-24)

Name of the TEC		Year of commence-ment	Planted Area in Ha.			Bearing Area in Ha.			Production (kgs.)		Productivity (kg/Ha.)	
			Ar.	Rob.	Total	Ar.	Rob.	Total	Ar.	Rob.	Ar.	Rob.
Karnataka												
1	Arasinaguppe, Chikkamagaluru	1980	6.50	0.00	6.50	4.80	0.00	4.80	2,421	0	504	0
2	Hesgal, Mudigere	1977	8.83	0.98	9.81	8.83	0.42	9.25	3,404	226	386	538
3	Matasagara, Sakaleshpura	1959	5.23	1.25	6.48	4.53	1.25	5.78	2,265	907	500	726
4	Gonikoppal	1958	0.00	10.56	10.56	0.00	10.56	10.56	0	12113	0	1147
Kerala												
1	Kalpetta	1958	0.07	7.13	7.20	0.07	6.63	6.70	98	5,700	1400	860
2	Mananthavady	1979	0.50	8.30	8.80	0.50	8.18	8.68	80	6,000	160	733
3	Vazhavara	1998	0.60	1.94	2.54	0.60	1.94	2.54	454	3,156	757	1627
Tamil Nadu												
1	Gudalur	1985	2.13	3.44	5.57	1.60	2.80	4.40	575	2,250	359	804
2	Bodinayakanur	1983	5.65	0.00	5.65	3.18	0.00	3.18	1,100	0	346	0
3	Yercaud	1986	10.00	0.00	10.00	10.0	0.00	10.00	4,515	0	452	0

1.6. Development Support for Coffee in Traditional Areas

The Extension Personnel of the Board carried out the works of registration, investigation, processing of subsidy applications / claims and disbursement of subsidy for effective implementation of the Development Support Scheme. Subsidy was extended to the Coffee growers in traditional areas for carrying out Re-plantation, Water Augmentation and Quality Upgradation activities for improving production, productivity and quality of Coffee.

Development Support achievements during 2023-24 (MTF period)

Sl. No.	Component / Activity	No. of Beneficiaries/ No. of Units	Area benefited in Ha.
1	Replantation	1370	853.39
2	Water Augmentation	3968/4329	8224.62
3	Quality Upgradation*	712/766	614.73

(*-Only to SC / ST growers)

2. Non-Traditional Area [NTA] - (Andhra Pradesh & Odisha)

Coffee Board conducted a Techno-Feasibility Survey in the early 1950's to identify areas suitable for Coffee cultivation in the states of Andhra Pradesh (AP) and Odisha. Based on the recommendation in the survey report, the Forest Department of Andhra Pradesh first started commercial Coffee cultivation in the Agency areas of Visakhapatnam in 1961. These plantations were later handed over to Andhra Pradesh Forest Development Corporation Ltd., (APFDC) for maintenance.

In 1976, the Integrated Tribal Development Agency (ITDA) introduced Coffee as a development initiative for tribal groups to stop the practice of 'Podu' or shifting cultivation. Realizing the potential of Coffee farming in non-traditional area, Coffee Board executed its support for Coffee development in Andhra Pradesh and Odisha from IX five year plan onwards.

2.1. Distribution of Area in NTA

The details of area under Coffee and the number of holdings in Andhra Pradesh and Odisha are as under:

Planted Area, Bearing Area and No. of holdings in Non-Traditional Area

Liaison zone	Planted Area (Ha.)			Bearing Area (Ha.)			No. of Holdings		
Andhra Pradesh	**Ar.**	**Rob.**	**Total**	**Ar.**	**Rob.**	**Total**	**< 10 (Ha.)**	**>10 (Ha.)**	**Total**
Minumuluru	46088.41	1.02	**46089.43**	36147.01	1.02	**36148.03**	119636	2	**119638**
Chintapalli(E & W)	41870.23	234.17	**42104.40**	33127.60	234.17	**33361.77**	79258	3	**79261**
Araku Valley	19169.06	0.00	**19169.06**	14649.06	0.00	**14649.06**	46897	1	**46898**
Total Andhra Pradesh	**107127.7**	**235.19**	**107362.89**	**83923.67**	**235.19**	**84158.86**	**245791**	**6**	**245797**
Odisha	5342.88	0.55	**5343.43**	4245.73	0.55	**4246.28**	6425	18	**6443**
Chhattisgarh*	8.00	0	**8.00**	8.00	0	**8.00**	1	0	**1**
Grand Total :	**112478.58**	**235.74**	**112714.32**	**88177.40**	**235.74**	**88413.14**	**252217**	**24**	**252241**

*Darbha Block, Bastar District, Chhaattisgarh has taken up Coffee in 2018-19 under CHRS, Jagadalpur, CG (IGAU, Raipur)

2.2. Weather Conditions and Crop Production

In Andhra Pradesh, the weather was congenial for development of Coffee during 2023-24. Blossom showers received during second fortnight of March 2023 followed by backing showers during April 2023 helped in good crop set. The Southwest monsoon was commenced during second week of June 2023 and was active. Further, during North East Monsoon period, in the month of December, due to Michaung Cyclone effect, the zone has experience damage to shade tree and Coffee plants and fruit splitting.

In Odisha, light showers were received during March 2023, initiated the bud movement and later showers received during April 2023 served as blossom and backing showers in most of the Coffee growing areas. Further, the Southwest monsoon commenced from 4th of July 2023 and continued up to 1st week of October 2023.

These showers were helpful for development of vegetative growth as well as maintaining the soil moisture status favoring the development of Coffee berries, vegetative growth and cropping wood for next year. The distribution of rainfall was satisfactory throughout the season.

Considering the overall situation, the production estimate for 2023-24 season was placed at 12,675 MT comprising 12,635 MT of Arabica and 40 MT of Robusta.

2.3. Pests and Diseases

In Andhra Pradesh and Odisha, no major outbreak of pests and diseases was reported during the year 2023-24. Regular advisories were rendered through all possible means to sensitize the Coffee growers on the management practices for effective control of pests and diseases.

2.4. Extension Activities

The extension activities undertaken by the Extension Personnel of Andhra Pradesh and Odisha focused on transfer of technology through contact and follow-up visits to Coffee holdings, conducting field demonstrations, group discussions, issue of advisory letters etc., for improvement in production, productivity and quality of Coffee in the tribal sector.

The details of various extension activities carried out in Non-Traditional Areas during the year 2023-24 are as under:

Sl. No.	Activities	Achievement (Nos.)
1	Estate visits (Nos.)	5091
2	Method demonstration (Nos.)	1180
3	Village level workshops (Nos.)	190
4	Capacity Building Programme at TECs (Nos.)	30
5	Exposure visits (Nos.)	39
6	Quality awareness programme (Nos.)	25
7	Study tour (Nos.)	3

2.5. Technology Evaluation Centres (TECs)

There are two Technology Evaluation Centres (TECs) functioning in NTA, one at Minumuluru (Andhra Pradesh) and another at Koraput (Odisha). These farms continued to serve as Demonstration cum Training Centres apart from seed production centres for quality seed Coffee preparation.

Name of the TEC	Year of commence-ment	Planted Area in Ha.			Bearing Area in Ha.			Production (kgs.)		Productivity (kg/Ha.)	
		Ar.	Rob.	Total	Ar.	Rob.	Total	Ar.	Rob.	Ar.	Rob.
TEC Minumuluru	1971	8.15	0.52	8.67	6.75	0.52	7.27	1495	448	221	862
TEC Koraput	1978	9.99	0.55	10.54	9.99	0.55	10.54	5019	316	502	574

2.6. Mini Coffee Curing Works

The Mini Coffee Curing Works established at Chintapalli in Andhra Pradesh during 2004-05 continued to process raw Coffee of the **tribal growers** of Andhra Pradesh and Odisha. During 2023-24, a quantity of 28,638 kgs of Coffee was cured.

2.7. Coffee Development Programme in Non-Traditional Area

The physical achievement under different subsidy schemes implemented in NTA for the year 2023-24 is furnished below:

Achievement under Coffee Development Programme during 2023-24

Activities	Beneficiaries / Area / Units
Coffee Expansion (Beneficiaries / Area in Ha.)	15609 / 6883.9
Consolidation (Beneficiaries / Area in Ha.)	12871 / 5199.6
Replantation (Beneficiaries / Area in Ha.)	13 / 13.63
Water Augmentation (No. of beneficiaries / units)	2 / 2
Quality up-gradation	
a) Drying yard (No. of beneficiaries / units)	1395 / 1395
b) Baby pulpers (No. of beneficiaries / units)	144 / 144
Eco-certification (No. of beneficiaries / units)	2 / 2

3. North Eastern Region (NER)

Coffee was introduced in Cachar district of Assam in the year 1953. The Coffee expansion programme was initially taken up by the Corporations / Departments of the various states of North Eastern Region. As cultivation of Coffee was encouraging, Coffee Board undertook a comprehensive survey during 1982-1990 and identified suitable areas for Coffee cultivation in different states of NER. Thereafter, the Board involved directly in the implementation of Coffee development programme from IX Plan period (1997-2002) onwards.

3.1. Distribution of Area

The details of area under Coffee and number of holdings in North Eastern States are as under:

Planted Area, Bearing Area and No. of holdings in North Eastern Region

Sl. No.	Liaison Zone/State	Planted Area (Ha.)			Bearing Area (Ha.)			No. of Holdings		
		Arabica	Robusta	Total	Arabica	Robusta	Total	<10(Ha.)	>10 (Ha.)	Total
1	Arunachal Pradesh	2.50	558.85	561.35	0.00	312.00	312.00	674	2	676
2	Assam	332.73	245.42	578.15	141.43	97.15	238.58	1369	1	1370
3	Manipur	183.45	38.60	222.05	14.05	0.00	14.05	322	0	322
4	Meghalaya	266.70	1053.72	1320.42	164.59	268.62	433.21	2712	0	2712
5	Mizoram	1427.35	75.85	1503.20	374.22	13.90	388.12	2411	1	2412
6	Nagaland	1296.65	208.45	1505.10	510.00	31.00	541.00	2517	0	2517
7	Tripura	140.35	261.70	402.05	127.20	39.85	167.05	746	0	746
	Total	**3649.73**	**2442.59**	**6092.32**	**1331.49**	**762.52**	**2094.01**	**10751**	**4**	**10755**

3.2. Weather conditions and Crop Production

The general climate in North Eastern States is mostly tropical and subtropical with distinct features experiencing long days, high rainfall, change in diurnal temperature etc.

The rain received during the months of April – June helped for blossom & backing apart from establishment of young plants and retention of soil moisture status. During the period of July – September, the weather was favorable for growth and development of berries as well as flush formation. Weather condition during the months of October - December was helpful for maturation and ripening of berries.

The Final crop estimates for 2023-24 season is placed at 160 MT comprising 70 MT of Arabica and 90 MT of Robusta.

3.3. Pests and Diseases

In general, no major incidence of pest and disease was observed in the Coffee estates of North East Region except low incidence of white stem borer in Kolasib and Haflong and high incidence of Coffee Leaf rust in some pockets of Kumarghat liaison Zone.

3.4. Extension Activities

The extension activities undertaken by the Extension Personnel, focused on transfer of technology through contact and follow-up visits to Coffee holdings, conducting field demonstrations, group discussions, Quality awareness campaigns etc., for improvement in production, productivity and quality of Coffee in the tribal sector.

Activities carried out in North East Region during 2023-24

Sl.No.	Activities	Achievement (Nos.)
1	Estate visits	3676
2	Field demonstration	2616
3	Group meetings / seminars	236
4	Capacity Building Programme at TECs	2
5	Quality awareness campaigns	31
6	On-farm training	64
7	Study Tours – Internal	13
8	Advisory letters	1408

3.5. Technology Evaluation Centres (TECs)

Four Technology Evaluation Centers continued to function in North Eastern Region at Deomali (Arunachal Pradesh), Haflong (N.C. Hills, Assam), Bualpui (Mizoram) and Tulakona (Agartala, Tripura). The TEC, Bualpui in Mizoram continued to serve as demonstration cum training centre apart from seed production centre.

Name of the TEC	Year of commence-ment	Planted Area in Ha.			Bearing Area in Ha.			Production (kgs.)(Post-blossom)		Productivity (kg/Ha.)	
		Ar.	Rob.	Total	Ar.	Rob.	Total	Ar.	Rob.	Ar.	Rob.
North Eastern Region											
Deomali	1983	0.00	13.00	13.00	0.00	13.0	13.00	0.0	7000	0.0	538.0
Haflong	1980	2.98	6.62	9.60	2.08	4.40	6.48	471	1792	226	407.0
Bualpui	1988	10.50	0.00	10.50	8.40	0.00	8.40	2550	0	303	0.0
Tulakona	1986	0.00	8.40	8.40	0.00	6.00	6.00	0.0	405	0.0	67.5

3.6. Support under Coffee Development Programme in North Eastern Region

During the year, the Board extended financial support for various activities *viz.*, Expansion, Consolidation and Quality Up-gradation under Coffee Development programme in North Eastern Region with an overall objective of improving the production and quality of Coffee. The physical achievement with regard to support extended for different activities in NER during the year are furnished below:

Activities	Beneficiaries / Area / Units
Coffee Expansion (No. of bene / area in Ha.)	869 / 447.15
Consolidation of Coffee (No. of bene / area in Ha.)	20 / 16.9
Water Augmentation (No. of bene / Units)	116 / 116
Drying Yard (No. of bene / Units)	154 / 154
Group Nursery (Nos. / No. of seedlings)	11 / 12,16,700

In addition to financial support extended for activities as indicated above, the Board also supported for raising and supply of Coffee seedlings through group nurseries to facilitate the Coffee expansion and consolidation activities.

3.7. Mini Coffee Curing Works

The Mini Coffee Curing Works established by the Board at Bualpui continued to process the raw Coffee pooled by the growers of Mizoram and Tripura states.

4. Capacity Building for Stakeholders

During the period under report, various training programme were conducted as a part of the capacity building for stakeholders of Coffee industry as detailed below:

- About 798 Nos. training and skill building programme on various aspects of Coffee cultivation was conducted for the benefit of Coffee growers, estate workers and supervisory staff at the Technology Evaluation Centres of Coffee Board.
- Fourteen Vocational training programme for women were conducted for the benefit of 273 women growers / workers in association with Krishi Vigyan Kendras of Agricultural Universities / ICAR.

*****

CHAPTER - VI

MARKET DEVELOPMENT AND SUPPORT FOR PROCESSING

In order to enhance domestic Coffee consumption to develop robust domestic Coffee market with a view to offer better returns to the growers, especially, the small growers during periods of low international prices and to provide scope for value addition, the following two components were approved by the Government of India.

A. Market Development

B. Support for value addition

A) Market Development

The component has three sub-components *viz.*, (i) Market Research & Intelligence; (ii) Domestic Coffee Promotion and (iii) Support to small grower collectives / SHGs/ Cooperatives for Coffee marketing.

(i) Market Research and Intelligence

The component focuses on providing analysis of market trends to growers through web and dissemination of same through the Extension network of the Board to enable the growers to achieve better price discovery in the market. The work carried out by the Market Intelligence Unit mainly covers the supply estimation by carrying annual crop estimation, analysis of market trends, maintenance of Database on Coffee, Domestic indicator price reports, Domestic consumption and attitude survey and also carrying out periodical research reports.

(ii) Domestic Coffee Promotion

Coffee Board regularly participates in reputed domestic exhibitions, which are conducted in various parts of the country by displaying different grades of Coffee, Coffee samples of all growing regions, specialty Coffees, literature on Indian Coffee, making the public aware about the advantages of Coffee drinking through publicity materials and also serves the pure Coffee to the visitors.

During the year 2023-24, Coffee Board participated in Expos in the country for promotion of Coffee consumption through consumer awareness and education about positive effects of Coffee consumption on human health. During these events, demonstrations were also organized on how to prepare a good cup of Coffee and also making the people aware of career opportunities in the Coffee sector.

Apart from the above, Coffee Board continued its efforts for promotion of Coffee consumption through India Coffee Houses and India Coffee Center by sale of pure and high-quality Indian Coffees across various locations in the country. At present, eleven such units are functioning across the country.

Details of Domestic Events Participation during the Year 2023-24

Sl.No.	Events and Venue	Dates
1	Appachettolanda Hockey Carnival, 2023, Napoklu	15-18 April, 2023
2	International Conference on Biodiversity, AAU Jorhat, Assam	20-30 April, 2023
3	Flower Show, Kodaikanal, Tamil Nadu	26-28 May, 2023
4	Global Food Regulatory Summit, New Delhi	20-21 July, 2023
5	Tea & Coffee Expo, Ahmedabad, Gujarat	11-13 August, 2023
6	UPASI General Body, Coonoor, Tamil Nadu	13-14 September, 2023
7	World Tea & Coffee Expo, New Delhi	4-6 October, 2023
8	World Food India, New Delhi	3-5 November, 2023
9	Food & Beverages Show, Pune, Maharashtra	3-5 November, 2023
10	Krishi Mela, GKVK, Bengaluru, Karnataka	17-20 November, 2023
11	3rd Food Expo, Chennai, Tamil Nadu	24-26 November, 2023
12	14th Onatukara Agri Fest, Charummoodu, Kerala	27-31 December, 2023
13	1st Coffee Festival, Fiza Nexus Mall, Mangaluru, Karnataka	29-31 December, 2023
14	Aatmanirbhar Bharat, New Delhi	3-10 January, 2024
15	Planters Meet, Sakaleshpura, Karnataka	6th January, 2024
16	Indus Food, Greater Noida,Uttar Pradesh	8-10 January, 2024
17	Regional Official Language Conference for South and South Western Region, Bengaluru, Karnataka	19th January, 2024
18	Kerala Plantation Expo, Kochi, Kerala	20-22 January, 2024
19	Flower & Horticultural Show, Madikeri, Karnataka	26-28 January, 2024
20	5th Chandanavana Film Critics Academy Awards, Bengaluru, Karnataka	28th January, 2024
21	Wayanad Agro- Biodiversity Start-up Meet, MSSRF, Wayanad, Kerala	1-2 March, 2024
22	Aahar 2024, New Delhi	7-11 March, 2024
23	Women's Day programme (ISTRAC-ISRO), Bengaluru, Karnataka	12th March, 2024
24	Kundyolanda Hockey Carnival, Napoklu, Madikeri, Karnataka	30-31 March, 2024

Emphasis has also been given for promotion of Coffee through digital media, focusing on strengths of Indian Coffee like eco-friendly, shade grown and sustainable Coffee, popularizing Coffee as favourite beverage among youth.

Programmes conducted under Division of Coffee Quality

During the year 2023-24, the following activities were carried out by the Coffee Quality Division to promote domestic Coffee consumption.

- Profiling of Coffees of India towards developing India Coffee flavour wheel.
- The Effect of Excelsa Coffee roasting temperature and time on the physicochemical and sensory properties.
- Plant-based milk: An alternative to prepare functional beverage.
- Role of green bean density, defects, moisture, and water activity on Profile Roasting.
- Extraction studies on Indian Coffee and Cascara – Role of grind size and brewing method.
- Effect of different processing methods on chemical analysis and sensory assessment of Arabica Coffee (*Coffea arabica*).
- Evaluation of Coffee and chicory blends for composition and sensory attributes.
- Validation of Liquid Chromatography Mass Spectrometry-Mass Spectrometry (LCMS-MS) method for acrylamide and optimization of matrix match method for Coffee chicory blend.

During 2023-24, a total of 1314 Coffee samples (817 commercial samples from 238 beneficiaries and 497 research samples) were evaluated for physical and cup quality parameters.

A total of 147 moisture meters from 55 beneficiaries received from growers/ curers/ traders/ exports/ research were calibrated at Analytical laboratory and calibration report were issued.

In addition, 65 samples from 23 beneficiaries were received for analysis of nutritional, FSSAI parameters, Caffeine, Ochratoxin A & Chlorogenic acid. The analyses were carried out at the Analytical Laboratory and reports were issued.

Three Kaapi Shastra training programmes were organized that benefited 65 participants. Eleven Barista training programmes were conducted in different parts of the country during 2023-24 and 124 participants participated in the training programme. Fifteen students of 2022-23 batch of Post Graduate Diploma Course in Coffee Quality Management have successfully completed the course, while 15 students who joined the course during 2023-24 have completed 1st trimester.

Under the support rendered to Roast & Ground (R&G) Units for Value Addition, subsidy and support were extended to eleven R&G units. During 2023-24, the Division facilitated four authorised user registration for GI Coffees,

which received Geographical Indications registration.

Under, Implementation of National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories (NABL), application was submitted online after internal audit and management review. NABL main assessment was also completed on 16th & 17th March 2024 and preparation of documents for the Non-compliance raised during the assessment is underway.

Know Your Kaapi (KYK), a special cup quality evaluation programme was started by Coffee Board during 2022-23. After completion of cup quality evaluation of the samples received during 2022-23, under 6 different categories, top scoring Coffees were awarded with Flavour of India The Fine Cup Award during 2023-24.

Alongside, World Coffee Conference and Expo 2023, the 22nd edition of National Barista Championship (NBC) was organized in Bengaluru in association with Specialty Coffee Association of India (SCAI) and United Coffee Association of India (UCAI) with wide participation and support from Coffee Stakeholders. The 1st edition of official National Latte Art Championship (NLAC) was introduced and organized in association with M/s Kaapi Machines India Pvt. Ltd.

*****

CHAPTER - VII

EXPORT PROMOTION

Coffee Exports

Exporter Registration and Renewal

The total number of exporters registered with Coffee Board as on 31st March 2024 were 2,265 as against 1,911 on 31st March, 2023. This includes 231 new registrations and 123 renewal of registrations made during the year 2023-24.

Export Permits and ICO Certificate of Origin

Coffee Board is issuing Export Permit under Section 20 of Coffee Act for the export of Coffee. As per the Article 33 of the International Coffee Agreement, 2007, Coffee Board also issues International Coffee Organization's (ICO) Certificate of Origin for the export of Coffee to the registered Coffee exporters.

Exports: Coffee Board e- Permit portal

Export permits and ICO Certificates of Origin are being issued by the Coffee Board against the online applications filed by exporters on https://coffeeboard.gov.in/permit. The facility of online filing of export permit and submission of return of confirmation of exports have been extended by providing User-Id and Password to all the registered exporters of both Indian and re-exported Coffee. A total of 12,984 export permits and ICO Certificates of Origin have been issued to 308 Registered Exporters of Coffee during the year 2023-24 as against 12,470 permits issued during 2022-23. Out of 12,984 permits, 10,376 permits were issued for export of Indian origin Coffee and 2,608 permits were issued for the re-export of imported Coffee after value addition.

Interactions with Exporters

Meetings with Coffee Exporters and Exporters Association/Specialty Coffee Association and line departments were held during the year. The meetings deliberated on resolving various stakeholder's issues for achieving the Coffee export target set by Government of India, Export Promotion Schemes, participation in the international events, trade fairs, quality issues, financial assistance etc. All the relevant issues were taken up with the Ministry and line departments for appropriate intervention and support.

Reports and Returns

Periodical reports and returns on Coffee exports were generated and furnished to the Ministry and to the International Coffee Organization apart from dissemination of information to the exporting community to help in their activities. The main reports and returns that were generated during the period are as under:

a. Daily report on export performance

b. Monthly report to the Ministry.

c. Monthly reports to International Coffee Organization (ICO) on volume and value by destinations on preliminary exports of Coffee.

d. Statistical data to International Coffee Organization on monthly basis regarding the ICO Certificates of Origin issued for the export of Coffee from India.

Apart from the above, reports on exports-exporter wise, country wise, type & grade wise were generated.

Exportable Types & Grades of Coffee

The details of exportable Types & Grades of Coffee identified by the Board according to the Coffee Quality improvement programme of International Coffee Organization (ICO) vide the Resolution No.420 and subsequent modification in the existing standards of Monsooned Coffee as circulated vide MAR/ EXP/ 33. B / 2010- 11/ 790 dated 18/08/2010 are as under:

Exportable Types and Grades of Coffee

Type	Premium Grades	Commercial Grades	Specialty Coffee
Green Coffee Arabica Parchment (Plantation) (Washed Arabica)	PB Bold AA	PB, A,B, C* Bulk	Mysore Nuggets EB
Arabica Cherry (Unwashed Arabica)	PB Bold, AA, A.	PB, AB., C** Bulk***	Monsooned Malabar- AAA Monsooned Malabar- AA Monsooned Malabar-A Monsooned Malabar Arabica Triage#
Robusta Parchment (Washed Robusta)	PB Bold, A	PB, AB, C Bulk	Robusta Kaapi Royale
Robusta Cherry (Unwashed Robusta)	PB Bold,AAA, AA, A	PB, AB, C, Bulk,Clean Bulk	Monsooned Malabar Robusta- AA Monsooned Malabar Robusta Triage#
Miscellaneous grades Liberia Excelsia		Bulk## Bulk##	
Instant Coffee			
Roasted Coffee Seeds			
Roasted & Ground Coffee			

* Exception is available for Plantation-C as indicated in the description of equivalent given in the footnote of the ICO Resolution 407/420.
** Arabica Cherry 'C' should be free from Blacks, Browns and Bits.
*** Arabica Cherry Bulk should contain less than 10% Blacks, Browns and Bits.
# Monsooned Arabica Triage and Monsooned Robusta Triage should be free from Blacks, Browns and Bits.
On same defect count as of Robusta.
Note : Moisture level 13.0 - 14.5% for Monsooned Coffees

Coffee Exports

Based on the export permit issued by the Coffee Board during 2023-24, India exported about 3,83,653 MT of Coffee (including 1,10,367 MT of re-exports) valued at ₹10,380 crores (unit value realization of ₹2,70,557 per MT), which is equivalent to US$ 1,254 million (unit value realization of USD 3,269 per MT). During the year 2022-23, export permits were issued for export of Coffee to the tune of 3,96,386 MT of Coffee (including 98,057 MT of re-exports) valued at ₹8,985 crores equivalent to US$ 1,120 million with a unit value of ₹2,26,673 per MT (equivalent to US$ 2,826 per MT). During 2023-24, export permits were issued for the export of Coffee to 113 countries as against 118 countries in the previous year, out of which Italy, Germany, Russian Federation, United Arab Emirates and Belgium were the top five importing countries.

Types of Coffee Exports 2023-24* (Provisional)

Type of Coffee	Quantity in Tonnes* (GBE)	Percentage to Total Exports
Robusta Cherry	162682	42.40%
Instant / Soluble Coffee	147481	38.44%
Arabica Parchment	35705	9.31%
Robusta Parchment	28459	7.42%
Arabica Cherry	8877	2.31%
Roasted and Ground Coffee	393	0.10%
Roasted Coffee Beans	54	0.01%
TOTAL	**383653**	**100.00**

Note: Quantity in Green Bean Equivalent. *Based on export permit issued.

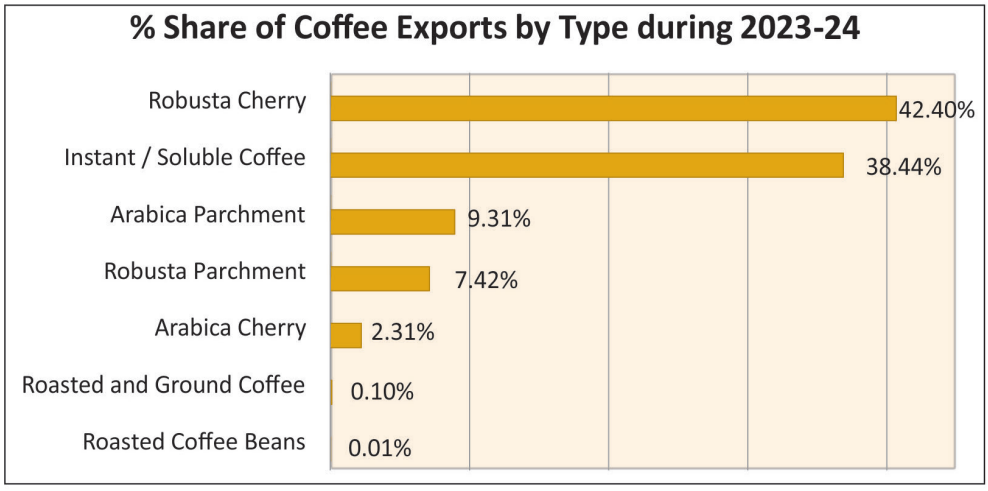

Note: Quantity in Green Bean Equivalent. *Based on export permit issued

Record all time high exports in 2023-24

During 2023-24, Coffee exports have crossed over one billion for the third consecutive financial year with USD 1,286 million (as per the NIRYAT) against the government envisaged target of USD 1,249 million, which is an all-time high in terms of value realization. Further, Coffee Exports value realization during FY 2023-24 has increased by 12% over FY 2022-23 (USD 1,146 million as per NIRYAT)

Grade Wise Details of Coffee Exports -2023-2024*

(Both Indian and Re-Exported Coffee)

Sl.No.	Grade	Quantity (Tonnes)	Value (₹ Lakhs)	Value ($ Lakhs)	Unit Value (₹/ Tonnes)	Unit Value ($/ Tonnes)
1	ARABICA CHERRY-A	25	101.05	1.23	404200	4920
2	ARABICA CHERRY-AA	469	1745.11	21.10	372092	4499
3	ARABICA CHERRY-AB	2256	6801.20	82.44	301472	3654
4	ARABICA CHERRY-BULK	62	343.65	4.16	554274	6710
5	ARABICA CHERRY-C	815	2247.60	27.22	275779	3340
6	ARABICA CHERRY-PB	271	740.78	9.03	273351	3332
7	INSTANT COFFEE	147481	367571.34	4437.91	249233	3009
8	LIBERIA BULK	117	333.98	4.04	285453	3453
9	MON. MALABAR ARABICA-AAA	64	329.90	3.98	515469	6219
10	MON. MALABAR AR. TRIAGE	38	109.06	1.31	287000	3447
11	MON. MALABAR ARABICA-A	345	1370.33	16.54	397197	4794
12	MON. MALABAR ARABICA-AA	4415	19565.00	235.88	443148	5343
13	MON.MALABAR ROBUSTA-AA	1024	2866.24	34.60	279906	3379
14	MYSORE NUGGETS-EB	3271	13765.41	166.42	420832	5088
15	PLANTATION-A	12527	49378.56	597.52	394177	4770
16	PLANTATION-AA	8725	34637.01	418.64	396986	4798
17	PLANTATION-B	6280	22247.18	268.90	354254	4282
18	PLANTATION-BULK	2428	11873.04	143.90	489005	5927
19	PLANTATION-C	1993	6689.32	81.31	335641	4080
20	PLANTATION-PB	482	1839.68	22.26	381676	4618
21	ROASTED & GROUND COFFEE	393	1913.69	23.11	486944	5880
22	ROASTED COFFEE SEEDS	54	310.61	3.74	575204	6926
23	ROBUSTA CHERRY AAA	5965	16568.92	200.04	277769	3354
24	ROBUSTA CHERRY-A	38022	97380.91	1176.84	256117	3095
25	ROBUSTA CHERRY-AA	23022	59527.67	718.92	258569	3123
26	ROBUSTA CHERRY-AB	73382	186081.46	2248.35	253579	3064
27	ROBUSTA CHERRY-BULK	1974	5063.78	60.97	256524	3089
28	ROBUSTA CHERRY-C	80	204.78	2.49	255975	3113
29	ROBUSTA CHERRY-PB	7868	19831.09	239.41	252047	3043
30	ROBUSTA CHY CLEAN BK.	11345	26675.67	322.22	235132	2840
31	ROBUSTA KAAPI ROYALE	7631	21716.61	262.71	284584	3443
32	ROBUSTA PARCHMENT-A	1237	3701.00	44.80	299192	3622

Sl.No.	Grade	Quantity (Tonnes)	Value (₹ Lakhs)	Value ($ Lakhs)	Unit Value (₹/ Tonnes)	Unit Value ($/ Tonnes)
33	ROBUSTA PARCHMENT-AB	13131	37261.26	450.15	283766	3428
34	ROBUSTA PARCHMENT-C	1381	3339.38	40.46	241809	2930
35	ROBUSTA PARCHMENT-PB	1357	3597.23	43.59	265087	3212
36	ROBUSTA PMT.-BULK	3677	10170.75	122.87	276605	3342
37	ROBUSTA PMT.PB-BOLD	45	103.97	1.26	231044	2800
	TOTAL	**383653**	**1038004**	**12540**	**270558**	**3269**

Note: Quantity in Green Bean Equivalent. *Based on export permit issued

Country wise details of Coffee Exports during 2023-24*
[Both Indian & Re-Exported Coffee]

Sl No.	Name of the Country	Quantity (Tonnes)	Value (₹ Lakhs)	Value ($ Lakhs)
1	ITALY	63998.53	167511.67	2022.92
2	GERMANY	37151.27	104795.18	1266.10
3	RUSSIAN FEDERATION	25256.61	62900.82	760.63
4	UNITED ARAB EMIRATES	21478.07	58063.33	700.92
5	BELGIUM	18755.58	51927.93	628.16
6	TURKEY	16508.00	35700.95	431.35
7	POLAND	14814.16	35222.26	425.61
8	MALAYSIA	11728.89	22741.62	274.38
9	LIBYA	10970.85	27813.90	335.53
10	JORDAN	10843.61	37480.63	453.75
11	U.S.A.	9040.06	34948.94	421.98
12	UNITED KINGDOM	7567.06	25134.65	303.83
13	KUWAIT	7235.42	26551.06	321.02
14	GREECE	6182.80	17147.72	207.42
15	SAUDI ARABIA	6092.78	21078.88	254.27
16	KOREA REPUBLIC OF S	5719.56	15779.46	190.86
17	AUSTRALIA	5594.65	16756.76	202.66
18	SPAIN	5192.28	13544.30	163.77
19	NETHERLANDS	5120.25	13868.48	167.85
20	EGYPT	4697.99	13416.61	161.86
21	UKRAINE	4487.74	10177.32	122.95
22	PORTUGAL	3849.49	9261.27	111.97
23	CROATIA	3516.06	8400.38	101.57
24	IRAQ	3515.97	8694.95	104.81

Sl. No.	Name of the Country	Quantity (Tonnes)	Value (₹ Lakhs)	Value ($ Lakhs)
25	SWITZERLAND	3416.64	13177.73	159.21
26	SLOVENIA	3152.50	7693.84	92.99
27	VIETNAM	3073.05	6156.35	74.40
28	BANGLADESH	2868.26	7527.59	90.88
29	LEBANON	2721.36	5702.18	69.01
30	ISRAEL	2660.94	7094.08	85.79
31	SENEGAL	2657.41	8467.36	102.17
32	GHANA	2620.54	8678.06	104.63
33	TAIWAN	2614.21	5784.19	69.83
34	FRANCE	2510.82	8033.94	97.17
35	NIGERIA	2453.94	5137.76	61.95
36	SYRIA	2400.50	5249.96	63.58
37	INDONESIA	2088.45	4277.76	51.20
38	IRAN,ISLAMIC R/O	2063.85	5254.52	63.54
39	NIGER	2051.58	4822.28	58.36
40	ALGERIA	1964.38	5575.29	67.26
41	MALI	1925.83	4945.15	59.53
42	MAURITANIA	1765.90	5179.05	62.43
43	TOGO	1643.47	4313.11	52.04
44	ROMANIA	1558.40	3789.62	45.72
45	ALBANIA	1556.60	4331.04	52.39
46	TUNISIA	1404.09	2861.70	34.56
47	NEPAL	1379.70	6085.64	73.40
48	MOROCCO	1285.16	3585.08	43.22
49	FINLAND	1237.25	2959.47	35.88
50	MONTENEGRO	1141.72	2417.03	29.22
51	GEORGIA	1107.02	2557.89	30.96
52	CONGO	1064.18	2931.97	35.39
53	LATVIA	941.03	2562.69	30.95
54	MYANMAR	901.62	1814.05	21.89
55	CANADA	895.58	2880.83	34.76
56	MEXICO	862.91	1669.33	20.22
57	GUINEA	858.57	2811.34	33.92
58	JAPAN	799.10	2972.73	35.95
59	BULGARIA	761.85	1908.36	23.02
60	CHINA,PEOPLE'S R/O	756.13	1603.96	19.38
61	SWEDEN	713.43	2614.66	31.72

Sl. No.	Name of the Country	Quantity (Tonnes)	Value (₹ Lakhs)	Value ($ Lakhs)
62	ARMENIA	636.15	1777.58	21.53
63	ESTONIA	617.39	1473.70	17.85
64	SINGAPORE	541.96	1592.11	19.23
65	CAMEROON	521.39	1316.20	15.89
66	OMAN	483.29	1393.42	16.84
67	GAMBIA	446.88	1506.32	18.14
68	NEW ZEALAND	393.70	1253.50	15.15
69	THAILAND	389.87	933.37	11.28
70	TURKMENISTAN	373.67	1023.89	12.40
71	IVORY COAST	367.59	1103.85	13.18
72	UZBEKISTAN	358.42	766.66	9.27
73	BURKINA FASO	321.36	722.43	8.70
74	SOUTH AFRICA	244.11	689.07	8.32
75	BENIN	226.94	564.54	6.82
76	GABON	193.36	414.81	5.01
77	KENYA	187.57	420.19	5.09
78	CYPRUS	174.57	424.48	5.14
79	PERU	163.09	738.05	8.89
80	SRI LANKA	147.03	430.08	5.19
81	LITHUANIA	146.19	400.82	4.82
82	KAZAKHSTAN	135.44	321.27	3.89
83	NORWAY	132.87	657.34	7.96
84	CZECH REPUBLIC	130.64	329.64	3.99
85	QATAR	101.50	474.83	5.73
86	SULTANATE OF OMAN	99.70	328.34	3.96
87	SUDAN	96.00	253.07	3.06
88	AZERBAIJAN	91.45	189.03	2.30
89	IRELAND	77.98	288.15	3.48
90	EL SALVADOR	67.08	183.03	2.20
91	TANZANIA	62.74	194.92	2.35
92	FRENCH POLYNESIA	61.70	177.18	2.14
93	KOSOVO	61.18	119.25	1.44
94	CHAD	50.73	106.53	1.28
95	ANGOLA	50.41	125.07	1.52
96	PHILIPPINES	46.81	69.28	0.84
97	BHUTAN	46.33	190.65	2.31
98	SLOVAKIA	39.00	83.12	1.00
99	HONG KONG	30.01	118.94	1.43

Sl. No.	Name of the Country	Quantity (Tonnes)	Value (₹Lakhs)	Value ($ Lakhs)
100	EQUATORIAL GUINEA	26.52	60.17	0.73
101	MALDIVES	22.37	55.23	0.67
102	CENTRAL AFRICAN	20.54	71.11	0.85
103	LUXEMBOURG	19.30	140.38	1.69
104	MOLDOVA	12.44	46.64	0.57
105	MAURITIUS	10.16	25.90	0.31
106	BAHRAIN	10.02	50.12	0.61
107	TAJIKISTAN	9.10	25.37	0.31
108	FIJI	8.96	21.28	0.26
109	MADAGASCAR	0.34	0.63	0.01
110	COMOROS	0.31	0.97	0.01
111	SEYCHELLES	0.30	2.27	0.03
112	BRUNEI DARUSSALAM	0.29	1.53	0.02
113	HONDURAS	0.27	1.28	0.02
	TOTAL	**383653**	**1038004**	**12540**

Note: Quantity in Green Bean Equivalent. *Based on export permit issued

Country wise details of Re-Exported Coffee during 2023-24*

Sl.No.	Name of the Country	Quantity (Tonnes)	Value (₹Lakhs)	Value ($Lakhs)
1	RUSSIAN FEDERATION	19786.59	48667.11	588.55
2	POLAND	11835.82	27310.42	330.02
3	MALAYSIA	10684.72	19984.91	241.15
4	TURKEY	9233.67	18780.70	226.63
5	UNITED KINGDOM	5161.11	17293.67	209.07
6	UNITED ARAB EMIRATES	4680.58	11773.76	141.97
7	U.S.A.	4049.38	18531.07	223.55
8	ITALY	3775.60	8484.16	102.39
9	UKRAINE	3748.96	7750.81	93.62
10	BANGLADESH	2224.85	6093.83	73.57
11	VIETNAM	2094.40	3818.71	46.08
12	INDONESIA	2088.45	4277.76	51.20
13	SENEGAL	1947.14	6430.64	77.56
14	TAIWAN	1847.15	3720.10	44.94
15	GHANA	1804.44	6346.69	76.49
16	SWITZERLAND	1647.65	6480.43	78.40
17	LEBANON	1317.77	2103.23	25.39
18	NETHERLANDS	1305.43	3214.57	38.89
19	GERMANY	1212.78	2487.99	30.11
20	MAURITANIA	1135.85	3705.88	44.69
21	FINLAND	1103.91	2570.91	31.18
22	BELGIUM	1064.83	2563.48	31.01
23	IRAQ	972.68	2475.84	29.82

Sl.No.	Name of the Country	Quantity (Tonnes)	Value (₹Lakhs)	Value ($Lakhs)
24	JORDAN	931.89	1500.36	18.15
25	TUNISIA	926.17	1897.96	22.88
26	GEORGIA	908.44	2106.71	25.48
27	MEXICO	842.40	1612.65	19.54
28	SAUDI ARABIA	842.02	2444.83	29.44
29	SPAIN	763.93	1932.96	23.33
30	AUSTRALIA	751.21	2296.64	27.75
31	CONGO	723.95	1974.18	23.83
32	TOGO	687.03	1958.94	23.69
33	ROMANIA	672.83	1618.16	19.53
34	MALI	608.36	1439.65	17.33
35	NIGERIA	562.71	1385.18	16.70
36	GUINEA	466.98	1747.07	21.08
37	JAPAN	397.95	1245.84	15.06
38	THAILAND	389.48	929.93	11.23
39	UZBEKISTAN	358.42	766.66	9.27
40	KOREA REPUBLIC OF S	350.74	878.97	10.62
41	IVORY COAST	318.19	989.24	11.79
42	GREECE	301.60	657.83	7.92
43	CHINA,PEOPLE'S R/O	244.27	585.06	7.07
44	CAMEROON	241.70	647.08	7.83
45	FRANCE	209.04	583.06	7.08
46	NIGER	206.39	519.84	6.31
47	GAMBIA	205.40	745.62	8.99
48	MYANMAR	194.74	411.05	4.97
49	ARMENIA	192.76	494.35	6.00
50	KENYA	187.57	420.19	5.09
51	LATVIA	179.71	497.98	6.03
52	ALGERIA	158.26	389.77	4.70
53	CYPRUS	155.37	378.24	4.58
54	PERU	138.93	616.22	7.42
55	SOUTH AFRICA	126.86	367.46	4.44
56	CZECH REPUBLIC	110.50	223.50	2.70
57	NEPAL	101.14	287.46	3.47
58	BENIN	95.00	249.30	3.02
59	LIBYA	91.48	326.46	3.97
60	AZERBAIJAN	91.45	189.03	2.30
61	IRAN,ISLAMIC R/O	91.00	205.27	2.48
62	KAZAKHSTAN	72.17	150.96	1.82
63	EL SALVADOR	67.08	183.03	2.20
64	CROATIA	66.46	151.67	1.83
65	EGYPT	52.05	118.11	1.42
66	SRI LANKA	48.58	111.81	1.35
67	ISRAEL	47.81	149.47	1.81
68	PHILIPPINES	46.80	69.15	0.83
69	BURKINA FASO	45.12	107.31	1.29

Sl.No.	Name of the Country	Quantity (Tonnes)	Value (₹Lakhs)	Value ($Lakhs)
70	IRELAND	44.93	181.13	2.18
71	KOSOVO	41.18	78.12	0.94
72	TANZANIA	37.44	113.84	1.37
73	BULGARIA	36.62	99.08	1.20
74	ANGOLA	33.77	69.11	0.83
75	SINGAPORE	27.34	62.38	0.75
76	EQUATORIAL GUINEA	26.52	60.17	0.73
77	GABON	24.24	56.11	0.68
78	CENTRAL AFRICAN	20.54	71.11	0.85
79	NEW ZEALAND	20.28	64.88	0.78
80	SLOVAKIA	19.50	43.05	0.52
81	CANADA	17.00	55.20	0.66
82	MAURITIUS	10.16	25.90	0.31
83	TURKMENISTAN	9.67	21.64	0.26
84	MALDIVES	1.95	3.56	0.04
	TOTAL	**110367**	**274434**	**3314**

Note: Quantity in Green Bean Equivalent. *Based on export permit issued

Top 10 Coffee Exporters during 2023-24*
(Both Indian & Re-Exported Coffee)

Sl.No.	Name of the Exporter	Quantity in Tonnes	Value (₹Lakhs)	Value ($Lakhs)
1	CCL PRODUCTS INDIA LTD	40223.33	118996.72	1437.02
2	VIDYA HERBS PRIVATE LIMITED	31715.33	80414.38	970.93
3	OLAM FOOD INGREDIENTS INDIA PRIVATE LTD	25982.06	77617.76	938.13
4	NKG INDIA COFFEE PRIVATE LIMITED	23619.34	67814.43	819.86
5	INDUS COFFEE PRIVATE LIMITED	22031.47	51197.30	618.54
6	ALLANASONS PRIVATE LIMITED	21476.57	64559.57	780.34
7	TATA COFFEE LTD	17015.24	45873.28	554.81
8	LOUIS DREYFUS COMPANY INDIA PVT LTD	16343.30	47433.96	573.85
9	SUCDEN COFFEE INDIA PRIVATE LIMITED	15267.30	41375.73	499.33
10	ECOM COMMODITIES INDIA PRIVATE LIMITED	14894.10	41086.29	497.21
11	OTHERS	155084.59	401634.87	4850.36
	TOTAL	**383653**	**1038004**	**12540**

Note: Quantity in Green Bean Equivalent. *Based on export permit issued

Category wise Coffee Exports during 2023-2024*
(Both Indian & Re-Exported Coffee)

Sl.No.	Category of Coffee	Quantity in Tonnes	Value (₹Lakhs)	Value ($Lakhs)
1	Green Coffee (Excluding Green Specialty Coffee)	218935	608486	7354
2	Green Specialty Coffee	16788	59723	721
3	Soluble, Roasted & Ground Coffee	147929	369796	4465
	TOTAL	**383653**	**1038004**	**12540**

Note: Quantity in Green Bean Equivalent

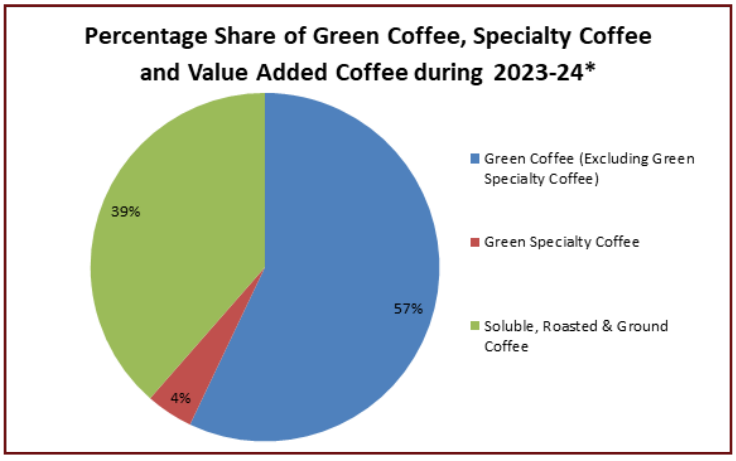

*Based on export permit issued

Export promotion scheme - Providing Transit/Freight Assistance for Coffee Exports

The export promotion scheme for providing Transit/Freight assistance for Coffee Exports during Medium Term Framework (MTF) period is implemented w.e.f 13.07.2018 as per the modalities Notification No.MAR/EXPORTS/MTF/2018-19/499 dated 13.07.2018 and the same is hosted on Coffee Board's website. The objective of the scheme is to maximize export earnings by enhancing the market share of value-added Coffees by India Brand building and high value differentiated Coffees in important high value far off destinations.

Scale of Transit/Freight Assistance

i) ₹2/- per kg. for the export of High Value Green Coffees to far off high value markets viz., U.S.A., Canada, Japan, Australia, New Zealand, South Korea, Finland and Norway.

ii) ₹3/- per Kg. for export of Value Added Coffees in retail consumer packs exported as 'India Brand', calculated on the Green Coffee utilized for its manufacture/preparation at the rate of maximum of 2.6 kg for Instant/Soluble Coffee and 1.19 kgs for Roasted Coffee seeds and R & G Coffees.

The Export Incentives disbursed during 2023-24 are as follows.

Sl.No.	Components	Quantity in Tonnes	Amount in ₹Lakhs
1	Incentive extended for export of High Value Green Coffee to far off markets at ₹2/-Kg	13791	276
2	Incentive extended for export of Value Added Coffee in retail packs as India Brand at ₹3/-Kg	10760	323
	TOTAL	**24551**	**599**

Note: Quantity in Green Bean Equivalent

Logos for Branding of Indian Coffee

Coffees of India - Mother Logo

Coffees of India- Export Logo

Coffee Board of India continued to promote the export of value added Coffees as India Brand and to strengthen the identity of Indian Coffee through Coffees of India logos depicting Indian Coffee as shade grown, sustainable and scintillating. This symbolically describes the fact that Indian Coffee is shade grown and Coffee growing regions in India are one of the 25 bio-diversity hotspots of the world and also highlights the diversity of Coffees grown in India.

Export Promotion

Coffee Board is undertaking various export promotional activities like participating in Coffee centric trade fairs/ expos, Buyer Seller Meets (BSMs) and Reverse Buyer Seller Meets (RBSMs), organizing Coffee tasting sessions, collaboration with Indian embassies and foreign associations in major Coffee importing countries, brand building and promotional campaigns through digital media, providing Gourmet Coffee Gift Boxes etc. During the year, Coffee Board has participated in a total of five physical programme and organised a virtual business network meet as detailed below:

Sl.No.	Name of the Event	Place/Country	Period
1	Melbourne International Coffee Expo with Buyer Seller Meet	Melbourne, Australia	August 17-19, 2023
2	World Food Moscow	Moscow, Russia	September 19-22, 2023
3	Host Milano	Milan, Italy	October 13-17, 2023
4	Seoul Cafe Show with Buyer Seller Meet	Seoul, South Korea	November 08-11, 2023
5	Gulfood 2024 with Buyer Seller Meet	Dubai, U A E	February 19-23, 2024
	Coffee Board in collaboration with the Embassy of India, Bangkok, Thailand, organised a Virtual Business Network Meet during the month of May, 2023.		

*****

CHAPTER - VIII

MARKET RESEARCH & INTELLIGENCE

The Market Research & Intelligence Unit of the Coffee Board dealt with the following assignments during 2023-24.

- ❖ The Unit continued to collect and compiled daily market information (both global and India) related to prices, supply, demand and other fundamental and technical factors that are important for market analysis. The same was disseminated to the industry as well as to the Government. During the year 2023-24, a total of 216 daily market reports were generated and disseminated.
- ❖ Daily e-mail information service giving daily market analysis was continued during the period. The facility was extended to the growers via extension department and posted on the website www.coffeeboard.gov.in .
- ❖ The Unit published a comprehensive 'Database on Coffee' covering Indian and global detail Coffee statistics which is very useful for policy makers and stakeholders.
- ❖ Crop production estimations were carried out using stratified random sampling techniques across different category of holdings and Coffee zones/regions for the season 2023-24.
  - Post-Blossom estimate for 2023-24 was placed at 3,74,200 MT (Arabica 1,13,000 MT and Robusta 2,61,200 MT).
  - Crop Production estimate for 2023-24 was placed at 3,60,500 MT (Arabica 1,01,500 MT and Robusta 2,59,000 MT).
- ❖ The Unit rendered economic and analytical support on WTO and Trade policy matters related to Coffee. The Unit has analysed & prepared the tariff/ non-tariff related issues and Product Specific Rules for Coffee under Free Trade Agreements and same has been submitted to the Ministry.
- ❖ The activities of the Export Section were coordinated by the unit.
- ❖ The Unit has involved in organizing an incubation programme 'VIKRAYAM' to create a platform for the Coffee growers and entrepreneurs for the direct exports without many intermediaries.
- ❖ The Unit involved in estimation of establishment cost for both Arabica and Robusta Coffee and same has been submitted to National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD) for the fixation of Unit Costs.

❖ In order to increase the domestic pure Coffee consumption and for the premiumization of Indian high-quality Coffees, Coffee Board launched premium Coffees under 'India Coffee- Taste Nature', 'Coffees of India' and 'India Coffee-Heritage' brands in e-commerce platforms. The Unit has co-ordinated these activities.

❖ The Coffee Board has submitted the Common Branding and Marketing proposal under branding & marketing component of the Pradhan Mantri Formalisation of Micro Food Processing Enterprises scheme (PMFME) for the total budget of ₹57,21,700 under PMFME Scheme through Karnataka State Agricultural Produce Processing & Export Corporation Limited (KAPPEC) for the branding and marking of regional and GI Coffees under 'India Coffee' brand. In this connection, the Ministry of Food Processing, Government of India accorded the approval for the proposal with the grant of ₹28,60,850 (As per the PMFME guidelines 50% of the total budget is grant in aid for Branding and Marketing component under PMFME scheme) and rest of the amount ₹28,60,850 to be borne by the Coffee Board. The unit has prepared and submitted the aforementioned proposal to the Ministry of Food Processing Industries, Government of India.

❖ The Unit carried market research study on 'domestic Coffee consumption trends 2023'.

- In order to publish fair study report on domestic Coffee consumption trends, Coffee Board has initiated a study during 2023 by constituting committee involving stakeholders of Coffee value chain. The key objectives of the study is to estimate the consumption of Coffee in India and its share among the beverages consumed. Apart from this, the study also aimed at understanding key Coffee consumption habits and behavioural patterns to identify potential opportunities for growth. The study was carried out by selecting a Market Research agency, M/s.CRISIL.

  The key findings of the report are:

- The study estimates overall Coffee consumption at 91,000 MT green bean equivalent (GBE) in 2023, up from 84,000 tonne in 2012, which is mainly attributed to increased consumption at home, with higher penetration of instant Coffee, and higher consumption out of home, in cafés across the country.

- Among the regions, the south dominates Indian Coffee consumption landscape, with 75-80% of the total consumption being concentrated in the region.

  However, with increased awareness and penetration by retail Coffee brands in diverse geographies, other

regions have shown increased Coffee penetration compared with a decade ago.

- As for the urban-rural split, the urban areas still have majority share of Coffee consumption, driven by increased regular Coffee intake as well as café chains expanding their reach in metros, Tier-1 and Tier-2 cities.
- In terms of key Coffee consumption habits, there has been a shift from traditional roast and ground (R&G) Coffee to instant Coffee, with close to 65% of total consumption being instant Coffee. This is mainly due to affordability and hassle-free making associated with instant Coffee.
- The report also covers key Coffee habits in detail, such as timing of consumption, spend on Coffee, purchase habits, etc.

❖ Coffee Board has developed and launched an integrated One Stop Mobile App '*India Coffee App*' for providing all the services, products and information to the stakeholders in Coffee sector on single platform. '*India Coffee App*' extends research and development services *viz.,* seed Coffee supply, traps, lures & bio-control agents to combat the Coffee pests, customized advisories, soil sample analysis, export facilitation, quality analysis etc., to all the stakeholders in the Coffee sector. The services in the App also enable efficient, timely customized advisory of best agricultural practices, alerts on prices, pest & disease management to the farmers by leveraging existing mobile reach to boost the production and productivity. The Unit has coordinated the activities pertaining to the development of '*India Coffee App*'.

❖ The European Commission has proposed for Regulation on the trade of certain commodities and products associated with deforestation and forest degradation and repealing Regulation (EU) No. 995/2010. The new European Union (EU) regulation, which comes into effect from 30th December 2024 (or 30th June 2025 for micro or small businesses), requires Coffee exporters to produce a due diligence statement proving their Coffees are not contributing to the deforestation/ forest degradation. The new European Union Deforestation-free Regulation (EUDR) under consideration will apply to Coffee and its products also. European Union is the major destination for India's Coffee exports with the share of about 55% of India's total Coffee exports. In order to ensure 'deforestation-free' products from entering the European market, the proposed regulation establishes mandatory due diligence procedures to be carried out by traders and other market operators including small Coffee growers. In order to make 'Indian Coffee' EUDR compliant, Coffee Board has undertaken the following measures;

- The Coffee Board has entrusted a study to Indian Institute of Plantation Management (IIPM) to examine the implications of the EUDR and suggest practical solutions to comply with EUDR.
- Coffee Board organized an interactive consultation meeting on EUDR with Coffee Stakeholders at IIPM Campus, Bengaluru on 29.11.2023. The interactive session comprised of Officers from Coffee Board, IIPM faculty, Officers from Indian Space Research Organization (ISRO), Karnataka State Remote Sensing Applications Centre (KSRSAC), start up's specialized in developing product traceability mobile Apps and Coffee stakeholders to discuss the trade implications of EUDR on Coffee and means to implement the action plan *viz.,* capturing polygons/ geolocations for the Individual estates along with the traceability mechanism to make Indian Coffee EUDR Compliant. Further regular consultations were held with the stakeholders and the technology service providers.
- The Coffee Board is working on developing a mechanism in 'India Coffee App' to capture the Polygons/ Geolocations using GPS coordinates of Coffee estate boundaries together with product traceability for ensuring the deforestation-free Coffee value chains.
- The Unit has coordinated all the above listed activities to make Indian Coffee EUDR compliant.

❖ The Unit provided weekly estimated indicator prices for all the grades of Coffee to domestic auction centre, Indian Coffee Trade Association (ICTA).

❖ The Unit has co-ordinated the implementation of e-Office in Coffee Board Head Office.

❖ The Unit continued to be involved in the maintenance of the Coffee Board's official website, www.coffeeboard.gov.in.

*****

CHAPTER - IX

ACCOUNTS AND FINANCE

The Accounts and Finance Department of the Coffee Board has the following functions.

- Drawing up Budget Estimates and allocation of budget to various departments of the Board.
- Liaison with the Finance Division of the Ministry of Commerce for release of funds etc.
- Compilation and maintenance of accounts of the various departments of the Board
- Exercising effective control over cash and other financial transaction of the Board, so as to ensure cost efficient deployment of resources.
- Rendering advice on all matters having financial implications.
- Conducting Internal Audit of the offices of the Board
- Dealing with pending issues of pool Marketing like sales tax, payments etc.

The Board's accounts have been prepared in three sets *viz.* Receipts and payments, Income and Expenditure and Balance Sheet. Details of Grants-in-aid received from Government of India during the year 2023-2024 and the provisional expenditure under each head of accounts is given below:

(₹ in Crores)

HEAD OF GRANT	Grants Received	Expenditure Incurred
Grants-in-aid-General (ONER)	21.75	21.75
Creation of Capital Assets – Plan (ONER)	2.00	2.00
Subsidies (ONER) Plantation	43.70	43.70
Subsidies – S.C.Sub – Plan	3.30	3.30
Subsidies – Tribal Area Sub Plan	12.09	12.09
Swachhata Action Plan - SAP	1.00	1.00
Creation of Capital Assets - NER	0.50	0.50
Subsidies - NER	4.61	4.61
Grants-in-aid-General - NER	2.25	2.25
Grants –in-aid - Salary	126.50	142.79
Grants – in-aid- General	8.50	8.50
TOTAL	**226.20**	**242.49**

The excess expenditure was met out of IEBR of Coffee Board

Pension

The Pension Corpus of ₹24.61 Crore (₹24,61,31,000/-) has been deposited as of 31.03.2024 in Nationalized Banks for earning interest. Total interest earned during the year was ₹1.76 Crore (₹1,76,79,551/-) Pension payments to 2747 pensioners and pensionary benefits to those who retired during the Financial Year 2023-24 have been paid.

There are 178 employees in New Pension Scheme as of 31.03.2024 who joined the services of the Coffee Board after 01.01.2004

Provident Fund

During the year, a sum of ₹6.04 Crore (₹6,04,86,200/-) has been received as Provident Fund Subscription and a sum of ₹8.38 Crore (₹8,38,88,650/-) has been disbursed as partial final withdrawals and final settlement of PF Surplus fund of ₹29.0 Crore has been deposited in various nationalized Banks as per Coffee Act, 1942 and earned an Interest of ₹2.46 Crore (₹2,46,18,029/-) during the year.

Pool Fund

During the Coffee Pooling era, Pool Fund was raised from sale of Coffee pooled by the planters and the Board was responsible for marketing the pooled Coffee and made payments to the planters. This activity involved maintenance of establishment for propaganda for promotion of Coffee and for marketing of Coffee internal and international consumption.

In 1995, the Board decided de-pooling of Coffee which necessitated voluntary retirement of surplus staff engaged for pooling activities. Accordingly, the retirement benefits and the ex-gratia were met out of the Pool Fund and amount outstanding was transferred to Corpus Fund for utilization for payment of pension to the retired employees. The surplus pool fund of ₹9.41 Crore has been deposited in State Bank of India, Tipu Sultan Palace Road Branch, Bengaluru.

*****

ABBREVIATIONS

AAU	Association of Agricultural Undertaking
AIC	Atal Incubation Centre
AIM	Atal Innovation Mission
Ar./Arab.	Arabica
APFDC	Andhra Pradesh Forest Development Corporation Ltd.
BCRL	Bio-Control Research Laboratories
BE	Budget Estimates
BIS	Bureau of Indian Standards
BLAST	Basic Local Alignment Search Tool
BSM	Buyer Seller Meet
Bt	*Bacillus thuringiencis*
B2B	Business to Business
CAG	The Comptroller & Auditor General
CBB	Coffee Berry Borer
CCRI	Central Coffee Research Institute
cDNA	Complementary Deoxyribonucleic Acid
CDRP	Coffee Debt Relief Package
CED	Centre for Entrepreneurship Development
CEO	Chief Executive Officer
CFC	Common Fund for Commodities
CHRS	College of Horticulture & Research Station
Chy.	Cherry
CIAE	Central Institute of Agricultural Engineering
CIS	Career Improvement Scheme
CLR	Coffee Leaf Rust
CQI	Coffee Quality Institute

CxR	Congensis x Robusta
CRISIL	Credit Rating Information Services of India Ltd.
CRSS	Coffee Research Sub Station
CST	Central Sales Tax
CWSB	Coffee White Stem Borer
D C	Deputy Commissioner
DGFT	Director General of Foreign Trade
DBT	Department of Biotechnology
DNA	Deoxyribonucleic Acid
Dy.	Deputy
EAD	Electro antennographic Detection
EC	Emulsifying Concentration
EFC	Expenditure Finance Committee
EU	European Union
EUDR	European Union Deforestation-free Regulation
FAO	Food and Agriculture Organisation
FPO	Farmer's Production Organisation
FSSAI	Food Safety and Standards Authority of India
FY	Financial Year
FYM	Farm Yard Manure
GAS	Giant African Snail
GBE	Green Bean Equivalent
GI	Geographical Indication
GKVK	Gandhi Krishi Vigyana Kendra
GPS	Global Positioning System
Govt.	Government
GST	Goods and Services Tax
Ha.	Hectare

HAL	Hindustan Aeronautics Limited
HDT	Hybrido-De-Timor
HO	Head Office
HORECA	Hotel, Restaurant and Cafe/Catering
IAP	Internal Audit Party
IAS	Indian Administrative Service
IARI	Indian Agricultural Research Institute
ICAR	Indian Council of Agricultural Research
ICC	India Coffee Centre
ICD	India Coffee Depot
ICDP	Integrated Coffee Development Programme
ICE	Intercontinental Exchange
ICH	India Coffee House
ICO	International Coffee Organisation
ICTA	Indian Coffee Trade Association
IDAS	Indian Defence Accounts Service
i.e.	that is (*id est*)
IEBR	Internal and Extra Budgetary Resources
IGAU	Indira Gandhi Agricultural University
IICF	India International Coffee Festival
IIHR	Indian Institute of Horticultural Research
IIPM	Indian Institute of Plantation Management
ILO	International Labour Organisation
IMLVT	International Multi-Location Variety Trial
IOFS	Indian Ordnance Factories Service
IPM	Integrated Pest Management
IPR	Intellectual Property Rights

ISRO	Indian Space Research Organisation
ISTRAC	ISRO Telemetry Tracking & Command Network
ITDA	Integrated Tribal Development Agency
ITPO	India Trade Promotion Organisation
IVRS	Interactive Voice Response System
JISL	Jain Irrigation Systems Ltd.
KAPPEC	Karnataka State Agricultural Produce Processing & Export Corporation Ltd.
KGST Dept.	Kerala Government Sales Tax Department
Kg.	Kilogram
KSRSAC	Karnataka State Remote Sensing Application Centre
KYK	Know Your Kaapi
lb.	Pound (*libra*)
LCMS-MS	Liquid Chromatography Mass Spectrometry - Mass Spectrometry
MACP	Modified Assured Career Progression
MD	Managing Director
MFCS	Modified Flexible Complementing Scheme
MON.	Monsooned
MT	Metric Tonne
MTF	Medium Term Framework
MTS	Multi Tasking Staff
MUTV	Multi Utility Tractor Vehicle
NABARD	National Bank for Agriculture & Rural Development
NABL	National Accreditation Board for Testing & Calibration Laboratories
NBAIR	National Bureau of Agriculture Insect Resources
NBC	National Barista Championship
NBPGR	National Bureau of Plant Genetic Resources
NER	North East Region

NLAC	National Latte Art Championship
NPK	Nitrogen, Phosphorus, Potassium
NTA	Non Traditional Area
ONER	Other than North Eastern Region
PB	Pay Band
PCR	Polymerase Chain Reaction
PF	Provident Fund
pH	Potential of Hydrogen
PMFME	Pradhan Mantri Formalisation of Micro Food Processing Enterprises
PPV & FRA	Protection of Plant Varieties & Farmers' Rights Authority
PUC	Pre-University Course
PwBD	Personnel with Benchmark Disabilities
RBSM	Reverse Buyer Seller Meet
RCMC	Registration cum Membership Certificate
RCRS	Regional Coffee Research Station
R & D	Research & Development
R & G	Roast & Ground
RNA	Ribonucleic Acid
Rob.	Robusta
RRSC	Regional Remote Sensing Centre
RTI	Right to Information
SC	Scheduled Caste
SCAI	Specialty Coffee Association of India
SCoT	Start codon targeted
SHB	Shot Hole Borer
SHG	Self Help Group
Sln.	Selection

SMES	Small and Medium Enterprises
SRAP	Sequence Related Amplified Polymorphism
SSH	Suppression Subtractive Hybridisation
SSLC	Secondary School Leaving Certificate
ST	Scheduled Tribe
STAT	Sales Tax Appellate Tribunal
STD	Solar Tunnel Dryer
TEC	Technology Evaluation Centre
TIES	Trade Infrastructure Exports Scheme
TNAU	Tamil Nadu Agricultural University
UAE	United Arab Emirates
UCAI	United Coffee Association of India
UNIDO	United Nations Industrial Development Organisation
UPASI	The United Planters' Association of Southern India
UR	Unreserved
USA	United States of America
viz.	Namely (*videlicet*)
WA	Writ Appeal
WBC	World Barista Championship
WCC	World Coffee Conference
WCR	World Coffee Research
w.e.f.	with effect from
WSB	White Stem Borer
WTO	World Trade Organisation

***

REGIONAL COFFEES

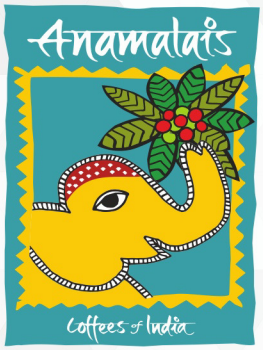

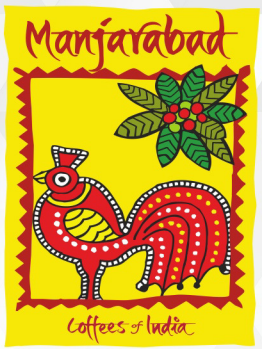

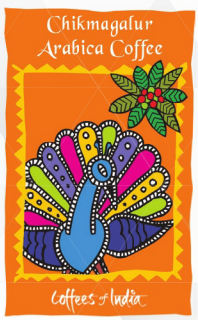

कॉफ़ी बोर्ड
Coffee Board

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Commerce & Industry, Govt. of India

सं.1, डॉ.बी.आर.आम्बेडकर वीथी, बेंगलूरु - 560 001, भारत
No. 1, Dr. B.R. Ambedkar Veedhi, Bengaluru - 560 001, India

दूरभाष/ Ph. +91-80-2225 0250, फैक्स/Fax: +91-80-2225 5557
वेबसाइट/ Website :www.coffeeboard.gov.in